# राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त

अंक 1] सप्तम् विधान सभा के प्रथम सत्र का सातवां दिवस [संख्या 5



बृहस्पतिवार,
दिनांक 10 जुलाई, 1980

विधान सभा की बैठक म० पू० 11.00 बजे विधान सभा भवन, जयपुर में प्रारम्भ हुई।

(श्री पूनमचन्द विश्नोई, अध्यक्ष, पदासीन)

तारांकित प्रश्नोत्तर

**श्री अध्यक्ष** : प्रश्न। श्री खेतसिंह राठोड़।

**निगमों, संघों तथा मण्डलों के अध्यक्ष पदों पर नियुक्तियां**

24. **श्री श्रीराम गोटेवाला** (किशन पोल) [श्री खेतसिंह राठोड़ (शेरगढ़) की अनुपस्थिति में] : क्या मुख्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे :—

क्या यह सही है कि राज्य के सभी कारपोरेशन, संघों तथा बोर्डों के अध्यक्ष पदों पर राज्य सरकार के अधिकारी लगे हुए हैं? यदि हां, तो क्या गैर सरकारी व्यक्तियों को उनके स्थान पर मनोनीत किया जायेगा?

**उप मंत्री** (श्री रामपाल उपाध्याय) : वर्तमान में राज्य में एक को छोड़ कर सभी कारपोरेशन व सभी संघों में राज्य सरकार के अधिकारी अध्यक्ष के पद पर कार्य कर रहे हैं। बोर्ड्स में 9 सरकारी और 6 गैर सरकारी अध्यक्ष कार्यरत हैं।

इस संस्थाओं में गैर सरकारी अध्यक्ष नियुक्त करने के सम्बन्ध में राज्य सरकार विचार करके निर्णय लेगी।

**श्री श्रीराम गोटेवाला** : ये कौन-कौन से हैं साहब, नाम बता दें?

**श्री रामपाल उपाध्याय** : एक तो वित्त निगम में श्री आर. डी. ठाकुर साहब हैं, ये गैर सरकारी हैं। वैसे ये रिटायर्ड आई. ए. एस. हैं।

**श्री श्रीराम गोटेवाला** : क्या सरकार यह महसूस करती है कि निगमों में अध्यक्ष पद पर सरकारी अधिकारी नियुक्त किए हुए हैं वे सरकार की जो नीति है उस नीति को पूर्ण रूप से क्रियान्वित करने में पूरी रुचि नहीं ले रहे हैं?

**श्री रामपाल उपाध्याय** : यह सारा मामला सरकार के विचाराधीन है।

**श्री श्रीराम गोटेवाला** : सरकार के विचाराधीन क्या है? मैंने जो निवेदन उसका उत्तर मैं आपसे चाह रहा हूं।

**श्री अध्यक्ष** : वेग प्रश्न है।

**श्री श्रीराम गोटेवाला** : मेरा वेग प्रश्न नहीं है। सप्लीमेंट्री जो है वह बिल्कुल क्लियर सप्लीमेंट्री है। मैं यह जानना चाहता हूं, क्या सरकार यह महसूस करती है कि कार-

(श्री श्रीराम गोटेवाला)

पोरेशन्स, निगमों में जो अध्यक्ष बने हुए हैं वे सरकारी नीतियों को सही ढंग से क्रियान्वित नहीं कर पा रहे हैं ?

**मुख्य मंत्री (श्री जगन्नाथ पहाड़िया)** : सरकार अभी जल्दबाजी में फैसला करने के पक्ष में बिल्कुल नहीं है इसलिए सरकारी नीति का पालन कर रहे हैं या नहीं कर रहे हैं यह तय नहीं हो सकता। इसमें कुछ समय लगेगा।

**श्री अध्यक्ष** : अगला प्रश्न।

**श्री श्रीराम गोटेवाला** : माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे बहुत जरूरी प्रश्न करना है। रोडवेज कारपोरेशन की बात नहीं कर रहा हूं, मैं जानना चाहता हूं कि प्राइवेट बस आपरेटर की जो हड़ताल हो चुकी है उसके बारे में क्या मन्त्री महोदय फैसला करेंगे और यह बात तय करेंगे कि उनकी रेट बढ़ा दी जानी चाहिए। रोडवेज कारपोरेशन ने सरकार के फैसले को नहीं माना और जो प्राइवेट बस आपरेटर है उनकी हड़ताल चल रही है।

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : सरकार इस पर विचार करेगी।

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, आप विषयान्तर हो गये।

**श्री श्रीराम गोटेवाला** : नहीं साहब, मैं विषय पर हूं। एक एक बस पर दो-दो सौ सवारियां चढ़ाई जाती है। रोडवेज कारपोरेशन ने अपनी गाड़ियां रद्द कर दी खुद कारपोरेशन आज 2करोड़ के घाटे में रन कर रहा है इसलिये खुद अपनी रेट्स बढ़ा देता है लेकिन जो मामूली सुविधा देने की बात है वह नहीं दी जाती। सरकार तो चाहती है कि रेट्स घटा दे पर कारपोरेशन के अध्यक्ष वगैरह, जो सरकारी है, सरकार की बात मानते नहीं हैं. मंत्रियों के आदेशों को रद्दी की टोकरी में डाल देते हैं। इसलिये मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार अपनी नीतियों को क्रियान्वित करने के लिये कुछ करेगी ? क्योंकि हमने इन सारी बातों के बारे में वायदे किये है जनता से। इसलिये मै जानना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जो इन कारपोरेशन में अपनी नीति को क्रियान्वित करवाने के लिये क्या ऐसे अध्यक्ष को मनोनीत करने का इरादा रखते हैं जो कि कांग्रेस की जो नीतियां है उनको क्रियान्वित करने में सक्रिय सहयोग दें।

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : एक तो माननीय सदस्य ने कहा कि सरकार के आदेशों की पालना न कर कर्मचारी रद्दी की टोकरी में डाल देते हैं। तो सरकार को यह मालूम है कि क्या आदेश दिये जाते हैं, किस आदेश की पालना करवानी चाहिये और—

**एक माननीय सदस्य** : और किसकी नहीं।

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : जी हां, यह सरकार जानती हैं। मैं माननीय सदस्य को निवेदन करना चाहता हूं कि सरकारी कर्मचारी अपना वहम निकाल चुके हैं। जो नहीं निकाल चुके है उनका वहम भी बहुत जल्द निकल जायेगा कई बार जो एक राय माननीय सदस्य जाहिर करते है उसी पर दूसरे सदस्य राय जाहिर कर देते है। वह सब देखने के लिये थोड़ा समय चाहिये। हम जानबूझ कर ढील दे रहे हैं जिससे हम देख सकें कि किसका क्या रुख है। जब तक हम देख न लें, हम जल्दबाजी में कदम नहीं उठाना चाहते। हमारा इरादा कोई पक्षपात पूर्ण रवैया रखने का नहीं है। किसी बदले की भावना से कार्यवाही न हो

(श्री जगन्नाथ पहाड़िया)

जाय, इसको ध्यान में रखने के लिये ही समय ले रहे हैं। दूसरी बात उन्होंने कही कि सरकारी नीति में कांग्रेस की नीति की पालना के लिये क्या हो रहा है तो मैं निवेदन कर चुका हूं कि पार्टी की नीति सरकार के रूप में प्रवृत्त होती है सदन में। सदन में जो नीति आयेगी वैसी ही कार्यवाही होगी।

**श्री अध्यक्ष** : राज बहादुर।

**श्री राजबहादुर** (भरतपुर) : श्रीमान, क्या सरकार सदन को आश्वस्त करेगी कि जो नियुक्तियां इन पदों पर हो वह योग्यता क्षमता, दक्षता और अनुभव के आधार पर होंगी उसमें कोई पोलिटिकल फेवरटिज्म नहीं होगा ?

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : यह मैं पहले ही निवेदन कर चुका हूं।

(व्यवधान)

**श्री श्रीराम गोटेवाला**: जैसा वित्त निगम के लिये कहा, मैं जानना चाहता हूं खादी बोर्ड की क्या स्थिति है ?

**श्री जगनान्थ पहाड़िया** : यह प्रश्न बोर्ड के बारे में है। इसके लिये हमको समय चाहिये।

**श्री अध्यक्ष** : अगला प्रश्न। श्री श्रीराम गोटेवाला

**जयपुर नगर में हत्याओं व गुण्डागर्दी में वृद्धि**

25. **श्री श्रीराम गोटेवाला** (किशनपोल, जयपुर) : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :—

(1) गत एक वर्ष में जयपुर शहर में कितनी हत्याएं हुई हैं ? पुलिस द्वारा इनमें से कितनी हत्याओं के अपराधियों को पकड़ा है तथा कितनों का पता नहीं चल सका है ? पूर्ण विवरण सदन की मेज पर रखने की कृपा करें।

(5) क्या सरकार जयपुर शहर में निरन्तर बढ़ती हुई गुण्डागर्दी व हत्याओं को रोकने के लिये कोई विशेष व्यवस्था करने का विचार रखती है? यदि हां, तो क्या एवं नहीं, तो क्यों ?

**उप मंत्री गृह** (श्री रामपाल उपाध्याय): गत एक वर्ष माह जुलाई, 79 से जून, 80 की अवधि में 33 हत्याओं के अभियोग पंजीबद्ध हुए हैं। इनमें से 13 मामलों में अपराधियों का पता लगा कर चालान प्रस्तुत कर दिये गये हैं। 7 मामलों में फाइनल रिपोर्ट अदम वकुआ अदम सबूत पता के कारण दी गई है। 13 मामले अन्वेषणाधीन हैं जिनमें अपराधियों के पता लगाने के प्रयास जारी है लेकिन आज इनमें से भी 3 में गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

(2) नगर में अपराधों एवं असामाजिक तत्वों पर नियत्रण रखने हेतु प्रमुख स्थानों पर पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। गुण्डा तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जा रही है। नगर में नये थाने सृजित किये जाकर पुलिस फोर्स में वृद्धि की गई है।

**श्री श्रीराम गोटेवाला** : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं एक तो यह जानना चाहता हूं कि 33 हत्याओं में 13 का पता लगा और 7 में फाइनल रिपोर्ट दी गई तो वह क्या दी गई ? हत्याएं नहीं हुई या क्या हुआ ?

**श्री रामपाल उपाध्याय** : उत्तर दे दिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं बहुत स्पष्ट निवेदन कर चुका हूं कि अदम वकुआ और अदम सबूत...

(4)



**श्री श्रीराम गोटेवाला:** यह प्रथम बकुग्रा फाइनल रिपोर्ट किसमें दी और प्रथम सबूत किसमें दी ?

दूसरे मैं यह जानना चाहता था कि पांच हत्याओं के बारे में तो में पर्सनली जानता हूं। सुरेश जोशी की हत्या हुई, कस्टम कलेक्टर दास गुप्ता की हत्या हुई। ऐसी हत्या जयपुर के 30 वर्ष के इतिहास में नहीं हुई। एक हत्या कपड़े के व्यापारी की हुई। एक पुलिस मैन की हत्या हुई। एक पुलिस मैन की एक जेबकतरे को पकड़ते हुए हत्या हुई। इस प्रकार ये सारे के सारे राज्य कर्मचारी, केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी, व्यापारी इन सारे वर्गों के व्यक्तियों की हत्या हुई। श्री भैरोंसिंह जी ने यह रिकार्ड कायम किया कि उनमें से एक को भी नहीं पकड़ा गया। जो विगत वर्षों में हत्याएं हुई, उन की आगे जांच की सरकार कार्यवाही कर रही है? यह सरकार इस प्रकार की स्थितियों को कैसे सुलटाना चाहती है, मै यह जानना चाहता हूं ? पिछले वर्ष में कस्टम कलेक्टर की हत्या हुई, उसके सम्बन्ध में सरकार आगे क्या जांच की कार्यवाही कर रही है ? हिन्दुस्तान के अखबारों में यह छपा है कि बहुत सारे राजनीतिक लोगों और तस्करों का इन सारी हत्याओं में हाथ था, मुख्यत: दास गुप्ता कलेक्टर की हत्या के अन्दर।

**श्री जगन्नाथ पहाडिया:** श्रीमान समाचार पत्रों में जो समाचार छपे वे भी हमारे ध्यान में है। माननीय सदस्य ने जो विचार जाहिर किये वे भी हमारे ध्यान में है। हो सकता है इन मामलों में कोई तथ्य हो, लेकिन इसकी जांच पड़ताल हमारे आने से पहले शुरू हो चुकी है। अगर माननीय सदस्य आवश्यक समझते हैं तो हम दुबारा जांच करा सकते हैं। एक बात और निवेदन करना चाहता हूं। माननीय अध्यक्ष महोदय इन सब बातों को सुन कर या अखबारों में पढ़ कर सरकार कोई विचार नहीं बनाना चाहती है जब तक तथ्यों की जांच दुबारा न कर लें।

**श्री अध्यक्ष:** अगला प्रश्न।

**श्री श्रीराम गोटेवाला:** मुझे यह जानकारी करनी है, अध्यक्ष महोदय.......

**श्री अध्यक्ष:** आप यदि विस्तृत जानकारी चाहते हैं तो अलग से मन्त्री महोदय से जानकारी कर लें।

**श्री श्रीराम गोटेवाला:** माननीय अध्यक्ष महोदय मेरा प्रश्न बहुत क्लियर है। मैंने हत्याओं की जांच के बारे में पूछा है। मैं आपसे निवेदन करूं, एक कस्टम कलेक्टर की हत्या हुई, एक व्यापारी की हत्या हुई। मैं भूतपूर्व सरकार के ऊपर यह आरोप लगाता हूं कि जान-बूझ कर इन सारी हत्याओं के अपराधियों को पकड़ने के अंदर कोताई बरती। बृक वयोवृद्ध पत्रकार नारायण चतुर्वेदी की सरे आम राजनैतिक हत्या हुई। राजनैतिक दवाब के आगे झुक कर इन हत्याओं के अपराधियों को नहीं पकड़ा गया।

**श्री अध्यक्ष:** इन प्रश्नों को अलग से उठायें।

अगला प्रश्न।

**श्री श्रीराम गोटेवाला:** माननीय मुख्य मंत्री जी कोई आश्वासन देने की स्थिति में है जो एक राजनैतिक, एक पत्रकार और एक कलेक्टर की हत्या हुई उनके बारे में ? उसकी जांच करवाने में क्या परेशानी है ?

**श्री अध्यक्ष** : अन्य तरीके से प्रश्न करें।

**एक माननीय सदस्य** : सरकार को इस बारे में आश्वासन देना चाहिए कि जांच करवाई जायेगी।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** - आर्डर प्लीज। कृपया स्थान ग्रहण करें।

**श्री गोविन्दसिंह** (नसीराबाद) : इस विषय में यह बताया गया है कि कुछ हत्याओं के मामले में अदम बकुआ फाइनल रिपोर्ट हुई है। यह गम्भीर मामला है। कोई भी हत्या अदम वकुआ नहीं होती है। इसलिए जिन हत्याओं के मामले में फाइनल रिपोर्ट अदम वकुआ हुई हैं, उनकी दुबारा जांच कराई जाये।

(व्यवधान)

**श्री गोपाल पचेरवाल** (पाटन) : माननीय मुख्य मंत्री यह बताने की कृपा करें कि हत्याओं की जो संख्या दी गई है क्या वह जून, 80 तक की दी गई है या उनमें 17 फरवरी से जून 80 तक जो हत्यायें हुई हैं, वह भी सम्मिलित हैं।

**श्री अध्यक्ष** : इसमें जो तारीख दी गई है, उसी के अनुसार उत्तर दिया गया है।

**श्री गोपाल पचेरवाल** : इसमें तारीख नहीं गत वर्ष दिया हुआ है। मैं जनवरी से आज तक ........

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : गत वर्ष से इनका तात्पर्य माह जुलाई, 79 से जून, 80 के बीच से है।

**श्री गोपाल पचेरवाल** : माननीय अध्यक्ष महोदय, 17 फरवरी से जून, 80 तक कितनी हत्यायें हुई हैं ?

**श्री अध्यक्ष** : अगला प्रश्न।

(व्यवधान)

**श्री प्रद्युम्नसिंह** (राजाखेड़ा) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या दास गुप्ता, कस्टम कलेक्टर की हत्या के केस को समाप्त कर दिया गया है या अण्डर इनवेस्टिगेशन चल रहा है ?

**मुख्य मन्त्री** (श्री जगन्नाथ पहाड़िया): श्रीमान्, माननीय सदस्य को शायद इस बात की जानकारी है कि दास गुप्ता, कस्टम कलेक्टर की हत्या की जांच सी. बी. आई. के द्वारा कराई जा रही है।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री गोपाल पचेरवाल** : 17 फरवरी से जून तक कितनी हत्यायें हुई है ?

**श्री अध्यक्ष** : क्या यह सूचना उपलब्ध है ? अभी उपलब्ध नहीं है, अलग से पूछें। अगला प्रश्न।

(व्यवधान)

श्री कटारिया।

**श्री गुलाबचन्द कटारिया** (उदयपुर) : यह प्रश्न बहुत स्पष्ट है। एक वर्ष की अवधि दी है। पूरे वर्ष में 33 हत्यायें हुई हैं। इन तारीखों में कितनी हत्यायें हुई, क्या इतनी डिटेल भी प्रश्न के साथ मुख्य मंत्री नहीं रख सकते।

**श्री अध्यक्ष** : हमने पूछ लिया। उनके पास ये सूचना उपलब्ध नहीं है।

**श्री गुलाबचन्द कटारिया** : अध्यक्ष महोदय, फिर सप्लीमेन्ट्री का क्या मतलब हुआ ? जितनी बातें यहां पूछें, उनका उत्तर हां, ना में देते हैं, उसके आगे पीछे कुछ नहीं। उसकी तारीख भी नहीं .......

(व्यवधान)

6



(श्री गुलाबचन्द कटारिया)

अध्यक्ष महोदय, जैसा प्रश्न में सबमिट किया, ग्राप तारीख दें। एक वर्ष में 33 हत्यायें बताई, कौनसी सीमा तक बताई ?

**श्री अध्यक्ष** : ग्राप विस्तार के अन्दर चाहते हैं। विस्तार में उनके पास जानकारी नहीं है।

(व्यवधान)

अलग से पूछ लीजिये। अगला प्रश्न। माननीय सदस्य। आर्डर प्लीज। कृपया शांत रहें अगला प्रश्न।

(व्यवधान)

स्थान ग्रहण करें। अगला प्रश्न आने दीजिये। आर्डर-आर्डर।

**श्री भंवरलाल शर्मा** (हवा महल) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि अगर इसका उत्तर न दे सकें तो यह बता दें कि हर महीने में कितनी कितनी हत्यायें हुई है ?

**श्री अध्यक्ष** : विस्तृत जानकारी पूछना प्रश्नकर्ता के ऊपर था, उन्होंने नहीं पूछा है। आर्डर प्लीज।

**श्री गोपाल पचेरवाल** : यह तो बता दें कि 17 फरवरी,80 से जून 80 तक कितनी हत्यायें हुई हैं ?

(व्यवधान)

**श्री दाऊदयाल जोशी** (दीगोद) : मंत्री महोदय के पास जानकारी नहीं है तो गृह सचिव बैठे है। उनसे जानकारी प्राप्त कर सदन को जानकारी देनी चाहिये।

(व्यवधान)

**श्री गोपाल पचेरवाल** : हमारे अधिकारों का हनन हो रहा है। हमारे अधिकारों की आप रक्षा न करेंगे तो यह गलत होगा। ये तो हमारे साथ अन्याय होगा।

**श्री अध्यक्ष** : अगला प्रश्न। प्रश्न सं. 26। माननीय सदस्य।

**श्रीमती उजला अरोड़ा** (जयपुर ग्रामीण): माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रश्न का उत्तर पूरा नहीं आया है। आप इसको स्थगित कर सकते हैं।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : प्रश्न सं० 26।

**कई माननीय सदस्य** : इस वक्त जो मौजूदा सरकार है, वह कुछ नहीं कर रही है।

**श्री श्रीराम गोटेवाला** : सारा ढांचा आप बिगाड़ कर गये हैं।

**श्री गोपाल पचेरवाल** : ये जनता पार्टी के राज के समय की हत्यायें नहीं हैं। ये कांग्रेस शासन की हैं।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : अंकित न हो।

**श्री गोपाल पचेरवाल** : × × ×

**श्री अध्यक्ष** : अगला प्रश्न।

**भावी शिक्षा नीति**

26. **श्री खेतसिंह राठौड़** (शेरगढ़) : क्या शिक्षा मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) नई सरकार की शिक्षा नीति क्या रहेगी ? क्या 10+2 शिक्षा नीति को कार्यान्वित किया जायगा ?

(2) नये हायर सैकण्डरी स्कूल व नये कालेज किस माप दण्ड के आधार पर खोले जावेंगे ?

---

× × × माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार अंकित नहीं किया गया।

**शिक्षा मन्त्री (श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर)** : (1) राज्य सरकार की नीति प्राथमिक शिक्षा को सार्वजनिक बनाने की है। 10+2 शिक्षा प्रणाली क्रियान्वित करने पर पुनर्विचार करने के बाद ही निर्णय लिया जावेगा।

(2) वित्तीय कठिनाई के कारण इस वर्ष नये हायर सैकण्डरी स्कूल तथा कालेज खोलने की अभी कोई सम्भावना नहीं है।

**कई माननीय सदस्य** : शेम ! शेम !

**श्री दाऊदयाल जोशी** : शिक्षा मन्त्रीजी को क्या यह याद नहीं है कि जुलाई से सत्र प्रारम्भ हो रहा है। यह सरकार के लिए कितना लज्जाजनक है।

**श्री अहमद बख्श सिंधी** (जोधपुर) : हम फर्जी स्कूल नहीं खोलते हैं।

**श्री भगवानदास शास्त्री** (अजमेर, पश्चिम) : शिक्षा मन्त्री महोदय, क्या राजकीय विद्यालयों को क्रमोन्नत किया जाएगा ?

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज। माननीय सदस्य ने पूरक प्रश्न पूछा है, उसका उत्तर आने दीजिए।

(व्यवधान)

**श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर** : गये साल जितना प्रावधान था, उस सरकार ने उसकी अवहेलना करके गलती की।

(व्यवधान)

**श्री ललित किशोर चतुर्वेदी** (कोटा): यह विकास है। यह विकास है।

(व्यवधान)

**श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर** : कितने बढ़ा कर गये हैं, इस पर विचार किया जा रहा है। यदि किसी विभाग का राजनैतिक दृष्टिकोण से दुरुपयोग किया जाये तो मेरा खयाल है यह गलत है। यह उचित नहीं होगा। कितने सैकण्डरी और हायर सैकण्डरी स्कूल खोले जायेंगे, इसके लिए बजट के आंकड़े आयेंगे। मैंने इसके लिए मना नहीं किया है। छात्रों की संख्या देख कर विचार किया जाएगा।

**श्री अध्यक्ष** : श्री रामसिंह विश्नोई।

**श्री रामसिंह विश्नोई** (लूणी) : अध्यक्ष महोदय, जो राजनैतिक भावना से स्कूल खोले गये हैं, क्या वहां पर बच्चों की संख्या नहीं है।

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री गुलाबचन्द कटारिया** : अध्यक्ष महोदय, क्या मन्त्री महोदय यह बतायेंगे कि सैकन्डरी के बाद ग्यारहवीं कक्षा नहीं होने से हर स्थान पर ग्यारहवीं कक्षा में भीड़ है। हर एक जगह इसी के कारण परेशानी है।

**श्री अध्यक्ष**: अलग प्रश्न है।

**श्री गुलाबचन्द कटारिया** : आप क्या सोचते हैं, वह बतायें।

**श्रीमती उजला अरोड़ा** : मेरे क्षेत्र में भानुपर कलां, जैतपुरा आदि से जो बच्चे आते हैं उनको जयपुर के स्कूलों में नहीं लेते हैं। जयपुर शहर के बच्चों को ही लेंगे। गांवों के बच्चों को नहीं लेंगे।

**श्री अध्यक्ष**: आर्डर प्लीज। श्री रामसिंह

**श्री रामसिंह विश्नोई** : मैं मन्त्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस शासन

(8)



(श्री रामसिंह विश्नोई)

के समय जो स्कूल खोले गये थे, जनता पार्टी के शासन के समय उनको बन्द किया गया। उनके बजाय राजनैतिक भावना से स्कूल खोले गये हैं। वहां भवन भी उपलब्ध नहीं है। क्या सरकार इस पर पुनर्विचार करेगी ?

**श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर** : जो राजनैतिक दृष्टि से विद्यालय खोले गये हैं। जिनका कोई आधार नहीं है, छात्रों की संख्या नहीं है, ऐसे विद्यालयों के बारे में सरकार को विचार करना होगा।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष**: माननीय सदस्य।

**एक माननीय सदस्य** : जिन स्कूलों को खोलने की कांग्रेस सरकार ने घोषणा की थी वह जनता सरकार ने नहीं खोले। क्या सरकार का उनको वापिस खोलने का विचार है।

**श्री अध्यक्ष** : अलग से प्रश्न है।

(व्यवधान)

आर्डर प्लीज।

**एक माननीय सदस्य** : क्या सरकार उन स्कूलों को वापिस खोलने का विचार रखती है ? जहां पर मकान हैं, विद्यार्थियों को परेशानी हो रही है वहां स्कूल खोलने के बारे में क्या सरकार विचार करेगी ?

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, यह अलग से प्रश्न है।

**श्री प्रद्युम्नसिंह** : माननीय मन्त्री महोदय से मैं यह पूछना चाहता हूं, 1977 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने जिन स्कूलों को खोलने की घोषणा की थी, आदेश निकाल दिये थे, उन स्कूलों को क्या जनता पार्टी की सरकार ने आकर नहीं खोला और दूसरी जगहों पर खोल दिये।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : सरकार के लिये अभी उत्तर देना सम्भव नहीं है।

(व्यवधान)

आर्डर आर्डर। कृपया स्थान ग्रहण करें।

**श्री जनार्दनसिंह गहलोत** (करौली) : अध्यक्ष महोदय, राजाखेड़ा से आने वाले माननीय सदस्य ने अभी पूछा है, राजस्थान भर में स्कूल खोले गए थे तो राजस्थान सरकार ने 1977 में जिन स्कूलों को खोलने की घोषणा की थी क्या राजस्थान सरकार उन स्कूलों को दुबारा खोलने का विचार करेगी ?

**श्री अध्यक्ष**: इस प्रश्न में थोड़ा सा संशोधन करके फिर एक प्रश्न मैं पूछ लेता हूं।

(व्यवधान)

आर्डर प्लीज।

1977 में कांग्रेस सरकार ने जिन स्कूलों को खोलने की घोषणा की थी उनको जनता सरकार ने बन्द कर दिया था। इसके सम्बन्ध में आपकी क्या नीति है ?

**श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर** : अध्यक्ष महोदय, 1977 में कांग्रेस सरकार ने जिन स्कूलों को खोलने के आदेश दिये थे, जिनको राजनैतिक बदले की भावना से जनता सरकार ने बन्द कर दिया था, उन स्कूलों को खोलने के लिये नये स्कूल खोलने के समय विचार किया जाएगा ?

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर, आर्डर। माननीय सदस्य सी. पी. जोशी।

**श्री सी. पी. जोशी** . (नाथद्वारा) : 10 + 2 योजना के अन्तर्गत कितने स्कूल चलते हैं ? क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे ?

**श्री ललितकिशोर चतुर्वेदी** : अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री महोदय ने प्रश्न का उत्तर देते समय कहा है कि उसके सम्बन्ध में प्रश्न पूछना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि 1977 में जो कांग्रेस सरकार ने घोषणा की थी उसको कार्यान्वित नहीं करके दूसरी जगहों पर स्कूल खोले गये। मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि उस समय सरकार ने जिन नीतियों की घोषणा की थी क्या सरकार उनको क्रियान्वित करने की इच्छा रखती है ?

**श्री अध्यक्ष** : अगला प्रश्न।

(व्यवधान)

**श्रीमती विद्या पाठक** (सांगानेर): अध्यक्ष महोदय, प्रश्न 26 के दूसरे भाग के सम्बन्ध में प्रश्न पूछना चाहती हूं।

आपने अभी तक स्कूलों की संख्या निर्धारित नहीं की है, जब कि करीब-करीब एक टैस्ट होने वाला है यह बताने की कृपा करें कि आप कब तक स्कूल खोल पायेंगे ?

दूसरी बात आप 1977 के पहले और बाद की कर रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि बदले की भावना की शिक्षा-नीति शुरू करने वाले हैं। यह भी आप इस प्रकार चलने वाले हैं, इसके लिए अध्यक्ष महोदय, आपका सरक्षण चाहेंगे कि राजनीतिक बदले की भावना से इस तरह की कार्यवाही नहीं होनी चाहिए।

**श्री जयकृष्ण शर्मा** (रामगढ़) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या जो सांगानेर से आई हैं, ने उपदेश दिया है। लोक सभा के चुनाव से पहले, नवम्बर और दिसम्बर में स्कूल खोले गये हैं, मैं नाम बता सकता हूं।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री हनुमानप्रसाद प्रभाकर** : माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे ख्याल से 18 तारीख को सरकार बनी है, उसके बाद हमने प्राथमिक स्कूल, मिडिल स्कूल, हाई स्कूल, खोलने का आधार तय किया है, इसी आधार पर विचार करने की दृष्टि से समय लगना आवश्यक है। हम जनता पार्टी की सरकार की तरह से राजनीतिक आधार पर स्कूल नहीं खोलना चाहते। हम स्थान और लोगों की आवश्यकता और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए स्कूल खोलेंगे। गत वर्ष नवम्बर तक स्कूल खोले गये हैं और माननीय सदस्या चाहती हैं कि आज घोषणा कर दी जाय। इस में समय तो लगेगा।

(व्यवधान)

दूसरी बात जो माननीय सदस्या ने कही कि पहला टेस्ट होने वाला है। उसके बारे मे निवेदन है कि शायद माननीय सदस्या को शिक्षा कलेण्डर का ज्ञान नहीं है। वह यह तिथि बता दें कि कब स्कूल प्रारम्भ हुए हैं? मेरा निवेदन है कि अभी स्कूल प्रारम्भ हुए हैं। जितना जल्दी हो सकेगा इस बारे में निर्णय लिया जायगा। मैं इतना विश्वास दिलाता हूं कि जनता पार्टी की सरकार ने स्कूल में जो देरी की उससे पहले हमारा निर्णय होगा।

(व्यवधान)

(10)



**एक माननीय सदस्य :** अध्यक्ष महोदय, महोदय, जितने भी स्कूल खोले गये हैं उनमें अध्यापकों की व्यवस्था नहीं है। सारे स्कूल डुंडदंग बने हुए हैं उनमें अध्यापक कब लगाये जावेंगे ?

**श्री अध्यक्ष :** अलग से प्रश्न है। अगला प्रश्न।

### औषधालयों एवं प्राथमिक चिकित्सालयों का श्रेणीकरण

27. **श्री सूरजपालसिंह** (भीनमाल) : क्या चिकित्सा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

क्या यह सही है कि राजस्थान में चिकित्सा विभाग में औषधालयों एवं प्राथमिक चिकित्सालयों का श्रेणीकरण किया गया है? अगर हां, तो क्या डाक्टरों की नियुक्तियां एवं स्थानान्तरण वर्गीकरण के अनुसार किया जाता है ? अगर नहीं, तो क्यों ? क्या ऐसा करने से ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र दोनों को अच्छे डाक्टरों की सेवायें उपलब्ध हो सकेंगी ?

**स्वास्थ्य मंत्री (श्री बद्रीप्रसाद गुप्ता):** जी हां, वर्गीकरण किया गया है। इस वर्गीकरण के अनुसार डाक्टरों का पदस्थापन किया जाता है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अच्छे डाक्टरों की सेवायें उपलब्ध हैं। औषधालय तीन श्रेणी के हैं, उनमें दो श्रेणी के वैद्यों को लगाया जाता है।

**श्री रतनाराम चौधरी** (रानीवाड़ा) : अध्यक्ष महोदय, जालौर में चार छः महीने से जिला स्वास्थ्य अधिकारी की जगह खाली है उस पर एक अनभिज्ञ और अनजान महिला डाक्टर काम कर रही है। स्वास्थ्य मन्त्री को पद की पूर्ति करने के लिये कहा है, इसकी पूर्ति जल्दी की जाय।

**श्री बद्रीप्रसाद गुप्ता :** इसकी पूर्ति जल्दी से जल्दी की जायेगी।

**श्री माधवसिंह दीवान** (सोजत): अध्यक्ष महोदय, कई डाक्टर ऐसे हैं जिनका अपाइन्टमेन्ट भी शहर में ही हुआ और रिटायर भी हुआ तो शहर में ही।

**श्री बद्रीप्रसाद गुप्ता :** अध्यक्ष महोदय, वर्गीकरण इस तरह का है, सी. ए. एस. डाक्टर, उसके बाद जूनियर स्पेशलिस्ट और सीनियर स्पेशलिस्ट होते हैं। जो सीनियर डाक्टर होते हैं उनकी सेवायें आम तौर पर बड़े अस्पतालों को उपलब्ध कराई जाती हैं। ए बी सी डी के आधार पर उसका वर्गीकरण किया जाता है।

(व्यवधान)

**श्री सूरजपालसिंह :** अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री महोदय ने जूनियर स्पेशलिस्ट और सीनियर स्पेशलिस्ट की बात कही, मैं यह पूछना चाहता हूं कि राजस्थान में कितने प्राइमरी हैल्थ सेन्टर्स हैं ? उनमें जो पोस्टिंग की जाती है वह किस आधार पर की जाती है ? कई जगह जूनियर डाक्टर के अण्डर में सीनियर डाक्टर काम कर रहे हैं जिससे फस्ट्रेशन होता है और सही तरीके से पी. एच. सी. का काम नहीं चलता है। क्या मन्त्री महोदय इसका उत्तर देंगे ?

**श्री बद्रीप्रसाद गुप्ता :** अध्यक्ष महोदय, इस तरह की कुछ शिकायतें प्राप्त हुई हैं उनको डिपार्टमेन्ट देख रहा है। शीघ्र ही इस समस्या का समाधान निकाला जायगा।

**श्री सूरजपालसिंह :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय से यह निवेदन करना चाहूंगा कि

(श्री सूरजपालसिंह)

21 22जूनियर स्पेशलिस्ट और सीनियर स्पेशलिस्टकी बात अभी माननीय मन्त्री महोदय ने कही, आज जो डाक्टर बीस साल से जोधपुर में बैठे हुए है, वे जालौर, सिरोही, बांसवाड़ा या दूसरे स्थानों पर नहीं जा रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में अच्छे डाक्टरों की सेवायें उपलब्ध नहीं की जाती हैं केवल उनको जोधपुर, जयपुर और उदयपुर जैसे बड़े-बड़े शहरो में ही लगाया जाता है।

**श्री बद्रीप्रसाद गुप्ता :** अध्यक्ष महोदय, आवश्यकतानुसार उनका तबादला भी किया जाता है।

**श्री सूरजपालसिंह :** मन्त्री महोदय, जो डाक्टर्स बीस साल से एक ही जगह बैठे हुए हैं क्या उनका स्थानान्तरण करेंगे ?

**श्री मोहनलाल मोदी (नीमकाथाना) :** क्या ग्रामीण जनता को अच्छे डाक्टरों की सेवायें उपलब्ध कराई जायेंगी ?

**श्री सी॰ पी. जोशी :** अध्यक्ष महोदय, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और बीकानेर के डाक्टरों का ट्रान्सफर जनता पार्टी के राज में किया गया।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** अलग से प्रश्न है।

**श्री सूरजपालसिंह :** अध्यक्ष महोदय, मेरा स्पष्ट प्रश्न है। शहरी क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध हैं। क्या यह उचित नहीं है कि जो नये डाक्टर आवें उनको पहले ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा करने के बाद ही जयपुर, जोधपुर या अन्य किसी बड़े नगर में लगाया जाय उससे पहले नहीं ? कई डाक्टर राजनीतिक आधार पर या किसी अप्रोच की वजह से जयपुर, जोधपुर या बड़े शहरों में पोस्टिंग करा लेते हैं। उन्होंने कभी गांवों के अन्दर सेवायें नहीं दीं। ऐसे भी डाक्टर हैं जो बीस साल से एक ही स्थान पर बैठे हुए हैं, क्या यह सही नहीं है ?

**श्री अध्यक्ष :** आर्डर प्लीज, मंत्री महोदय इस प्रश्न का उत्तर दें।

**श्री बद्री प्रसाद गुप्ता :** शिकायतें इस प्रकार की आई हैं, सरकार उनको देख रही है।

**श्री अध्यक्ष :** अगला प्रश्न। श्री जीत मल जैन।

**अलवर में लेलेन्ड ट्रक के कारखाने की स्थापना**

28. **श्री जीत मल जैन (अलवर) :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:--

(1) क्या लेलेन्ड उद्योग के व्यवस्थापकों एवं राजस्थान सरकार के बीच लेलेन्ड ट्रकों का कारखाना अलवर में स्थापित किये जाने का समझौता हुआ है ?

(2) अगर हां, तो क्या इस सम्बन्ध में आवश्यक आदेश व लाइसेन्स जारी कर दिये गये हैं ?

**उप-मंत्री, उद्योग (श्री अब्दुल रहमान चौधरी) :** (1) जी नहीं। ऐसा कोई लिखित अनुबंध नहीं हुआ है।

(2) जी नहीं।

**श्री जीत मल जैन :** माननीय अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी बतायेंगे कि भारत सरकार ने उसके लिए लाइसेन्स जारी कर दिया है ?

**श्री अब्दुल रहमान चौधरी** : नहीं किया है।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** (नेता प्रतिपक्ष) : क्या भारत सरकार से लेटर आफ इन्टेन्ट मिल गया है ?

**श्री अब्दुल रहमान चौधरी** : जी नहीं।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : क्या यह सही है कि राज्य सरकार ने और खास तौर से मुख्य मंत्री जी ने प्रेस वक्तव्य में यह बात कही है कि हमें लेटर आफ इन्टेन्ट मिल गया है और उसके बाद में मुख्य मंत्री जी ने अपने वक्तव्य में यह भी कहा है कि मैं स्वयं प्रधान मंत्री जी से मिला और उनके आदेशानुसार आज ही लाइसेन्स दे दिया गया है ?

**मुख्य मंत्री** (श्री जगन्नाथ पहाड़िया) : माननीय सदस्य ने जो जानकारी दी है, उसमें थोड़ा सा फर्क है। मैंने कहा था कि फैसला ले लिया है।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : किस बात का फैसला ? लेटर आफ इन्टेन्ट इश्यू करने का या लाइसेन्स इश्यू करने का ?

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : राजस्थान में लेलेन्ड कारखाना लगाने का।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : क्या यह सही है कि लेलेन्ड का कारखाना अलवर में लगाया जाये, इस तरह की कम्पनी की मांग है ?

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : जी हां, उनके पत्र में यह लिखा है ?

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : क्या यह बात सही है कि मुख्य मंत्री जी ने इस बात को स्वीकार नहीं किया ?

**कई माननीय सदस्य** : वह भरतपुर चाहते हैं।

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : क्योंकि विरोधी दल के नेता ने भरतपुर को छोड़ दिया था इसलिए हम भी भरतपुर में नहीं लगायें, ऐसा नहीं हो सकता। हम वहां भी कारखाने लगायेंगे।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : इसमें हमें आपत्ति नहीं है। कारखाना अलवर में लगना चाहिए मुख्य मंत्रीजी ने इस बात को स्वीकार नहीं किया।

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : अभी तक हमें लेलैन्ड कम्पनी का कोई अधिकार नहीं मिला है।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : मेरे इस प्रश्न का उत्तर दें। क्या यह सही है कि माननीय मुख्य मंत्री जी की नीयत इस कारखाने को अलवर में लगाने की नहीं है ?

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : श्रीमन, मैं कल भी निवेदन कर चुका हूं। मेरी और मेरी सरकार की नीयत का आप अन्दाजा न लगायें, हमारा एक्शन देखें।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : आप कोई कारखाना अलवर में लगाये या भरतपुर में मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज, माननीय सदस्य, हाथ से इशारा नहीं करें।

अगला प्रश्न।

**श्रीमती उजला अरोड़ा** : यह प्रश्न तो पूरा हुआ नहीं ....

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्रीमती उजला अरोड़ा** : आखिर आप हमें सुनने की क्षमता रखें ।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत:** अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने अपने भाषण में जो बात कही है, वह पढ़ कर सुनाता हूं, "एक प्रमुख ट्रक चैसिस बनाने की कम्पनी द्वारा राज्य में 12,500 वाणिज्यिक वाहनों का उत्पादन करने का प्रस्ताव है ।" मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि कम्पनी के प्रस्ताव में अलवर में यह कारखाना लगाया जाये, इस प्रकार की मांग है ?

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : जी हां ।

**श्री अध्यक्ष** : अगला प्रश्न ।

**मद्यनिषेध से होने वाले घाटे की क्षतिपूर्ति**

29. **श्री बाऊदयाल जोशी** (दीगोद): क्या आबकारी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या केन्द्रीय सरकार ने नशाबन्दी से होने वाले राज्य सरकार के घाटे की क्षतिपूर्ति हेतु राज्य सरकार को धनराशि प्रदान कर दी है ? यदि हां, तो कितनी राशि कौन सी तारीख को राज्य कोष में जमा हुई?

(2) क्या यह मिली धनराशि केन्द्र ने शराबबन्दी नीति घोषित करने के समय जितनी धनराशि देने का विश्वास दिलवाया उसी अनुसार दी है या कम ? यदि कम राशि दी गयी, तो क्यों ? राज्य सरकार ने क्या इसके सम्बन्ध में केन्द्र सरकार से पत्र-व्यवहार किया है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

**उप मंत्री, आबकारी** (श्री राम पाल उपाध्याय): (1) वर्ष 1978-79 व 1979 80 में क्रमश: रुपये 55.60 लाख व रु. 5. 53 करोड़ की धनराशि भारत सरकार से तदर्थ रूप से प्राप्त हुई । यह राशि मार्च, 79 व मार्च 80 को राज्य खाते में जमा हुई ।

(2) उक्त समस्त राशि तदर्थ रूप से प्राप्त हुई है । इस संबंध में भारत सरकार एवं महालेखाकार से पत्र व्यवहार चल रहा है'

**श्री अध्यक्ष**: अगला प्रश्न । श्री नाथूसिंह ।

**राज्य मंत्री परिषद**

30. **श्री नाथूसिंह** (बांदीकुई): क्या मुख्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) दिनांक 6 जून, 1980 से 17 जून, 1980 तक राजस्थान में क्या कोई मन्त्रि परिषद थी ?

(2) यदि नहीं, तो राज्यपाल को राजस्थान की शासन व्यवस्था चलाने के लिए मन्त्रि परिषद की ओर से दी जाने वाली सलाह किसके द्वारा दी गयी थी ?

**मुख्य मंत्री** (श्री जगन्नाथ पहाड़िया) :

(1) जी हां ।

(2) प्रश्न ही नहीं उठता ।

**श्री नाथूसिंह** : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस प्रश्न के उत्तर में यह कहा है कि दिनांक 6 जून, 80 से 17 जून, 80 तक राजस्थान में मन्त्रि परिषद थी । मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि मन्त्रि परिषद के सदस्यों के नाम क्या थे ?

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : श्रीमन्, मन्त्री परिषद में केवल मुख्य मंत्री था। इससे पहले कि माननीय सदस्य और कुछ प्रश्न पूछें मैं जानकारी के लिए यह बता देना चाहूंगा कि राजस्थान में इस तरह से पहले भी हो चुका है । इसके अलावा विरोधी दल के नेता जहां से पहले आते थे, उस राज्य का नाम मध्य-प्रदेश है, वहां भी ऐसा हो चुका है । अन्य राज्यों में भी ऐसा हुआ इसकी जानकारी हम प्राप्त कर रहे हैं ।

(१४)



(श्री जगन्नाथ पहाड़िया)

दूसरे जनरल क्लाजिज एक्ट, 1897 बाई श्री वी. डी. महाजन में पार्लियामेंट्री सिस्टम सम्बन्धी निर्णय दिया गया है। इसके पेज 350 की पहली लाइन में खुलासा किया गया है: —

"Council of Ministers :

"Words in the singular shall include the plural, and *vice versa*."

और इसकी चर्चा आज ही नहीं रही, यह मामला आज से पहले भी उठाया जा चुका है। जब मैंने शपथ ली थी उस समय केन्द्रीय कानून मंत्री से हमने चर्चा की कि क्या मुख्य मंत्री अकेला शपथ ग्रहण कर सकता है? उसकी कौंसिल ग्राफ मिनिस्टर्स होती है या नहीं, इस बात पर बहुत विस्तार से चर्चा करने के बाद इस नतीजे पर पहुंचे कि मुख्य मंत्री कौंसिल ग्राफ मिनिस्टर्स की शपथ ले सकता है।

**श्री अध्यक्ष** : अगला प्रश्न।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : क्या यह सही है कि मुख्य मंत्री जी ने एक आदेश निकाल कर शासन सचिव को मंत्री का कार्य करने का अधिकार प्रदान किया था?

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : श्रीमन्, काम रुका न रहे, राज्य का विकास रुका न रहे, काम होते ही रहें, इस आदेश की वजह से, फैसले की वजह से सरकार के फैसले रुके न रहें, इस सुविधा की दृष्टि से मैंने कुछ समय के लिए ऐसा आदेश जरूर दिया था, लेकिन यह आदेश पूर्व के उदाहरणों पर आधारित था।

**श्री श्रीराम गोटेवाला** : आपने तो सारे अधिकार मीठालाल मेहता को दे रखे थे।

**श्री प्रद्युम्नसिंह** : अध्यक्ष महोदय, मैं एक प्रश्न पूछना चाहता हूं।

क्या यह सही है कि रूल आफ बिजनेस के तहत मुख्य मंत्री और मंत्री को यह अधिकार है कि अपने अधिकारों को सचिव को काम करने के लिए सौंप सकते हैं? विरोधी दल के नेता मुख्य मंत्री जी को उलझाना चाहते हैं...

(व्यवधान)

इस प्रकार का प्रावधान है...

(व्यवधान)

क्या यह सही है कि बिजनेस रूल के तहत इस तरह का आदेश निकालने के लिए मुख्य मंत्री और मंत्री सक्षम हैं? यहां तक कि मंत्री महोदय कोई अधिकार अपने पास लेते हैं, जितने काम हैं, जितनी पावर्स हैं वह सब सैक्रेटरी और डिप्टी सैक्रेटरी को दिये जा सकते हैं।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : अध्यक्ष महोदय, सप्लीमेंट्री प्रश्न का जवाब नहीं आया।

**श्री अध्यक्ष** : मुख्य मन्त्री जी।

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : कृपया अपना प्रश्न दुबारा बोल दीजिये।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : क्या यह सही है कि आपने मुख्य मन्त्री को शपथ लेने के पश्चात आदेश निकाल कर सचिवों को मन्त्रियों के अधिकार दे दिये थे? क्या आपने यह आदेश प्रसारित किये थे, चूंकि मन्त्रि परिषद का गठन नहीं हुआ है इसलिए सचिव लोग जैसे विकास का काम

(श्री भैरोंसिंह शेखावत)

विकास सचिव करेंगे, विधि का कार्य विधि सचिव करेंगे और जितने भी सेक्रेटरी हैं वह अपने स्तर पर ही मन्त्रियों का काम निपटा देंगे।

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : मैंने यह कह कर ऐसे कोई आदेश नहीं निकाले है कि चूंकि मन्त्रि परिषद का गठन नहीं हुआ है इसलिए सचिव लोग मन्त्रियों का काम करेंगे। मैं आपको जो आदेश मैंने निकाले हैं वह पढ़ कर सुना देता हूं।

"In exercise of the powers conferred by rule 21 and 22 of the Rules of Business, the Chief Minister has been pleased to give the following instructions for the disposal of cases in different departments."

So, these are the instructions and I have issued only these instructions and I didn't issue any other instructions.

**श्री नाथूसिंह** : अध्यक्ष महोदय, मेरा दूसरा सप्लीमेंट्री प्रश्न और है। मुझे वह पूछने नहीं दिया गया है। वैसे रूल्स आफ प्रोसीजर के अनुसार यह है कि जो प्रश्न कर्ता हो वह दो सप्लीमेन्ट्री प्रश्न पूछ सकता है। उसके बाद में माननीय सदस्य चाहें तो एक प्रश्न एक माननीय सदस्य पूछ सकते हैं।

**श्री अध्यक्ष** : आप पूछ सकते हैं।

**श्री नाथूसिंह** : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री जी का ध्यान हमारे कान्सटीट्यूशन के आर्टिकल 163 की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। उसमें लिखा है –

"There shall be a Council of Ministers with the Chief Minister at the head to aid and advise the Governor in the exercise of his functions, except in so far as he is by or under this Constitution required to exercise his functions or any of them in his discretion."

इसका तात्पर्य यह है कि There shall be a council of Ministers headed by the chief Minister.

अध्यक्ष महोदय, उस वक्त कौंसिल आफ मिनिस्टर्स थी ही नहीं। इसके साथ में यह भी निवेदन करना चाहता हूं कि जब सदन डिजोल्व हो जाता है तो अध्यक्ष तो रहता है पर हाउस तो पूरा फार्म नहीं होता है।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज। माननीय सदस्य, कृपया शान्त रहे।

**श्री नाथूसिंह** : अध्यक्ष महोदय, जब कौंसिल आफ मिनिस्टर्स थी ही नहीं तो यह कैसे हुआ ?

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, कृपया शान्त रहें। आर्डर आर्डर।

इसका उत्तर दे दिया गया है, माननीय सदस्य, Single includes plural

(व्यवधान)

(श्री अध्यक्ष)

आर्डर, आर्डर प्लीज।

**श्री नाथूसिंह** : अध्यक्ष महोदय, जिस तरह पब्लिक सर्विस कमीशन में चेयरमैन होता है उसके नीचे सदस्य भी होते हैं। उनके बिना पब्लिक सर्विस कमीशन का पूरा गठन कहां होता है?

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, कृपया शान्त रहें। कृपया स्थान ग्रहण करें।

**श्री नाथूसिंह** : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री जी से मेरा आपके माध्यम से कान्सटीट्यूशन के आर्टिकल 163 की ओर ध्यान आकर्षित कर निवेदन है कि दिनांक 6 जून, 1980 से लेकर 17 जून, 1980 तक राजस्थान में कोई सरकार ही नहीं रही। उस दरमियान में जो भी आदेश निकाले गये वह सभी अवैध थे। मैं इसके साथ साथ आपसे यह भी निवेदन करना चाहूंगा कि 6 जून, 80 से 17 जून, 80 के बीच जो भी सरकारी आदेश निकाले गये उसकी सूची सदन के पटल पर रखवाने का कष्ट करें।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर, आर्डर प्लीज।

माननीय सदस्य, इसका उत्तर मुख्य मन्त्री जी द्वारा दे दिया गया है यहां पर कान्स्टीट्यूशन की धाराओं पर विस्तृत रूप से चर्चा नहीं हो सकती है। इस प्रश्न को मैं यहां पर समाप्त करता हूं।

**श्री राजबहादुर** : अध्यक्ष महोदय, मैं भी एक प्रश्न पूछना चाहता हूं। मुझे प्रश्न पूछने की परमीशन देने की कृपा करें।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर, आर्डर प्लीज।

**श्री राजबहादुर** : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने कांस्टीट्यूशन का हवाला दिया और सदन में बहस हुई, पर मेरा तो निवेदन इसमें यह है कि यहां सवाल कांस्टीट्यूशन के इन्टरप्रिटेशन का नहीं है Whether there was a council of ministers is the question. मेरा सवाल है कि क्या उन दिनों कोई मंत्रि परिषद थी? प्रोवीजन यह है:—

"There shall be a Council of Ministers with the Chief Minister at the head to aid and advise the Governor in the exercise of his functions, except in so far as he is by or under this Constitution required to exercise his functions..." सवाल सिंगुलर और प्लूरल का नहीं है। जो मुख्य मंत्री जी ने मध्य प्रदेश और दूसरी जगह का उदाहरण दिया उसका यह मतलब नहीं है। He cannot over-ride the Law and the provision of the Constitution संविधान के इन्टरप्रिटेशन का सवाल नहीं है। सवाल है कि कौंसिल आफ मिनिस्टर्स थी या नहीं? यदि नहीं, थी तो जो आदेश निकाले गये थे वह आदेश कोर्ट में चैलेन्ज किये जा सकते हैं। इसमें निश्चित स्थिति क्या होनी चाहिये यह देखने की बात है। The question is whether any order was passed by the Chief Minister or the Council of Ministers. "The Council of Ministers" is a mandatory provision in the Constitution He is required to function according to the Constitution.

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, इस प्रश्न का उत्तर आ चुका है।

**एक माननीय सदस्य** : प्रश्न यह है कि क्या एक ही व्यक्ति मुख्य मंत्रि मंत्रि परिषद हो सकता है ?

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर, आर्डर प्लीज ।

**श्रीमती उजला अरोड़ा**: अध्यक्ष महोदय, इसका मतलब यह हुआ कि 6 जून, 80 से 17 जून, 80 तक जितने भी काम किये गये सरकार द्वारा वह सभी आदेश अवैध हुए ?

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज। आर्डर, आगे का प्रश्न पूछने दीजिये।

**श्री ललितकिशोर चतुर्वेदी** : अध्यक्ष महोदय, सप्लीमेंट्री प्रश्न पूछने का भी तो हमें अधिकार है।

**श्री अध्यक्ष** : नैक्स्ट । श्री गोपाल पचेरवाल ।

**अध्यापिकाओं को वेतन, यात्रा भत्ता आदि की बकाया का भुगतान**

31. **श्री गोपाल पचेरवाल (पाटन)** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें?

क्या यह सही है कि जिला शिक्षा अधिकारी (महिला) वृत जयपुर के अधीन कार्यरत तृतीय वेतन शृंखला की अध्यापिकाओं से वेतन, यात्रा भत्ता, मेटरनिटी लीव आदि के प्रकरण गत दो वर्षों से बकाया हैं ? यदि हां, तो बकाया की पृथक पृथक सूची सदन की मेज पर रखने की कृपा करें व बतायें कि बकाया के क्या कारण हैं और कब तक उन्हें भुगतान कर दिया जावेगा ?

**शिक्षा मंत्री (श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर)** : अध्यक्ष महोदय, इस प्रश्न को पोस्टपोन करने की कृपा करें।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : प्रश्न पोस्टपोन किया जाता है। अगले सत्र में इसका उत्तर आयेगा।

नैक्स्ट क्वेश्चन ।

(व्यवधान)

आर्डर, आर्डर प्लीज ।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : कृपया स्थान ग्रहण करें। नैक्स्ट क्वेश्चन।

**नाहरी का नाका (जयपुर) क्षेत्र में जे. पी. कालोनी नाम की अनधिकृत बस्ती का निर्माण**

32 **श्री श्रीराम गोटेवाला (किशनपोल बाजार)** : क्या नगर आयोजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

(1) क्या यह सही है कि जयपुर शहर में नगर विकास न्यास की भूमि पर जे.पी. कालोनी के नाम से एवं अनधिकृत बस्ती बसाई गई है ?

(2) क्या यह भी सही है कि इस कालोनी में बसने हेतु कुछ व्यक्तियों ने काफी राशि लोगों से वसूल की एवं अपने आपको समानान्तर नगर विकास न्यास घोषित कर दिया ?

(3) क्या यह सही है कि सब कार्य एक सहकारी समिति के माध्यम से किया गया ? यदि हां, तो सहकारी समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी समिति के सदस्यों की सूची सदन की मेज पर रखने की कृपा करें।

(18)



(श्री श्रीराम गोटेवाला)

(4) क्या यह सही है कि उक्त भूमि जो कि नगर विकास न्यास की थी, पर अवैध कब्जा करने के कारण शास्त्री नगर पुलिस स्टेशन में एक अधिकारी ने रिपोर्ट भी दर्ज करवाई थी ? यदि हां, तो उक्त रिपोर्ट पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी एवं दोषी व्यक्तियों को क्या दण्ड दिया गया ?

**नगर आयोजना मंत्री** (श्री हनुमानप्रसाद प्रभाकर) : (1) नाहरी का नाका क्षेत्र में नगर विकास न्यास जयपुर की भूमि पर अनधिकृत रूप से बस्ती बस गई है जो अपने आपको जे. पी. कोलोनी के नाम से पुकारते हैं।

(2) ऐसे संकेत हैं लेकिन स्पष्ट स्थिति जांच के बाद ही मालूम हो सकती है।

(3) भूमि को समतल कराने का कार्य माधव नगर गृह निर्माण सहकारी समिति के माध्यम से कराया जाना पाया गया। उक्त समिति के पदाधिकारियों की सूची सदन के पटल पर रख दी गई है।

(4) जी हां। पुलिस द्वारा मामला सिविल नेचर का मान कर दिनांक 29-12-78 को एफ.आर. अदम बकुआ दी है।

(सूची के लिये कृपया परिशिष्ट 1 देखें)

**श्री अध्यक्ष** : प्रश्न काल समाप्त हुआ।

**श्री श्रीराम गोटेवाला** : अध्यक्ष महोदय, मुझे प्रश्न पूछना है।

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, कृपया स्थान ग्रहण करें।

**श्री श्रीराम गोटेवाला** : अध्यक्ष महोदय, इसमें लाखों रुपये का घोटाला है।

(व्यवधान)

**श्री दिनेश डांगी** (देसूरी) : अध्यक्ष महोदय, बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न है। इसमें जनता पार्टी के राज्य में लाखों रुपये के घोटाले हुए हैं। इस प्रश्न पर तो सप्लीमेंट्री होनी ही चाहिये।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, कृपया स्थान ग्रहण करें। आर्डर प्लीज। आर्डर। आप सभी लोग बोल रहे हैं। मैं समझता हूं किसी को सुनाई नहीं दे रहा है कृपया शांत रहें।

**श्री माधवसिंह दीवान** : अध्यक्ष महोदय, प्रश्न तो ले लीजिये।

(व्यवधान)

**श्री दाऊदयाल जोशी** : अध्यक्ष महोदय, जिस दिन मुख्य मन्त्रीजी ने शपथ ग्रहण की उसी दिन ब्यावर में बलात्कार काण्ड हुआ।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर, आर्डर प्लीज। आप लोग कुछ तो ध्यान रखिये। कृपया बैठ जाइये। मैं कोई भी प्रश्न अब अलाऊ नहीं करूंगा।

**श्री श्रीराम गोटेवाला** : अध्यक्ष महोदय, अगर आप इस प्रश्न पर सप्लीमेंट्री अलाऊ नहीं करते हैं तो कृपया मेरे इस प्रश्न को स्थगित कर दीजिये। यह बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न है, इसमें लाखों के घोटाले हुए हैं। आप कृपया स्थगित कर दें इस प्रश्न को।

**श्री अध्यक्ष** : इस प्रश्न को स्थगित किया जाता है।

**श्री श्रीराम गोटेवाला** : धन्यवाद।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : अध्यक्ष महोदय, क्या आपकी इस व्यवस्था से मैं यह मान कर चलूं कि जिस प्रश्न पर जवाब पूरा नहीं आये उस प्रश्न को स्थगित माना जाए ?

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज, इसमें ऐसा हुआ था कि केवल दो मिनट बकाया थे जब उत्तर समाप्त हुआ। पूरक प्रश्न पूछने का अवसर नहीं मिला इसलिए स्थगित कर दिया है। मैं यह निवेदन कर दूं कि इसमें पक्ष और विपक्ष का प्रश्न नहीं है। यदि महत्वपूर्ण प्रश्न, जिसका उत्तर आ चुका है, पर पूरक प्रश्न पूछने का अवसर नहीं मिला तो यथा सम्भव अवसर दिया जायेगा।

**श्री रामसिंह विश्नोई (लूणी)** : अध्यक्ष महोदय, प्रश्न 33 बहुत लोकमहत्व का है इसलिए इसको स्थगित किया जाये।

**श्री अध्यक्ष** : महत्वपूर्ण प्रश्न है लेकिन उसको किसी अन्य तरीके से लाया जा सकता है। अब कोई प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे आपका प्रश्न अन्य तरीके से हमारे पास आया हुआ है उस पर चर्चा किसी न किसी रूप में सदन में होगी। उस समय आप यह प्रश्न सदन में उठा सकते हैं।

**श्री रामसिंह विश्नोई** : अध्यक्ष महोदय, हम जानना चाहेंगे कि प्रश्न स्थगित करने की क्या प्रक्रिया है ?

**श्री अध्यक्ष** : समय नहीं है।

**श्री रामसिंह विश्नोई** : मैं समय के लिये नहीं कह रहा हूं। मैं कह रहा हूं कि इस को स्थगित किया जाये।

**श्री अध्यक्ष** : आपके पास उत्तर पहुंच जायेगा।

**श्री रामसिंह विश्नोई** : मेरे पास उत्तर नहीं पहुंचा है। मेरे पास लिस्ट पहुंची है जो उत्तर नहीं है।

**श्री अध्यक्ष** : स्थान ग्रहण करें। अन्य कोई समस्या हो तो मेरे पास चेम्बर में आ जायें।

(शेष तारांकित प्रश्नोतर के लिये कृपया परिशिष्ट 2 देखें)

## अतारांकित प्रश्नोत्तर

### कस्बा रामनगर (झालावाड़) का आबादी में परिवर्तन

1. **श्री बालचन्द्र आर्यवीर** (डग): क्या राजस्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :—

(1) क्या झालावाड़ जिले में रामनगर नाम के कस्बे को अभी तक आबादी में परिवर्तित नहीं किया गया है ?

(2) क्या उसके आबादी में परिवर्तित होने की कार्यवाही चल रही है ? यदि हां, तो कब तक ?

**उत्तर**

(1) झालावाड़ जिले में रामनगर नाम से कोई कस्बा अलग से नहीं है। भवानी मण्डी में वार्ड नं० 11 रामनगर कोलोनी के नाम से एक क्षेत्र है जिसको आबादी में परिवर्तित नहीं किया गया है।

(2) जी हां, इसको आबादी में परिवर्तित करने की कार्यवाही की जा रही है। राजस्व भूमि पर अनधिकृत कब्जा कर भवन निर्माण करने वाले व्यक्तियों द्वारा नियोजन हेतु व्यक्तिगत रूप से प्रार्थना पत्र प्रस्तुत नहीं करने से विलम्ब हो रहा है।

**झालावाड़ जिले की चारागाह की जमीन पर अवैध कब्जे**

2. **श्री बालचन्द्र आर्यवीर** (डग): क्या राजस्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :--

(1) झालावाड़ जिले में कितने चरागाह की जमीन है ? तहसीलवार सूची सदन की मेज पर रखने की कृपा करें।

(2) किन किन ग्रामों में चरागाहों की जमीनों पर लोगों ने कब्जे कर रखे हैं ?

(3) क्या सरकार उक्त अवैध कब्जे हटाने का प्रयास करेगी ? यदि हां, तो कब तक ?

**उत्तर**

(1) झालावाड़ जिले में 2,28,824 बीघा भूमि चारागाह की है। तहसीलवार सूची संलग्न है।

(2) तहसीलवार ग्रामों की सूची संलग्न है।

(3) चारागाह भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 91 के तहत कार्यवाही की जाती है।

(सूची विस्तृत होने के कारण विधान सभा पुस्तकालय में रखी गई)

**फरवरी, 1980 से अद्यावधि विभिन्न अपराधों की स्थिति**

3. **श्री बालचन्द आर्यवीर** (डग):—क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

(1) राज्य में दिनांक 16 फरवरी, 1980 से लेकर आज तक कितनी चोरियों, डकैतियों तथा बलात्कार के केस हुए ?

(2) कितने केस पुलिस थानों में दर्ज करवाये गये ?

(3) उनमें लिप्त कितने व्यक्ति अपराधी रूप में पकड़े गये तथा उन लोगों को क्या सजा दी गई ? जिलेवार सूची सदन की मेज पर रखने की कृपा करें।

**उत्तर**

(1) 16 फरवरी, 80 से माह जून तक चोरी व नकबजनी के 7666, डकैती के 47 एवं बलात्कार के 99 केस दर्ज हुए।

(2) उपरोक्त सभी मामलों में केस दर्ज हुए हैं।

(3) सूची सदन की मेज पर रख दी गई है।

(सूची के लिये कृपया परिशिष्ट 3 देखें)

**राज्य के ग्रामों का विद्युतीकरण**

4. **श्री बालचन्द आर्यवीर** (डग): क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

(1) राज्य में कितने ग्राम हैं और अभी तक कितने ग्रामों में बिजली पहुँच चुकी है ?

(2) जो ग्राम विद्युत सम्बन्ध से बच गये हैं उनके विद्युतीकरण की सरकार की क्या योजना है, तथा ऐसे ग्रामों में कब तक बिजली पहुंच जावेगी ? जिलेवार सूची सदन की मेज पर रखने की कृपा करें।

**उत्तर**

(1) राजस्थान में आबादी वाले 33,305 ग्राम हैं जिनमें से वर्ष 1979-80 के अन्त तक 13,842 ग्रामों में बिजली पहुंच चुकी है।

(2) अभी 19,463 ग्राम विद्युतीकरण के लिये शेष हैं। जिलेवार सूची 'अ' संलग्न है इनमें से 4751 ग्रामों के विद्युतीकरण का कार्य स्वीकृत योजनाओं के आधार पर चल रहा है। विद्युतीकरण की स्वीकृति तकनीक

(विद्युत मन्त्री)

साध्यता और वित्तीय साधनों की उपलब्धि पर निर्भर होने के कारण शेष के विषय में निश्चित रूप से अभी कुछ कहना संभव नहीं है।

(सूची के लिये कृपया परिशिष्ट 4 देखें)

**उदयपुर जिले में हुई चोरियां**

6. **श्री गुलाबचन्द कटारिया** (उदयपुर): क्या गृह मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

(1) उदयपुर जिले में पिछले लोक-सभा के चुनाव के बाद कितनी चोरियां हुई? थानावार सूची मय रकम के सदन की मेज पर रखने का कष्ट करें।

(2) इन चोरियों में से कितनी चोरियां पकड़ी गई, बरामद की गई एवं केस चालान किये गये व किन-किन को इसमें पकड़ा गया? सूची मय केस के सदन के पटल पर रखने का कष्ट करें।

(3) क्या जिन थानों के क्षेत्र में एक भी चोरी पकड़ी नहीं गई उन थानेदारों के खिलाफ विभाग ने अब तक कोई कार्यवाही की है?

**उत्तर**

(1) वांछित सूचना सदन की मेज पर रख दी है।

(2) वांछित सूचना सदन की मेज पर रख दी गई है।

(3) जी नहीं।

(सूचना के लिये कृपया परिशिष्ट 5 देखें)

**उदयपुर नगर की बस्तियों में पीने के पानी का प्रदाय**

7. **श्री गुलाबचन्द कटारिया** (उदयपुर): क्या जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे।

(1) उदयपुर नगर में कितनी ऐसी बस्तियां व गलियां हैं जिनमें पानी की लाइनें नहीं डाल रखी हैं तथा कितनी ऐसी गलियां हैं जहां छोटी लाइन के होने से पानी की सप्लाई बराबर नहीं हो पाती है?

(2) क्या यह भी सच है कि जनता के आग्रह पर भी उक्त लाइनों को बड़ी लाइनों में परिवर्तित नहीं किया गया? यदि हां, तो क्यों?

(3) सरकार इस वर्ष पानी की इस कमी को मिटाने की क्या योजना रखती है?

**उत्तर**

(1) उदयपुर नगर में लगभग 15 गलियां ऐसी हैं जहां उपभोक्ताओं ने स्वयं लाइनें डालकर कनेक्शन ले रखे हैं। लगभग 5 मोहल्लों में ऐसी गलियां हैं जहां लाइनें छोटी हैं।

(2) इन मोहल्लों को आवश्यकता अनुसार पानी उपलब्ध किया जा रहा है। छोटी लाइनों को बड़ी लाइनों में बदलने की कार्यवाही आवश्यक धनराशि उपलब्ध होने पर की जावेगी।

(3) इस वर्ष उदयपुर योजना के लिए इस कार्य के लिए कोई प्रावधान नहीं है।

**राज्य में नव गठित पुल निगम**

9. **श्री राम किशोर मीणा** (सिकराय): क्या सार्वजनिक निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

(1) क्या भूतपूर्व सरकार द्वारा गठित पुल निगम ने कार्य चालू कर दिया है? यदि नहीं, तो कब से कार्य प्रारम्भ करने की सम्भावना है?

(श्री रामकिशोर मीणा)

(2) क्या सिकन्दरा से बांदीकुई मार्ग पर बाण गंगा नदी पर पुल निर्माण की योजना सरकार के पास है ? इसे कब तक मंजूरी देकर कार्य प्रारम्भ कर दिया जावेगा ?

(3) क्या सिकराय क्षेत्र के भाण्डारेज से बेरावण्डा मार्ग पर खारण्डी व राणोली नदी पर तथा सिकन्दरा से गुढाचन्द्रजी मार्ग पर छोई नदी पर पुल निर्माण की योजना सरकार के विचाराधीन है ? यदि हां, तो कब तक कार्य प्रारम्भ कर दिया जावेगा ?

उत्तर

(1) राजस्थान राज्य पुल निर्माण निगम की स्थापना 8 फरवरी, सन् 1979 को की गई थी एवं दिनांक 19 मई, 1979 से कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है ।

(2) जी हां, छठी पंचवर्षीय योजना में कार्य स्वीकृत हो गया तो चालू करवा दिया जावेगा । कार्य छठी योजना में प्रस्तावित है ।

(3) सिकराय क्षेत्र के भाण्डारेज लालसर रोड रानोली नदी पर पुल निर्माण की योजना छठी पंचवर्षीय योजना के अधीन विचाराधीन है । भाण्डारेज से बेरावण्डा मार्ग पर पारण्डी तथा सिकन्दरा से गुढ़ा चन्द्र जी मार्ग पर छोई नदी पर पुल निर्माण की योजना सरकार के विचाराधीन नहीं है । रानोली नदी पर स्वीकृति प्राप्त होने पर कार्य प्रारम्भ किया जा सकेगा ।

**जून 1977 से फरवरी, 1980 तक राज्य में घटित विभिन्न अपराध**

10. **श्री रामकिशोर मीणा** (सिकराय): क्या गृह मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे–

(1) जून, 1977 से लेकर फरवरी, 80 तक राज्य में विभिन्न प्रकार के अपराधिक मामले कुल कितने रजिस्टर हुए हैं ? कृपया जिलेवार तथा माहवार सूची सदन की मेज पर रखने की कृपा करें ।

(2) फरवरी, 80 से जून, 80 तक कुल कितने आपराधिक मामले रजिस्टर हुए ? कृपया जिले एवं माहवार सूची सदन की मेज पर रखने की कृपा करें ।

(3) क्या यह सही है कि राज्य में आपराधिक मामलों में दिनों दिन वृद्धि होती जा रही है ? यदि हां, तो इनके पीछे प्रमुख क्या कारण हैं ?

(4) राज्य पुलिस प्रशासन द्वारा रजिस्टर मामलों में निपटने में कितनी सफलता हासिल की है ? कृपया जिलेवार सफलता प्रतिशत की सूची सदन की मेज पर रखने की कृपा करें ।

(5) क्या राज्य सरकार इन दिनों बढ़ती हुई आपराधिक प्रवृतियों को रोकने में पूर्णरूपेण असफल महसूस कर रही है ? यदि हां, तो इसमें सुधार हेतु क्या प्रयास किए जा रहे हैं ?

(6) क्या राष्ट्रपति शासन के दौरान तथा बाद में महिलाओं के साथ बलात्कार अन्याय, लूटपाट, हरिजनों के साथ अत्याचार के मामलों में दिनों दिन वृद्धि होती जा रही है? यदि हां, तो उसके पीछे क्या कारण हैं, तथा सरकार उनसे निपटने के लिए क्या ठोस कदम उठाने का विचार रखती है?

उत्तर

(1) सूची सदन की मेज पर रख दी गई है ।

(गृह मन्त्री)

(2) सूची सदन की मेज पर रख दी गई है।

(3) अपराधिक वृद्धि के मुख्य कारण औद्योगिक जनसंख्या में वृद्धि एवं गत वर्ष पड़ा सूखा है।

(4) सूचना सदन की मेज पर रख दी गई है।

(5) जी नहीं। अपराधों पर नियन्त्रण हेतु समय समय पर विशेष गश्त नाकाबंदी एवं अपराध निरोधक अभियान आदि के अलावा नये पुलिस थानों का सृजन एवं पुलिस कर्मियों की संख्या में वृद्धि एवं आधुनिक उपकरणों की उपलब्धि भी की जा रही है।

(6) इस घटनाओं में साधारण वृद्धि हुई है। इस वृद्धि का मुख्य कारण राज्य सरकार द्वारा उठाये गये कदमों के फलस्वरूप हरिजनों में उत्पन्न आत्म विश्वास के कारण अधिक हरिजनों द्वारा पुलिस में रिपोर्ट करना है। इन घटनाओं पर नियन्त्रण हेतु सभी संभव उपाय किये जा रहे हैं।

(सूची के लिये कृपया परिशिष्ट 6 देखें)

**छोई नदी पर बांध बनाने की योजना**

11. **श्री रामकिशोर मीणा** (सिकराय): क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या सिकराय क्षेत्र से गुजरने वाली छोई नदी के पानी को रोक कर कोई बांध बनाए जाने की सरकार के पास कोई योजना है? यदि हां, तो कृपया विस्तृत विवरण दें।

(2) इस नदी का प्रभाव क्षेत्र क्या है?

(3) क्या यह सही है कि इस नदी के तेज बहाव से सिकराय टोडाभीम एवं महुवा पंचायत समिति के अनेक गांव जलमग्न हो जाते हैं तथा जन-धन की अपार क्षति होती है? यदि हां, तो इस पानी के स्थाई निकास की सरकार के पास क्या योजना है?

(4) क्या पूर्व में भी इसके पानी के स्थाई निकास हेतु प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुए हैं? यदि हां, तो उन पर अब तक क्या कार्यवाही की गई?

उत्तर

(1) छोई नदी पर कोई बांध बनाने की योजना प्रस्तावित नहीं है। इससे मिलने वाले नाले पर चन्देरा बांध प्रस्तावित है।

(2) इस नदी से प्रभावित गांवों की सूची (परिशिष्ट 'अ') संलग्न है।

(3) असामयिक अतिवृष्टि के कारण इस नदी का पानी कभी कभी किनारों पर फैल जाता है। पानी के स्थाई निकास हेतु विभिन्न पहलुओं पर विचार किया जा रहा है।

(4) जी हां, प्रार्थना-पत्र प्राप्त होने के बाद इस पर विचार किया गया एवं पहले सर्वे भी करवाई गई थी।

(सूची के लिये कृपया परिशिष्ट 7 देखें)

**बसवा तहसील के गांवों का विद्युतीकरण**

12. **श्री नाथूसिंह** (बांदी कुई): क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:

(1) क्या बसवा तहसील के प्रत्येक गांव का ग्रामीण विद्युतीकरण निगम आर. ई सी. योजना के तहत विद्युतीकरण करने के आदेश दिये गये हैं? यदि हां, तो अब तक क्या प्रगति हुई?

(श्री नाथूसिंह)

(2) उक्त योजना के तहत कुल कितने गांवों का विद्युतीकरण करने की योजना है? विद्युत कनेक्शन स्वीकार करने के पश्चात कितने गांवों को कनेक्शन दिये गये हैं?

उत्तर

(1) जी हां, बसवा तहसील के शेष ग्राम विद्युतीकरण के लिए ग्रामीण विद्युतीकरण निगम योजना के तहत स्वीकृत हैं। प्रथम चरण के कार्यों की स्वीकृतियां प्रसारित करने के साथ भरनिया के विद्युतीकरण के लिए 11 के. वी. लाइन तथा सब स्टेशन का कार्य हो गया है।

(2) उक्त योजना के अन्तर्गत 109 ग्रामों का विद्युतीकरण तीन वर्ष में प्रस्तावित है। एक ग्राम भरनिया के विद्युतीकरण एव उसमें कनेक्शन देने का कार्य प्रगति पर है।

**अलवर जिले में हुए विभिन्न अपराध**

14. **श्री जीतमल जैन (अलवर)**: क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे-

(1) 17 फरवरी, 1980 से 15 जून, 1980 तक अलवर जिले में कितनी हत्यायें, आत्महत्यायें, चोरी, डाकेजनी के अपराध हुए हैं? सूची सदन के पटल पर रखने की कृपा करें।

(2) उक्त अपराधों में किन-किन (हत्यायें, आत्महत्यायें, चोरी व डाकेजनी) अपराधों में अपराधी पकड़े गये हैं? प्रत्येक अपराध के संबंध में अलग-अलग विवरण सदन के पटल पर रखने का कष्ट करें।

उत्तर

(1) सूची सदन की मेज पर रख दी गई है।

(2) सूची सदन की मेज पर रख दी गई है।

(सूची के लिए कृपया परिशिष्ट 8 देखें)

**मंगलम सीमेन्ट फैक्ट्री द्वारा अवाप्त की गई भूमि के मुआवजे का मामला**

15. **श्री हरीश शर्मा** (रामगंज मंडी): क्या राजस्व मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

(1) क्या यह सही है कि रामगंजमंडी तहसील में मंगलम सीमेन्ट फैक्ट्री के लिए मोडक, जोसल गांवों की अवाप्त की गई भूमि का मुआवजा अभी तक नहीं दिया गया है? क्या यह भी सही है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्ति कुछ मुआवजे की राशि को बीच में ही दबा गये हैं? यदि हां, तो सरकार इसके लिए क्या ठोस कदम उठा रही है? कब तक मुआवजे की राशि किसानों को दे दी जावेगी, और अब तक नहीं दिये जाने का क्या कारण है?

(2) क्या यह सही है कि रामगंजमंडी तहसील के ग्राम मदनपुरा, काल्याखेडी में राजस्व अभियान के अन्तर्गत कोई मामले नहीं निपटाये गये हैं जिसके परिणाम स्वरूप किसानों के लगभग 500 मामले उलझे हुए हैं? सरकार कब तक इन गांवों में राजस्व कैम्प लगा कर इन मामलों को निपटा कर किसानों को राहत दिलायेगी?

(3) तहसील रामगंजमंडी व लाडपुरा में कुल कितने राजस्व मामले उलझे हुए हैं और सरकार इन्हें कब तक निपटायेगी?

उत्तर

(1) मंगलम सीमेन्ट फैक्ट्री मोडक तहसील रामगंज मण्डी, कोटा की स्थापना हेतु ग्राम मोडक व चोखला के 135 कृषकों को भूमि

( राजस्व मन्त्री )

अवाप्त की गई है। इसमें से 33 कृषकों को भूमि का मुआवजा दिया जा चुका है। शेष 50 कृषकों में से 25 को खातेदारी हक प्राप्त न होने से मुआवजे का हक नहीं बनता है। एक कृषक की मृत्यु हो जाने से तथा अन्य 21 द्वारा सूचना के बावजूद भी मुआवजा लेने से इन्कार होने के कारण मुआवजा नहीं दिया गया है। इसके अतिरिक्त ग्राम मोडक व चोखला के 12 कृषकों की भूमि मंगलम सीमेन्ट फैक्ट्री की रेलवे साईडिंग हेतु अवाप्त की गई है, इसमें से 4 कृषकों को मुआवजा भुगतान कर दिया गया है। शेष 8 कृषकों से खातेदारी के प्रमाण चाहे जा रहे हैं। प्राप्त होने पर शीघ्र भुगतान कर दिया जावेगा।

यह सही नहीं है कि ,कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों ने मुआवजे की राशि को बीच में बचा लिया है। क्योंकि मुआवजा स्वयं कृषकों को, जिनकी भूमि अवाप्त की गई है ही मोडक व रामगंज मण्डी में अलग अलग दिनांक में कृषकों को रसीदें लेकर भुगतान किया गया है।

2. गत राजस्व अभियान में ग्राम मदनपुरा व काल्याखेड़ी के कुछ मामले निपटाने से शेष रह गये हैं। इन ग्रामों में क्रमश: 163 व 36 भूमि नियमन आवंटन से सम्बन्धित विचाराधीन मामले शेष हैं। अब इन विचाराधीन मामलों को भूमि आवंटन सलाहकार समिति की बैठक आमंत्रित कर शीघ्र ही निपटाने की कार्यवाही की जायेगी।

(3) तहसील रामगंज मंडी में 539 भूमि अतिक्रमण, 69 नामान्तरकरण के मामले कुल 603 तथा तहसील लाड़पुरा में 1742 मामले भूमि अतिक्रमण के विचाराधीन है। इन विचाराधीन मामलों को राजस्व अधिकारियों द्वारा नियमानुसार निपटाये जाने की कार्यवाही की जा रही है।

**तहसील रामगंज, शाहबाद व किशनगंज में पीने के पानी की समस्या का समाधान**

16. **श्री हरीश शर्मा (रामगंज मंडी):** क्या जन स्वास्थय अभियांत्रिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :—

(1) क्या यह सही है कि कोटा जिले की सांगरोल तहसील के ग्राम कचरी का पेयजल पीने योग्य नहीं है और पानी पीने से कई तरह की बीमारियां (जैसे टी. बी. एवं बच्चों के कमजोर होने आदि) फैलती है? यदि हां, तो राज्य सरकार इस ओर क्या कदम उठाने जा रही है और कब तक?

(2) क्या रामगंजमंडी तहसील में नई त्वरित पेयजल योजना विचाराधीन है जिसमें नयागांव, ज्यामुनियां, भ्रह्मा का छापर, खणी रीढ़ि, अलोद आदि गांव सम्मिलित हैं? सरकार इसे कब तक क्रियान्वित कर देगी? इन ग्रामबासियों को मौजूदा पानी पीने से नारू (बाला) रोग निकलने से राहत मिले।

(3) शाहबाद किशनगंज तहसील, जो आदिवासी क्षेत्र हैं, में कितने गांव पेयजल की समस्या से ग्रस्त हैं तथा सरकार इस बारे में क्या कदम उठा रही है?

(4) क्या यह सही है कि कोटा जिले की लाडपुरा तहसील के समस्याग्रस्त गांवों को भंवरियां की बावड़ी से पेयजल सुलभ कराने की योजना स्वीकृत हो चुकी है? यदि हां, तो योजना कब तक क्रियान्वित होगी?

(5) क्या इसी तहसील की मांडलियां गांव की बावड़ी से 5 गांवों को पेयजल उपलब्ध कराया जा सकता है?

उत्तर

(1) कावरी गांव के कुछ कुओं के पानी में घुलनशील लवण अधिक है परन्तु इस पानी से टी.बी. जैसी बीमारी होना सम्भव नहीं है। वर्तमान में इस गांव में विभाग द्वारा कोई योजना नहीं चलाई जा रही है। एक योजना विश्व बैंक की मदद से बनायी गई परियोजना में प्रस्तावित है। जिसके चालू होने पर ग्रामवासियों को मीठा जल उपलब्ध होने लगेगा।

(2) रामगंज मंडी तहसील की अभी तक कोई त्वरित योजना स्वीकृत नहीं हुई है। स्वीकृत होने पर योजना क्रियान्वित कर दी जावेगी।

(3) शाहबाद तहसील में 88 गांव एवं किशनगंज तहसील में 19 गांव समस्याग्रस्त है। शाहबाद तहसील के चार गांव 1) देवरी 2) कमालिया 3) रामगढ़ 4) महोदरा तथा किशनगंज तहसील के पांच गांव 1) रामगढ 2) जालगरा 3) दिगोदसर 4) गरडा 5) वेलाना विश्व बैंक परियोजना में प्रस्तावित हैं। राज्य के समस्त शेष गांवों को पेयजल उपलब्ध कराने हेतु रुपये 600 करोड़ की एक दस वर्षीय योजना है जिसकी स्वीकृति आने पर एवं धनराशि की उपलब्धि पर कार्यवाही की जावेगी।

(4) जी नहीं, कोई योजना अभी तक स्वीकृत नहीं हुई है।

(5) अभी कोई योजना प्रस्तावित नहीं है।

**तहसील रामगंज मण्डी के गांवों में लगे हैण्ड पम्प्स**

17. **श्री हरीश शर्मा** (रामगंज मंडी): क्या भू-जल विभाग मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे—

(1) रामगंज मण्डी तहसील में एवं लाडपुरा तहसील की 8 पंचायतें—रावपुर, बोराबास, मण्डाना, माण्डलिया, कान्याखेडी, कसार, ढोल्या—के कितने गांवों में कितने हैण्ड पम्प लगे हुए हैं?

(2) क्या यह सही है कि इनमें से 75 प्रतिशत हैण्ड पम्प खराब पड़े हुए हैं, जिन्हें छः माह तक ठीक करने नहीं आया? क्या हैण्ड पम्पों की दुर्दशा को सुधारने के लिए सरकार ठोस कदम उठायेगी? यदि हां, तो कब तक?

उत्तर

(1) रामगंज मण्डी तहसील के 65 गांवों में 154 तथा लाडपुरा तहसील के 25 गांवों में 57 हैण्ड पम्प लगे हुए हैं।

(2) खराब हैण्ड पम्पों के विषय में वस्तु स्थिति मालूम करने के लिए सर्वेक्षण किया जा रहा है तथा खराब हैंड पम्पों के बारे में ज्ञात होते ही उन्हें ठीक करने की कार्यवाही की जायेगी।

**जयपुर जिले में काम के बदले अनाज योजनान्तर्गत कराये जा रहे कार्य**

18. **श्री रामकिशोर मीणा** (सिकराय): क्या अकाल राहत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

(1) जयपुर जिले में कुल कितने कार्य अकाल राहत के अन्तर्गत कराए जा रहे हैं? कृपया तहसीलवार सूची सदन की मेज पर रखने की कृपा करें।

(श्री रामकिशोर मीणा)

(2) सिकराय क्षेत्र में कुल कितने अकाल राहत के अन्तर्गत कार्य चल रहे हैं? कार्यवार तथा पंचायतवार सूची सदन की मेज पर रखने की कृपा करें।

(3) क्या यह सही है कि अकाल राहत कार्यों में मजदूरी पर रखने में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों को पर्याप्त मात्रा में न रखने बाबत शिकायतें प्राप्त हुई हैं? यदि हां, तो उनका क्या निस्तारण किया गया ?

(4) क्या सिकराय क्षेत्र में चांदेरा ग्राम पर एनिकट तथा सुरेर पर पुलिया निर्माण को अकाल राहत कार्यों में सम्मिलित कर लिया गया है? यदि नहीं, तो क्यों ?

(5) सिकराय क्षेत्र में कुल कितने मजदूर अकाल राहत कार्यों में लगे हुए हैं? क्या मजदूरी भुगतान न होने बाबत शिकायतें प्राप्त हुई हैं? यदि हां, तो उनका क्या निस्तारण हुआ ?

उत्तर

(1) जयपुर जिले में सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से 13, सिंचाई, विभाग के माध्यम से 8 तथा पंचायतों के माध्यम से 876 कार्य अकाल राहत के अन्तर्गत चलाये जा रहे हैं विभागीय कार्यों की तहसील वाइज एवं पंचायत कार्यों की पंचायत समिति वाइज सूची परिशिष्ट 'अ' एवं 'ब' पर संलग्न हैं।

(2) पंचायत समिति क्षेत्र सिकराय में 25 कार्य अकाल राहत के अन्तर्गत पंचायतों के माध्यम से चलाये जा रहे हैं कार्यवार तथा पंचायतवार सूची परिशिष्ट 'स' संलग्न है।

(3) यह सही नहीं है कि काम के बदले अनाज योजना (अकाल राहत) कार्यों के अन्तर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोगों को पर्याप्त मात्रा में नहीं रखने बाबत कोई शिकायत प्राप्त हुई है। ऐसी कोई शिकायत पंचायत समिति अथवा जिला स्तर पर प्राप्त नहीं हुई है।

(4) ये दोनों कार्य अभी अकाल राहत कार्यों में सम्मिलित नहीं किये गये है ग्राम चांदेरा पर एनिकट हेतु एक प्रार्थना पत्र सीधे ही पंचायत समिति सिकराय को प्राप्त हुआ था जिसे विकास अधिकारी द्वारा पंचायत को प्रस्ताव एवं उपयोगिता राशि प्रमाण हेतु प्रेषित किया गया। पंचायत ने इस विषय में काम के बदले अनाज योजना (अकाल राहत) के अन्तर्गत कोई प्रस्ताव स्वीकृति हेतु प्रस्तुत नहीं किया। प्रार्थना-पत्र दि. 25.6.80 को तखमीना बनाने हेतु कनिष्ठ अभियन्ता को तकनीकी स्वीकृति अभी तक प्राप्त नहीं हुई है? प्रस्ताव आने पर विचार हो सकेगा। विभाग के माध्यम से ये कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में अभी तक सम्बन्धित विभाग से कोई प्रस्ताव तथा तखमीने प्राप्त नहीं हुए हैं।

(5) वर्तमान में सिकराय क्षेत्र में काम के बदले अनाज योजना (अकाल राहत) के तहत 228 मजदूर काम पर लगे हुए हैं। मजदूरी भुगतान बाबत कोई शिकायत पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। 31.5.80 तक का मजदूरी का भुगतान हो चुका है।

(सूची के लिये कृपया परिशिष्ट 9 देखें)

**प्राथमिक शालाओं को उच्च प्राथमिक शालाओं में क्रमोन्नत करना**

19. **श्री हीरालाल आर्य** (पीपल्दा): क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या यह सही है कि बोरदा, माल बमोरी, जलोदा तेजाजी, महुआ, डूंगरली, आदि स्थानों के प्राथमिक स्कूलों को उच्च प्राथमिक में बदलने हेतु जनता द्वारा बार-बार निवेदन किया जाता रहा है ?

(2) क्या सरकार उक्त स्थानों पर उच्च प्राथमिक स्कूल क्रमोन्नत करने के शीघ्र आदेश प्रदान करेगी ?

उत्तर

(1) जी हां।

(2) राज्य सरकार स्थान विशेष की स्थिति, जन प्रतिनिधियों की मांग, क्षेत्र का पिछड़ापन, अन्य स्कूलों की दूरी तथा उपलब्ध वित्तीय साधनों के अनुसार विद्यालय खोलने का विचार रखती है।

**बांदीकुई से बैजूपाड़ा सड़क का निर्माण कार्य**

20. **श्री नाथूसिंह** (बांदीकुई) : क्या सार्वजनिक निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) बांदीकुई से बैजूपाड़ा तक की सड़क की योजना का क्या प्रारूप है ?

(2 यह सड़क कितने चरणों में पूरी होगी ?

(3) क्या यह सड़क बांदीकुई से बडियाल, बडियाल से लोटवाड़ा होते हुए बैजूपाड़ा तक बनेगी ?

(4) यदि हां, तो इसका कार्य कब तक पूरा हो जावेगा ?

(5) इसकी कुल लागत कितनी है ?

उत्तर

(1) बांदीकुई से बैजूपाड़ा सड़क निर्माण का प्रावधान न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम (योजना व्यय) के तहत छठी पंचवर्षीय योजना में विचाराधीन है।

(2) स्वीकृति प्राप्त होने पर बजट प्रावधानानुसार चरण निश्चित किये जावेंगे।

(3) जी हां।

(4) स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात् बजट प्रावधान के अनुसार कार्य पूर्ण होगा।

(5) इसकी अनुमानित लागत 12 लाख रुपये होगी।

**बाण गंगा पर सिकन्दरा से बांदीकुई के बीच पुल निर्माण का मामला**

21. **श्री नाथू सिंह** (बांदीकुई) : क्या सार्वजनिक निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :—

(1) क्या सिकन्दरा से बांदीकुई के बीच बाणगंगा नदी पर पुल बनाने की योजना सरकार के विचाराधीन है या योजना की स्वीकृति दी जा चुकी है ?

(2) यदि हां, तो अब तक की क्या प्रगति है ?

(श्री नाथूसिंह)

(3) कुल योजना कितनी लागत की है ?

(4) क्या उसका सर्वे किया जा चुका है?

(5) आगे इस पुल के निर्माण में सरकार की क्या योजना है ?

उत्तर

(1) जी हां । योजना अभी स्वीकृत नहीं हुई है ।

(2) स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई है ।

(3) छठी पंचवर्षीय योजना में 32 लाख की लागत अनुमानित है ।

(4) स्वीकृति प्राप्त होने पर सर्वे प्रारंभ की जावेगी ।

(5) पुल के निर्माण का कार्य राजस्थान राज्य पुल निर्माण निगम के द्वारा बनाये जाने की योजना है ।

**शालाओं की क्रमोन्नति का मामला**

22. **श्री हीरालाल आर्य** (पीपल्दा): क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :–

(1) क्या यह सही है कि नीमोला, डीपरी, बिनायका, सुमेरगंज मंडी उच्च प्राथमिक विद्यालयों को माध्यमिक स्कूल में बदलने हेतु बार बार निवेदन किया जाता रहा है ?

(2) यदि हां, तो क्या सरकार उक्त स्थानों पर माध्यमिक स्कूल क्रमोन्नत करने के आदेश प्रदान करेगी ?

उत्तर

(1) जी हां

(2) राज्य सरकार स्थान विशेष की स्थिति, जनप्रतिनिधियों की मांग, क्षेत्र का पिछड़ापन अन्य स्कूलों की दूरी तथा उपलब्ध वित्तीय साधनों के अनुसार विद्यालय खोलने का विचार रखती है ।

**चिकित्सा विभाग एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा खरीदी गई गाज व पी.ओ.पी. बेन्डेज**

23. **श्री रामकिशोर मीना** (सिकराय): क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :–

(1) राजस्थान राज्य बुनकर सहकारी संघ लि. जयपुर ने 1-4-78 से 31-3-79 व 1-4-79 से 31-3-80 तक चिकित्सा एवं आयुर्वेद विभाग को गाज बेन्डेज व पी.ओ.डी. बेन्डेज की कितने मूल्य की एवं कितनी मात्रा में सप्लाई की गई ? यदि हां, तो क्रय मूल्य एवं विक्रय मूल्य की दर क्या क्या थी ? इसमें से कितनी मात्रा उत्पादक सहकारी समिति, क्रय विक्रय सहकारी समिति, तथा कितनी मात्रा अन्य क्षेत्रों से खरीदने की है ?

(2) 31-3-79 व 31-10-79 से उत्पादक सहकारी समिति के पास कितने हाथ करघे थे ?

(3) संघ के उत्पादन अधिकारी द्वारा संघ को समय-समय पर उत्पादन के बारे में क्या सूचनाएं दी गई ?

### उत्तर

(1) राजस्थान राज्य बुनकर सहकारी संघ लि. जयपुर से 1-4-78 से 31-3-79 तक व 1-4-79 से 31-3-80 तक चिकित्सा एवं आयुर्वेदिक विभाग को गाज, बेन्डेज व पी.ओ.पी. बेन्डेज की निम्न प्रकार सप्लाई की गई : —

| क्रम सं. | नाम माल व साइज | 1-4-78 से 31-3-79 तादाद | कीमत रु. | 1-4-79 से 31-3-80 तादाद | कीमत रु. |
|---|---|---|---|---|---|
| 1— | गाज 60 से.मी. | 9,27,357 मी. | 9,64,451—00 | 14,87,484 मी. | 14,63,783—00 |
| 2— | बेन्डेज 4 मी.X10 से.मी. | 1,51,559 दर्जन | 14,88,310—00 | 2,97,753 दर्जन | 29,23,935—00 |
| 3— | ,, 4 मी.X 7 से.मी. | — | — | 1,200 ,, | 8,844 00 |
| 4— | ,, 4 मी.X 5 से.मी. | 47,200 , | 2,31,752—00 | 74,224 ,, | 3,64,440—00 |
| 5— | पी.ओ.पी. 5 मी.X15" | 44,567 ,, | 7,00,593—00 | 64,904 ,, | 10,20,291—00 |
| 6— | ,, 5 मी.X10" | — | — | 11,00 ,, | 11,528-00 |
| | | | 33,85,106—00 | | 57,92,831—00 |

क्रय एवं विक्रय मूल्य निम्न प्रकार था:—

| क्रय मूल्य (मूल्य निर्धारण समिति के अनुसार) | विक्रय मूल्य (केन्द्रीय मूल्य निर्धारित समिति के अनुसार) |
|---|---|
| 1—गाज 60 से.मी. 0,68 प्रति मीटर से 1—00 प्रति मी. तक | : : 1—04 प्रति मीटर |
| 2—बेन्डेज 4 मी.X10से.मी. 7—52 से 9—47 प्रति दर्जन | : : 9—82 प्रति दर्जन |
| 3— ,, 4 मी.X5से.मी. 4 88 से 4—91 प्रति दर्जन | : : 4-91 प्रति दर्जन |
| 4— ,, 4 मी.X7से.मी. 7—37 प्रति दर्जन | : : 7—37 प्रति दर्जन |
| 5— पी.ओ.पी. 5X15 से.मी. 11—51 से 14—95 प्रति दर्जन | : : 15—72 ,, ,, |
| 6— 5X10 10—48 प्रति दर्जन | : : 10-48 ,, ,, |

नोट : समितियों से क्रय किये जाने वाले माल पर संघ 8—1/2% कमीशन अर्जित करता है ।

उक्त दोनों वर्षों में क्रय की गई विभिन्न प्रकार की गाज, बन्डेज, पी.ओ.पी. की मात्रा का विवरण निम्न प्रकार से हैं–

| क्रम सं. | क्रय स्रोत | | 1–4–78 से 31–3–79 | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | माल 60 से0मी0 बैंडेज | | | पी0ओ0पी0 | |
| | | | 4x10 से.मी | 4x7 से.मी | 4x5 से.मी | 5x15 से.मी | 5x10 से.मी |
| 1. | सदस्य सहकारी समितियों से | 7,47,357 मी. | 1,13,559 द. | – | 47,200 द. | 29,067 द. | – |
| 2. | क्रय विक्रय सहकारी ,, | 1,30,000 | 33,000 | – | – | 15,500 | – |
| 3. | अन्य स्रोतों से | – | 5,000 | – | – | – | – |
| | | | 1–4–79 से 31–3–80 | | | | |
| 1. | सदस्य सहकारी समितियों से | 14,07,484 मी. | 2,97,753 द. | 1,200 द. | 74,224 द. | 64,904 द. | 1,100 द. |
| 2. | क्रय विक्रय सहकारी ,, | – | – | – | – | – | – |
| 3. | अन्य स्रोतों से | – | – | – | – | – | – |

(2) 31-3–79 तक संघ की सदस्य 175 बुनकर समितियों के पास करीब 2500 हाथ कर्घे थे। दिनांक 31–10–79 से सदस्य समितियों में करीब 50 हाथ कर्घों की वृद्धि हुई।

(3) संघ में दिनांक 1-1-79 से उत्पादन अधिकारी कार्यरत हैं। यह सदस्य समितियों का समय समय पर निरीक्षण कर समितियों द्वारा उत्पादित विभिन्न किस्म के कपड़े मापदण्ड तथा उत्पादित माल के स्टाक के सम्बन्ध में सूचना देते हैं। तथा उत्पादन संबंधी कमियों को सदस्यों के कार्यस्थल पर बतलाते हैं ताकि आने वाले उत्पादन में किसी प्रकार की त्रुटियां न रहें। इसके अतिरिक्त सदस्य समितियों को सूत की मांग की सूचना से अवगत कराते रहते हैं।

सी. एम. गुप्ता

(32)



**चूरू तहसील में उच्च प्राथमिक शाला खोलना**

24. **श्री मालूखां (चूरू)** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :–

क्या चूरू तहसील में निम्नलिखित स्थानों पर उच्च प्राथमिक शाला आरम्भ करने का विचार है ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

1. ढाढर
2. झारिया
3. रायपुरिया
4. राणासर
5. दूधवाखारा में कन्या उच्च प्राथमिक शाला
6. रतननगर
7. बालरासर आथूणा

**उत्तर**

राज्य सरकार स्थान विशेष की स्थिति, जन प्रतिनिधियों की मांग, क्षेत्र का पिछड़ापन, अन्य स्कूलों की दूरी तथा उपलब्ध वित्तीय साधनों के अनुसार विद्यालय खोलने का विचार रखती है।

**मान्यता एवं अनुदान प्राप्त शिक्षण संस्थाएं**

25. **श्री श्रीराम गोटेवाला** (किशनपोल बाजार) : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे–

(1) जयपुर शहर की किस किस शिक्षण संस्था (मान्यता प्राप्त) को कितना कितना प्रतिशत अनुदान किया जाता हैं ? सूची सदन की मेज पर रखने की कृपा करें।

(2) क्या यह सही है कि मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाएं, जिनको काफी अनुदान भी दिया जाता है, की फीस सरकारी स्कूलों की फीस से काफी अधिक है ?

(3) जयपुर शहर के मान्यता प्राप्त स्कूल, जिन्हें अनुदान दिया जाता है, की कक्षा एक से आठ तक के बच्चों से कितनी कितनी फीस वसूल की जाती है ? पूर्ण विवरण सदन की मेज पर रखने की कृपा करें।

(4) क्या सरकार ऐसे स्कूलों का अनुदान बन्द करने का विचार रखती है, जिनकी फीस सरकारी स्कूलों से काफी अधिक है ? यदि हां, तो कब तक एवं नहीं तो क्यों ?

**उत्तर**

(1) सूची संलग्न है (परिशिष्ट क)

(2) जी हां।

(3) विवरण संलग्न है (परिशिष्ट ख)

(4) राजस्थान अनुदान नियम 3(12) के अनुसार अनुदान प्राप्त संस्थाओं पर अधिक दर से फीस वसूल करने का कोई प्रतिबन्ध नहीं है अपितु उक्त नियम में यह प्रावधान रखा हुआ है कि अनुदान प्राप्त संस्थाएं राज्य सरकार के स्कूलों में ली जाने वाली फीस से कम दर पर फीस वसूल नही करेगी। अतः केवल मात्र अधिक दर पर फीस वसूल करने पर अनुदान बन्द करने का कोई औचित्य नहीं है।

(सूची विस्तृत होने के कारण विधान सभा पुस्तकालय में रखी गई)

**व्यवस्था का प्रश्न**

**प्रश्नकाल की समाप्ति पर अनुपूरक प्रश्नोत्तर**

**श्री खेतसिंह राठौड़** (मुख्य सचेतक) : अध्यक्ष महोदय, मैं थोड़ा निवेदन करना चाहूंगा। जब प्रश्न आप ले लेते हैं और किसी माननीय सदस्य का नाम पुकार लेते हैं। उसके बाद में जब उसका रिप्लाई आता है तो पहले भी हमारे यहां ऐसी परम्परा रही है चाहे एक मिनट बाकी रहा हो, यदि

(श्री खेतसिंह राठौड़)

किसी का नाम पुकार लेते हैं और प्रश्न पूछा जाता है तो सप्लीमेंट्री का मौका 12 बजने के बाद भी उसको मिलता है। इसलिए मैं निवेदन करूंगा कि अच्छा यह हो कि आप यहां पर पुरानी परम्पराओं के अनुसार ही चलें। पोस्टपोन किया तो फिर समय जाया होगा। इससे बेहतर यह होगा कि जो भी प्रश्न पूछ लिया गया है उस पर सप्लीमेंट्रीज का मौका देते हुए 12 बज कर 2 मिनट या 5 मिनट लग जाते हैं तो भी उस प्रश्न को समाप्त करना उचित रहेगा। ऐसी परम्परा जनता सरकार, जब महारावल श्री लक्ष्मणसिंह जी अध्यक्ष थे, के समय भी चल रही थी और पहले भी ऐसा होता रहा है....

**श्री अध्यक्ष** : परम्पराओं का भविष्य में ध्यान रखा जायेगा।

**प्रश्नों के उत्तर लाबी में रखवाने की व्यवस्था**

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : अध्यक्ष महोदय, तारांकित प्रश्नों के साथ अतारांकित प्रश्न भी आते हैं। तारांकित प्रश्नों का उत्तर किस समय मिले, पहले ऐसी व्यवस्था थी कि सत्र के प्रारम्भ होते ही सदन का कोई सदस्य चाहे तो अतारांकित प्रश्न का उत्तर मिल जाता है। लोक सभा और राज्य सभा में इस प्रकार की व्यवस्था है कि चाहे तारांकित प्रश्न हों या अतारांकित सारे प्रश्नों के उत्तर लाबी में रख दिये जाते हैं। पहले प्रश्न का उत्तर देखने को मिल जाता है तो सप्लीमेंट्री करने में सहूलियत होती है। इसलिए मैं निवेदन करना चाहूंगा कि तारांकित प्रश्न हो चाहे अतारांकित, चाहे लिखित हो या ओरल, जिसका उत्तर देना है उनके सारे उत्तर की एक एक प्रति हां पक्ष की लाबी में और ना पक्ष की लाबी में रखवा दी जाये तो प्रश्न पूछने में काफी सहूलियत होगी। अतारांकित प्रश्नों के बारे में निवेदन करना चाहूंगा कि जब तक ऐसी व्यवस्था नहीं हो तब तक ज्योंही सत्र 11 बजे प्रारम्भ हो उस समय मैम्बर्स को उसको देखने की अनुमति दी जाये। मैं एक प्रश्न के उत्तर के लिए नौ, दस बजे से प्रयत्न कर रहा हूं लेकिन मुझे उसका उत्तर नहीं मिल रहा है।

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : माननीय सदस्य ने जो बात कही वह आधी सही है। केवल वह स्टेटमेन्ट, जो कि ले लिये जाते हैं और पढ़े नहीं जाते हैं, रखा जाता है, सभी को नहीं रखा जाता है।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : मैं ऐसा समझता हूं कि माननीय मन्त्री महोदय दिल्ली में काफी दिन रहे हैं लेकिन अनभिज्ञ हैं। प्रश्नों का उत्तर लाबी में रखा जाता है या नहीं, यह राजबहादुर जी बता देंगे।

**श्री अध्यक्ष** : यह प्रश्न मेरे सामने है। आज मैं सदन में उपस्थित हुआ उस से पांच सात मिनट पहले ही आया था। इस पर विचार कर रहा हूं। इस पर उचित व्यवस्था दे दी जायेगी।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : प्रश्नों का उत्तर हम देखना चाहेंगे।

**श्री अध्यक्ष** : समय तो दीजिये कुछ।

**श्री खेतसिंह राठौड़** : अध्यक्ष महोदय, लोक सभा से हमारी प्रक्रिया भिन्न है। हमारे यहां....

**श्री अध्यक्ष** : सभी पक्षों को सुन कर कुछ व्यवस्था दी जायेगी। वर्तमान में इतना ही कह सकता हूं। बाकी इस संबंध में बात करनी है तो आप मेरे चैम्बर में आ जायें।

(व्यवधान)

(श्री अध्यक्ष)

आर्डर प्लीज, आसन पैरों पर है। बैठ जायें कृपया।

## स्थगन प्रस्तावों पर व्यवस्था

मुझे माननीय सदस्यों को सूचित करना है कि निम्नांकित स्थगन प्रस्तावों की सूचना प्राप्त हुई है :-

(1) सर्व श्री घनश्याम तिवाड़ी, बाल चन्द्र आर्यवीर, जेतमल जैन, हंसराज शर्मा, नन्दलाल मीणा, बंशीलाल पटवा, छीतर लाल आर्य, ललित किशोर चतुर्वेदी तथा सर्वश्री रामरघुनाथ चौधरी व जेठमल बरबड़ सदस्य विधान सभा की ओर से राजस्थान में पिछले कुछ समय से महिलाओं के साथ भारी संख्या में हुए बलात्कार व अपहरण की घटनाओं के विषय में।

(2) सर्वश्री गुलाब चन्द कटारिया व अनंगकुमार जैन, सदस्य विधान सभा की ओर से पिछले 20 रोज से राजस्थान जन जाति निगम द्वारा संचालित लैम्प्स नामक सहकारी संस्थाओं के कर्मचारियों द्वारा की जा रही हड़ताल के कारण आदिवासी क्षेत्र में खाद, बीज तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं का वितरण नहीं होने के विषय में।

इन स्थगन प्रस्तावों पर राज्य सरकार से जानकारी प्राप्त होने पर निर्णय लिया जायेगा।

(3) सर्वश्री दाऊदयाल जोशी व महावीर प्रसाद, सदस्य विधान सभा की ओर से चारे व पशु आहार के भावों में वृद्धि होने के कारण पशुओं को चारा उपलब्ध नहीं होने के विषय में।

इस विषय पर माननीय सदस्य राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बहस के समय भाग ले सकते हैं। मैं इसे स्वीकृति देने में असमर्थ हूं।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** : अध्यक्ष महोदय, मैं बलात्कार के विषय में ....

## व्यवस्था

## स्थगन प्रस्ताव पर सरकार से जानकारी प्राप्त होने पर चर्चा का अवसर

**श्री अध्यक्ष** : इस समय मैं आपको इजाजत नहीं दूंगा बोलने के लिए। मैंने सरकार से जानकारी चाही है। उसके बाद मैं स्वीकृति देता हूं या उसको डिसअलाऊ करता हूं उस समय आपको अवसर दूंगा दो-दो मिनट का।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** : परम्परा रही है ....

**श्री अध्यक्ष** : जानकारी लेकर निर्णय दूं उस समय डिसअलाऊ करता हूं तो आप बोल सकते हैं।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** : राजस्थान का विषय है और लोकसभा में भी उठा है . . .

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

इसके मायने यह हुए कि आज आप चर्चा करेंगे। कल इस पर सरकारी जानकारी आ जायेगी और यदि उसको मैंने किसी रूप में स्वीकृति दे दी तो तीनों दिन इस पर चर्चा होगी। एक विषय पर एक सत्र में एक ही बार चर्चा हो सकती है। यह सर्वमान्य सिद्धान्त है, इससे मैं नहीं हट सकता। जिन माननीय सदस्यों के स्थगन प्रस्तावों के लिए कह दिया है उस पर चर्चा नहीं होगी, उनको मैं आगे अवसर दूंगा। बस इतनी सी बात है।

**श्री दाऊदयाल जोशी** : अध्यक्ष महोदय, कोटा नगर में एक बालिका . . .

**श्री अध्यक्ष** : फिर वही बात। मैं इसकी स्वीकृति नहीं दूंगा।

**श्री दाऊदयाल जोशी** : एक चूड़ी बेचने वाली महिला के साथ सात अलग अलग स्थानों पर बलात्कार किया गया। महिला जो कि फलना की थी · · ·

**श्री अध्यक्ष** : इसका मतलब यह हुआ कि मेरी बात सुन लीजिये। इसका मतलब मैं यह मान लूं कि आपने इस विषय पर चर्चा कर ली, न तो मुझे सरकार से जानकारी मंगानी है, न आपको अवसर देना है।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : अध्यक्ष महोदय स्थगन प्रस्ताव के संबंध में नियमों का पालन किया जाये या परम्पराओं का पालन किया जाये, हमारे सामने यह बहुत बड़ी दुविधा है। आप स्पष्ट कर दें नियमों का पालन करना ज्यादा अच्छा है या परम्पराओं का पालन करना ज्यादा अच्छा है। आप यह कह सकते हैं कि दोनों का पालन किया जाये। नियमों में साफ प्रावधान है कि एडजोर्नमेंट मोशन उस दिन की सदन की कार्यवाही को स्थगित करने के लिए दिया जाता है। आज जितने भी मोशन दिये गये है उनमें यही एक ही बात कही गई है कि आज की कार्यवाही स्थगित की जाकर इस विषय पर चर्चा की जाये। कल तो वह अपने आप अस्वीकार हो गया। रूल के हिसाब से कोई कान्नीजेंस ले नही सकते। यह व्यवस्था दे रखी है कि 9॥ से 10। बजे तक, नहीं तो रूल में प्रावधान है कि सदन की बैठक से पहले एडजोर्नमेंट मोशन दे दें। तीन प्रतियां तैयार की जायें। एक प्रति आपके पास रहेगी, एक प्रति सचिव के पास रहेगी और एक प्रति गवर्नमेंट के पास जायेगी। गवर्नमेंट को प्रति भेजने का मतलब है जो भी इन्फार्मेशन हो वह संकलन करे और सदन में उस इन्फार्मेशन को प्रस्तुत करे। इस प्रोसीजर से डेवीयेट करते है तब तो दूसरी बात है नहीं तो परम्परा यह रही है कि माननीय सदस्यों को बोलने का अवसर दिया जाता है और उस पर सरकार अपना मन बनाती है। परम्पराओं और नियमों का मिश्रण करना चाहते हैं तो हर मैम्बर को बोलने की इजाजत दे दें। आप परम्पराओं का पालन नहीं कर रहे हैं, नियमों का भी पालन नहीं कर रहे हैं। जिस क्वेश्चन पर विचार करने के लिए आज की कार्यवाही स्थगित करने की मांग की है उस क्वेश्चन को आप कल लेना चाहते हैं। यह कैसे नियमों का पालन करना चाहते है, स्पष्टीकरण कर दें।

**श्री अध्यक्ष** : मुझे कोई एतराज नहीं है, माननीय सदस्य दो दो मिनट बोल लें लेकिन कल मेरे पास जब सरकार का कुछ न कुछ उत्तर आयेगा उस वक्त फिर माननीय सदस्य को अवसर नहीं मिलेगा। एक और नियम है कि एक विषय पर एक बार चर्चा होगी, दुबारा उस विषय पर चर्चा नहीं हो सकती।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : नियमों में पाबन्दी है तो परम्पराओं का सहारा ले लिया जाये।

**श्री अध्यक्ष** : चाहे आज अवसर ले लें चाहे कल, एक दफा अवसर दूंगा।

**कई माननीय सदस्य** : आज ले लें।

**श्री अध्यक्ष** : तो फिर यह विषय समाप्त समझूं।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : कोई भी संसटिव गवर्नमेंट होगी, रिप्लाई देगी।

**श्री सुरेन्द्र व्यास** (मालपुरा) : अध्यक्ष महोदय, परम्परा यह है कि जिस एडजोर्नमेंट मोशन को डिसअलाऊ कर दिया जाता है उस पर सदस्य बोल सकते हैं। कल फिर डिबेट होगा, गवर्नमेंट का स्टेटमेंट आयेगा परसों फिर डिबेट होगी ...

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री दाऊदयाल जोशी** : एल. एल. बी. कहां से किया है ?

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री सुरेन्द्र व्यास** : अध्यक्ष महोदय, इस तरह टाक आउट हो जायेगी।

**श्री अध्यक्ष** : मेरी भी यही मान्यता है।

**श्री सुरेन्द्र व्यास** : इनकी कोई जिम्मेदारी तो है नहीं ...

**श्री मेघराज तावड़** : जिम्मेदारी तो आपकी है।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री सुरेन्द्र व्यास** : अध्यक्ष महोदय, सोसायटी की सबसे बड़ी डिससर्विस कर रहे हैं यहां पर बलात्कार के झूठे सच्चे मसले उठा कर .....

(व्यवधान)

**श्री मेघराज तावड़** : क्या झूठ बता रहे हैं, क्या आप बता सकते हैं जितने बलात्कार हुए हैं वह सच हैं या झूठ हैं ? आपके ऊपर बीते तो आपको मालूम पड़े ...

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आप कृपया बैठ जायें।

**श्री सुरेन्द्र व्यास** : यह मसला ऐसा है, फैक्ट्स व स्थगन प्रस्ताव के जरिये आपके पास आ चुके हैं और आपने गवर्नमेंट को भेज दिये। गवर्नमेंट उनको एग्जामिन करे। चर्चा संक्षिप्त हो। गैर जिम्मेदारी से बात न करें। वातावरण को दूषित न बनायें।

**श्री मेघराज तावड़** : आपको उपदेश देने की जरूरत नहीं है।

**श्री खेतसिंह राठौड़** : अध्यक्ष महोदय, जैसी कि श्रीमान ने स्वयं ने इस बारे में व्यवस्था पढ़ कर बता दी, इस सदन में सन् 52 से लेकर आज तक 29 वर्षों में केवल दो बार स्थगन प्रस्ताव पर स्वीकृति दी है। स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा के लिए आम तौर पर परम्परा यह रही है कि जब भी कोई माननीय सदस्य एडजोर्नमेंट मोशन मूव करते हैं उस पर माननीय अध्यक्ष सरकार से जानकारी चाहते हैं। बाद में उसे रिजेक्ट कर देते हैं तो माननीय सदस्य बोल सकते हैं। जब सरकार से जानकारी चाही है एडजोर्नमेंट मोशन पर तो इस पर किसी माननीय सदस्य को नहीं बोलना चाहिये। जब सरकार से जानकारी आ जाये उसके बाद में बोल सकते हैं। जिनको बिल्कुल मना कर दिया है उनको दो मिनट का समय दिया जाता रहा है और अब भी दिया जाना चाहिये। जनता दल के अन्दर विरोधी दल के माननीय नेता जिस वक्त मुख्य मंत्री थे उन्होंने बीच में इस प्रकार की कुछ समय के लिये कुछ ऐसी कार्यवाही शुरु की थी कि उसी वक्त कन्सर्न्ड मंत्री से कहते थे कि वह जवाब दें। आम तौर पर मंत्री फंसा करते थे। उनकी दुर्दशा होती थी। इसलिये आपसे निवेदन करना चाहता हूं हम केवल परम्पराओं पर नहीं चलना चाहते। बलात्कार जैसे तथ्यों को एक घन्टे के अन्दर एकत्रित

(श्री खेतसिंह राठौड़)

करके सदन के सामने प्रस्तुत कर दिया जाये यह बड़ा मुश्किल है। पुरानी परम्पराओं के अनुसार चलते रहें। जिन पर सरकार से जानकारी चाही है उन पर नहीं बोलने दिया जाये, जिनको रिजेक्ट कर दिया है उन पर आप बोलने का समय दे सकते हैं।

**श्री गोपाल पचेरवाल** : अध्यक्ष महोदय, मैंने एक स्थगन प्रस्ताव पुलिस द्वारा ग्राम गुडलनी जिला बूंदी में निर्मम लाठी चार्ज के बारे में 4 तारीख को आपके सामने पेश किया था उसका जवाब आज तक सरकार की तरफ से नहीं आया। गांव में जाने का कोई साहस नहीं कर पा रहा है।

**श्री अध्यक्ष** : मेरे पास जवाब आ चुका है। उस पर व्यवस्था दी जायेगी।

**श्री गोपाल पचेरवाल** : मुख्य सचेतक आपको गुमराह कर रहे हैं.....

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : कृपया स्थान ग्रहण करें। पहले, जो विवाद चल रहा है मैं उस पर व्यवस्था देना चाहता हूं। उचित यही होगा कि स्थगन प्रस्ताव जो आते हैं जिनको मैं रिजेक्ट करता हूं उस पर तो माननीय सदस्यों को दो दो मिनट का समय दूं। जिनके बारे में, मैंने जानकारी चाही है वह जानकारी अभी आ जाय, ऐसा सम्भव नहीं है। जिन स्थगन प्रस्तावों के मैंने उद्धरण दिये वे काफी पुराने और दूर-दराज इलाकों के थे इसलिये सरकार से जानकारी चाही है। सरकार से जानकारी लेकर कुछ कहना ठीक होगा। आज मैंने जो स्थगन प्रस्ताव अस्वीकार किया है, वह माननीय बाऊ दयाल जोशी और महावीर प्रसाद का चारे और राहत के बारे में है। कोई बहुत महत्वपूर्ण बात नहीं है अतः उन दोनों माननीय सदस्यों को 5-5 मिनट का बोलने का समय दूंगा। अभी माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर वाद विवाद चल रहा है इसलिये अभी अधिक समय देना ठीक नहीं रहेगा। सदन में बाद में और भी ऐसे अवसर आयेंगे जिनका आप उपयोग कर सकते हैं। आपसे सहयोग चाहता हूं....

(व्यवधान)

मेरा आपसे नम्र निवेदन है जो मैंने व्यवस्था दी है, वह उचित है और सबके हित में है। इससे हमारा जो समय है, वह भी व्यर्थ में नहीं जायेगा।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : अध्यक्ष महोदय, आपकी व्यवस्था पर तो मुझे किसी प्रकार की आपत्ति नहीं होगी लेकिन थोड़ा विरोधाभास है, कोई नियम है या कोई व्यवस्था है उसमें मेरी समझ में नहीं आता है, माननीय चीफ व्हिप महोदय ने यह कहा कि जो स्थगन प्रस्ताव अध्यक्ष महोदय की तरफ से अस्वीकार किये जाते हैं, उन पर तो माननीय सदस्यों को बोलने की छूट है। यह एक अजीब तमाशा है जिनको अध्यक्ष महोदय स्वीकार करते हैं उन पर माननीय सदस्यों को बोलने की इजाजत नहीं है। इसका मतलब यह है कि अध्यक्ष महोदय के निर्णय को स्वीकार नहीं करना चाहिये। इसी प्रकार यदि चीफ व्हिप महोदय का रुख है तो मैं उनको इस बात के लिये धन्यवाद देना चाहता हूं लेकिन साथ ही मेरा यह भी निवेदन है कि अध्यक्ष महोदय को इस प्रकार की गलत सलाह न दें।

(श्री भैरोंसिंह शेखावत)

दूसरा, मैं निवेदन करना चाहता हूं, अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की परम्परायें रही हैं, माननीय खेत सिंह जी भी जानते हैं, आपके सैक्रेटरी महोदय भी जानते हैं। जिस स्थगन प्रस्ताव पर दूसरे दिन जानकारी मांगी उस पर भी आज तक बोलने की अनुमति दी गई है। बोलने के पश्चात् सारे फैक्ट्स, माननीय सदस्य क्या चाहते हैं, किस प्रकार की सूचना है उस पर सरकारी सूचना प्राप्त करके सदन में सारी स्थिति रखें, उस पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए। आज बलात्कार पर स्थगन प्रस्ताव रख रहे हैं तो हो सकता है माननीय सदस्यों के पास ज्यादा फैक्टस हों तो उससे सरकार को लाभ होगा। यह कहा गया कि हमने इस प्रकार की व्यवस्था शुरू की, तो यह तो सरकार की प्राम्प्टनेस थी। आपने साथ ही यह भी कहा कि उसमें मंत्री फंसते थे तो आप तो मंत्री है नहीं जो इस समय मंत्री हैं, उनको फंसने दीजिये। जब आप मंत्री बनेंगे उस समय पाइन्ट आफ आर्डर रेज करना।

**श्री दिनेशराय डांगी :** आप इनको मंत्री बनाकर छोड़ेंगे।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत :** इस प्रकार माननीय चीफ व्हिप महोदय को नहीं कहना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, पिछले सदन में इस प्रकार की परम्परा थी तो मेरा निवेदन है उस परम्परा को नहीं तोड़ा जाय।

**श्री राज बहादुर :** अध्यक्ष महोदय, मुझे फिर एक अनुरोध तो यह करना है कि जहां जहां नियमों के विपरीत जाने की कोशिश की वहां कुछ तो आपको व्यवस्था करनी ही होगी। साढ़े नौ बजे तक आप एडजोर्नमेंट मोशन मांगते हैं। आपको 11 बजे तक का समय मिल जाता है। तो ढाई घंटे काफी होते हैं। यदि यह सुविधाजनक नहीं है तो एक बजे बाद ले लीजिये। मेरा निवेदन है उस दिन जानकारी मांग लेंगे तो दोनों काम हो जायेंगे। एक बजे बाद ले लिया करें, दो बजे बाद आयें वह ले लिया करें। यह तो एडजोर्नमेंट मोशन के खिलाफ है बिजनेस रोका न जाय business of the House shall be adjourned यह प्रावधान है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह से तो काम नहीं चलेगा। या तो आप एक बजे तक असैस कर लीजिये, आपके पास पूरी गवर्नमेंट है—पूरा आर्गेनाइजेशन है या आप यह कह दीजिये कि आर्गेनाइजेशन कम है तो वह एक दूसरी बात है।

**श्री परसराम मदेरणा (भोपालगढ़) :** माननीय अध्यक्ष महोदय, एडजोर्नमेंट मोशन के स्वीकार करने और रिजेक्ट करने के सम्बन्ध में जो कनफ्लिक्टिंग व्यवस्था है। इस समस्या पर कोई नई व्यवस्था देनी पड़ेगी। विरोधी दल के नेता महोदय कह रहे थे कि हमारे काबिल आदमी थे और यहां पर उसी दिन बोलते थे। ता ऐसी बात नहीं है। अगर सही बात जानकारी के बाद आ जाय···

**श्री राज बहादुर :** तो रूल्स बदल दीजिये।

**श्री परसराम मदेरणा :** नेताओं से बात की तो उसमें कनफ्लिक्ट अवश्य है। इस सम्बन्ध में दो रूलिंग हुई है, मैंने निवेदन किया था पहले वाली रूलिंग और अध्यक्ष महोदय ने जो रूलिंग दी, उसमें फर्क है। अब यहां जो परम्परा की बात कह रहे हैं, वह माननीय सदस्य भूल जाते हैं—मुख्य मंत्री जी अभी इशारा कर रहे हैं और इशारा कर देते हैं तो मंत्री बोल जाते हैं फिर हम

(श्री परसराम मदेरणा)

उनको पिन-डाउन करते हैं, क्योंकि उनको कुछ पता ही नहीं है। मैं निवेदन करूं, इस सदन में कई बार ऐसा हुआ है, मंत्री महोदय कहते हैं कि अभी स्टेटमेंट नहीं दूंगा। उसी वक्त फैक्ट्स के बारे में जानकारी देना, मुख्य मंत्री जी बता रहे हैं, सम्भव नहीं है। जानकारी इतनी जल्दी आ नहीं सकती है। क्वेश्चन आवर में बिजी रहते हैं इसलिये माननीय सदस्यों के जो एडजोर्नमेंट मोशन हैं, उसके फैक्ट्स इकट्ठे नहीं किये जा सकते हैं। इसलिये मैं यह निवेदन करूंगा पहले बोलें या बाद में बोलें केवल एक दफा बोलें एक दफा का अधिकार था, अब उस अधिकार का दुरुपयोग कर रहे हैं यह कौनसी परम्परा है।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : वह करने वाले भी आप ही हैं।

**श्री परसराम मदेरणा** : कम से कम यह परम्परा तो डालें। इसलिए मैं कह रहा था पहले और बाद में बोलने वाले प्रश्न पर रूलिंग हो चुकी है। विरोधी पक्ष के नेता महोदय को, बिजनेस एडवाइजरी कमेटी को निश्चित रूप से कान्फीडेंस में लेकर निश्चित आवर तक जीरो आवर चले, ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए। सरकार की हर समय प्रिवेयडेंनेस की बात करते हैं, यह ठीक नहीं है। राजस्थान के दूर दराज के गांवों की बात इतनी जल्दी आ जाय, यह सम्भव नहीं है। आप एक दफा बोलने की इजाजत दे सकते हैं या फिर सरकार का स्टेटमेंट हो, उस समय बोलने का अवसर दे सकते हैं।

**श्री राम रघुनाथ चौधरी** (डेगाना) : अध्यक्ष महोदय, मेरा पहला निवेदन तो यह है कि स्थगन प्रस्ताव जो हम प्रस्तुत करते है उसमें इतनी डिटेल नहीं होती है। सरकार जानकारी हासिल करती है तो उसमें और हमारी जानकारी में बहुत अन्तर होता है तो क्या हमारी बात सुनने के बाद दुबारा स्टेटमेंट दिलवायेंगे ? दूसरा मेरा निवेदन यह है कि जो स्थगन प्रस्ताव सरकार के पास जानकारी के लिए भेज दिये हैं उन पर दुबारा बोलने का कब मौका देंगे क्योंकि जानकारी आने में तो समय लग सकता है। आप जब यह तय करने जा रहे हैं कि जो स्थगन प्रस्ताव आपने जानकारी के लिए सरकार के पास भेजे, उसको 24 घंटे हो गये।

**श्री अध्यक्ष** : जिनको अति आवश्यक समझा जाता है उनकी जल्दी से जल्दी जानकारी ली जाती है।

(व्यवधान)

**श्री राम रघुनाथ चौधरी** : स्थगन प्रस्ताव को अगर आप रोटेट ठीक नहीं करेंगे तो क्या पांच बजे तक स्थगन प्रस्ताव चलेंगे ? सरकार से आज जवाब आता तो कम से कम कल वाले स्थगन प्रस्ताव···

**श्री अध्यक्ष** : मैंने काफी सुन लिया है। मैं इस सम्बन्ध में सभी नेताओं से बात करूंगा। आज व्यवस्था यह कर देता हूं कि यह जो बलात्कार वाला मामला है उसमें दो दलों ने प्रस्ताव दिया है एक तो कांग्रेस (अर्स) है और दूसरा बी. जे. पी. है। दोनों को ही 10-10 मिनट का समय दिया जायगा बोलने के लिए। यह आज के लिये ही अरेंजमेंट है।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : आज तो चलने दीजिये, अध्यक्ष महोदय।

((व्यवधान)

40



**श्री अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, कृपया स्थान ग्रहण करें।

**श्री अध्यक्ष :** सदन के नेता महोदय।

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया :** श्रीमन, जिन जिन साहब ने और माननीय परसराम मदेरणा साहब ने जो बातें यहां पर कही, उनका आप गहराई से अध्ययन करने की कृपा करें। क्योंकि बलात्कार जैसे मामलों में अगर छानबीन किए बिना कोई बयान यहां पर दे दिया जायेगा तो हो सकता है कि उन तथ्यों में कई बातें छूट कर रह जायें। बलात्कार जैसा मामला इतना सेन्सिटिव है कि सेन्सेशन हमको विरोधी पक्ष से भी ज्यादा होगा। लेकिन सेन्सेशन में यह सरकार प्रवोकेशन में नहीं आती। बलात्कार के जो मामले हैं, उनमें हमारी सब माताओं की, बहनों की और बेटियों की इज्जत का प्रश्न है और हमारे राजस्थान के समाज की इज्जत का प्रश्न सामने है। इसलिए किसी रिपोर्ट के आधार पर हम कोई बात कह दें बात और अधूरी कह दे, तब भी आपको शंका होगी और सदन के बाहर गलत वातावरण बनेगा। इसलिए अच्छा यह होगा कि तथ्य क्या है इसकी जानकारी करके हम कोई बात कहें। हम जब कोई भी बात यहां पर कहें तो पूरी जांच होने के बाद, डाक्टरी जांच हो जाय उसके बाद ही कुछ कहें तो सही स्थिति सामने आ सकेगी। श्रीमन, बहुत सारे अखबारों में चाहे कुछ भी छप जाता है और बहिन-बेटियों की इज्जत हमेशा हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है। मैं यह नहीं चाहता और सदन भी यह नहीं चाहेगा, विरोधी पक्ष के माननीय सदस्य भी यह नहीं चाहेंगे कि गलत सूचना के आधार पर किसी बहन-बेटी की इज्जत उजागर हो जाय जिस कारण से उसका विवाह शादी नहीं हो सकती। इसलिए जो माननीय सदस्य ने कहा है उसको ध्यान में रखते हुए ऐसे बलात्कार के मामलों में निर्णय करना चाहिए।

(व्यवधान)

**श्री गोपाल पचेरवाल :** अध्यक्ष महोदय, बूंदी वाले मामले में मैंने जो स्थगन प्रस्ताव दिया था....

**श्री अध्यक्ष :** मेरे चैम्बर में मिलियेगा।

**श्री गोपाल पचेरवाल :** अध्यक्ष महोदय, मैंने 4 तारीख को प्रस्ताव दिया था

**श्री अध्यक्ष :** मैंने आपको कहा है कि आप मेरे चेम्बर में मिलिये। मेरे पास उत्तर आ गया है।

**श्री सी. पी. जोशी :** अध्यक्ष महोदय, काल अटेंशन मोशन का क्या हुआ?

**श्री गोपाल पचेरवाल :** अध्यक्ष महोदय, आप यह तो व्यवस्था दे दें कि सरकार की तरफ से कब स्टेटमेंट दिया जायगा....

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** कृपया स्थान ग्रहण करें।

**श्री सुरेन्द्र व्यास :** आन ए पाइन्ट आफ आर्डर, अध्यक्ष महोदय...

**श्री अध्यक्ष :** आसन पैरों पर है, इस समय कोई पोइन्ट आफ आर्डर नहीं हो सकता।

मैं अर्ज करना चाहता हूं और मैंने पहले भी यह निवेदन किया था कि मुख्य मंत्रीजी ने फर्माया और सदन के नेताओं ने भी फर्माया है। मेरे कहने का मतलब यही था कि पहले भी यहां यह परम्परा चलती रही है, जीरो आवर शाम को चार पांच बजे तक चलता रहा है। जिस माननीय

(श्री अध्यक्ष)

सदस्य ने जैसा भी चाहा, स्थगन प्रस्ताव दे दिया और उस पर भाषण हो गया, यह परम्परा थी। उसको काट करके बिल्कुल नियमों के अन्तर्गत एक दिन में ले आऊं यह मेरे लिए सम्भव नहीं है। इसलिए जैसा मैंने निवेदन किया कि आज तो कुछ माननीय सदस्य इस पर बोल लें। मैंने आपसे दो ही बातें निवेदन कीं कि जिनके बारे में सरकार से जानकारी चाही है उसके लिए तो मैं यह चाहता था कि उन पर बोलने का अभी अवसर नहीं दूं। जब निर्णय दूं तब तक उनको विचाराधीन रखा है, सरकार से मैंने जानकारी चाही है। जब जानकारी आ जाय तब निर्णय दूं और उस वक्त माननीय सदस्यों को अवसर दे दूं। लेकिन उसके बाद विपक्ष के नेता महोदय ने कहा कि नहीं, यहां तो परम्परा यह रही है कि जिस दिन प्रस्ताव दिया उसी दिन वे बोलते थे। उनकी इस बात पर मैंने अर्ज किया कि मैं सदन के नेताओं से बात करूंगा। इसके बारे में कुछ परमानेंट हल निकालना चाहता हूं। दूसरा, आज जो मैं अवसर देना चाहता था वह यही था कि दो सदस्य हैं जिन्होंने एक ही विषय पर स्थगन प्रस्ताव दिया है, उनको इस बारे में कुछ कहने के लिए समय दे दूं। जिन पर निर्णय नहीं दिया है उन पर कल तक सरकार से जानकारी करके फैसला दे दूं। कुछ माननीय सदस्य चाहते हैं कि आज ही बोलने की पूरी छूट दे दी जाय। अभी मैं कुछ समय चाहता हूं कि आपसे बात करके कोई और तरीका निकालूं। माननीय सदस्यों से मैं यह चाहता था कि समय की सीमा के अन्दर बोल लें। यह बिल्कुल अल्पकालीन व्यवस्था है, केवल आज आज के लिए। पहले जो बोलने की छूट रही थी उसको एकदम से बन्द नहीं कर सकता था, इसलिए नेताओं से बात करना चाहता हूं। इसलिए आधा घण्टे में जितना भी बोलना चाहें, बोल लें। आधा घन्टे से ज्यादा समय नहीं दूंगा।

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया :** मैंने जिस गहराई से आपका और सदन का ध्यान दिलाया था उस पर आप सोचें। आज चर्चा होती है तो, श्रीमन्, वह बहन बेटी, जिसका नाम आएगा, जिन्दगी भर के लिए चर्चा का विषय बन जाएगी। इसलिए मैंने अर्ज किया था कि तथ्य हमारे सामने आ जायं, उनको हम सामने रख सकें। इसलिए विरोधी पक्ष के नेता से भी निवेदन करूंगा कि पहले स्टेटमेंट दे दिया जाय·····

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** आर्डर प्लीज, आर्डर प्लीज। आसन पैरों पर है।

(व्यवधान)

इसमें, मुख्य मन्त्री जी, मेरी यह कठिनाई है कि पहले तीन सालों में अथवा कितने सालों से मुझे मालूम नहीं, यह व्यवस्था चल रही है कि जैसे ही एडजोर्नमेंट मोशन दिया, चाहे वह कैसे भी भद्दे विषय पर हो अथवा किसी पर आक्षेप लगाने वाला हो, ज्यों ही पेश किया उसी दिन चार चार घन्टे तक डिबेट चल जाय। उसको एकदम से कैसे रोका जा सकता है।

(व्यवधान)

मैंने माननीय सदस्यों से सहयोग की अपील की है।

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : मैं चाहूंगा कि अगर गलत काम होते रहे हैं तो उनको बन्द किया जाय। मैं यह चाहूंगा कि अगर इस तरह की गलत परम्परा रही है तो उस पर विचार करना चाहिए।

**श्री अध्यक्ष** : परम्परा रही है, यह तो चीफ व्हिप भी स्वीकार कर रहे हैं।

(व्यवधान)

आर्डर प्लीज।

स्थगन प्रस्ताव ग्रादि पर चर्चा

**श्री गोपाल पचेरवाल** : अध्यक्ष महोदय, बूंदी वाले मामले में सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ? आप बार बार बलात्कार वाले मामले पर तवज्जह दे रहे हैं। लेकिन मैंने जो स्थगन प्रस्ताव दिया है वह बूंदी में पुलिस के द्वारा जो लाठी चार्ज किया गया है उसके सम्बन्ध में है, उस पर सरकार क्या कार्यवाही कर रही है। सरकार स्टेटमेंट दे रही है या नहीं, उस पर निर्णय दे दें तो स्थिति स्पष्ट हो जाय। मैंने 4 तारीख से स्थगन प्रस्ताव दे रखा है···

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : मैं विपक्ष के नेतागण से, वरिष्ठ सदस्यों से यह चाहूंगा कि जो मैंने अभी व्यवस्था दे दी है, आज आज तो उसी व्यवस्था को चलावें।

**श्री भैरोंसिह शेखावत** : अध्यक्ष महोदय, निवेदन यह है कि हम यहां पर केवल मुख्य मंत्री का निर्देश लेकर या चीफ व्हिप की गाइडेंस लेकर नहीं आए हैं। 16 फरवरी से लेकर आज तक राजस्थान में 99 केसेज रेप के रजिस्टर्ड हुए हैं। वे तो पुलिस में रजिस्टर्ड हुए हैं लेकिन बिना रजिस्टर्ड हुए केसेज की संख्या तो बहुत ज्यादा है। आप क्या यह चाहते हैं कि हम चुपचाप बैठे रहें। आप चाहते हैं कि पुरानी परम्पराओं को तोड़ें और हम उसका विरोध नहीं करें। मैं निवेदन करूंगा कि रेप के केसेज हो रहे हैं, महिलाओं की इज्जत लूटी जा रही है, यह छोटी बात नहीं है। इस बारे में मुख्य मन्त्री जी आदेश दें चाहे आप आदेश दें, हम इसके मानने वाले नहीं है।

( व्यवधान )

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया** : श्रीमान्, आदेश का कोई प्रश्न पैदा नहीं होता है लेकिन आदेश देने की जब जरूरत होगी तो आदेश भी दिए जायेंगे

(व्यवधान )

**श्री गुलाबचन्द कटारिया** : यहां आदेश नहीं चलेंगे।

**श्री राजबहादुर** : यह अपमान होगा सदन का और आसन का। ऐसा कोई आदेश अमान्य होगा।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष**: आर्डर प्लीज ! आर्डर प्लीज ! कृपया स्थान ग्रहण करें। आर्डर प्लीज।

**श्री शिवराम शर्मा** (बनीपार्क ): आप भाई साहब के कारनामों के तो कई अखबार आने वाले है। यह एक अखबार क्या दिखाते हो, भाई साहब के पीरियड के तो कई अखबार आने वाले हैं।

( व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज ! अंकित नहीं हो।...

x x x

कृपया स्थान ग्रहण करें।

x x x

कृपया स्थान ग्रहण करें। सदन के नेता महोदय कुछ कहना चाहते हैं।

**श्री नाथूसिंह** : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।

(व्यवधान)

**श्री रतनाराम चौधरी** : अध्यक्ष महोदय, ये सदन के नेता को सुनना नहीं चाहते।

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज। अंकित न हों।

x x x

सदन के नेता महोदय बोलना चाहते हैं। आर्डर प्लीज। स्थान ग्रहण करें। अंकित न हो। x x x

कृपया स्थान ग्रहण करें। कुछ व्यवस्था कायम करें। कृपया बैठ जायें। आप आसन का आदेश नहीं मानेंगे ? मैं कुछ नहीं सुनना चाहता। कृपया शांत रहें। मुख्य मन्त्री जी कुछ कहना चाहते हैं। आर्डर प्लीज।

**श्री नाथूसिंह** : मुख्य मन्त्री जी से पहले मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।

(व्यवधान)

**श्री राजबहादुर** : मेरी एक विनती सुन ली जाय।

(व्यवधान)

**श्री दिनेश डांगी** : यह कौन सा तरीका है।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : कृपया स्थान ग्रहण करें। माननीय सदस्य। कृपया बिराज जायें। अंकित न हो

x x x

आर्डर प्लीज। काफी हो गया। पाइन्ट आफ आर्डर। मैं नहीं सुनने वाला हूं। सदन के नेता को अधिकार है। वे बोल सकते हैं।

(व्यवधान)

कृपया शांत रहें।

**एक माननीय सदस्य** : अध्यक्ष महोदय, पहले सदन के नेता महोदय को मौका मिलना चाहिए।

**अध्यक्ष** : कृपया शांत रहें।

(व्यवधान)

कृपया स्थान ग्रहण करें।

**श्री दीपेन्द्रसिंह** : अध्यक्ष महोदय, पहले सदन के नेता महोदय को मौका मिलना चाहिये। यह अव्यवस्था विपक्ष की ओर से की जा रही।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज। कृपया स्थान ग्रहण करें।

नेता महोदय।

(व्यवधान)

सदन की कार्यवाही आधे घण्टे के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की कार्यवाही म.प. 12.52 बजे आधे घण्टे के लिए स्थगित की गई।)

विधान सभा की बैठक पुन: म. प. 1. 30 प्रारम्भ हुई।

(श्रीमती लक्ष्मी कुमारी चूंडावत, सभापति, पीठासीन)

**श्री सभापति** : सभा की कार्यवाही आधे घण्टे तक के लिए पुन: स्थगित की जाती है।

1.31 (तदनन्तर सदन की कार्यवाही म. प. बजे आधे घण्टे के लिए स्थगित की गई।)

---

x x x माननीय अध्यक्ष के आदेशानुसार अंकित नहीं किया गया।

(44)



**विधान सभा की कार्यवाही पुनः म. प. 2.05 बजे प्रारम्भ हुई**

**(श्री पूनमचन्द विश्नोई, अध्यक्ष, पदासीन)**

**श्री अध्यक्ष :** मुख्य मंत्री जी।

**श्री जगन्नाथ पहाड़िया (मुख्य मंत्री) :** श्रीमन्, सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित होने से पहले मैं कुछ निवेदन कर रहा था। ऐसा लगता है कि सदन के कुछ माननीय सदस्यों को गलतफहमी हो गई। मैं निवेदन कर रहा था कि जहां ऐसे मामलों में आवश्यक होगा और जरूरी समझा जायेगा वहां सरकार अपने अधिकारियों को आदेश भी देगी लेकिन जहां तक सदन का ताल्लुक है सदन अपने आप में सार्वभौम है, वह जैसा फैसला करे उसका फैसला भी सरकार को मान्य होगा।

मुझे सदन से केवल एक ही अपील करनी है जो मैं पहले भी कर चुका हूं कि ऐसे मामलों को बहुत गम्भीरता के साथ लेना चाहिये। मैंने आपको जैसा निवेदन किया वह फिर दोहरा रहा हूं कि जरा भी डिस्कशन हो जाता है हाउस में तो उसकी चर्चा बाहर हो जाती है अखबारों के जरिये, रेडियो के जरिये और दूसरे जरिये से और हमारी बहन बेटियों की इज्जत चाहे वह उसमें इनवाल्व न भी हों एक तरह से चर्चा का विषय हो जाती है। चाहे जितनी सफाई सरकार देती रहे। इसलिए मैं निवेदन करूंगा कि सरकार इस स्थिति में है कि ऐसे मामलों को देखे और विचार करें जिससे कोई मामला चलता है उसमें और बातों को छोड़ दें यदि किसी आफिसर ने गड़बड़ी की है तो उसको क्या सजा मिले। मैंने निवेदन किया यह बहुत मानवता का विषय है कि हमारी बहिन बेटियों की इज्जत को हम बचा सकें। इस पर आपको विचार करना चाहिये। यह तब तक सम्भव नहीं होगा जब तक कि पूरी जांच पड़ताल के बाद, डाक्टरी जांच के बाद जो अपराधी हैं उनकी बात नहीं सुन ले, तब तक सरकार कुछ नहीं कर सकती क्योंकि कई बार बहुत से मामले गलत पाये जाते हैं। इसलिए मैं निवेदन करूंगा कि जब सरकार के पास पूर्ण जानकारी आ जाये तब ही कहना चाहिये। सदन अपने आप में सार्वभौम है सदन जो भी आदेश देगा उसकी पालना होगी।

**श्री राजबहादुर :** अध्यक्ष महोदय, इस बात के ऊपर हमें सन्तोष है कि मुख्य मंत्री जी ने जो वक्तव्य दिया था उनका स्पष्टीकरण किया अन्यथा बहुत भारी वेदना हम लोगों को दी गई थी कि इस तरह के शब्दों का प्रयोग हुआ। तो मैं इस बात को कहना चाहूंगा कि जहां तक हमारी जिम्मेदारी का संबंध है हम पूरी जिम्मेदारी के साथ अपना कर्त्तव्य निभायेंगे लेकिन कोई शब्द सदन की शान के खिलाफ नहीं कहे जाने चाहिये जिससे सदन की गरिमा के उपर असर पड़े। धन्यवाद।

**श्री अध्यक्ष :** जिन माननीय सदस्यों ने स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत किये थे उनमें से कुछ एक में हमने सरकार से जानकारी चाही है और कुछ एक को अस्वीकार कर दिया है। इसके लिए हमने पहले अलग व्यवस्था दे दी थी लेकिन आज के लिए यह है कि अधिक से अधिक एक घन्टे के अन्दर माननीय सदस्य जो उस संबंध में तथ्य हो वह सदन के सामने रखेंगे।

(व्यवधान)

आर्डर प्लीज।

(श्री अध्यक्ष)

जिन माननीय सदस्यों के स्थगन प्रस्ताव आये थे वह है सर्वश्री घनश्याम तिवाड़ी, बालचन्द्र आर्यवीर, जीतमल जैन, हंसराज शर्मा, नन्दलाल मीणा, बंशीलाल पटवा, शीतलाल आर्य, ललित किशोर चतुर्वेदी, रामरघुनाथ चौधरी और जेठमल बरवड़। अधिक से अधिक 45 मिनट से एक घन्टे का समय इसमें दिया जायेगा। उसके बाद में यह चर्चा स्वतः ही समाप्त हो जायेगी। सर्व श्री गुलाबचन्द कटारिया, अनंगकुमार जैन के कुछ अन्य विषय हैं वह भी इसमें आ जायेंगे और जिनको मैंने अस्वीकार कर दिया है वह भी इसमें आयेंगे कृपया संक्षेप में अपनी बात कहें।

**श्री नाथूसिंह :** इस पर मैंने एडजोर्नमेंट मोशन दिया था।

**श्री मोहनलाल मोदी :** अध्यक्ष महोदय, मैंने भी एक स्थगन प्रस्ताव दिया है....

**श्री अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, इस बारे में जानकारी चाही है।

**श्री मोहनलाल मोदी :** ऐसे गम्भीर मामले में सरकार मौन रहे। मैंने एडजोर्नमेंट मोशन पेश किया था....

**श्री अध्यक्ष :** जानकारी आ गई है। अब मेरे सामने प्रस्तुत होगी। आर्डर प्लीज।

**श्री मोहनलाल मोदी :** उनकी जान की रक्षा का प्रश्न है। इसमें भी सरकार इतनी देरी करती है।

**श्री अध्यक्ष :** देरी का प्रश्न नहीं है। हमारे पास जानकारी आ गई है। हमें समय नहीं मिला। चैम्बर में मुझसे दरयाफ्त कर लें।

श्री घनश्याम तिवाड़ी।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (सीकर): अध्यक्ष महोदय, इस बलात्कार के मामले पर बोलते हुए मेरा सिर शर्म से झुक जाता है। वह महिला पति के साथ घूमने जा रही थी। पाली के अन्दर टिकिट पूछने के बहाने उसे दूर ले गये और 6 लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। उसके बाद वह और। जब वापिस आ गई बस के अन्दर बस के कन्डक्टर और खलासी ने बलात्कार किया। जब जिलाधीश के पास गई तो जिलाधीश ने कहा कि आपका जो नुकसान हुआ है इसके लिये दो हजार रुपया ले जाओ। किसी का चरित्र हनन करने के लिये, किसी की इज्जत लूटने के लिये, नारी जाति का अपमान करने के लिये कहा दो हजार रुपया ले जाओ। भारत में नारी के लिये कहा गया है "भारत में नारी पूजी जाती है।" भारत के अन्दर कहा गया है "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।।"

अध्यक्ष महोदय, श्री गंगानगर के अन्दर 13/4 को मुकद्मा दर्ज हुआ। हरिजन महिला खेत से काम करके आ रही थी। उसके साथ 6 लोगों द्वारा बलात्कार किया गया और जब तक वह नहीं मरी, उस पर पत्थर फेंके गये। उसका पति और बच्चे आज तक उसे ढूंढ रहे हैं। पहाड़ियाजी के राज में हरिजन के ऊपर अत्याचार हो रहा है यह शर्मनाक है।

अध्यक्ष महोदय, आप जहां पर बैठे हैं, जयपुर नगर में। इस जयपुर नगर के अन्दर संतोकबा दुर्लभजी अस्पताल है। एक महिला अपनी चिकित्सा कराने के लिए आई। पुष्पा और मन्जू जिनकी उम्र 15 साल और 17 साल की थी, अध्यक्ष महोदय, उसकी सुश्रुषा करने के लिये थीं।

(48)



( श्री घनश्याम तिवाड़ी )

वे दोनों लड़कियां जब अस्पताल से बाहर निकलीं तो सामने वाले मकान में उन्हें ले गये और चार लोगों ने बलात्कार किया। दो ने एक के साथ, दो ने एक के साथ। पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की गई। उनके खिलाफ वारन्ट जारी किया गया लेकिन आज तक गिरफ्तारी नहीं कर सके।

अध्यक्ष महोदय इस प्रकार के कारनामे हो रहे हैं और भी केसेज हैं। अध्यक्ष महोदय, पोकरण क्षेत्र के अन्दर एक अधिकारी को 20-2-80 को आठ घण्टे तक लोगों ने घेर लिया। टेलीफोन करने की कोशिश की लोग इकट्ठे हो गये। जब सरकारी अधिकारी आया, किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं किया गया। सरकारी व्यक्ति का 8 घण्टे तक लोगों ने घेराव किया। उसके बाद आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई।

अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में कहा, राजस्थान में नारी का मान होता रहा है। आज ही जवाब दिया है। पता चला है कि 90 से ऊपर बलात्कार के केसेज हुए हैं···

**श्री अध्यक्ष** : कृपया समाप्त करें।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** : पहाड़िया के राज का एक महीने, सवा महिने का काल बलात्कार का काल है···

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज। कृपया समाप्त करें।

(व्यवधान)

आर्डर प्लीज, कृपया समाप्त करें।

श्री बालचन्द्र आर्यवीर।

**श्री दाऊदयाल जोशी** : मैं निवेदन करना चाहता हूं

**श्री अध्यक्ष** : मैंने नाम पुकारा है, बालचन्द्र आर्यवीर।

**श्री दुलाराम** : इनका नाम नहीं है····

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : इस पर आप नहीं बोल सकते। बालचन्द्र आर्यवीर का नाम पुकारा है।

**श्री दाऊदयाल जोशी** : मैं निवेदन करूंगा··

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज। चर्चा का समय समाप्त हो गया।

**श्री दाऊदयाल जोशी** : मेरा नाम है, अध्यक्ष महोदय।

**श्री अध्यक्ष** : नाम होगा तो मैं पुकार लूंगा। आर्डर प्लीज।

(व्यवधान)

मैं इस तरह से इजाजत नहीं दूंगा। आर्डर प्लीज। कृपया स्थान ग्रहण कीजिये।

**श्री गुलाबचन्द कटारिया** : मेरा नाम देख लीजिये।

**श्री अध्यक्ष** : मैं जिस सीक्वेन्स में नाम पुकारूं, बोलते रहें। किसी का नाम रह जाये तो मेरा ध्यान आकर्षित कर दीजिये।

श्री बाल चन्द आर्यवीर।

**एक माननीय सदस्य** : x x x को बन्द करवाइये।

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

---

x x x शब्द माननीय अध्यक्ष के आदेशानुसार अपलोपित किया गया।

**श्री बालचन्द आर्यवीर :** आज राजस्थान के मुख्य मंत्री श्री जगन्नाथ पहाड़िया हरिजन हैं ……

**एक माननीय सदस्य :** आपको क्या तकलीफ हो रही है ?

( व्यवधान )

**एक माननीय सदस्य :** आपको सम्मान करना चाहिये ।

**श्री अध्यक्ष :** आर्डर प्लीज । कृपया स्थान ग्रहण कीजिये ।

( व्यवधान )

**एक माननीय सदस्य :** राजस्थान का सौभाग्य है, हरिजन मुख्य मंत्री है ।

**श्री अध्यक्ष :** आर्डर प्लीज ।

**श्री दुलाराम :** यह नहीं कहें, जगन्नाथ पहाड़िया हरिजन हैं ……

( व्यवधान )

**श्री दिनेश डांगी :** ठाकुर राज फिर नहीं आने वाला है ….

( व्यवधान )

**श्री दुलाराम :** महात्मा गांधी के स्वप्नों को साकार होते हुए देखने के लिए राजी नहीं हैं, राजस्थान में 30 साल बाद हरिजन मुख्य मंत्री बना है ….

(व्यवधान)

**श्री दिनेश डांगी :** जग जीवन राम की हत्या करने वाले ये ही लोग हैं । उस समय कहां चले गये थे ?

(व्यवधान)

**सुश्री पुष्पा जैन ( आमेर ):** आन ए पाइन्ट आफ आर्डर ।

(व्यवधान)

**श्री बालचन्द्र आर्य :** मैं इस सदन में पढ़ कर सुनाना चाहता हूं…

**श्री अमीन खां :** 40-40 दिन तक हरिजन लड़कियों को घर में रखा, वह दिन कहां चले गये ?

(व्यवधान)

**श्री सूरजपाल सिंह :** हरिजन मुख्य मंत्री बन गये इसलिये आप सदन की कार्यवाही नहीं चलने देना चाहते हैं ।

**श्री अध्यक्ष :** आर्डर प्लीज, आसन पैरों पर है । कृपया स्थान ग्रहण करें ।

(व्यवधान)

**श्री सूरजपाल सिंह :** आपको क्या तकलीफ है ?

**श्री प्रद्युम्नसिंह :** आन ए पाइन्ट आफ आर्डर ।

**श्री अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, पाइन्ट आफ आर्डर आ गया है ।

**श्री प्रद्युम्नसिंह :** अध्यक्ष महोदय, व्यवस्था का प्रश्न यह है कि आपने सिर्फ पांच मिनट का समय दिया एक एक सदस्य को बोलने के लिये । जिस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल किया गया है वह तो किसी प्रकार उचित है ही नहीं और इसके लिए तो इन्हे खुद को शर्मिन्दगी होगी ।

**श्री दाऊदयाल जोशी :** यह पाइन्ट आफ आर्डर नहीं ।

(व्यवधान)

जबरदस्ती का पाइन्ट आफ आर्डर है ।

**श्री प्रद्युम्नसिंह :** अध्यक्ष महोदय, आन ए पाइन्ट आफ आर्डर । जनवरी, 1979 से दिसम्बर, 1979 तक इनके शासन में 200 रेप केसेज हुए हैं ।

(व्यवधान)

**श्री दाऊदयाल जोशी :** यह पाइन्ट आफ आर्डर नहीं है ।

(48)



(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आसन पैरों पर है, बैठ जायं।

**श्री सूरजपाल सिंह** : आपके नेता इस काम में माहिर हैं प्रेस को खरीदने में। यही ट्रेनिंग ली है उन्होंने ''

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : मैं माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा, कृपया शांत रहें। आपस में बात नहीं करें। कृपया शांत रहे।

प्रवोक करने वाले शब्दों का उपयोग नहीं हो तो ज्यादा अच्छा है। जो तथ्य हैं उनको ही सदन के सामने रखें तो सदन की कार्यवाही भी अच्छी तरह से चलेगी। इस तरह से तो पौन घंटे का समय समाप्त हो जायगा और आप अपनी बात कहने से भी वंचित रह जायेंगे। संयत भाषा का प्रयोग करना चाहिये।

(व्यवधान)

**श्री सूरजपाल सिंह** : इनके नेता ने यही ट्रेनिंग दी है।

**श्री रतनाराम चौधरी** : ''' आसन की अवहेलना करने और सदन की कार्यवाही नहीं चलने देने की ही ट्रेनिंग दी गई है।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : कृपया स्थान ग्रहण करें। आपस में बात नहीं करें।

**श्री बालचन्द आर्यवीर** : अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र में पगारिया जो थाना है ''

(व्यवधान)

वहां का हैडकांसटेबल हरिजन लड़की का अपहरण करके ले गया और उसके साथ बलात्कार किया ''

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : कृपया व्यवधान उपस्थित नहीं करें।

**श्री नाथूसिंह** : आन ए पाइन्ट आफ आर्डर।

**श्री अध्यक्ष** : श्री नाथू सिंह।

(व्यवधान)

माननीय सदस्य स्थान, ग्रहण करें। माननीय सदस्य को बोलने दें।

(व्यवधान)

**श्री नाथूसिंह** : आन ए पाइन्ट आफ आर्डर।

(व्यवधान)

**श्री दुलाराम** : सूचना के लिए क्या पॉइन्ट आफ आर्डर हो सकता है। मेरा भी पॉइन्ट आफ आर्डर है।

**श्री अध्यक्ष** : श्री नाथूसिंह।

(व्यवधान)

अरे भाई इनका भी पॉइन्ट आफ आर्डर है।

**श्री दुलाराम** : मेरा पाइन्ट आफ आर्डर है। माननीय अध्यक्ष महोदय, ये परम्परा बिगाड़ रहे हैं।

**श्री अध्यक्ष** : श्री नाथूसिंह।

**श्री नाथूसिंह** : अध्यक्ष महोदय, ऐसे कई मौके होंगे जब इधर के माननीय सदस्य अपने विचार रखेंगे और उधर के भी माननीय सदस्य अपने विचार रखेंगे। कई विषय भी होंगे लेकिन इस तरह के विषयों पर जब कोई चर्चा हो उसमें दूसरी तरफ से विघ्न पैदा करेंगे तो आपने निश्चित समय दिया है, आपने आधा घण्टे का समय दिया है, एक घण्टा या आधा घण्टा तक समय दिया है तो उसमें कैसे चर्चा हो सकेगी। मेरा निवेदन है कि आपने जितना

(श्री नाथूसिंह)

समय दिया है वह तो ऐसे ही हो हल्ले में चला जाएगा ...

श्री अध्यक्ष : यही बात रहेगी। आप को जितना समय मिला है उतने समय में ही चर्चा कर लें।....

(व्यवधान)

कृपया स्थान ग्रहण करें।

श्री दुलाराम : अध्यक्ष महोदय, आन ए पॉइन्ट आफ आर्डर।

श्री अध्यक्ष : पॉइन्ट आफ आर्डर।

श्री दुलाराम : अध्यक्ष महोदय, इस सदन के नेता पहले राजपूत रहे हैं। ब्राह्मण रहे हैं और बणिये भी रहे हैं लेकिन कभी भी इस तरह से नहीं कहा है कि हरिजन होने के नाते हरिजन के साथ बलात्कार किया।

श्री दाऊदयाल जोशी : वह तो प्रोसीडिंग्स में देख लें।...

(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आर्डर प्लीज। आर्डर प्लीज, माननीय सदस्य।

श्री दाऊदयाल जोशी : इसमें यह लिखा हुआ है। आप समय बर्बाद कर रहे है।

श्री अध्यक्ष : कृपया बैठ जावें।

श्री दुलाराम : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं और आपकी मार्फत सदन से निवेदन करना चाहता हूं कि ढाई साल के दौरान राजपूत और जाटों के झगड़े होते रहे। मैं यह नहीं कहता कि भैरोंसिंह जी ने राजपूत होने के नाते ये झगड़े करवाये। लेकिन यहां पर जातिवाद के आधार पर झगड़े होते रहे हैं और चलते रहेंगे। मगर इस प्रकार की बात कही जाय खास तौर से भारतीय जनता पार्टी से सम्बन्धित सदस्यों की ओर से हरिजनों के नाम पर, हरिजनों को सम्बोधित करके कि हरिजन मुख्य मंत्री के होते हुए हरिजनों के साथ बलात्कार किया गया, मैं समझता हूं कि यह बात बिल्कुल अनुचित है। क्या ढाई साल के समय में रेप नहीं हुए? मैं समझता हूं कि जनता पार्टी के राज में राजपूतों ने और जाटों ने हरिजनों के ऊपर जितने अत्याचार किए उतने कभी नहीं हुए

(व्यवधान)

श्री दाऊदयाल जोशी : इतने कभी नहीं हुए। सात दिन में दस रेप कभी नहीं हुए....

(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जिन माननीय सदस्य को मैं....

श्री रामरघुनाथ चौधरी : आन ए पोइन्ट आफ आर्डर....

(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आदेश दूंगा वही बोलेंगे। अभी बालचन्द्र आर्यवीर जी बोलेंगे। जीतमल जी जैन बोलें यदि बालचन्द्रजी नहीं बोलना चाहते हैं।

श्री हंसराज।

श्री हंसराज शर्मा (सवाई माधोपुर): आदरणीय सम्माननीय अध्यक्षजी के माध्यम से मैं सवाई माधोपुर के सम्बन्ध में राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि जब कांग्रेस की सरकार आई और सरकार ने कार्यभार सम्भाला उसके तुरन्त बाद जिला सवाई माधोपुर के ग्राम मलारना डूंगर में कुछ गुंडे एक औरत, जो गरीब माली की थी और

(श्री हंसराज शर्मा)

निपटने जा रही थी, को सरकारी मकान में ले गए ...

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री हंसराज शर्मा** : और उन्होंने उसके साथ कुकर्म किया। वह बहुत ही अनभिज्ञ थी। गुंडों ने उस लड़की के हाथों पर बड़े बड़े पत्थर रख दिए। वह लड़की बेहोश हो गई। अध्यक्ष महोदय, इसके पश्चात वह लड़की चीखती चिल्लाती रही। जब एक व्यक्ति ने उसकी चीख को सुना और वहां गया तो गुंडों ने उस पर आक्रमण कर दिया। उसके बाद थोड़ी देर बाद वही गुंडे फिर वहां पर पहुंच गए, वे पड़ोसी जाति के थे........

(व्यवधान)

उस महिला को अचेतावस्था में और तड़फती हुई हालत में बेहोशी में अस्पताल ले जाया गया। यह बड़ा दर्दनाक और शर्मनाक अवसर था। उसमें सरकार की ओर से कोई कड़ी कार्यवाही नहीं की गई। इस तरह के जो काण्ड हो रहे हैं उनके लिए जो जो उत्तरदायी है उनको गिरफ्तार करना चाहिए और सजा देनी चाहिए।

बन्धुओ, इसी प्रकार से सवाई माधोपुर में ही एक लड़की गरीब परिवार की थी और अपनी उदरपूर्ति के लिए जंगल में लकड़ी काटने के लिए गई थी। वहां पर गुण्डों ने उस महिला के साथ कुकर्म किया। उसके बाद उसको डराया गया, उसको धमकाया गया जिससे कि वह चिल्ला भी नहीं सकी। पास में ही वन विभाग के लोग थे वे उसकी आवाज सुन कर वहां पहुंच गए और उसको बचाने की कोशिश की तो गुण्डों ने चाकुओं से उन पर हमला करने का प्रयास किया और वहां से भाग गए। पुलिस में रिपोर्ट की गई, थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई, मेडिकल कराया गया। सरकार के पास सारा रिकार्ड है। माननीय अध्यक्ष महोदय, क्या इस शासन के अन्दर इसी तरह से रेप होते रहेंगे? मैं निवेदन करूंगा, माननीय अध्यक्ष महोदय, जो इस सरकार को चला रहे हैं मैं उनसे निवेदन करना चाहता हूं कि क्या इसी प्रकार से बलात्कार होते रहेंगे? क्या इसी प्रकार से अन्याय होते रहेंगे ?

**श्री अध्यक्ष** : कृपया समाप्त करें।

**श्री हंसराज शर्मा** : मैं इतना ही निवेदन करूंगा कि इस प्रकार की घटनायें जिस सरकार में होती है उस सरकार का या तो मुंह काला हो उसको धोना चाहिए या त्याग-पत्र दे देना चाहिए।

**श्री अध्यक्ष** : श्री नन्दलाल मीणा।

**श्री नन्दलाल मीणा** (प्रतापगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं अपने क्षेत्र की ऐसी ही एक घटना का बयान करना चाहता हूं...

**श्री दिनेश जोशी** : इनके कर्म भी ऐसे ही हैं।

**श्री नन्दलाल मीणा** : मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि मैं जिस क्षेत्र से चुन कर आया हूं, प्रतापगढ़ क्षेत्र से वह मध्य प्रदेश से लगा हुआ है। जिस समय विधान सभा का चुनाव चल रहा था उस समय आदिवासियों के साथ एक तरफ कांग्रेसी के द्वारा वायदे किये गये दूसरी तरफ उनकी महिलाओं के साथ बलात्कार की कार्यवाही चल रही थी.

(व्यवधान)

प्रतापगढ़ तहसील में श्रीमती कंचन बाई जिसकी उम्र 25 वर्ष की है, का पति खेतिहर मजदूर है, ग्राम डीगाव तहसील मन्दसौर..

**श्री अध्यक्ष** : कृपया किसी का नाम नहीं लें....

(व्यवधान)

**श्री नन्दलाल मीणा** : मेरे कहने का मतलब यही है कि उस भगवाना की पत्नी को कनाड ले गए और वहां पर उसके साथ बलात्कार किया । उसका पति भी उसके साथ था, उसने इसका विरोध किया । किसी भी आदमी के साथ ऐसा होगा तो विरोध करेगा ही । उस व्यक्ति को उसकी पत्नी के सामने ही मार दिया गया । इस कार्यवाही के बाद जो वास्तविक मुलिजमान थे वे अब तक गिरफ्तार नहीं हुए । बात यहीं पर समाप्त नहीं हुई । अध्यक्ष महोदय, इसके बाद वे लोग यहां पर आए, कांग्रेसी मंत्री महोदय से मिले और उनको बताया कि किस प्रकार से भगवाना को डीगांव ले गए और 25-5-80 को मारपीट कर इसकी बहन के घर के पास छोड़ दिया गया । मैं खुद कनाड जाकर इस सारी दुर्घटना के बारे में जानकारी करके आया हूं । जब मैं वहां पहुंचा तो उस की दर्दनाक हालत को देख नहीं सका । दिन दहाड़े वहां पर पुलिस के कर्मचारियों ने उसके साथ बलात्कार किया । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार में बैठे हुए व्यक्तियों से यही निवेदन करूंगा कि इस तरह से हमारे क्षेत्र में महिलाओं के साथ बलात्कार हुए हैं और इस प्रकार से आदिवासी हरिजन महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहे हैं ।

**श्री अध्यक्ष** : कृपया समाप्त करें ।

**श्री दाऊदयाल जोशी** ।

**श्री दाऊदयाल जोशी** : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैने जब समाचार पत्रों में यह पढ़ा कि राजस्थान के मुख्य मन्त्री जी श्री पहाड़िया जी हनुमान के मन्दिर पर गये तो मेरी तबीयत बाग-बाग हो गयी । मुझे लगा कि पहली बार इस प्रकार का धर्मप्राण मुख्य मन्त्री राजस्थान की धरती को मिला है । मुझे याद है कि जब आप बालाजी पहुंचे तो आपके साथ लाडपुरा क्षेत्र से निर्वाचित मेरे एक साथी थे ।

**श्री अध्यक्ष** : भूमिका लम्बी ज्यादा हो रही है ।

**श्री दाऊदयाल जोशी** : अध्यक्ष महोदय, भूमिका इसलिये दे रहा हूं कि धर्म में इस प्रकार की बात है कि जब कलयुग आयेगा तो ज्यादा से ज्यादा व्यभिचार होंगे । मुझे लगता है कि पहाड़िया जी के धर्म प्राण होते हुए भी पग-पग पर व्यभिचार हो रहे हैं, इससे मुझे लगता है कि कलियुग का पदार्पण अब होगा ।

(व्यवधान)

**श्री रेवतराम** : पहले का सतयुग का समय था क्या ?

**श्री दाऊदयाल जोशी** : एक लड़की से रास्ते में सवाई माधोपुर के पास एक व्यक्ति मिला । उससे पूछा कि कहां जा रही हो ? उस लड़की ने कहा भगवान भरोसे जा रही हू । वह व्यक्ति उस लड़की को होटल में ले गया । उसके साथ व्यभिचार किया, फिर दूसरे व्यक्ति को भेज दिया । उसने उसके साथ व्यभिचार किया । उसके बाद तीसरे व्यक्ति सुनार को भेजा, उसने उसके साथ व्यभिचार किया । इस तरह उसके साथ व्यभिचार किये जाते रहे ।

(52)



**एक माननीय सदस्य :** अध्यक्ष महोदय, अपोजिशन के नेता महोदय से मेरा निवेदन यह है कि .....

(व्यवधान)

**श्री भगवान दास शास्त्री :** अध्यक्ष महोदय के होते हुए आप कौन होते हैं बोलने वाले । कोई कानून है क्या ? हैं, है, है, ... ...

(व्यवधान)

**व्यवस्था का प्रश्न सदन में समाचार पत्र का पाठन**

**श्री गोविन्दसिंह :** व्यवस्था का प्रश्न है, अध्यक्ष महोदय । आन ए पाइन्ट आफ आर्डर सर ..

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** आर्डर प्लीज । पाइन्ट आफ आर्डर आ गया है बीच में ।

**एक माननीय सदस्य :** कुछ पल्ले नहीं पड़ता है ।

**श्री गोविन्द सिंह :** अध्यक्ष महोदय, 18-3-75 को जो अध्यक्ष महोदय पदासीन थे उस समय अध्यक्ष महोदय ने यह निर्णय दिया था कि न्यूज पेपर को सदन में नहीं पढ़ा जा सकता है । यह आपकी रूलिंग है, Newspapers are never quoted in the House माननीय सदस्य न्यूज पेपर की कतरन पढ़ रहे हैं ।

**श्री अध्यक्ष :** यह आबजेक्शन ठीक है । आप न्यूज पेपर को नहीं पढ़िएगा ।

**श्री दाऊदयाल जोशी :** मेरे पास न्यूज है, न्यूज पेपर नहीं ।

गंगानगर के पास एक शिड्यूल्ड कास्ट की महिला के साथ व्यभिचार किया गया है.

(व्यवधान)

और इन सब व्यभिचारों का कारण है जयपुर में एक फिल्म चल रही है मन का आंगन । बहुत गन्दी फिल्म है । उसके कारण सारे राजस्थान का वातावरण बिगड़ा है ।

**श्री अध्यक्ष :** आपने वह फिल्म देखी या न ?

(व्यवधान)

**श्री भंवर लाल शर्मा :** आन ए पाइन्ट आफ आर्डर ।

**श्री अध्यक्ष :** आर्डर प्लीज । पाइन्ट आफ आर्डर ।

**श्री भंवरलाल शर्मा :** अभी जब माननीय सदस्य बोल रहे थे माननीय सदस्य, जो नसीराबाद से आये हैं, ने यह कहा कि आप न्यूज पेपर नहीं पढ़ सकते हैं । मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, नियम 269.... .... .......

**श्री अध्यक्ष :** 269. आर्डर प्लीज ।

**श्री भंवरलाल शर्मा :** "Whilst the House is sitting, a member-(1) shall not read any book, newspaper or letter except in connection with the business of the House."

**श्री अध्यक्ष :** "except in connection with the business of the House."

तब इस सदन को आपत्ति नहीं हो सकती है ।

रैफर कर सकते हैं, लेकिन उसको पढ़ नहीं सकते हैं ।

**श्री बंशीलाल पटवा**

**स्थगन प्रस्ताव आदि पर चर्चा**

**श्रीमती उजला अरोड़ा :** माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है, मुझे अनुमति दी जाये ।

**श्री अध्यक्ष :** व्यवस्था का प्रश्न है ।

**श्रीमती उजला अरोड़ा :** अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगी कि यह जो चर्चा शुरू की गई है-यह समाज की आस्था और

(श्रीमती उजला अरोड़ा)

व्यवहार के अन्दर जो नियम हम लोगों ने स्वीकार किये हैं उस आचरण के विपरीत है। इस तरह का आचरण कि महिलाओं का शीलभंग किया जाये, मैं समझती हूं संजीदगी का मामला है। वातावरण का ख्याल कीजिये। इसका कोई मजाक उड़ाये तो मैं समझती हूं गलत तरीका है। हम कैसे समाज की रक्षा करेंगे, कैसे महिलाओं की रक्षा करेंगे? जिस विषय पर हम चर्चा करने चले हैं, उसे गम्भीरता के वातावरण में लेना चाहिये। यह पार्टी पोलिटिक्स का प्रश्न नहीं है, यहां 50% महिलाएं हैं।

(व्यवधान)

**एक माननीय सदस्य :** यह पाइन्ट आफ आर्डर नहीं है।

**श्री अध्यक्ष:** मैं आपके विचारों से सहमत हूं।

**एक माननीय सदस्य :** हम तो खुद ही यह कह रहे हैं, उजला जी।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** आर्डर प्लीज।

**श्रीमती उजला अरोड़ा :** मैं किसी विवाद में नहीं पड़ना चाहती हूं, अध्यक्ष महोदय। जिस तरह की हम यहां बात सुन रहे हैं, उनसे हमें बड़ी लज्जा आती है।

(व्यवधान)

मैं आज्ञा लेकर बोल रही हूं ऐसे ही नहीं बोल रही हूं। यह कोई मामूली बात नहीं है। अलवर के पास रामगढ़ है। वहां से दो लड़कियां उठाई गईं; थाना मोती है जो अचला नाम की लड़की थी, माननीय अध्यक्ष महोदय, उसको वहां पर पकड़ा है, जहां पर हमारे बाहर का सर्किल है। मुझे पता लगा तो मैंने कहा, आप तुरन्त जाकर उसको मिले और पता लगायें कि लड़की किस हालत में है। लेकिन जिन बातों पर. .

(व्यवधान)

**एक माननीय सदस्य :** क्या यह व्यवस्था का प्रश्न है, माननीय अध्यक्ष महोदय ?

**श्री सुरेन्द्र व्यास :** अध्यक्ष महोदय, सबसे बड़ी बात यह है, कोई एफ. आई. आर. दर्ज हुई हो और अगर कोई कार्यवाही नहीं हुई हो, गवर्नमेंट की गलती हो तब तो एडजोर्नमेंट मोशन का सब्जेक्ट बनता है। अध्यक्ष महोदय,....

**श्री अध्यक्ष :** आर्डर प्लीज। कृपया स्थान ग्रहण करें।

आसन ने यह व्यवस्था दी थी कि इस विषय पर एक घन्टे के बीच में चर्चा होगी इसलिए कृपया चर्चा होने दें। संक्षेप में कहें।

माननीय सदस्य श्री वंशीलाल पटवा।

**श्री वंशीलाल पटवा :** माननीय अध्यक्ष जी, मैं निवेदन करना चाहूंगा कि ये जो आये दिन जिस प्रकार की घटनायें हम सुनते हैं या प्रत्यक्ष में लोग हमारे पास आते हैं उनके आधार पर मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि पिछली फरवरी से लेकर आज तक के दौरान राजस्थान में अपराध-वृत्ति में वृद्धि हुई है। मैं जिस क्षेत्र से जीत कर आया हूं उस क्षेत्र में भी पिछले महीने में दो इस प्रकार की घटनाएं घटी हैं। एक खायड़ा नामक गांव में 10 वर्ष की बच्ची के साथ बलात्कार हुआ उसको जबरदस्ती उठा कर ले गये बलात्कार के दृष्टिकोण के आधार पर और आज उस घटना के 8 दिन बाद तक पुलिस कुछ नहीं कर सकी।

(54)



**श्री अध्यक्ष** : संक्षेप में माननीय सदस्य।

**श्री बंशीलाल पटवा** : उस घटना की एफ. आई. आर. दर्ज नहीं की गई। बाद में एस. पी. से मिलने गया तब दर्ज हुई।

इसी तरह की घटना प्रोपर भीलवाड़ा की है जहां मास्टर की पत्नी को बलात्कार की दृष्टि से उठा कर ले गये। आज तक उसका पता नहीं लगा।

इसी तरह की आये दिन छोटी छोटी घटनाएं होती हैं मैं सोचता हूं कि चाहे कोई भी सरकार हो, यह उसके लिए शुभ नहीं कहा जा सकता है। मेरे पास विजय नगर की एक घटना है जिसका फोटो चित्र है। थानेदार ने भोजी के साथ बलात्कार किया है उसका यह चित्र अखबार में छपा है। इसी तरह की घटना उदयपुर की ली जा सकती है, फलौदी की ली जा सकती है, दौसा की ली जा सकती है। जो कुछ इस तरह की घटनाएं घट रही है, मैं समझता हूं उनमें इसी तरह से वृद्धि होती गई तो कानून नाम की वस्तु नहीं रह जायेगी। जब सरकार नाम की चीज है तो कुछ तो एक्शन किया जाना चाहिये। अगर कुछ नहीं किया जायेगा तो आगे जाकर क्या स्थिति होगी कोई नहीं कह सकता। इस तरह की घटनाओं में सबसे ज्यादा कमजोर वर्ग के लोग ही पीड़ित हैं या वही लोग इस तरह के अत्याचारों की लपेट में आये है। मैं इस तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि घटनाएं कम से कम हों मिनिमाइज हो।

**श्री मोहनलाल मोदी** : अध्यक्ष महोदय, यह जनरल बात कह रहे हैं।

**श्री अध्यक्ष** : श्री रामरघुनाथ चौधरी।

**श्री रामरघुनाथ चौधरी** (डेगाना) : माननीय अध्यक्ष महोदय, जहां तक शील भंग के मामलों का संबंध है राजस्थान में तो न तो पहाड़िया जी करवाते हैं, न विपक्ष करवाता है, न कांग्रेस (आई) करवाती है। कुछ इस तरह के लोग हैं जो इस तरह की घटनाएं करते हैं। हमें तो सोचना यह है कि इस प्रकार की घटनाओं को किस प्रकार रोका जा सकता है, या पुलिस निष्क्रिय हो गई है उसको किस प्रकार से पाबन्द किया जा सकता है ताकि इस तरह की घटनाएं न हों। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि कांग्रेस (आई) में या सत्ता पक्ष में बैठने वाले सदस्य हैं वे यह थोड़ा ही चाहते हैं कि इस तरह की घटनाएं हों, बलात्कार आज चार हों, कल दस हों लेकिन अगर वे इस पर हसते है तो हम सोचने को मजबूर होते हैं कि वे सोचते है कि अगर ऐसी ही घटनाएं घटती हैं तो कोई बात नहीं। वे महिलाएं किसी की भी मां, भाभी, बहन हो सकती हैं, इसमें कोई अन्तर नहीं है।

(व्यवधान)

आपको खुशी होती है क्या बलात्कार की घटनाओं से? तो आप सुनिये शांति से। मेरा विनम्र निवेदन है, अध्यक्ष महोदय,

**श्री अध्यक्ष** : संक्षेप में।

**श्री रामरघुनाथ चौधरी** : मेरा बहुत संक्षेप में, अध्यक्ष महोदय, निवेदन यह है कि आज ये विपक्ष में बैठने वाले, जो कल सत्ता पक्ष में थे, यह कहें कि आज बलात्कार की घटनाएं ज्यादा बढ़ गई हैं तो मेरे ख्याल से उनको भी सोचने को मजबूर होना पड़ेगा कि वे भी जब सत्ता पक्ष में थे तो कितनी घटनाएं हुई। मुझे याद है जयपुर में ही एक महिला को उठा कर ले गये।

55



( श्री राम रघुनाथ चौधरी )

रात भर न जाने कहां रही। सुबह सड़क पर फेंक दी गई लाश की तरह मैं उसमें नहीं जाना चाहता कि सत्ता में रहने वाले लोगों को ही पता नहीं, पुलिस में रिपोर्ट होती है तो मुलजिम का पता नहीं। तो इसलिये हम रिमार्क पास करें और झगड़ा हो इस विषय पर। यह झगड़े का विषय नहीं है। बलात्कार की बीसों घटनाएं हुई हैं यह एक बहुत ही सीरियस विषय है। मैं निवेदन यह करना चाहता हूं कि आपकी जो लोकल पुलिस है वह निष्क्रिय हो गई है। या तो इस तरह के लोग पुलिस से मिले हुए हैं या उनसे पैसा लेकर पुलिस निष्क्रिय हो गई है या भ्रष्टाचार बढ़ गया है। यानि किसी न किसी प्रकार से कुछ लोगों का पुलिस से संबंध रहता है। तो इस तरह के लोग इस तरह का कुकर्म करते हैं। इसलिये एक तो आपको यह सोच कर चलना पड़ेगा कि इस तरह के लोग जो पिछले दो ढाई साल से ऐसी जगह पर लग गये हैं उनको हटा कर दूसरे अच्छे लोगों को लगावें और उनको पाबन्द किया जाय कि इस तरह की घटनाएं बढ़ें नहीं।

इसके साथ ही मैं निवेदन करना चाहता हूं कि अभी सत्ता पक्ष में बैठने वाले माननीय सदस्य ने कहा था कि स्थगन प्रस्ताव का विषय तब बनता है जब पुलिस में मुकदमा दर्ज हो जाय। यह बिल्कुल ठीक बात है परन्तु जो घटनाएं होती हैं वे अमीर घरानों की महिलाओं के साथ नहीं होतीं या जो कारों में घूमती हैं उनके साथ नहीं होतीं। उनके साथ परिवार के बीसों लोग होते हैं। ये घटनाएं घटती हैं गरीब लोगों के साथ। गरीब तबके के लोग किसी भी जाति के हो सकते हैं इसलिये केवल यह कहा नहीं जाय कि हरिजनों के साथ ही ऐसी घटनाएं होती हैं, चूंकि हरिजन गरीब होते हैं इसलिये उनकी अनसुनी हो जाती है। इसलिये मेरा निवेदन है कि गरीबों का प्रोटेक्शन हो। एक गरीब आदमी की पत्नी के साथ बलात्कार किया गया और उस आदमी को पेड़ से बांध दिया गया। इसका मतलब यह है कि जो गरीब पति है वह उसकी रक्षा नहीं कर सका। इसका मतलब यह है कि ऐसे कर्म करने वाले लोग कितने हावी हो गये हैं प्रशासन पर और पुलिस पर कि उसके साथ पति था उसकी परवाह नहीं की और उसको बांध कर चले गये। ऐसे मामले में कार्यवाही नहीं हो, कोई पकड़ा नहीं जाय तो ऐसे लोगों को कोई डर नहीं होगा। इसलिये, माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा निवेदन करना चाहता हूं कि यह बहुत ही सीरियस किस्म का मसला है। मुख्य मंत्रीजी को अपने प्रशासन को, पुलिस को बहुत सख्त आदेश देकर खींचना चाहिये ताकि इस तरह के मामले न हों।

इसके साथ ही मैं निवेदन करना चाहता हूं कि जब सीमान्त गांधी हिन्दुस्तान में आये तो उन्होंने हिन्दुस्तान की स्थिति को देखते हुए कहा था कि इस तरह के लोगों को फांसी दे दी जानी चाहिये। मैं चाहूंगा कि जब भी मुख्य मन्त्री जी के सामने इस तरह का मामला आये तो दोषी को सख्त सजा दी जाय।

**श्री अध्यक्ष** : संक्षेप में।

**श्री रामरघुनाथ चौधरी** : इस तरह की घटनाएं मेरे क्षेत्र में भी घटी है। मैं और किसी के बारे में निवेदन नहीं करना चाहता मेरे अपने क्षेत्र में जो घटना घटी उसके

(58)



( श्री रघुनाथ चौधरी )

बारे में मैं निवेदन करना चाहता हूं। एक चिताई नामक गांव है जिसमें भंवरी नाम की मेघवाल जाति की 15 साल की लड़की....

**श्री अध्यक्ष** : नाम न लें किसी का।

**श्री रामरघुनाथ चौधरी** : यह तो पुलिस में दर्ज हो चुका है, अध्यक्ष महोदय।

वह अपनी बकरियां चराने के लिये गई। वहां पर जबरदस्ती एक युवक ने पकड़ कर उसके शील भंग का कार्य किया। मुकदमा पुलिस में 20-6 को रजिस्टर हो गया उसके बाद भी पुलिस निष्क्रिय है। माननीय सदस्य ने यह कहा कि ऐसे मामलों में पुलिस अगर निष्क्रिय रहे तो उसके लिए सरकार जिम्मेदार है।

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, संक्षेप में

**श्री रामरघुनाथ चौधरी** : संक्षेप में ही निवेदन कर रहा हूं।

मैं यह निवेदन कर रहा था कि 20-6-80 को यह केस रजिस्टर हो चुका है। जिस व्यक्ति द्वारा यह कुकर्म किया गया है उसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज है। वहां का थानाधिकारी वहां का डी. वाई. एस. पी. एक ही जाति के हैं। वे कुकर्म करने वाले व्यक्ति से मिले हुए हैं। नियमों का पालन करते हुए मैं उनके नाम नहीं ले रहा हूं। परन्तु मैं यह बताना चाहता हूं, अध्यक्ष महोदय, ये एक ही जाति विशेष के लोग हैं इसलिए न तो वह व्यक्ति पकड़ा गया है और न उसको पकड़ने की कोशिश की गई है। वे किस तरह के लोग हैं, जहां से हमारे मन्त्री महोदय आते हैं, वे इसकी जानकारी कर सकते हैं। इस तरह के कृत्यों में जो लोग डूबे हुए हैं उनको रोकने की यदि कोशिश नहीं की गई, कार्यवाही नहीं की गई तो निश्चय ही इसके लिए सरकार दोषी है। ऐसी सरकार की हम सराहना नहीं कर सकते हैं। मैं तो, अध्यक्ष महोदय आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री को यह निवेदन करना चाहता हूं कि इन कुकृत्यों को रोकने के लिए पुलिस और प्रशासन को पाबन्द करें कि ऐसे कुकृत्य न हों।

**श्री अध्यक्ष**: श्री गुलाबचन्द कटारिया। दो मिनट।

स्थगन प्रस्ताव पर बोले।

**श्रीमती विद्या पाठक** : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो मैंने स्थगन प्रस्ताव नहीं दिया है परन्तु महिला सदस्य होने के नाते इस विषय पर निवेदन करना चाहती हूं। कृपया दो मिनट अलाऊ करें।

**श्री नाथूसिंह** : अध्यक्ष महोदय, इस पर मैंने स्थगन प्रस्ताव दिया था।

**श्री अध्यक्ष**: श्री गुलाबचन्द कटारिया।

(व्यवधान)

समय समाप्त हो रहा है। आर्डर प्लीज।

**श्रीमती विद्या पाठक**: इसके बाद विषय बदल जायगा।

**श्री अध्यक्ष** : बाद में समय दे दूंगा।

**श्री ललित किशोर चतुर्वेदी** : मेरा नाम भी था।

**श्री अध्यक्ष** : आपका नाम है परन्तु समय की मजबूरी है।

दो मिनट का समय दे दूंगा।

**श्री कटारिया** : जो तकलीफ हैं वह फर्मा दीजिए।

**श्री गुलाबचन्द कटारिया** : तकलीफ ही प्रकट कर रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, 24दिन से लैम्पस नामक सरकारी संस्थाओं की लम्बी हड़ताल चल रही है। सरकार ने जन जाति निगम की व्यवस्था की थी वह इसलिए की थी कि आदिवासी क्षेत्र में रहने वाले गरीब भील, मीणों को किसी प्रकार आर्थिक सहायता मिले, इन लोगों को आवश्यक सामग्री मिल सके इसलिए यह कारपोरेशन बनाया गया था। सरकारी संस्थाओं के कर्मचारियों की छोटी सी मांग है इसके लिए कर्मचारियों द्वारा पिछले दिनों से हड़ताल की जा रही है। इस हड़ताल के कारण आदिवासी लोग बुआई नहीं कर सके हैं क्योंकि उनको बीज, खाद नहीं मिल सका। यह एक छोटी सी घटना हैं। इसलिए इस हड़ताल को समाप्त कराने का प्रयास किया जाए। उनकी मांग कोई बड़ी नहीं है। आपने क्यों उनको पहले सर्विस में रखा। पहले यह कहा था कि निगम के नियमों के अनुसार उनकी सेवाएं सुरक्षित रहेंगी। उन की यह वाजिब मांग है। उनको पहले आपने मान लिया था, उनको स्वीकार कर लिया था। इसके लिये इतने लम्बे समय तक हड़ताल चले तो यह अच्छी बात नहीं है। क्यों कि यह आदिवासी क्षेत्र है और इस हड़ताल से आदिवासियों को नुकसान हो रहा है।

**श्री अध्यक्ष** : पशु आहार, चारे के बारे में।

श्री महावीर प्रसाद।

(अनुपस्थित)

श्री दाऊदयाल।

**श्री दाऊदयाल जोशी** : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो बरसात हो गई है लेकिन आज की तारीख में भी सीकर जिले में श्री बदरी नारायण जी सोढाणी 20,000 पशुओं के प्राणों की रक्षा कर रहे हैं। मेरा यह निवेदन है कि श्री बदरीनारायण जी सोढाणी ने राज्य सरकार को पत्र लिखा है कि पशु आहार के लिए सरकार प्रति मवेशी जो सब्सिडी एक रुपये की दे रही है वह काफी कम हैं वे काफी संख्या में पशुओं की रक्षा कर रहे हैं। भयंकर अकाल के होते हुए भी आज भी चारे की पूरी व्यवस्था नहीं है फिर भी वे पशुओं को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। इसलिए मेरा निवेदन है कि राज्य सरकार यह सब्सिडी एक रुपये से बढ़ा कर अधिक प्रदान करे तो निश्चित रूप से अधिक पशुधन को बचाया जा सकता है। लाखों पशु मर रहे हैं उनकी रक्षा की जानी चाहिए। माननीय सी0 पी0 जोशी, जो नाथद्वारा से आये हैं, भी यह जानते हैं। यह उनका फोटो छपा है जिसमें ये मरी हुई गाय के पास खड़े हैं। मेरा निवेदन है कि पशुधन को बचाने की कृपा करें। इस तस्वीर को मैं सदन की मेज पर रखता हूं।

**श्री अध्यक्ष** : **श्रीमती विद्या पाठक**।

**श्रीमती विद्या पाठक** : अध्यक्ष महोदय, महिलाओं पर हो रहे बहुत ही हीनियस क्राइम की अभी सदन में चर्चा हुई। बहुत-सी घटनाओं पर प्रकाश डाला गया इसके अलावा भी कई घटनाएं ऐसी हैं जो आज इस प्रदेश-देश में हो रही हैं किन्तु न इनके अखबार में दर्शन मात्र होते हैं और न वे पुलिस में रजिस्टर होती हैं। अध्यक्ष महोदय, किसी भी देश, प्रांत, राष्ट्र की कल्चर, संस्कृति का अगर क्राइटेरिया देखते हैं तो पहले यह देखते हैं कि वहां की महिलाओं की क्या स्थिति है? समाज और राज्य द्वारा उनको क्या आदर दिया जाता है प्राथमिकता के आधार पर। सामान्य नाग-

( श्रीमती विद्या पाठक )

रिकों के अधिकार कितने उनको दिए गए है? इन सब पर राष्ट्र की कल्चर निर्भर है। बहुत अफसोस है और इस बात से हमारा सिर शर्म से झुक जाता है कि इस देश की महिला प्रधान मंत्री होते हुए भी महिलाओं पर अत्याचार हो रहे है दूसरे प्रांतों में और हमारे राजस्थान में भी और इन पर कोई प्राथमिकता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसलिए इस मसले को गम्भीरता से लिया जाना चाहिए। साथ ही मैं सदन की समस्त महिला सदस्यों से निवेदन करना चाहती हूं कि मिल कर सरकार पर दबाव डालें कि कल मंत्री महोदय इस विषय पर जब वक्तव्य दें तो वे यह बतावें कि वे इसके लिए क्या व्यवस्था कर रहे हैं, कोई स्पेशल सेल बना रहे हैं या कोई इन्वेस्टीगेशन एजेन्सी बना रहे है ताकि इस तरह के केसेज को जल्दी से निपटाया जा सके। इसके लिए वे क्या कार्यवाही कर रहे हैं उस पर प्रकाश डालें।

**श्री अध्यक्ष** : श्री ललित किशोर चतुर्वेदी।

**श्री ललित किशोर चतुर्वेदी** : अध्यक्ष महोदय, बलात्कार के विषय में जो स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, इस विषय में मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि यदि इस प्रकार की खबरें आती है तो उनके सम्बन्ध में तुरन्त कार्यवाही की जाए। वहां पर नियुक्त पुलिस स्टाफ उस सारे केस को अटेन्ड करे और अटेन्ड नहीं करे तो उनके खिलाफ एक्शन लेने वाली बात अविलम्ब की जाए, ऐसी व्यवस्था हो तो इस प्रकार के घृणात्मक काण्ड रोके जा सकते हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि भरतपुर में आप पधारेंगे, जाटव जाति के भाई पिछले पांच दिन से क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे है। पांच तारीख को 4 जाटव भाई भूख हड़ताल पर बैठे थे। 6 तारीख को बैठे थे, 7 तारीख को 4 महिलायें, जो जाटव जाति की थी, भूख हड़ताल पर बैठी थी। 5 तारीख को जाटवों का एक बहुत बड़ा जुलूस निकला था। एक ही मांग उन्होंने की थी कि आज के दो महीने पहले जिस लड़की की उम्र 15-16 साल की है हालांकि आपने नाम लेने को मना किया है लेकिन मैं निवेदन करना चाहता हूं, उसका नाम है कुमारी मिथिलेश उसकी एफ.आई.आर दर्ज हो चुकी है। मेरा मतलब यह है कि वह जब प्रातः काल दिशाशौच के लिये जा रही थी तो उसका अपहरण कर लिया गया, केवल अपहरण ही नहीं हुआ, अपहरण के बाद वह लड़की आज तक भरतपुर में ही है। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि आज तक वह लड़की बरामद नहीं हुई हैं। और बरामद नहीं होने का कारण यह है कि राजनैतिक रूप से प्रभाव रखने वाले हैं जो कि लड़की को उठा कर ले गये हैं, उनका भतीजा और बड़ा भाई, उनके निकट के रिश्तेदार वहां राजनितिक पार्टी के कार्यकर्ता हैं। सदन के सदस्य नहीं हैं। मैं उनका नाम सामने नहीं रखूंगा। उस लड़की के पिता ने कलेक्टर, मुख्य मंत्री जी और प्रधान मंत्री को पत्र लिखा है। लेकिन 2 महीने के बाद भी आज तक किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं हुई है। कितनी देर और कीजियेगा ? इसके अलावा यह निवेदन है कि राजनितिक पार्टी का कार्यकर्ता होने के कारण यह कह दिया कि हमारी सुरक्षा नहीं हो रही है। उनकी सुरक्षा के नाम पर तो पुलिस का प्रबन्ध किया गया है उससे जनता

( श्री ललित किशोर चतुर्वेदी )

में भय व्याप्त हो गया है। यह तो वही हुआ कि उलटा चोर कोतवाल को डांटे। पहले अपहरण लड़की का किया और फिर राजनीतिक सुरक्षा प्राप्त की। लड़की ....

**श्री दुलाराम** : कहां रखी है ? मैं माननीय सदस्य से पूछना चाहता हूं कि वह कहां है ? मैं निवेदन करना चाहता हूं कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि उसने शादी कर रखी हो और उसे समाज के लोगों ने रोक रखा हो ....

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : कृपया सदस्य बाधा उपस्थित न करें।

**श्री ललितकिशोर चतुर्वेदी** : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के नेता महोदय से कहना चाहता हूं कि वे इस विषय में तुरन्त कार्यवाही कर लड़की को बरामद करायें और बरामद करके लड़की को उसके मां बाप के पास पहुंचाये ताकि इस प्रकार का वातावरण बने जो इस प्रकार की गन्दगी को मिटा सके।

**श्री अध्यक्ष** : समय समाप्त हुआ।

**श्रीमती उजला अरोड़ा** : अध्यक्ष महोदय मैं एक मिनट बोलना चाहती हूं।

**श्री अध्यक्ष** : एक मिनट की इजाजत दी जाती है।

**श्रीमती उजला अरोड़ा** : एक केस हुआ है उसको मैं सदन में रखना चाहती हूं। वह केस जयपुर में हुआ। वे जयपुर के रहने वाले हैं या और कहीं के हैं, यह मैं नहीं कह सकती यह मुद्दे वाली बात नहीं है, मैं केस रखना चाहती हूं। एक लड़की के साथ संतोकबा दुर्लभजी के सामने बंगले में जिस निन्दनीय तरीके का जघन्य काण्ड किया वह शर्मनाक है। अध्यक्ष महोदय, ऐसे काण्ड होते रहे और महिलाओं की सुरक्षा नहीं हुयी तो फिर महिलाओं का क्या होगा। जो केस अलवर का है मैं पूछना चाहती हूं कि अब उस लड़की का क्या होगा? इसलिये मैं निवेदन करना चाहती हूं कि अगर इस समस्या का समाधान कानून बना कर भी किया जा सकता है ..

**श्री खेतसिह राठोड़** : आपने तीन वर्ष में क्यों नहीं बनाया।

( श्री प्रद्युम्न सिंह, सभापति, पदासीन)

**श्रीमती उजला अरोड़ा** : तो मैं आपके माध्यम से आग्रह करूंगी कि वह बनाया जाय ऐसा कुछ किया जाय कि इस प्रवृत्ति को नहीं पनपने दिया जाय ताकि महिलाओं की सुरक्षा हो सके।

**ध्यानाकर्षण**

**प्रस्ताव जयपुर शहर में गत 28 दिनों से चल रही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल।**

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर मंत्री महोदय का वक्तव्य होगा। धन्यवाद प्रस्ताव पर जिन माननीय सदस्यों के नाम हैं उन मे से एक माननीय सदस्य मंत्री महोदय का ध्यान आकर्षित करेंगे, संक्षेप में उस प्रस्ताव पर बोलेंगे, उसके बाद मंत्री महोदय उसका उत्तर देंगे। उसके बाद मंत्री महोदय से स्पष्टीकरण चाहें तो थोड़ा बोल सकते हैं, प्रश्न पूछ सकते हैं।

**श्री भगवान दास शास्त्री** : नाम बता दीजिये।

**श्री अध्यक्ष** : धन्यवाद प्रस्ताव में श्री भगवान दास शास्त्री, डा. उजला अरोड़ा नाथूसिंह, रामकिशोर मीणा आदि नाम हैं आप आपस में फैसला कर लीजिये।

**श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर** : अध्यक्ष महोदय, अभी बातचीत चल रही है। मेरा ख्याल है कि अभी बातचीत चल रही है, इसलिये एक घंटे का समय और दिया जाय तो नतीजे अच्छे आ सकते हैं।

**श्री अध्यक्ष** : बातचीत निर्णायक दौर से गुजर रही है। शायद समस्या का हल निकल जाये !

**श्री भगवानदास शास्त्री** : 20 दिन से बातचीत चल रही है। अभी तक कोई परिणाम नहीं आया है। गरीब हरिजन की हालत गिर रही है, उसके बच्चे भूखे प्यासे मर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय ......

**एक माननीय सदस्य** : आप बैठ जाइये।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज, आर्डर प्लीज आसन पैरों पर है। माननीय सदस्य, कृपया स्थान ग्रहण करें।

**राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर अग्रेत्तर वाद विवाद**

**श्री अध्यक्ष** : महाराम चौधरी।

**श्री महाराम चौधरी (नागौर)**: श्रीमान् अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के सम्बन्ध में यह निवेदन करना चाहता हूं कि ग्रामीण, गांवों में रहने वाले किसानों के सम्बन्ध में जो कुछ भी कार्य बतलाया गया है वह बहुत कम है और काश्तकारों के हित का नहीं है। अभिभाषण में पीने के पानी की समस्या के निवारण के सम्बन्ध में भी कुछ विशेष विकास नीति की बात नहीं की गई है। न इसका उल्लेख किया गया है। जो ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले काश्तकार लोग हैं, उनके लिये मिडिल व प्राइमरी स्कूल की व्यवस्था नहीं है। जो छोटे छोटे कस्बे हैं उनमें ज्यादा प्राइमरी स्कूल का कोटा यानि प्रोपर डिस्ट्रीब्यूशन नहीं है। ऐसा महसूस होता है कि इस सरकार में काश्तकारों, खेतों में काम करने वाले मजदूरों, पिछड़ी जाति के आदमियों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है। उनके विकास की नीति दिशा निर्देशन करने का अभिभाषण में जिक्र नहीं किया है।

20 सूत्री कार्यक्रम, 5 सूत्री कार्यक्रम और 12 सूत्री कार्यक्रम यह जो भी बनाया गया है, उसको कार्य रूप देने के लिये इस सरकार में जैसा वातावरण चल रहा है उससे ऐसा महसूस होता है कि यह कार्यक्रम भी नहीं लागू होगा, इस कार्यक्रम को चलाने में मुश्किल होगी। क्योंकि पिछली सरकार के द्वारा जो भी कर्मचारी लगाये गये हैं वे उसको चलने नहीं देते हैं। इस कार्यक्रम को लागू करने की नीति भी दिखाई नहीं देती है। डी. पी. ए. पी. की जो स्कीम चल रही है उसमें स्टाफ, कन्स्ट्रक्शन, बिल्डिंग का खर्चा बहुत ज्यादा है। इस तरह के काम हैं जिनमें हजारों रुपये खर्च हो गये और विकास कुछ नहीं हुआ है। जो एक्चुअल स्कीम थी उस स्कीम पर खर्चा नहीं हुआ। इस अभिभाषण में गांवों और किसानों को राहत देने की कोई भी घोषणा नहीं की गई है।

इस अभिभाषण में जो एक चारे की निकासी पर प्रतिबन्ध की बात कही गई है इस अकाल के समय में, मैं इस प्रतिबन्ध को हटाने की मांग करता हूं। अकालग्रस्त क्षेत्रों में मैं यह समझता हूं जिसके पास थोड़ा बहुत चारा पड़ा है वह उस चारे को बेच करके अपना रोजमर्रा के काम चला सकता है और कुछ अपना काम कर सकता है। इस निकासी को बन्द करने से काश्तकार को कोई फायदा नहीं हुआ है।

चरागाह आदि के बारे में जो तारबन्दी का काम किया गया है, उससे जो थोड़ी बहुत जमीन बची हुई थी वह भी अपने

(61)



(श्री महाराम चौधरी)

कब्जे कराके गांव में लोगों के रास्ते रोक दिये हैं। इससे गांव वालों के मवेशी के बाहर जाने को जमीन भी नहीं रहेगी। इसी तरह से गांव में सड़के बनाने का काम जो काम के बदले अनाज योजना के अन्तर्गत चलाया है, वह सड़कों का कोई काम इस तरह की योजना से नहीं हो सकता है। सरकार द्वारा रेगुलर स्कीम से ही सड़कों का काम किया जा सकता है।

**श्री सभापति :** श्री गोविन्दसिंह।

**श्री गोविन्दसिंह ( नसीराबाद ) :** आदरणीय सभापति महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर श्री शिवचरणजी माथुर ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा है, उसके बारे में मैं अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए खड़ा हुआ हूं। कल मुझे विपक्ष के माननीय सदस्यों से मिलने का मौका मिला। जिस क्षेत्र से मैं निर्वाचित होकर आया हूं, वह एक सैनिक क्षेत्र है। मुझे अफसोस है कोटा से जो माननीय सदस्य निर्वाचित होकर आये हैं, उन्होंने सैनिकों की प्रशंसा का विरोध किया है। सैनिकों की मिसाल नहीं है। मरू प्रदेश, जहां पानी नहीं है, में उनकी सेवाओं के विरुद्ध उन माननीय सदस्य ने कह कर सेना के लिए अच्छा नहीं किया है। आदरणीय अध्यक्ष महोदय,

**श्री भगवानदास शास्त्री :** सभापति महोदय कहिए।

**श्री गोविन्दसिंह :** आदरणीय सभापति महोदय, बलात्कार के मामले में सदन में विचार रखे गये हैं लेकिन यह बड़े दुःख की बात है कि इस स्थिति में सुधार के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। किस तरह से ये घटनायें खत्म हो सकती हैं, इसके बारे में कुछ नहीं कहा गया है ऐसी घटनाओं को रोकने के लिये कोई सुझाव नहीं देकर केवल उन्हीं बातों पर ध्यान दिया है कि किस प्रकार का बलात्कार करने का तरीका था इसी तरीके पर बहुत जोर दिया गया है, इसका बहुत खेद है। आप विधान सभा में चुन कर आये हैं, आपसे राजस्थान की जनता बहुत आशा रखती है। हमारा जो काम करने का तरीका है, और जो हमारा आचरण है. मुझे यह कहते हुए बहुत अफसोस है कि इस तरीके से हमारा बहुत सारा समय ऐसे विषयों पर खराब हो रहा है। जिन कामों के लिए हम चुन कर भेजे गये हैं, उन कामों में हमको समय खर्च करना चाहिए।

सभापति महोदय, जैसा पूर्व में कहा गया है, मैं कहना चाहूंगा, पहला काम जनता पार्टी ने सत्ता में आने के बाद जो किया है, वह आर. एस. एस. के बारे में था। उनकी शासन तन्त्र में घुसपैठ कराई गई। उनको ऐसे पदों पर नियुक्त किया गया जिन पर रह कर प्रशासन को वह अपने सिद्धांतों के अनुकूल चला सके, उसकी नीति को अपनाने के लिए हजारों काम किये गये हैं। लाखों रुपया जो बहुत मेहनत की कमाई का टैक्स के रूप में जनता से वसूल किया गया था, वह लाखों रुपया उन पर बहाया गया है। यही कारण है कि आज भी सरकारी सिद्धांतों को पूरा करने में वह आनाकानी करते हैं। हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने चेतावनी दी है, उसको पूरा करना ही होगा। माननीय सभापति जी, जब जनता पार्टी का शासन आया...

(समय समाप्ति सूचक घण्टी)

जनता पार्टी जब शासन में आई तो मैंने पहला भाषण प्रधान मन्त्री मोरार जी देसाई का पाली में सुना।

**श्री सभापति** : आप संक्षेप में कहें।

**श्री गोविंदसिंह** : उन्होंने पाली में एक ही बात कही थी। उन्होंने कहा था कि सभी निर्भय हो जायें। उनके ऐसा कहने से गुण्डे और बदमाश तो निर्भय हो गये और जो सम्माननीय नागरिक थे, उनकी इज्जत को खतरा पैदा हो गया। उसी का यह नतीजा है कि आज ये समस्याएं हमारे सामने आ रही हैं। आज जो विरोधी दल के लोग घटनाएं प्रस्तुत करते हैं, वह उन्हीं नीतियों का परिणाम हैं जो जनता सरकार ने अपनाई और जनता सरकार ने दीं। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करूंगा कि सरकार कोई ऐसी नीति नहीं अपनाये।

मेरा नसीराबाद क्षेत्र है। वहां न तो नगरपालिका है, न कोई ऐसी और संस्था है। 1924 का एक कण्टूनमेण्ट एक्ट बना हुआ है। वह एक काला कानून है। उसमें आज भी अधिकारियों को नामीनेट किया जाता है। उनका बहुमत होता है। वहां के नागरिकों पर इस प्रकार का कानून थोपा जाता है। यहां पर जो विधेयक पास होते हैं जो जनता के लाभ की योजनायें हैं, उनका लाभ भी छावनी के क्षेत्र के लोगों को उपलब्ध नहीं होता है। इसलिए, सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से निवेदन करूंगा, सरकार जो कानून बनाये, उसमें वह नसीराबाद में कण्टूनमेण्ट बोर्ड को भी ध्यान में रखें।

इसके साथ साथ, सभापति महोदय, मै अपना भाषण खतम करने से पहले यह भी कहना चाहता हूं कि अजमेर में जो माध्यमिक शिक्षा बोर्ड है, उसमें तत्कालीन सरकार ने अपने अनुयायियों को लाकर रखा है। वह बोर्ड अपनी नीतियों को जनता पर थोपने पर आमादा है। मैं मुख्य मंत्री महोदय और सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि उनके स्थान पर नया बोर्ड गठित किया जाये। मैं, सभापति महोदय, आपके माध्यम से यह भी कहना चाहूंगा कि अजमेर में जो रेवेन्यू बोर्ड है, यह जयपुर में राजधानी आने के कारण अजमेर की जनता को दिया गया है। वह एकीकृत बोर्ड अजमेर में ही रखा जाय। जयपुर में उसकी बैंच नहीं लाई जानी चाहिये। उसकी बैंच अन्यत्र भी स्थापित नहीं की जाये।

**श्री सभापति** : कृपया समाप्त करें।

**श्री गोविंदसिंह** : अजमेर में एक रोडवेज वर्कशाप है। परन्तु जो गत सरकार थी उसने अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति करने के लिए उन यूनिटों को अन्यत्र उठाने का निर्णय लिया मैं यह निवेदन करना चाहूंगा कि उन दोनों यूनिटों को वहीं रखा जाय और जो काम बाकी पड़ा हुआ है उसे पूरा किया जाय।

इन्हीं शब्दों के साथ माननीय शिवचरण जी ने जो धन्यवाद का प्रस्ताव रखा है उसका समर्थन करते हुए मैं माननीय सदस्यों से आग्रह करता हूं कि इस प्रस्ताव को पारित किया जावे।

**श्री सभापति** : श्री गुलाब चन्द कटारिया।

**श्री गुलाबचन्द कटारिया** : माननीय सभापति महोदय, राजस्थान की जनता ने जो इस चुनाव में फैसला किया उसका मैं आदर करता हूं, सम्मान करता हूं लेकिन उसके आगे जो प्रक्रिया चली वह शायद इतिहास में अमर रहेगी। शायद राजस्थान ने यह गौरव प्राप्त किया 6 तारीख को

(श्री गुलाबचन्द कटारिया)

आदरणीय मुख्य मन्त्री जी ने शपथ ग्रहण की, 18 तारीख को मन्त्रियों का चयन किया और उनके विभागों का वितरण जिस प्रकार से किया, मेरी ऐसी धारणा है कि अगर किसी मन्त्री से पूछा जाय कि उनके पास कौन-कौन से विभाग हैं तो उनको उत्तर देना मुश्किल हो जाय। ऐसा हिन्दुस्तान में कोई भी राज्य नहीं रहा। यह है काबलियत का नमूना, इनकी एफिशियेन्सी का नमूना।

(व्यवधान)

**श्री सभापति** : आर्डर प्लीज, कृपया व्यवधान न डालें।

**श्री गुलाबचन्द कटारिया** : इसके साथ ही कुछ कीर्तिमान भी स्थापित किये। पहला कीर्तिमान शायद इतिहास में अमर रहेगा कि शपथ ग्रहण करने के बाद इतना लम्बा समय मन्त्रिमण्डल बनाने में लिया और उसके आगे भी कीर्तिमान स्थापित किये। चुनावों के पहले, मई के बाद यह नारा लगाया गया, महंगाई अधिक है, लॉ एण्ड आर्डर की सिचुएशन खराब है। यह नहीं कि मैं इसे स्वीकार नहीं करता। आपने आवाज लगाई कि महंगाई बहुत है, मूल्यों को गिराया जाय, इस प्रकार के कई स्टेटमेंट आपने दिये होंगे। आप यह विचार करें कि आपने कौनसे भावों को कम किया और किस सीमा तक कम किया?

आज राजस्थान के स्कूली बच्चे को एक कापी नहीं मिलती। आपने तय किया कि एक कक्षा के बच्चे को एक कापी, दूसरी कक्षा के बच्चे को दो कापी, तीसरी कक्षा के बच्चे को तीन कापी और सातवीं के बच्चे को सात कापी। मेरी यह समझ में नहीं आता कि आप पचास साल पहले पढे होंगे तब एक कापी और एक पट्टी से काम चल जाता था, लेकिन आज उससे काम चलने वाला नहीं है। सातवीं कक्षा के विद्यार्थी को आप सात कापियां दिलाकर बाकी ब्लेक मार्केट से दिलवाना चाहते हैं। आपने इसके लिए भी कुछ प्रयास नहीं किया।

नाथद्वारा से आने वाले माननीय सदस्य को उदयपुर विश्वविद्यालय की बहुत चिन्ता है, मैं उनसे सहयोग करता हूं। मैंने राजस्थान की विधान सभा में सत्तारूढ दल का सदस्य होते हुए भी उदयपुर विश्वविद्यालय की बुराईयों को प्रगट करने का प्रयत्न किया। हम उन लोगों में से नहीं हैं जो दल को देश से ऊपर मानने वाले लोग हैं। लेकिन मैं माननीय सदस्य से पूछना चाहता हूं कि आपने चाटुकारिता के द्वारा कितनी बार परीक्षा को पोस्टपोन कराया? इसमें अधिक जाने की मैं कोशिश नहीं करता।

आपने कहा कि कानून और व्यवस्था बहुत खराब हो गई। मैं यह पूछना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान में जो गुण्डागर्दी, चोरियां बलात्कार, लूटपाट और हत्याएं हो रही हैं जिनकी संख्या बढ़ रही है, उनका जिम्मेदार कौन है?

**एक माननीय सदस्य** : आपने क्या किया?

**श्री गुलाबचन्द कटारिया** : मेरा छोटा सा प्रश्न है। एक छोटा सा बच्चा ढाई साल में क्या कर सकता है? यह सब 32 साल के कांग्रेस शासन की देन है। आपने किस प्रकार से संस्कार डाले और किस प्रकार से शिक्षा की व्यवस्था की।

**एक माननीय सदस्य** : इसीलिए दुबारा सत्ता में लिया।

64



**श्री गुलाबचन्द कटारिया** : ये सारे अपराध कोई जादू के डण्डे से समाप्त होने वाले नहीं हैं। आज जो बुराइयां हैं वे भी आपकी ही देन हैं।

महंगाई के बारे में चुनावों में भाषण दिये गये थे, लोकसभा के चुनावों और विधान सभा के चुनावों में भाषण दिये गये थे। आज लोग पूछते हैं कि वे भाषण क्या थे, आज जनता पूछती है कि आप क्या कर रहे हैं? आप आंकड़ों की बात करते हैं, केवल अच्छे भाषण देने से काम नहीं चलता आप पुराना इतिहास भी उठा कर देखें, आपातकाल में क्या भाव थे? उस समय तो सत्ता आपके हाथ में थी। उस समय के भाव देखो जनता पार्टी के समय में क्या भाव थे और आप जब सत्ता में आये तब क्या भाव छोड़े थे और वे भाव आज कहां पर पहुंच गये? शक्कर के भाव उठा कर देख लीजिये। जनता पार्टी के राज में शक्कर के भाव धीरे-धीरे 2 रुपये 15 पैसे किलो तक पहुंच गये थे। उसके बाद चरणसिंहजी की मेहरबानी से 4 रुपया 40 पैसे हो गये तो आपने हव्वा बना दिया। आज मैं यह सवाल पूछता हूं साढ़े सात रुपये किलो शक्कर का भाव है, यह क्या है? यह इस सरकार का धोखा साबित करती है। आज किसी भी चीज को उठा कर देख लीजिये, गेहूं को उठा कर देख लीजिये। चित्तौड़ का गेहूं उदयपुर नहीं जा सकता, उदयपुर से अहमदाबाद नहीं जा सकता और बम्बई नहीं जा सकता। आपको जनता पार्टी के शासन को ध्यान में रखना चाहिये, अच्छे कामों के लिये। आप चाहे बम्बई चले जाइये या अहमदाबाद, सवा दो रुपये किलो गेहूं मिलता था। उस समय हमारे यहां पर 1 रुपये 40 पैसे था। आपातकाल में ढाई रुपये और तीन रुपये किलो गेहूं बिकता था और चरणसिंह जी के जमाने में 1 रुपये पैसे 60 किलो बिकता था आज गेहूं का भाव ढाई रुपये किलो के करीब होने जा रहा है। यह सब आपने नाटक किया कि हमने टैक्सों में छूट दे दी। आज साबुन के क्या दाम हो गये? पैट्रोल क्या भाव मिल रहा है? यह सब गलतफहमी थी? कई माननीय सदस्यों ने जनता पार्टी के शासन की तीखी आलोचना की, खराबी हो तो आलोचना नहीं करनी चाहिए, मैं यह नहीं कहता हूं। हमने जो गलती की उस को आप सुधारने का प्रयास करते।

(व्यवधान)

सभापति महोदय, मैंने ऐसा कोई शब्द नहीं कहा, ऐसा कोई विचार प्रगट नहीं किया जिससे इनकी आत्मा को ठेस पहुंचे। मेरा निवेदन है कि जो अच्छी बातें हैं उनको स्वीकार करना चाहिये। अन्त्योदय योजना कौनसी खराब थी? हो सकता है 10.20 घर ऐसे हों जिन्होंने इसका सही तरीके से उपयोग नहीं किया। इसके कारण से सारी योजना को रद्दी की टोकरी में फेंक देना राजस्थान की गरीब जनता के साथ धोखा है।

आखिर आपने कितने काम किये? गरीबी मिटाने के नारे लोगों को अन्धाधुन्ध दिये गये लेकिन गरीबी नहीं मिटी। हमने तो एक प्रयत्न किया था, एक शुरुआत की थी, एक प्रयोग आरम्भ किया था। हमें तो काम करना था, इसलिए काम किया। हमें जनता ने ही काम करने के लिए छांटा हमें सहयोग की आवश्यकता थी। हमने अन्त्योदय लोगों को छांटा। पहले साल हमने 50 हजार परिवारों को छांटा। दूसरे साल 1.12 लाख परिवारों को छांटा और हमने

(श्री गुलाबचन्द कटारिया)

उनको सहायता दी, उनके साथ सहयोग किया। इसके आंकड़े दिये हुए हैं। अगर आप मांग करें तो मैं बता सकता हूं, अगर पूरा समय दें तो मैं यह आंकड़े आपके सामने रख सकता हूं। उनको वास्तव में हमने छांटा। हमने 2 साल के अन्दर 2 लाख, 30 हजार परिवारों को सहायता दी। किसी व्यक्ति को दुकान खोलने के लिए तो किसी को दूसरे कामों के लिए। अगर आप चाहें तो मैं आपको पढ़ कर सुना सकता हूं।

हमने राजनैतिक दृष्टि से ऊपर उठ कर कार्य करने का प्रयत्न किया। गरीबी को मिटाने का प्रयत्न किया। आप कहते हैं, जनता पार्टी ने क्या किया। देश में गरीबी बहुत बढ़ गयी। आज हमारे यहां पर 55 रुपये प्रति व्यक्ति प्रति महीने की आमदनी है। इस तरह की आमदनी से कितने लोग जीते हैं, वह गरीबी की रेखा से नीचे रहते हैं। अगर इन चुनावों में अधिकारियों ने बेईमानी की तो उनको सजा मिलनी चाहिए, निश्चित रूप से सजा मिलनी चाहिए। मैं कहना चाहूंगा कि ऐसे व्यक्तियों को निश्चित रूप से सजा मिलनी चाहिए, निश्चत रूप से सजा दें। अगर हमने कोई गलती की तो आप चाहें तो हमें भी सजा दें। अगर आप सोचते हों कि हमने बेईमानी की है तो हमें सजा दें। हमने अपने कार्यों को ठीक तरह से किया है। हम डरपोक और कायर नहीं हैं। हम केवल राजनीति की रोटियां सेकने के लिए नहीं आये हैं। जनता ने हमको भेजा है और हम अपनी बात को कहने का प्रयत्न कर रहे हैं। 30 साल से योजनायें अच्छी नहीं बनी थीं। आपके पास गांवों का विकास करने के लिए योजनाएं नहीं थी। वह जनता पार्टी ही थी, जिसने गांवों के विकास के साधन जुटाये.....

(व्यवधान)

**श्री सभापति** : आर्डर-आर्डर कृपया शान्त रहें। माननीय सदस्य, व्यवधान न डालें।

**श्री गुलाबचन्द कटारिया** : गांवों के विकास के लिए हमने एक योजना प्रारम्भ की थी। उस योजना के आधार पर हमने कार्य किया। आपने भी उस योजना को स्वीकार किया, उसके लिए मै आपको धन्यवाद देता हूं। उस योजना के आधार पर हमने राजस्थान में कितने काम किये हैं। अगर आपको भगवान ने आंखें दी हैं, अगर आपके अन्दर इन्सान है, अगर आपके मन में भगवान उपस्थित है तो आप एक-एक झोंपड़े में जाकर देखें कि वहां पर क्या-क्या हुआ है। हमको.....

(समय-समाप्ति-सूचक घंटी)

हमने......

**श्री अध्यक्ष** : कृपया समाप्त करें।

**श्री गुलाबचन्द कटारिया** : मैं जल्दी समाप्त कर दूंगा। आंकड़ों में नहीं जाऊंगा।

हमने जो उद्योग शुरू किये उन्होंने प्रगति की। पिछले ढाई साल में जो उद्योग स्थापित हुए वह शायद आपको भी अच्छे लगे होंगे। उद्योग की दृष्टि से लघु उद्योगों के बारे में हमने अचीवमेंट किया। हमने लघु उद्योगों के 10 हजार बिन्दुओं को स्थापित किया। आप इन बातों को आज देखें। वह ठीक था, जो हमने किया क्योंकि लक्ष्य हमारे सामने होना चाहिए। जनता पार्टी ने कुछ नहीं किया, इस बात को कहने से पहले आप सब लोग यह आंकड़े देख लें।

राजस्थान में हमने 1426 करोड़ रुपये की पंचवर्षीय योजना बनाई। आपके सामने मैं एक छोटा सा उदाहरण दे रहा

66



(श्री गुलाबचन्द कटारिया)

हूं। आपने 28 साल में केवल 8 मैटरनिटी हास्पीटल खोले, जबकि हमने ढाई साल के शासन में 120 मैटरनिटी अस्पताल खोले। छठी पंचवर्षीय योजना में 1750 करोड़ रुपये की योजना बनी थी। आपने 28 साल में केवल 60 करोड़ रुपये पानी पर खर्च किये और हमने पीने के पानी के लिए छठी पंचवर्षीय योजना में डेढ़ सौ करोड़ रुपये रखे।......

(व्यवधान)

**श्री सभापति :** आर्डर, आर्डर। कृपया शान्त रहिये। आपको भी अवसर मिलेगा। आप धैर्य रखें।

**श्री गुलाबचन्द कटारिया :** आपने राजस्थान में 30 साल तक राज किया। लेकिन राजस्थान में पिछले 30 सालों में पीने के पानी की व्यवस्था में कितना पैसा खर्च किया? केवल 60 करोड़ रुपये...

(व्यवधान)

**श्री सभापति :** कृपया समाप्त करें।

**श्री गुलाबचन्द कटारिया :** 2 मिनट में समाप्त कर दूंगा।

पानी की सबसे बड़ी समस्या है। पानी की समस्या को मिटाने के लिए जो कार्य किया उसके लिए मैं धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं एक बात पूछना चाहता हूं कि 30 साल तक आपका राज रहा, आपने क्या किया? यह काम जो प्रारम्भ हुआ वह जनता पार्टी के समय में हुआ। हमने अन्त्योदय योजना प्रारम्भ की, जिसमें पहले वर्ष हमने 1,52,582 लोगों को सहायता दी। दूसरे वर्ष हमने, 1,11,779 लोगों को सहायता दी।

**श्री सभापति :** माननीय सदस्य, समाप्त करें।

**श्री गुलाबचन्द कटारिया :** एक मिनट और लूंगा।

यह जो मेवाड़ काम्पलेक्स है उसके बोगस डाकूमेन्टस बनाये। हल्दीघाटी का विकास भी इसी तरह से हुआ। जनता पार्टी ने जो काम किया वह राजस्थान के गर्व तथा हिन्दुस्तान के गौरव तथा नीति को बढ़ाने के लिए किया। आज जिस योजना को आगे बढ़ाने के लिए यहां जो अभिभाषण राज्यपाल महोदय ने पढ़ा मैंने उसको पूरा पढ़ लिया है। इसलिए मैं कह सकता हूं कि यह तथ्यहीन एक डाकूमेंट बना कर रखा है। मैं इसका समर्थन करने में असमर्थ हूं।

**श्री सभापति :** श्री देवेन्द्रसिंह।

**श्री देवेन्द्रसिंह ( बनेड़ा ) :** आदरणीय सभापति जी, मैं अपनी बात शुरू करने से पहले राजस्थान की जनता को धन्यवाद देना चाहता हूं किन्तु उस जनता को धन्यवाद नहीं दे सकता जिस क्षेत्र से सन् 1971 में भीलवाड़ा जिले से वहां का राजा जीता। सन् 1977 में वहां से जनता पार्टी जीती। सन् 1978 में एक उप-चुनाव हुआ। यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि हमारे उस क्षेत्र में जितनी बैलगाड़ियां हैं उतनी जीपें और टैक्टर्स लेकर आए थे। उस बनेड़ा की जनता को मैं धन्यवाद देना चाहता हूं कि अब की बार भी उन्होंने वही प्रयास किया और वहां के राजा के भाई को खड़ा किया। कांग्रेस ने इन्दिरा गांधी के नेतृत्व में पूरा विश्वास व्यक्त किया, हमारे मुख्य मंत्री के नेतृत्व में पूरा विश्वास व्यक्त किया। इस अवसर पर यदि मैं कहूं तो अतिशयोक्ति नहीं होगी कि हमारे प्रशासन ने भी इन्दिरा गांधी को चुनौती दी लेकिन जनता ने सबके मुंह पर

(श्री देवेन्द्रसिंह)

समाचा देकर गौरव के साथ बनेड़ा से ही नहीं, भीलवाड़ा से, प्रासींद से ग्रौर मांडल से भी हमारे लोगों को चुनकर भेजा। जनता ने कांग्रेस ग्रौर इंदिरा गांधी में ग्रास्था व्यक्त की।

कल कोटा के माननीय सदस्य बोल रहे थे, उन्होंने बिजली की बात कही। मैं पूछना चाहता हूं कि ग्राखिर इसके लिए स्ट्रक्चर किसने बनाया? वहां के क्षेत्र की स्कीम्स कब बनी? एक फेज्ड प्रोग्राम होता है हर एक स्कीम का। पिछले दो तीन सालों में हमारे विद्युत मंडल ने राजस्थान में ग्रार.ई.सी. की स्कीम्स बनाई। हमारे जिले में 11 पंचायत समितियां हैं। वहां के विधायक कालवी जी मंत्री रहे लेकिन मुझे शर्म के साथ कहना पड़ता है कि बनेड़ा तहसील में 110 गांव हैं लेकिन ग्राज केवल 18 गांवों में बिजली है। ये बात करते हैं कि बहुत बड़ी योजना बनाई। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि ये योजनायें कांग्रेस सरकार के समय बनी थीं। ग्राज एक भी ग्रार.ई.सी. की स्कीम बता द जिसका उन्होंने सर्वे कराया हो। मैं उन स्कीम्स को गिना सकता हूं, जो कांग्रेस सरकार ने बनाईं लेकिन ग्राज भी चालू हैं।

इरिगेशन के संबंध में ग्रापने बताया, बहुत लंबी चौड़ी बात ग्रापने कही। मुझे ग्राज ही जानकारी मिली है, जब ये इरिगेशन मंत्री थे इन्होंने बहुत बड़ा स्कैंडल राज्य सरकार के साथ किया। जितना इन्वेस्टीगेशन ग्रौर सर्वे का पैसा था सारा ग्रपने क्षेत्र में बिना सर्वे ग्रौर इन्वेस्टीगेशन के खर्च किया, ग्रपने क्षेत्र के लिए योजना बनवाई। ग्राज स्थिति यह है कि हमारे इन्जीनियर्स यह नहीं चाहते हैं कि उस स्कीम का क्या होगा, वहां पानी रुकेगा, कितना ऊंचा बांध बनेगा, कितना पानी ग्राएगा ग्रौर कितना क्षेत्र सिंचित होगा। मैं मानता हूं ग्रौर समझ कर चलता हूं कि वित्त विभाग ने कुछ न कुछ ग्रापत्ति की होगी। मैं चाहता हूं कि उन फाइल्स को देखा जाए ग्रौर यदि गड़बड़ हो तो जिस ग्रधिकारी या मंत्री ने गड़बड़ की हो उसके खिलाफ सरकार कार्यवाही करे।

सभापतिजी, डेयरी ग्रौर कृषि के संबंध में मैं निवेदन करना चाहता हूं। डेयरी ग्रौर कृषि का कार्यक्रम उस समय कृषि मंत्री ने बहुत विस्तार से राजस्थान में फैलाया था। मुझे मालूम है कि भीलवाड़ा जिले में डेयरी की एक बहुत बड़ी योजना फ्लड ग्रापरेशन के तहत लागू की गई थी लेकिन जनता सरकार ग्रायी तो स्कीम लागू होना तो ग्रलग रहा बल्कि चिलिंग प्लांट लगाया। वहां सारा दूध फट जाता था ग्रौर नदी में बहा दिया जाता था। जब हमारी सरकार थी तब भीलवाड़ा जिले में डेयरी के माध्यम से ग्रामदनी थी ग्रौर ग्राज घाटे में चल रही है, उसका क्या कारण है, हम यह ग्रापको स्पष्ट करना चाहते हैं।

करप्शन की बात बहुत लंबी चौड़ी कही जाती है। उस समय मैं सदस्य नहीं था लेकिन मुझे मालूम है उस समय जनता पार्टी के मुख्य मंत्री ने कहा था कि यदि कोई खाएगा तो मैं नाक से निकलवाऊंगा। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि नाक से तो नहीं निकलवाया लेकिन उनकी सरकार ग्रौर उनके जितने राजनैतिक लोग हैं सबने पैसा खाया।

(68)



(श्री देवेन्द्रसिंह)

सभापतिजी, मैं भीलवाड़ा जिले का उदाहरण देकर आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि जनता पार्टी ने आपाधापी करने में कसर नहीं रखी। भीलवाड़ा में बिना किसी कानून के, बिना किसी नियम के उस समय के विधायक ने बड़े उत्साह से बस्ती बनवाई, स्वर्गीय दीन दयाल उपाध्याय नगर का नाम रखा। आज भी उसका रेगुलेराइजेशन नहीं हुआ है। मकान बन गए। कलेक्टर ने कहा पानी और बिजली नहीं दिया जाएगा तो कलेक्टर पर दबाव डाला गया। आज स्थिति यह है कि गरीबों को ऐसी स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है कि सरकार को सोचना पड़ेगा। मैं मानता हूं कि इतने मकान बन गए लेकिन जिसकी वजह से अनियमितता हुई, जो दलाल थे उन्होंने प्लाट्स लिए और प्लाट्स काट कर लाखों रुपए कमाए और ग़रीबों को मुश्किल में और डाल दिया।

इसी तरह से साधु की जमीन—

(समय समाप्ति सूचक घंटी,)

5–7 मिनट और।

**श्री सभापति** : दो मिनट और।

**श्री देवेन्द्रसिंह** : 5 मिनट।

एक साधु की जमीन दीन दयाल उपाध्याय विचार मंच के नाम पर ली। साधु की जमीन का मालकाना अधिकार नहीं था। उसे खरीद कर उस समय के विधायक ने रजिस्ट्री करवानी चाही थी परन्तु जागरुक जनता ने उस रजिस्ट्री को रुकवा दिया। सरकार उसकी जांच करे।

इसके साथ साथ राज्यपाल के अभिभाषण में विचार यह व्यक्त किया गया है कि हमारे यहां अबूजा की खानें हैं। मैं उस क्षेत्र को देखकर आया हूं। बड़ा सौभाग्य है कि वहां हजारों लोग काम पर लगे हैं लेकिन, सभापतिजी, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि वहां बहुत बड़ा कारखाना लगाया लेकिन उसमें जो खतरा है उसकी तरफ आपके द्वारा मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। वहां पर इसकी लीज हिन्दुस्तान लीज को दी गई है। वहां पर अधिकारीगण सब बाहर के हैं, आज भी लोग आ रहे हैं बाहर से आ रहे हैं। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि राजस्थान में इन्जीनियर्स और टैक्निशियन्स की कमी नहीं, लेबर की कमी नहीं। हम चाहते हैं कि उस क्षेत्र में जिस तरह से विस्तार हुआ उसमें उस जिले का और राजस्थान का, निश्चित रूप से कोटा फिक्स होना चाहिए। उसमें अधिक से अधिक लोग हमारे राजस्थान के होंगे तो आपका और हमारा सौभाग्य होगा।

**श्री सभापति** : चर्चा समाप्त करें।

**श्री देवेन्द्रसिंह** : दो मिनट।

आज समाचार मिला है कि राष्ट्रीय पक्षी, जिसे बस्टर्ड कहते हैं, हमारे क्षेत्र भीलवाड़ा और खास तौर से बनेड़ा में मिला है। वाइल्ड लाइफ का जनता सरकार ने सत्यानाश किया। मैं चाहता हूं कि और सेंक्चूरीज बनें और जो बर्ड्स मिले हैं उनकी सुरक्षा हो और जानवरों पक्षियों की एक फैमिली बनाई जाए।

इन शब्दों के साथ मैं राज्यपाल के अभिभाषण का समर्थन करते हुए श्री शिव चरण ने जो प्रस्ताव रखा है उसका अनुमोदन करता हूं। धन्यवाद।

**श्री सभापति** : श्री बहादुरसिंह।

( अनुपस्थित )

**श्री भंवरलाल भारद्वाज** (जमुवा रामगढ़): आदरणीय सभापति महोदय, राज्यपाल महोदय ने हमारे सदन में जो अपना अभिभाषण दिया और उस अभिभाषण पर हमारे सदन के माननीय सदस्य श्री शिवचरण माथुर ने जो धन्यवाद प्रस्ताव रखा उसका मैं पुरजोर समर्थन करता हूं। सभापति महोदय, सदन की यह परम्परा रही है कि जब जब भी सदन शुरू होता है तो राज्यपाल महोदय अपना अभिभाषण यहां पर करते हैं और राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद का प्रस्ताव यहां पारित किया जाता है।

सभापति महोदय, अब की बार भी जब हमारी नयी विधान सभा गठित हुई तो राज्यपाल महोदय ने नये सत्र का शुभारम्भ किया। सभापति महोदय, मैं आपका ध्यान और खास तौर से सदन के सभी माननीय सदस्यों का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि जब से हमारा देश भारत आजाद हुआ हमारे यहां की प्रजातन्त्र की पद्धति ही रही। उस प्रजातन्त्र की पद्धति से चुनावों में हमारे राजस्थान में और हिन्दूस्तान में कांग्रेस का शासन ही रहा। कांग्रेस ही ऐसी पार्टी थी जो जनता का विश्वास पाकर सन् 52 से, जब से चुनाव हुए, जीत कर आती रही थी।

सभापति महोदय, हमारे देश में और खास तौर से राजस्थान में परिस्थितयां बिलकुल ही भिन्न थीं क्योंकि यहां पर पहले से ही राजा महाराजा बड़े बड़े जागीरदार लोग थे। यह ऐसे लोगों में से थे जो कि कांग्रेस की प्रगतिशील नीतियों का विरोध करते थे। सभापति महोदय, इनका एक गिरोह था जिसका काम सिर्फ कांग्रेस की प्रगतिशील नीतियों का विरोध करना था। इन लोगों के पास कोई नीति या कार्यक्रम नहीं था और न ही किसी प्रकार की कोई जनुपयोगी योजनायें ही इनके पास थीं। फिर भी यह लोग कांग्रेस का विरोध करने के लिये कहीं कहीं से जीत कर किन्हीं किन्हीं सीटों से यहां आते थे।

सभापति महोदय, मैं आपको यह भी निवेदन करना चाहूंगा कि विरोधी पक्ष के लोग जो राजा महाराजा या जागीरदारों में से आते, इनका कुछ भी काम नहीं था सिवाय इसके कि सदन में शोर शराबा करें। इन विरोधी लोगों का हर चुनावों में हर पांच साल बाद यहां पर आना होता था तो यह लोग हर पांच साल बाद मुखौटा बदल बदल कर यहां पर आते थे। सभापति महोदय, मैं आपका ज्यादा समय नहीं लेते हुए थोड़ा निवेदन करना चाहूंगा कि सबसे पहले जब चुनाव हुऐ तो राजा महाराजा लोगों में से थोड़े से रामराज्य परिषद के नाम से सदस्य रूप में चुनाव जीतकर आये थे। जब रामराज्य परिषद के लोग आये तो इन्हें बड़ा विश्वास था पर, सभापति महोदय, पांच साल में ही रामराज्य परिषद की हवा निकल गयी। रामराज्य परिषद का यहां पर सफाया होने लगा तो, सभापति महोदय, रामराज्य परिषद वालों ने अपना मुखौटा बदल दिया। वह लोग अपने स्थान बदल कर दूसरी अन्य पार्टियों में घुस कर जीत कर आये। दूसरी बार जब वह आए तो जनसंघ पार्टी के रूप में आये। इन्होंने भगवां झन्डा और दीपक का सहारा लिया। सभापति महोदय, भगवा झन्डा, हमारे देश में भगवे रंग को अच्छा समझते हैं का सहारा लेकर जीतकर आये और यहां पर सदन में शोर शराबा करते रहे। उस

(70)



(श्री भैरुंलाल भारद्वाज)

जनसंघ पार्टी ने सदन में सिवाय शोर शराबा के कुछ नहीं किया क्योंकि इनके पास न तो नीतियां थीं और न ही इनकी कोई योजनायें ही थीं। इसके बाद में इन्होंने अपना मुखौटा बदल लिया और यह आगे के पांच साल में स्वतन्त्र पार्टी का रूप रख कर यहां पर मुखौटा बदल कर आये। सभापति महोदय, इतना ही नहीं इसके बाद भी यह रामराज्य से शुरू होकर जनसंघ और बी.के.डी. व अन्य पार्टियों के नाम पर नकाब बदल बदल कर जनता को गुमराह करके यहां पर आते रहे। लेकिन यहां पर सदा से ही कांग्रेस का राज्य रहा जो कि प्रगतिशील नीतियों में विश्वास रखती है।

सभापति महोदय, मैं यह बताना चाहूंगा कि कांग्रेस की प्रगतिशील नीतियों का परिणाम यह रहा कि सन् 1971 और 1972 में जो चुनाव हुए उसमें कांग्रेस की इतनी जबरदस्त जीत हुई कि विरोधियों के हौसले परास्त हो गये। सभापति महोदय, सन 71-72 के चुनावों में कांग्रेस की भारी जीत का यह नतीजा निकला कि विरोधी लोगों की चुनाव लड़ने की हिम्मत ही टूट गयी। उसके बाद में बड़े बड़े काम हमारे देश में हुए। उन कामों में गरीबों की भलाई के कई काम हुए जिनमें खास तौर से गरीबों को ऋण दिलाना और जो राजा महाराजा लोगों के प्रिविलेजेज थे, प्रिवीपर्स उनको मिलता था उनको तत्काल बन्द कर दिया क्योंकि वह गरीब लोगों पर एक भार था।

(व्यवधान)

**श्री सभापति** : Don't disturb please.

**श्री भैरुंलाल भारद्वाज** : सभापति महोदय, प्रिवीपर्स बन्द करने के साथ साथ बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया, गरीबों को ऋण देकर उनको सुविधायें दी गईं तथा इसके साथ में कर्ज गरीब लोगों पर थे उनको माफ कर दिया गया। इस तरह के अच्छे अच्छे कार्यों को देखकर विरोधी लोग घबरा गये। सभापति महोदय, एक तरफ तो साहूकारों के काश्तकारों में बकाया थे ऋण वह खतम करने से और दूसरी तरफ राजा महाराजा के प्रिवीपर्स समाप्त हो जाने से इन लोगों का कांग्रेस के खिलाफ एक नया गिरोह बन गया। सभापति महोदय, उस समय जिन लोगों की भलाई के काम हुए जनुपयोगी उन सभी लोगों को राहत मिली लेकिन प्रगतिशील कार्यक्रमों में एक बहुत ही जनुपयोगी और बड़ा समाज उपयोगी काम था, एक बहुत ही अच्छा समाज के भले का कार्यक्रम था लेकिन हमारे कांग्रेसी लोगों के तो अत्यधिक उत्साह के कारण और इससे अधिक नौकरशाही के कारण उस कार्यक्रम को क्रियान्वित करने से हमें बदनाम होना पड़ा। सभापति महोदय, उस अच्छे कार्यक्रम को बदनाम उन लोगों ने किया जो कि नौकरशाही में जनसंघ के लोग घुसे हुए थे। उन्होंने इस समाज उपयोगी कार्यक्रम को इतना गलत तरीके से लागू किया कि जिससे वह कार्यक्रम बदनाम हो गया और जनता में उसका इतना भय हो गया कि जनता घबरा उठी। लोगों में ऐसा एक प्रकार का आतंक हो गया कि जो विरोधी लोग कांग्रेस के प्रगति शील कामों के डर के कारण सो गये थे वह उसका फायदा उठाने के लिये एक हो कर दुबारा चुनाव लड़ने आ गये। सभापति महोदय, सभी विरोधी लोग जो अलग अलग राजनैतिक पार्टियों में बिखरे हुए थे, भानुमति

(श्री भैरुंलाल भारद्वाज)

के कुनबे की तरह एक होकर जनता पार्टी के नाम पर चुनाव लड़ने आये। उन लोगों ने जनता को गुमराह किया वह जनता का झूठा विश्वास प्राप्त कर सत्ता में आये। पर चूंकि जनता पार्टी जनता की पार्टी नहीं थी इसलिए जनता ने चुनावों में उन्हें हरा कर वापस विरोधी पक्ष में लाकर बैठा दिया। जनता को जो गुमराह किया था उसी की सजा इन को भुगतनी पड़ रही है।

सभापति महोदय, जनता पार्टी में वही विरोधी लोग थे। मैं आपको यहां पर याद दिलाना चाहता हूं कि जो लोग पहले राम-राज्य परिषद, जनसंघ और स्वतन्त्र पार्टी के लोग थे वही मौके का फायदा उठाने के लिए प्रतिक्रियावादी तत्वों के साथ, जिसमें कम्युनिस्ट पार्टी के लोग भी घुस गये, झूठी जनता पार्टी, जनता की पार्टी जनता को बता कर सत्ता में आये। उन्होंने जनता के साथ बहुत बुरा सलूक किया और कांग्रेस के जो अच्छे कार्यक्रम थे उनको रद्द किया।

सभापति महोदय, यहां पर माननीय सदस्य ललित किशोर चतुर्वेदी ने जब अपना भाषण दिया उसमें उन्होंने यह कहा कि राज्यपाल महोदय का जो भाषण है वह दिशाहीन है। उन्होंने यहां पर अपनी जनता पार्टी के शासन काल की उपलब्धियों को बखानना शुरू किया। मैं, सभापति महोदय, सारे देश में जनता पार्टी की उपलब्धियों का तो यहां पर जिक्र नहीं करना चाहूंगा पर सदन की जानकारी के लिये एक दो उपलब्धि का वर्णन जरूर करूंगा खास तौर से सिंचाई विभाग की उपलब्धियों का जिसके कि यह मंत्री थे। सिंचाई विभाग की उपलब्धियों की इन्होंने खूब तारीफ की है। पर मैंने जो इन की उपलब्धियां जुटाई हैं वह पेश करता हूं। सभापति महोदय, जिस सिंचाई विभाग के यह मन्त्री थे उस विभाग में इतना भ्रष्टाचार था आप पूछो मत। मैं पूरे राजस्थान की चर्चा भी नहीं करूंगा सिर्फ जयपुर जिले के एक दो उदाहरण ही पेश करूंगा जिससे उन की उपलब्धि का पता लगेगा।

**श्री सभापति** : आप अपनी बात शीघ्र कहिये।

**श्री भैरुंलाल भारद्वाज** : सभापति महोदय, मुझे समय दीजिये। जो चतुर्वेदीजी ने अपने मन्त्री काल में कारनामे किये हैं उन के बारे में कहने के लिये।

(व्यवधान)

सभापति महोदय, जयपुर के दो सब डिविजन हैं एक जयपुर है दूसरा दौसा सब डिविजन है। मैं यहां पर यह बताना चाहता हूं कि सिंचाई विभाग में दौसा सब डिविजन में 1 लाख 40 हजार रुपये के फर्जी बिल सिर्फ मिट्टी डालने के इंजीनियर्स ने उठा लिये। सभापति महोदय, वहां पर मिट्टी के लिये एक धेले भर काम नहीं किया गया लेकिन तत्कालीन एक्जीक्यूटिव इंजीनियर और असिस्टेन्ट इंजीनियर ने झूठी हाजरी लेबर्स की भर कर उस पैसे को हड़प लिया। उसका नतीजा यह हुआ कि जब पता पड़ा तो उस एक्जीक्यूटिव इंजीनियर को और असिस्टेन्ट इंजीनियर को सस्पेन्ड किया गया।

(व्यवधान)

**श्री सभापति** : माननीय सदस्य, कृपया शान्त रहें।

**श्री भैरुंलाल भारद्वाज** : सभापति महोदय अब उन दोषी एक्जीक्यूटिव इन्जीनियर और असिस्टेन्ट इंजीनियर के खिलाफ में कोई कार्यवाही नहीं हो, इसके लिये उन इंजीनियर्स

(श्री भैरूंलाल भारद्वाज)

के दोस्त, जो कि भूतपूर्व विधायक थे, यहां पर दौड़ धूप कर रहे हैं । आप कहें तो, चतुर्वेदी जी उस अधिकारी का नाम भी बता दूं । पर चूंकि नाम बताना सदन में अच्छा नहीं लगता है इसलिये उस अधिकारी का नाम नहीं बता रहा हूं । यहां सिंचाई विभाग के जो सुपरिन्टेंडिंग इंजीनियर है उस को बचाने में लगे हुए हैं ।

**श्री सभापति** : कृपया समाप्त कीजिये ।

**श्री भैरूंलाल भारद्वाज**: मेरे पास कई उदाहरण हैं उनमें से मैं आपको कुछ देना चाहूंगा ।

**श्री सभापति** : आपके पास चाहे जितने भी उदाहरण हों लेकिन समाप्त कीजिये ।

**श्री भैरूंलाल भारद्वाज** : मैं आपको कहना चाहता हूं कि इन्होंने इतना ही नहीं किया दौसा सब-डिविजन में 80 आदमी और जयपुर सब-डिविजन में 150 आदमी याने कुल 230 आदमियों की फर्जी हाजिरी की और दो साल तक उनकी 40-50 हजार रुपये की तनख्वाह मुफ्त में उठाते रहे । ऐसे लोगों को मेंड़, चौकीदार, जमादार और दूसरे पदों पर रखा गया जिन्होंने कहीं कोई काम नहीं किया ।

( समय-समाप्ति-सूचक घंटी )

उनको मुफ्त में तनख्वाह दी जाती रही । मैं यह चाहूंगा कि इन लोगों की जांच होनी चाहिए । जब सन् 80 में इनकी सरकार जाने लगी तो उनको तुरन्त हटा दिया । मेरे कहने का मतलब यह है कि उनको तनख्वाह पूरी नहीं दी गयी । कुछ तो उनको दिये और बाकी का हिस्सा इन्होंने अपने भवन बनाने में गुरु दक्षिणा के रूप में लगा दिया । मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि इसकी जांच की जानी चाहिए । मैं उनके नाम भी बताना चाहता हूं जिन 230 आदमियों को फर्जी नाम से भरती किया गया । आप उन नामों को नोट कर लीजिए ...

**श्री सभापति** : माननीय सदस्य एक मिनट सुनिये । स्थान ग्रहण कीजिए । मेरा काम नाम नोट करने का नहीं है । नाम तो सरकार नोट करेगी ।

**श्री भैरूंलाल भारद्वाज** : मैं यह कह रहा था......

**श्री सभापति** : माननीय सदस्य स्थान ग्रहण कीजिए ।

**श्री भैरूंलाल भारद्वाज** : भ्रष्टाचार के नाम से यह लोग चमकते हैं । इन्होंने भ्रष्टाचार का कितना अड्डा जमा रखा है, यह तो केवल जयपुर जिले की बात है और पूरे राजस्थान की जांच की जाय तो मालूम होगा कि सिंचाई विभाग में लाखों नहीं करोड़ों के घोटाले हुए हैं उससे जनता सरकार की नकाब साफ हो जायेगी ।

**श्री रामरघुनाथ चौधरी** : आन ए पाइन्ट आफ आर्डर, सर सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने आसन को इंगित करके कहा था कि नोट कीजिए, इन शब्दों को एक्सपन्ज किया जाये ।

**श्री सभापति** : माननीय सदस्य अभी नये हैं ।

**श्री भैरूंलाल भारद्वाज** : मैं नया आदमी हूं और इनकी यह बात मान लेता हूं ।

**श्री सभापति** : विथड्रा कर लिया है ।

**श्री भैरूंलाल भारद्वाज** : हमारे राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण दिया है उसमें काफी साफ तौर से यह बताया गया है कि

(श्री भैरूंलाल भारद्वाज)

तीन साल तक जो कचरा इकट्ठा हो गया है उसको साफ करके नया शासन लायेंगे, उसका मैं पुरजोर समर्थन करता हूं।

**श्री सभापति** : श्रीमती विद्या पाठक। मैं आपको 15 मिनट का समय दूंगा, माननीय सदस्या।

**श्रीमती विद्या पाठक** : माननीय सभापति महोदय वैसे तो राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के ऊपर धन्यवाद प्रस्ताव का मैं विरोध करने के लिए खड़ी हुई हूं परन्तु फिर भी राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में जो अच्छी बातें हैं उनके लिए मैं धन्यवाद दिये बिना नहीं रह सकती मैं इनको धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने जनता पार्टी का वार्षिक प्रतिवेदन, जो आफिसर्स के जरिये बनाया गया था, यहां प्रस्तुत किया। उस वार्षिक प्रतिवेदन के माध्यम से पूरे राजस्थान में जो जो जनता पार्टी की सरकार ने नये डाइरेक्शन्स दिये थे उसकी जानकारी प्राप्त हुई। उसके लिए मैं उनको बहुत बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं। मेरे सामने बैठे हुए माननीय सदस्यों को भी जनता को धन्यवाद देना चाहिए कि 2½ साल हाइबरनेशन में रहने के बाद वह फिर आये हैं और आज ट्रेजरी बैन्चेज में बैठने में सक्षम हैं।

माननीय सभापति महोदय, जब हम छोटे हुआ करते थे तो मोरल टेल्स पढ़ा करते थे उसी तरह का मैंने इस अभिभाषण को पूरा पाया है। सारी अच्छी बातों का कम्पाइलेशन है। क्या अच्छी बातें होती हैं, क्या अच्छे आदर्श हो सकते हैं और एक अच्छी सरकार चलाने के लिए, वैलफेयर स्टेट चलाने के लिए क्या क्या अच्छी बातें हो सकती हैं उन सब का कम्पाइलेशन है चाहे पेयजल की बात हो शिक्षण संस्थाओं की बात हो, चाहे सिंचाई और सड़कों की बात हो। एक वैलफेयर स्टेट के लिए अच्छे वायदे तो किये गये हैं लेकिन उनको कहीं स्पेसिफाई नहीं किया है। सड़कें और बनाई जायेगी तो कितनी बनाई जाएगी, स्कूल खोले जायेंगे तो कितने खोले जायेंगे, उनके लिये पापुलेशन का क्या क्राइटेरिया होगा, कितने प्राइमरी स्कूल खोले जायेंगे और कितने मिडिल स्कूल खोले जायेंगे। इन सब के लिए राज्यपाल महोदय का अभिभाषण बिलकुल मौन है। इसके अलावा जहां कहीं भी आंकड़े दिये गये हैं तो वह कम्पेरेटिव नहीं हैं। बहुत से माननीय सदस्य नये हैं, यदि यह पता होता कि पिछले बजट में क्या था और इस बजट में क्या रखा गया है तो उसका तुलनात्मक ज्ञान हम लोगों को होता, आगे की योजनाओं के बारे में पता लगता। कहीं स्टेटिस्टिक्स हैं ही नहीं, डेटाज हैं नहीं और जहां कहीं हैं तो वह कम्पेरेटिव नहीं हैं जिससे मालुम होता कि इतना विकास हुआ और आगे कितना करने जा रहे हैं। कहीं हम पीछे हट रहे हैं उसका क्या होगा। किसी तरह के कोई आंकड़े नहीं हैं।

इसी तरह से, माननीय सभापति महोदय, इस अभिभाषण के पेज 2 पर एक जगह कहा है कि शीघ्र ही वर्ष 1980-81 के आय-व्यय के अनुमान माननीय सदस्यों को अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किये जायेंगे जिसमें भावी सामाजिक एवं आर्थिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला जायेगा। इससे यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि या तो वह सारे आंकड़े और सारे काम इनके पास तैयार नहीं हैं या फिर यह बताना नहीं चाहते हैं क्योंकि आगे आने वाली योजनाओं में कोई आगे बढ़ोतरी नहीं हो पा रही है।

(७५)



(श्रीमती विद्या पाठक)

इस तरह, माननीय सभापति महोदय, मैं यह कहना चाहती थी कि पूरा अभिभाषण अनस्पेसिफिक है, कहीं स्पेसिफिक नहीं है और कहीं भी आगे के लिए कोई जानकारी योजना की नहीं है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में माननीय संजय गांधी, संसद सदस्य का बहुत गुणगान किया गया है। समझ में भी आता है, मुख्य मंत्री जी बहुत उनके अहसानमंद होंगे और भी सदस्य होंगे लेकिन अच्छा होता उनकी स्मृति को अधिक काल तक जीवित रखने के लिए, गरीब लोगों के लिए उनकी याद में कोई ऐसी योजना बनाकर उनकी याद को परपीचुएट किया जाता और केवल मात्र गुणगान नही किया जाता जिससे कि आने वाले समय में उस योजना के माध्यम से लोगों को लाभ मिलता।

इसी तरह से, माननीय सभापति महोदय, आज भी सबसे बड़ी समस्या हमारे गांवों में सीमेंट, रोडवेज, और डीजल की है। इसके लिए कहीं भी पूरे भाषण में कुछ नहीं कहा गया हैं। जनसहयोग कैसे होगा। इसके बिना कोई कल्याणकारी राज्य नहीं चल सकता। जन सहयोग किन मुद्दों पर लेंगे उस विषय में भी कहीं चर्चा नहीं की गयी है।

माननीय सभापति महोदय, नगरपालिका के विषय में अभी बात हुई। मैं ज्यादा विस्तार से चर्चा नहीं करूंगी क्योंकि जैसा कि मंत्री महोदय ने कहा कि वार्ता चल रही है उसमें व्यवधान आ सकता है लेकिन एक बात जरूर कहना चाहूंगी कि केवल 4 हजार हरिजनों के मामले को नहीं सुलझा पाने के कारण 10 लाख लोग पंगु बना दिये हैं। उनका सारा जीवन अस्तव्यस्त हो रहा है, बड़ी भारी कठिनाई चल रही है और लोगों को बहुत कष्ट है। परन्तु इन सब बातों के साथ मैं सोचती हूं कि मंत्रि मण्डल नहीं बना और जो भी बना हुआ है वह आपसी लड़ाई झगड़ा सुलझाने में लगा हुआ है। तो लगता है इनके पास इस विचार के लिये न समय है न इच्छा।

इसी तरह से, माननीय सभापति महोदय,....

(व्यवधान)

कुछ बातें और बताऊंगी....

**श्री सभापति** : कृपया बोलने दीजिये।

**श्रीमती विद्यापाठक** : इसी तरह से कांग्रेस के काल में पिछले 6 महीने में यदि कुछ किया गया है तो क्या किया गया है। जो भ्रष्ट सरपंच थे, जिनके केसेज चल रहे थे, जिनकी डाकूमेंट्री एवीडेन्सेज थी उनको बहाल कर दिया। जो सरपंच अच्छा काम करते थे उनकी इन्क्वायरी और री-इन्क्वायरी खड़ी की। इन्क्वायरी से मुझे कोई ऐतराज नहीं है किन्तु हेरेसमेंट हो रहा है, डिस्क्रिमिनेशन हो रहा है।

इसके अतिरिक्त, सभापति महोदय, कई ट्रांसफर्स किये गये। पोलिटिकली मोटिवेटेड ट्रांसफर्स थे

**एक माननीय सदस्य** : आपने कितने किये थे?

**श्रीमती विद्यापाठक** : हमने कितने भी किये, पॉलिटिकली मोटिवेटेड नहीं थे।

कई अच्छी योजनाएं, जनता पार्टी की चल रही थी उन योजनाओं को रोक दिया गया। शताब्दी के मामले पर जैसे कल

(श्रीमती विद्या पाठक)

माननीय श्री गोटेवालाजी कह रहे थे कि बहुत सारी दुकानें चल रही है। सांगानेर का भी उल्लेख किया। यह बात सही है। चुनाव में बराबर इसका उपयोग हुआ। श्री गोटेवाला अभी नहीं हैं, उनको जानकारी होगी, शराब कहां से आती है। जिन प्रत्याशी को हराने के लिये गये थे शराब की आवक की पूरी जानकारी उनके माध्यम से उनको मिलती रहती है।

जहां तक कानून व्यवस्था के सुधार का प्रश्न है, माननीय राज्यपाल महोदय, के अभिभाषण के पेज 2 पर कहा है कि सरकार उल्लेखनीय सुधार लायेगी. ताकि लोगों में कानून एवं व्यवस्था के प्रति विश्वास जागृत हो। परन्तु वह कदम क्या होंगे, इसका कहीं भी हवाला नहीं है। महिलाओं के गले से चैन खींचने, बच्चों को गायब करने और बलात्कार की आज चर्चा हुई है। विशेष रूप से उनकी बढ़ोतरी भी पिछले तीन चार महीनों में हुई है।

इसी तरह जहां तक महंगाई का प्रश्न है, केन्द्रीय मंत्री श्री जैलसिहजी मई के महीने में यहां आये थे। उस समय एक आम सभा में उन्होंने ऐलान किया था कि चीनी 5॥ रुपये किलो मिलेगी। दो दिन के अन्दर ही केन्द्रीय मंत्री श्री शुक्ला ने वक्तव्य दिया कि महंगाई आसानी से जाने वाली नहीं है। एक ही जगह के दो मंत्रियों के भाषण में एक विषय पर कान्ट्रेडिक्शन है। इसका मतलब कोई तालमेल नहीं है। अलग अलग तरह की बातें करते हैं। दो महीने पूर्व राष्ट्रपति काल में चावल के भाव 12 से 16 प्रतिशत बढ़े, दालों के 22 प्रतिशत बढ़े, गेहूं 1.30 रुपये किलो से बढ़ कर 1.80 रुपये किलो हो गया। जिन चीजों के दाम घटाने के लिये संकेत मिला था, वह चीजें बाजार में नहीं मिल रही हैं। दाम घटे नहीं। टूथ पेस्ट और अन्य चीजों पर जो रिडक्शन किया है वह प्रभावी प्रतीत नहीं होता। सभापति महोदय, महंगाई के कारण, फालन प्रोडक्शन, बिजली की कमी के कारण, फाल्टी डिस्ट्रीब्यूशन के कारणों को किस किस तरह से डील करेंगे इस विषय में कहीं पर संकेत राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में नहीं मिलता है। सभापति महोदय, आपने भी इस तरह की चर्चा की थी जब आप वहां बैठे थे कि 2 रुपये 50 पैसे किलो चीनी बिकती थी। कोई माननीय सदस्य डिनाई तो नहीं कर सकता। इसके विषय में एक छोटी सी बात बताना चाहूंगी जो कुछ वर्षों पहले इस सदन में कही जा चुकी है। एक राजा भटकता हुआ कहीं पहुंच गया और किसी खेत में जाकर किसान से पानी मांगा। उस किसान ने गन्ना तोड़ा और रस पेल कर गिलास भर दिया। अगले साल फिर राजा आ गया तो गिलास दो गन्नों में भी उतना नहीं भरा, तीसरे साल कई गन्ने से भी उतना रस नहीं निकला राजा ने पूछा यह क्या बात है। राजा ने फिर पूछा, पिछले साल ...

**श्री गोविन्दसिंह** : आन ए पाइंट आफ आर्डर, सर।

इस सदन में 8.3.54 को तत्कालीन अध्यक्ष महोदय ने व्यवस्था दी थी कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के समय कोई उदाहरण या कहानी नहीं कहेगा...

**एक माननीय सदस्य** : जब रामायण का पाठ कर रहे थे तब आपने नहीं कहा।

**श्री गोविन्दसिंह** : But the citing of instances will be more appropriate when the particular demand comes.

8-3-54 को शासन से व्यवस्था दी गई थी।

**श्री सभापति** : माननीय सदस्य, कृपया स्थान ग्रहण कीजिये ।

**श्रीमती विद्या पाठक** : उस किसान का जवाब यह था कि गन्ने के रस को देख कर आपने उस पर टैक्स बढ़ा दिया । गन्ने में फर्क इसलिए है कि फर्क नीयत में है ।

(समय-समाप्ति-सूचक घंटी)

**श्री सभापति** : दो मिनट में समाप्त करें ।

**श्रीमती विद्या पाठक** : हमने चुनाव में जनता से कहा था यह कांग्रेस मंहगाई कंट्रोल कर नहीं सकती क्योंकि फर्क नीयत का पड़ जाता है ।

माननीय सभापति महोदय, टूरिज्म का जहां तक प्रश्न है, यह विशेष इण्डस्ट्री है, यह मल्टी प्लाइंग इण्डस्ट्री हो सकती है । राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कहीं इसका उल्लेख प्रतीत नहीं होता है । जनता पार्टी के शासन काल में टूरिज्म में दो दो इन्टरनेशनल प्राइज राजस्थान को मिले हैं । यह पहली बार है कि सन 77 में जहां 1 लाख 25 हजार विदेशी टूरिस्ट यहां आये थे वहां 79 में 1 लाख 96 हजार विदेशी टूरिस्ट यहां आये । यह पहली बार है पिछले 30 वर्षों में । जब से टूरिज्म डिपार्टमेंट बना, कुल 900 बैड्स की एकोमोडेशन थी । पिछले $1\frac{1}{2}$ साल में 200 बैड्स और बढ़ाये गये । नये डाइमेन्शन्स टूरिज्म को दिये गये । कल्चरल एक्टीविटीज को प्रोत्साहन दिया गया । हर पूर्णिमा के दिन पर्यटन संध्या मनाई जाती है । फेयर्स और फेस्टीवल्स मनाये जाते हैं । राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कहीं यह इन्डीकेशन नहीं है । जो सारी चीजें शुरू हुई थीं जिनका निश्चित रूप से लाभ राजस्थान को मिल रहा था उसका कहीं उल्लेख नहीं कि इसमें और कैसे बढ़ोतरी की जायगी ।

(समय-समाप्ति-सूचक घंटी)

**श्री सभापति** : माननीय सदस्या, कृपया समाप्त करें ।

**श्रीमती विद्या पाठक** : दो मिनट ।

**श्री सभापति** : एक मिनट में समाप्त करें ।

**श्रीमती विद्या पाठक** : इसी तरह से यह भी नहीं बताया गया है कि पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये बजट में कितनी बढ़ोतरी की गई है । इसका भी कहीं निर्देशन नहीं है....

इसके अतिरिक्त संस्कृति को बढ़ावा देने और संस्थाओं को एनकरेज करने की बात करते हैं मगर यह तो दुकानदारी है इन संस्थाओं का प्योरिफिकेशन करने की कोई योजना नहीं दी गई है और न ही सोशल वेलफेयर में कोई योजना बनाई गई है । इसी प्रकार शिड्यूल्ड कास्ट्स और शिड्यूल्ड ट्राइब्स को जो प्रोटेक्शन देने की बात कही गई है वह बिलकुल नहीं के बराबर है ।

सभापति महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगी ये सारी योजनाएं हमारी हैं । इनमें बढ़ोतरी किसी स्तर पर नहीं है ।

(श्रीमती विद्या पाठक)

आज जो यहां बैठकर माननीय सदस्य अकाल और सूखे की बात करते हैं उसका सच्चाई के अहसासों का कोई आधार नहीं है। केन्द्र ने जो राज्यों पर चुनाव थोपे और इसमें लाखों रुपया खर्च हुआ, हजारों लीटर कमी के बावजूद पैट्रोल खर्च हुआ तब अकाल व सूखा ध्यान में कभी नहीं आया।

**श्री सभापति** : कृपया समाप्त करें।

**श्रीमती विद्या पाठक** : सभापति महोदय, मैं यही निवेदन करना चाहती हूं पिछली सरकार की अच्छी बातों को यहां और अधिक डिस्कस करके आगे बढ़ाया जाता तो ठीक होता। पिछली सरकार की बहुत सारी गतिविधियां थी उनमें से किसी की बढोतरी की बात का उल्लेख राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में नहीं किया गया है इसलिए मैं इसका समर्थन करने में असमर्थ हूं।

**एक माननीय सदस्य** : सभापति महोदय माननीय मंत्री महोदय को सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के सम्बन्ध में स्टेटमेंट देना था।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : 6-00 बजे होगा

**श्री हरिसिंह (कुम्हेर)** : सभापति महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण दिया है, उस अभिभाषण में जो उल्लेखित कार्यक्रम, रीति और नीतियां है उसके अतिरिक्त भी कुछ ऐसी विशेष बातें हैं जिनके कारण वह सराहनीय है, आभार प्रदर्शित करने योग्य है और धन्यवाद देने के काबिल है। श्रीमन सभापति महोदय, जिस राजस्थान के राज्यासन अब तक सामन्तों, जागीरदारों और राजा-महाराजाओं की बपौती हुआ करते थे उसमें यह प्रथम अवसर था जब महामान्य राज्यपाल महोदय अभिभाषण दे रहे थे उस समय राज्यासन पर एक हरिजन मुख्य मंत्री पदासीन थे। यह राजस्थान के सौभाग्य की बात है।

**एक माननीय सदस्य** : हरिजन का नाम मत लेओ....

(व्यवधान)

**श्री सभापति** : कृपया शान्त रहें।

**श्री हरि सिंह** : हम एक मुहिम पर पहुंचे हैं। जो कल्पना महात्मा गान्धी जी ने की थी और स्वतन्त्रता के सैनिकों ने की थी उस कल्पना को साकार रूप दिया गया है। राजस्थान ने दुहरी गुलामी के विरुद्ध लड़ाई लड़ी थी, यह स्वप्न देखा था कि राजस्थान में ही नहीं बल्कि भारतवर्ष में भी एक दिन ऐसा आयेगा जब एक हरिजन उच्चासन पर बैठेगा। अभी राजस्थान ने वह स्वप्न साकार किया है।

यह प्रथम अधिवेशन है जिसमें जनता पार्टी के काले कारनामों की चर्चा प्रति दिन हो रही है, प्रति क्षण हो रही है, सदन में हो रही है, सदन के बाहर भी हो रही है। अब हमें उस जनता पार्टी के कु-शासन से मुक्ति मिली है। मैं यह निवेदन करना चाहता हूं, श्रीमान् सभापति महोदय कल कोटा से आये हुए माननीय सदस्य कह रहे थे कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कोई दिशा नहीं है। इस भाषण में स्पष्ट संकेत होते हुए भी दिशा नजर नहीं आती यह एक विडम्बना है। इस भाषण में स्पष्ट दिशा है कि भारत वर्ष को प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गान्धी जिधर ले जाना चाहती है उसी दिशा में राजस्थान भी जाना चाहता हैं। राजस्थान भी राष्ट्र के साथ राष्ट्र धारा में बहना चाहता है।

(श्री हरिसिंह)

इसमें प्रधान मंत्री का 20 सूत्री कार्यक्रम दिया गया है, पांच सूत्री कार्यक्रम भी दिया गया है उसी के अनुसार राजस्थान चलना चाहता है। 20 सूत्री कार्यक्रम के लिये माना जा चुका है कि सबसे सुन्दर कार्यक्रम है। भारतवर्ष और राजस्थान में यदि यह पूरा अमल में आ जाता है तो गरीबी दूर हो जायगी।

सभापति महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं जनता पार्टी के शासन के दौरान कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई थी। भरतपुर जिले में रात्रि में नहीं बल्कि दिन में और कोई गली-कूचड़ों में नहीं आम बाजारों में बहिन और बेटियों की इज्जत लूटी जाती थी। दिन दहाड़े डकैतियों के मामले होते रहते थे। उन्हें राज्य के संरक्षण देने की आम चर्चा करते करते संरक्षण देते रहे। मैं निवेदन करना चाहता हूं उस जमाने में जो राज्य के शासन पर नेता थे वे ही उनको संरक्षण देते थे। महुआ में सरपंच का चुनाव हुआ। जब नतीजा निकल रहा था तो जनता पार्टी का व्यक्ति चुनाव में हार रहा था तो वे बाहर आकर फिर लौट कर लाठी लेकर आये, पोलिंग पार्टी पर उन्होंने हमला किया प्रिसाइडिंग आफिसर को पीटा। बाद में प्रिसाइडिंग आफिसर की रिपोर्ट पर केस रजिस्टर हुआ। उसके बाद वहां के अधिकारियों पर दबाव डाल कर केस को तब्दील करवा दिया गया। तो, सभापति महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं उस समय कोई कानून और व्यवस्था नाम की चीज नहीं थी।

शिक्षा के क्षेत्र में भी जो बात जनता पार्टी के शासन में हुई है वह कभी भी नहीं हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में नये नये स्कूल खोल कर यह चाहते थे कि आर. एस. एस. के लोगों को अधिक से अधिक प्रवेश मिले। वे यह अच्छी तरह समझते थे कि ढाई वर्ष से अधिक शासन नहीं कर सकते थे इसलिये एक योजनाबद्ध तरीके से स्कूल खोले और उनमें भर्ती ऐसे लोगों की की गई जो आर. एस. एस. से सम्बन्धित थे। इसी कारण से एम्पलायमेंट एक्सचेंज से नाम लेने का जो प्रावधान था उसको हटाकर आर. एस. एस. के लोगों को अपनी मर्जी के माफिक लिया गया। सभापति महोदय, यही नहीं, एक बात की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं। कालेजों में भी अपने समान विचारधारा वाले लोगों को, आर. एस. एस. और जनसंघ से सम्बन्धित लोगों को नौकरियां दी गई। लॉ कालेज में जितने पार्ट टाइम लेक्चरार मुकर्रर किये गये उसमें 99 प्रतिशत व्यक्ति वे थे जो आर. एस. एस. की शाखाओं में जाते थे।

श्रीमान् सभापति महोदय, यहां तक हुआ कि वाइस चान्सलर और लेक्चरार, जिनकी विचारधारा विपरीत हुआ करती थी, पर हमले कराये गये। उदयपुर के वाइस चान्सलर पर जो हमला हुआ वह भी इन्हीं की देन थी। तो, सभापति महोदय, इनके शासन में इतनी कु-व्यवस्था बढ़ चुकी थी।

सभापति महोदय, इनका जो शासन था उसमें जितनी प्रजातान्त्रिक संस्थाएं थीं, लोकल सेल्फ की जो संस्थाएं थीं वे भंग की गई, उससे अधिक किसी काल में नहीं हुई। मैं यह कह सकता हूं इनके शासन काल में इन सब संस्थाओं का-ग्रेव यार्ड बना दिया गया था।

(श्री हरीसिंह)

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं लोकल सेल्फ गवर्नमेंट में इनके जमाने में जो धांधली हुई है वह कभी नहीं हुई। यह बताना चाहता हूं। भरतपुर शहर में लाखों रुपयों की जमीन मुफ्त इनके कार्यकर्ताओं को दे दी गई। बिना कीमत लिये हुए मकान बनाने की इजाजत दे दी गई। 10-12 लाख रुपयों की जमीन पर मंजूरी यहां के मंत्री जी के कार्यालय से दी गई।

भ्रष्टाचार की बात चल रही थी, मैं निवेदन करना चाहता हूं करीब 6-7 करोड़ रुपये सिंचाई के लिये मंजूर हुए थे। जिस वक्त ये रुपये मंजूर हुए कार्य शुरू हुआ उसके महीने भर के अन्दर जो जनता पार्टी के कार्यकर्ता थे और पत्थर लगाते थे, जो जनता पार्टी के नेता पकोड़ी बेचते थे, वे रातों रात लखपति बन गये। 6-7 करोड़ के कामों में घोटाला बाढ़ नियंत्रण में किया गया है। सभापति महोदय, मैं आपके जरिये से सरकार का इस ओर ध्यान खींचना चाहता हूं, यह अत्यन्त आवश्यक भी है कि उस 6-7 करोड़ में जो 2-3 करोड़ का घोटाला हुआ है, उसकी जांच करें। किस प्रकार फर्जी बिल बना कर अपने समान विचारधारा वाले लोगों को लाभ पहुंचाया गया है इसकी जांच कराई जाय।

मैं आपका ध्यान, सभापति महोदय, इस ओर और खींचना चाहता हूं कि भरतपुर जिले में सिंचाई सुविधाओं की अत्यधिक कमी है। मैं राज्य सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि सवाई माधोपुर जिले में चम्बल को रोक कर एक बांध बनाया जावे यदि वह योजना पूरी हो जाती है तो भरतपुर और सवाई माधोपुर दोनों जिलों में पर्याप्त मात्रा में पानी मिल सकेगा और पर्याप्त मात्रा में बिजली भी मिल सकेगी।

(समय-समाप्ति-सूचक घण्टी)

श्री सभापति : कृपया समाप्त करें।

श्री हरिसिंह : इन्हीं शब्दों के साथ आपकी आज्ञा मानते हुए मैं अपनी बात समाप्त करता हूं और समर्थन करता हूं धन्यवाद प्रस्ताव का।

श्री सभापति : श्री चांद खां।

(अनुपस्थित)

पं॰ देवदत्त।

श्री देवदत्त तिवाड़ी (बाड़मेर) । माननीय सभापतिजी, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के ऊपर जो धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया गया है उस प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं आपका ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि वैसे तो उधर के पक्ष या इधर के पक्ष दोनों पक्ष राज में बैठते रहे हैं, दोनों ने ही राज किया हैं, अच्छे कार्य किये हैं, यह बात कही जा सकती है। लेकिन देखना यह है कि उनके पीछे इन दोनों का इन्टेंशन क्या रहा है। यह बात भी यदि हम देखें तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि राज्यपाल महोदय ने जो बात कही है कि इनका राज्य दिशाहीन था यह किस मुद्दे पर, किस बात पर कही है, इस बात को जानना है। यदि वह बात सही है तो हमें अवश्य ही इस बात पर विचार करना होगा और अवश्य ही राज्यपाल महोदय को धन्यवाद देना होगा उनके अभिभाषण के लिए।

(80)



(श्री देवदत्त तिवाड़ी)

जब से स्वतंत्रता हमें सन् 1947 में प्राप्त हुई, तब से हमारे पूर्वज लीडरान ने यह प्रयत्न किया कि हम एक ऐसी शासन व्यवस्था बनायें, ऐसा एक संविधान बनायें जो कि संसार का सर्वोत्तम संविधान हो। इसके लिये हमारे अग्रज, हमारे पूर्वज सब इकट्ठे हुए। अग्रज इसलिए कहता हूं कि माननीय राजबहादुर भी उसमें उपस्थित थे। वे सब एकत्रित हुए और उन्होंने जो संविधान बनाया उसकी विशेषता यह रखी कि वह लोकतंत्र पर आधारित हो और उसके अन्दर कोई भी, किसी भी धर्म की पक्षपातपूर्ण बात नहीं हो। यह धर्म निरपेक्ष संविधान है। ऐसा एक संविधान इन्होंने बनाया है। यथार्थ में वह संविधान बहुत ही उत्तम था। लेकिन बहुमत इस तरीके का होने के उपरान्त भी कुछ लोग ऐसे थेजो कि इस मत के नहीं थे, कुछ लोग थोड़े से ऐसे बचे हुए थे जो कि एकतंत्रवाद को, पूंजीवाद को और धर्म सापेक्ष राज्य को चाहते थे। इन लोगों के पास कोई ऐसा साधन नहीं था कि वह राज्य को हथिया सकते इसलिए अब इन्होंने यह मार्ग चुना। वे बजाय इसके कि कोई प्रपंच रचते, कोई हिपोक्रेसी करते, तरह तरह के मुखौटे लगाते, या कोई न कोई, किसी न किसी प्रकार की ऐसी चालें चलते जिससे ऊपर से तो अच्छे दिखते रहें और अन्दर से अपना कार्य करते रहे। इस प्रकार के कार्यक्रम किए। हमें इन लोगों के इंटेंशन से केवल अभी भी भेद है, मतभेद है। हम यह नहीं चाहते कि वे ताकतें, जो कि हमारे संविधान की रूह में मेल नहीं खाती हैं, जो प्रतिक्रियावादी हैं और जो एकतंत्रवाद चाहते हैं, जो धर्म सापेक्ष राज्य चाहते हैं, वे छुप कर या दूसरा रूप बना करके राज्य को हथिया लें भले ही उनके रूप बड़े ही लुभावने रहे हों, बड़े ही सुन्दर रहे हों, हमारे बड़े बड़े आदमी, बड़े बड़े महारथी, जिनमें मोरारजी देसाई जैसे भी, राज बहादुरजी जैसे भी और यहां तक कि हमारे मनीषी गोकुलभाई भट्ट भी उस सौंदर्य में, उस भेदभाव में फंसते रहे। जिस दिन इनका ऊपर से पर्दाफाश हो जाएगा, जिन जिन पर से हुआ है वे लोग उनसे दूर होते चले गए हैं, और होते भी चले आये हैं। सारे के सारे जो कुछ भी कार्य किए उन कार्यों को राज्यपाल महोदय अच्छी तरह से देख रहे थे। वे उस पद पर आसीन थे जिस पद की गरिमा के कारण वे उस संस्था विशेष की ओर अपना ध्यान नहीं कर सकते थे। अब उन्होंने थोड़ा उस ओर ध्यान लगा करके देखा और उस ध्यान में उन्होंने देखा कि चाहे कार्य बड़े ही अच्छे रहे हों लेकिन उनकी दिशा ही नहीं थी। वे चाहते थे कि एकतंत्रवाद हो जाय और धर्म सापेक्ष राज्य हो जाय उस की आड़ में, ऐसी राजनीति के अन्दर वे बिल्कुल दिशाहीन थे। जब पर्दाफाश हो गया तब उन्होंने स्पष्ट तौर से, सच्चे दिल से यह स्वीकार किया है और इस अभिभाषण में जो बातें कही हैं उनके लिए हम उन्हें विशेष रूप से बधाई के पात्र समझते हैं और हम उनको धन्यवाद देते हैं।

इसके साथ साथ जो कार्य इन लोगों ने किए हैं, मैं यह कहूंगा कि उनकी तारीफ भले ही करें लेकिन वे कार्य ऐसे थे कि हमारे किसी सरपंच ने राज्य की मदद से या दूसरे किसी तरीके से, किसी प्रकार से पचास हजार का एक कुआ बनाया, पांच हजार रुपया लगा करके

(श्री देवदत्त तिवाड़ी)

एक उसने टैंक बनाया और उसके पश्चात् उसने उपर एक लाख रुपये की मशीन भी लगाई। भाग्य से ऐसा हुआ कि वह पंचायत पलट गई। अभी वहां पर दस पांच टूंटियां ही लग पाई थी कि वह पलट गई और एक पंचायत चली गई और दूसरी पंचायत आई तो उस पंचायत ने और कुछ भी नहीं किया, यहां तक कि जो स्पेयर पार्ट्स थे वे भी बेच खाये और उधर क्या किया कि जो दस पांच टूटियां थी, उनको बढ़ा कर सौ टूंटियां कर दी। अब किसी टूंटी के अन्दर पानी नहीं आता। गांव वाले कहते हैं कि एक भी टूंटी काम नहीं कर रही है, इंजिन भी क्वतन क्वतन ही काम करता है। यह वहां की व्यवस्था है।

(4.47 म.प.)

(श्री पूनमचन्द विश्नोई, अध्यक्ष, पदासीन)

हमने जो दस टूंटियां लगाई थी तो उन्होंने सौ टूंटियां कर दीं पर पानी किसी में भी नही है ऐसे इन लोगों ने कार्य किये हैं।

इसी तरह से जो स्कूल खोले हैं, स्कूलों के नम्बर तो बहुत हैं, आंकड़ें आप गिनाते जाइये, बहुत आंकड़े हैं, लेकिन स्कूलों में मास्टर नहीं हैं। जहां पहले पढ़ने के लिए बच्चे चालीस चालीस बैठते थे, जहां बीस बीस लड़के बैठते थे, अब दो सौ दो सौ लडके बैठे हुए हैं क्लास में और कहीं भी मास्टर नहीं हैं। ऐसे स्कूलों का क्या किया जावे। इस प्रकार से एक क्षेत्र में ही नहीं हैं, सभी क्षेत्रों में है। आंकड़े इन्होंने बहुत अच्छे बनाए हैं लेकिन वे आज किसी भी काम के नहीं हैं।

ये कहते हैं कि गरीबों के लिए अन्त्योदय योजना चलाई है। मैं कहता हूं कि अन्त्योदय जैसी निकम्मी योजना आज तक संसार में पैदा नहीं हुई। आप कहते हैं कि गरीबों को ऊपर उठाया जा रहा है लेकिन मैं कहता हूं कि उस गरीब को आप किस हालत में डालते हैं। सारे गांव को इकट्ठा करके पोइन्ट आउट करते हैं कि ये पांच आदमी हैं जो खूटल हैं। इनके पास कुछ भी नहीं है। आप उनको कितना भी पैसा दे देंगे, चाहे कैसा भी बना देंगे लेकिन मैं माननीय सदस्यों से यह पूछता हूं कि उनको टाबर कौन देगा, उनको बच्चे कौन देगा ? गांव के अन्दर यह रिवाज है, उसकी शादी कैसे होगी, जब यह मालूम हो गया कि इसके पास कुछ भी नहीं हैं, यह खूटल है तो टाबर नहीं मिलने वाला है, बच्चा नहीं मिलने वाला है, उसकी शादी नहीं हो सकती......

**श्री भगवान दास शास्त्री :** भले ही वे शान के साथ भूखों मर जायं।

**श्री देवदत्त तिवाड़ी :** भूखों मर जायगा लेकिन उसकी इज्जत तो रहेगी।

तो इस तरह की इन्होंने यह अन्त्योदय योजना बनाई। इस योजना में इनका इंटेंशन यह था कि जिन लोगों को हम अपनी तरफ खींच सकते हों, जिन्हें अपना बना सकते हों, हम उन्हीं लोगों को यह लोन दिलवायें, पैसा दिलवायें। इस तरह से इन लोगों ने जितने भी कार्य किये हैं वे तमाम कार्य अपने लोगों को बसाने के लिए किए हैं।

मैं कहता हूं कि प्रौढ़ शिक्षा जैसा निकम्मा और थोथा काम आज तक कोई नहीं हुआ। जिसमें हजारों लाखों रुपया लगा

82



(श्री देवदत्त तिवाड़ी)

दियां। मैं कहता हूं कि किसी एक प्रौढ़ को कामयाब नहीं बनाया, शिक्षित नहीं बनाया। कभी इन्होंने गांव की स्प्रिट नहीं देखी गांव में.........

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, बिराजिये।

**सदन की कार्यवाही**

**सदन की बैठक के निर्धारित समय में वृद्धि**

**श्री खेतसिंह राठौड़** (मुख्य सचेतक) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं यह निवेदन करता हूं कि सदन की बैठक का समय साढ़े सात बजे तक बढ़ा दिया जाये।

**श्री अध्यक्ष** : प्रश्न यह है कि सदन की बैठक का समय साढ़े सात बजे तक बढ़ा दिया जाये ?

( स्वीकृत )

सदन की बैठक का समय साढ़े सात बजे तक बढ़ाया गया।

**धन्यवाद प्रस्ताव पर वादविवाद**

**श्री देवदत्त तिवाड़ी** : तो मैं, माननीय सभापति महोदय, आपका ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहता हूं कि इन लोगों ने प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम चलाया, इसके अन्दर एक भी प्रौढ़ को साक्षर नहीं कर सके। हजारों लाखों रुपये व्यय कर दिये, केवल इसलिये कि चुनाव जब आयें उस समय इनकी जीपें दौड़ सकें, इनके कार्यकर्ता काम कर सकें। ऐसे कार्यकर्ता लगाये गये जो खुद साक्षरता के नाम पर ठोठ हैं, जो कुछ पढ़ना-लिखना नहीं जानते हैं, उनको इन जगहों पर बैठाया गया। यह जो प्रौढ़ शिक्षा चलायी, गांवों के अन्दर 30-40 वर्ष के आदमी से जाकर पूछिये, वह सीधा जवाब देते हैं कि हमारे गांव में बीसीयों पढ़े-लिखे बैठे हैं, पहले उनको धंधे पर लगाओ। इनके अन्दर यह दम नहीं था कि उनमें से किसी को साक्षर करते। इस प्रकार यह एक थोथी और निकम्मी योजना थी। चाहिये यह कि ऐसी योजनाओं को बन्द किया जाये।

अब मैं राष्ट्रपति महोदय के अभिभाषण की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं जिसमें उन्होंने.......

**श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह** : राष्ट्रपति महोदय नहीं, राज्य पाल महोदय के अभिभाषण।

**श्री देवदत्त तिवाड़ी** : राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के सम्बन्ध में कुछ कहना चाहता हूं, जिसमें बहुत-सी बातें उन्होंने कही है। मेरे क्षेत्र बाड़मेर की, 2-3 बातों की ओर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं। हमारे यहां पानी की बहुत ज्यादा कमी है। कल भी इस बात पर ध्यान दिलाया गया था। हमारा इलाका पश्चिमी इलाका है। बोर्डर से लगा हुआ इलाका है। यद्यपि पानी के लिये बहुत कुछ कार्य किया गया है लेकिन फिर भी वह अभी नगण्य है। अभी भी लोग 4-4, 6-6, 8-8 किलोमीटर दूर से पानी लाते हैं। वहां पर पानी की समुचित व्यवस्था होनी चाहिये। समुचित व्यवस्था का अर्थ मैं समझता हूं, जहां पर एक पाइप लाइन लगा दी जाये वहां पर कभी बिजली के बहाने, और कभी दूसरे बहाने से वह व्यवस्था तीन-तीन, चार-चार दिन के लिये फिर बन्द न पड़ी रहे, क्योंकि सब लोग अपने पानी निकालने के साधन, सींचने के साधन बन्द करके रख देते हैं, फिर सात-आठ दिन लोगों को पानी न मिले तो ऐसे स्थान पर पानी वहां से उपलब्ध कराया जायेगा। इसलिये इसकी एक सुदृढ़ तरीके से व्यवस्था की जाये।

(श्री देवीदत्त तिवाड़ी)

अकाल के विषय में, मै निवेदन करूं, हमारे यहां अकाल हमेशा ही पड़ता रहता है। हमारे यहां कहावत है कि अकाल का पैर पूगल, धड़ मेड़ता और सिर बाड़मेर है। वह चलता फिरता जोधपुर में आता है और जैसलमेर में तो हमेशा ही रहता है। इस तरह अकाल का भय हमारे यहां कभी मिटता ही नहीं है। वहां हमें ऐसी व्यवस्था करनी चाहिये जिससे वहां पर अकाल की विभीषिका न हो।

मैं आपका ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं, अब वह समय आ गया है, जैसे कि पैसे के मामले में, सम्पति के मामले में अब लोग इस बात को भूल गये हैं कि धनी और धनी क्यों हैं ? अपने भाग्य से हैं। और गरीब और गरीब क्यों हैं ? वह अपने भाग्य से हैं। अब यह बात नहीं है। आने वाले समय में यह बात नहीं मानी जायेगी कि अकाल देवयोग से पड़ता है। अकाल कोई ईश्वर की कृपा से पड़ता है। अब इस बात को लोग नहीं मानेंगे। अब यह माना जायेगा कि राज की अच्छी व्यवस्था नहीं होने से अकाल पड़ता है। यदि वर्षा नहीं होती है तो यह राज्य की जिम्मेदारी होगी। आपके वैज्ञानिक वह यंत्र निकालें जिससे वर्षा समय पर जहां हम चाहे वहां करायी जा सकती है। इसलिये अकाल के विषय में मैं यह निवेदन करना चाहूंगा कि जो कुछ कार्य किये गये हैं, मुझे बड़ी प्रसन्नता है, लेकिन मुझे दुःख इस बात का है कि जो किसान काम पर लगा हुआ था, वह अपने काम पर जाने लग गया था, अब उसे कोई अनाज नहीं देता कोई खाने को नहीं देता तो अपने खेत में जाकर कैसे काम करे ? अब समय है जबकि वह खेत में बोयेगा। अब से दो महीने बाद उसकी फसल आयेगी, स्पष्ट रूप से अब उसको सहायता चाहिये। अब सब जगह पर मांगने में लगा हुआ है। हमें इस बात पर विचार करना चाहिये। यदि हम नहीं दे सकते हैं तो जो कुछ भी अनाज हमारे पास है, दस-दस के. जी. पर आदमी के हिसाब से अनाज हो लोन दें ताकि आने वाली फसल में अनाज को लौटा सके। कोई न कोई व्यवस्था ऐसी कीजिये।

तीसरी चीज जिसकी ओर कम ध्यान दिया गया है, वह यह है कि हम बोर्डर पर बैठे हैं। जितनी दिक्कतें सारे भारतवर्ष को आज उठानी पड़ती हैं, यदि पाकिस्तान का हमला हो जाय तो आप बड़ी तारीफ करते हैं कि पश्चिमी राजस्थान ने युद्ध में पाकिस्तान का डट कर मुकाबला किया। लेकिन जो तकलीफ हुई उन तकलीफों को मिटाने की व्यवस्था करनी है।

हमारे यहां समुचित कानून और व्यवस्था नहीं है, वह की जाये, जिससे ज्यादा चोरी वगैरह न हो। जो लोग स्वेच्छा से नहीं रह पाये हों, जो मेघवाल हैं, जो दबे हुए हैं, जो शोषित हैं, जिनके उपर शोषण जारी है, उन पर से शोषण हटाया जाये, जिससे वह कल के आने वाले दिन में पाकिस्तान से मुकाबला करने में सक्षम हों।

मैं निवेदन करना चाहता हूं इन सब बातों के साथ कि राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण दिया है और शिवचरण माथुर ने उसके लिये धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया है, मैं उसका पुरजोर शब्दों में समर्थन करता हूं।

**श्री अध्यक्ष** : माननीय मंत्री महोदय, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर वक्तव्य 6 बजे तक देंगे, उस वक्त तक वाद - विवाद चलेगा ।

अब मैं माननीय सदस्य गोपाल पचेरवाल का नाम पुकारता हूं । श्री गोपाल पचेरवाल ।

**एक माननीय सदस्य** : पचेरवालजी नहीं है ।

**श्री अध्यक्ष** : श्री भगवानदास शास्त्री ।

कृपया समय का ध्यान रखें । आपकी पार्टी को 2 घन्टे का समय दिया गया है ।

**श्री भगवानदास शास्त्री** : माननीय राज्यपाल महोदय ने जो छपा हुआ अभिभाषण यहां पढ़ा उसमें कुछ अनपार्लियामेंट्री लेंग्वेज यूज की गई है गत सरकार के बारे में । शोभा नहीं देता, हाउस में कहना कि सिद्धान्तहीन कौन है । सिद्धान्तवादी कौन है, यह तो जनता फैसला करेगी ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने जल की अव्यवस्था और पेयजल की कमी की बात कही । वहां–कहां अव्यवस्था है, माननीय सदस्य जैसा बताते हैं कि पेयजल की व्यवस्था कहां-कहां करनी है वहां तो करोड़ों का खर्चा किया जावेगा । लेकिन जहां तक राजस्थान के अजमेर जैसे जिले और उसके साथ-साथ ब्यावर, किशनगढ़ में जो पानी की स्थिति है, उसके लिये आप आश्वासन देते हैं कि आपको सेंदड़ा से, कुओं से पानी मिलेगा । जिस नगर की आबादी 4 लाख से ऊपर बढ़ कर इन दिनों में 8 से 10 लाख तक पहुंचने वाली है, कुओं पर आधारित जो जिला है और कुओं पर आधारित जो नगर है वहां आपकी योजना चाहे करोड़ों की रही हो निम्माज के पास, उससे…

**श्री विष्णुप्रकाश बजारी** : जो आपने फरमाया कि निम्माज के पास में है वह योजना आपकी बनाई हुई है, किसी दूसरे की नहीं ।

**श्री भगवानदास शास्त्री** : हमारी सरकार ने जो आंकड़े दिये है वे भी सिद्धान्तहीन नहीं होंगे । मैं तो कहता हूं, माननीय विष्णुजी, जो ब्यावर से आये हुए हैं, किसी रूप में आये हैं, पहले भारतीय जनसंघ में रहे, खुद के भाषण हैं इलेक्शन के, अब मेरे भाषण पर कटाक्ष कर रहे हैं ।

**श्री विष्णुप्रकाश बजारी** : मैं आपकी पार्टी की कृपा से नहीं आया हूं ।

**श्री भगवानदास शास्त्री** : जो दल बदलु है, हमारी पार्टी में आप जैसे भ्रष्ट आदमियों की आवश्यकता भी नहीं है ।

( व्यवधान )

माननीय अध्यक्ष महोदय, आज अजमेर शहर के अन्दर पानी की जो अव्यवस्था है वहां बनास योजना का पानी पर्याप्त नहीं है । मेरे लिये तो जैसा ब्यावर, जैसा अजमेर, वैसा किशनगढ़ । मैंने अपने क्षेत्र के बारे में कुछ नहीं कहा । मैं तो कहता हूं दो तहसीलों और उसके साथ साथ अजमेर नगर के लिए पानी की व्यवस्था हो । राज्यपाल महोदय ने यह नहीं कहा कि अजमेर नगर में पानी की व्यवस्था के लिए 5, 7 या 10 करोड़ रखते हैं । ऐसी कोई घोषणा नहीं है । मैं तो कहता हूं राजमहल की योजना को पूरा कर दीजिए, बांध बना कर ब्यावर, किशनगढ़ को पानी दे सकते हैं और राजमहल योजना जयपुर में भी जल दे सकती है ।

(श्री भगवानदास शास्त्री)

इस बात को तो सुबह से सुनते आ रहे हैं कि कर्मचारी, पुलिस कर्मचारी और अपने खुद राज्य सरकार के कर्मचारी हैं वे लॉ एण्ड आर्डर को मेन्टेन नहीं करते, जनता या गुण्डे, जो असामाजिक तत्व है, मैं उनकी ही कहता हूं, वे राज्य कर्मचारी या कुछ भी हों, उनको रोकने में यह सरकार बिल्कुल सक्षम नहीं है, यह बात मैं आपको साफ बता देना चाहता हूं। आप असामाजिक तत्वों को संरक्षण देते हैं क्योंकि वे स्रोत हैं वोटर्स के। जिस प्रकार से आप एजेन्ट मुकर्रर करके वोट लेते हैं, उस प्रकार से हम वोट नहीं लेते, हम घर घर जाकर खून पसीना एक करके वोट मांगते हैं।

यह जो 20 सूत्री कार्यक्रम है, कोई कांग्रेसी भाई यह बताये कि इसमें क्या क्या प्रोग्राम हैं, क्या क्या आइटम हैं, विषय हैं। अगर कोई बता दे तो धन्यवाद का पात्र होगा और कांग्रेसी कहलाने के योग्य होगा। 20 सूत्री कार्यक्रम ने जो 75 में अत्याचार किये उससे सौभाग्यवतियों की मांग का सिन्दूर पुछ गया। इस पांच सूत्री कार्यक्रम के बारे में मैं कुछ नहीं कहना चाहता। कारण वह एक नवयुवक 33 साल की आयु में ही स्वर्गधाम सिधार गया। उसके बारे में अपशब्द कहना अनुचित होगा। वह पांच सूत्री कार्यक्रम एक संगठन में काम करने वाला था यह मैं कहने के लिए तैयार नहीं। वह चाहे नेहरू परिवार का हो, चाहे इन्दिरा का बेटा हो, हमें उसके लिए दुःख है चाहे उसके बारे में हमें कुछ भी शंकाएं थीं वे शंकाएं राजनीति तक ही सीमित थीं। उसके निधन से हमें भी दुःख हुआ है। वह असामयिक मौत का शिकार हुआ। उसके बारे में हम प्रधान मन्त्री के दुःख में सहयोगी हैं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, छठी पंचवर्षीय योजना के ये आंकड़े गिनाते हैं, मैं उसके आंकड़ों पर कभी विश्वास नहीं करता। उन आंकड़ों के कारण लोगों ने रेडियो सुनना बन्द कर दिया। आप अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के बारे में कहते हैं, उनके बारे में बार बार कागज काले किये जाते हैं। हम बार बार चिल्लाते हैं कि उनके बारे में कौनसी योजना है। हरिजन बस्ती में कहते हैं नल विकास की व्यवस्था करेंगे, हरिजनों के लिए बिजली की व्यवस्था करेंगे, कहां है वह बिजली की व्यवस्था और नल की व्यवस्था। उनके लिए क्वार्टर बनाये हैं वे भी टूटने लगे हैं। इसलिए जो कुछ भी राज्यपाल महोदय ने कहा है उसमें कुछ भी सारांश कहां है? इसीलिए वे बार बार परेशान हो रहे थे। वे पढ़ रहे थे क्योंकि राज्य सरकार ने उनको छपवा कर हाथ में दिया था।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आज की जो परिस्थिति है, यह राजस्थान किन परिस्थितियों में से गुजर रहा है। आज हमको चुने हुए एक महीना हो गया, न हम शपथ ले सके। न शपथ लेने के बाद जो जनता का दुःख दर्द है उसको सुन सके। कमर तोड़ महंगाई है। जहां दो सवा दो रुपये किलो चीनी थी वहां साढ़े सात और आठ रुपये किलो हो गई। यह भी सम्भावना है कि 10 रु.किलो खानी पड़ेगी। तेल के भाव आसमान छू रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, आज की जो अर्थव्यवस्था है इससे तो अच्छी अर्थ व्यवस्था जनता पार्टी के शासन में थी। तस्करों का सोना बेचा गया। सोना और तस्करों की घर

(श्री भगवानदास शास्त्री)

पकड़ हुई । जो कुछ जनता पार्टी ने किया उसका आपको अनुसरण करना चाहिए । माननीय अध्यक्ष महोदय, उनकी जो योजनाएं हैं उनको बताने की जरूरत नहीं है अन्त्योदय योजना विश्व भर में प्रख्यात है, काम के बदले अनाज योजना पूरे देश और उसके बाद विश्व तक पहुंची है । मेरा इस सदन के सदस्यों से अनुरोध है, चाहे सत्ता पक्ष में हों या विपक्ष में, राजस्थान की अढ़ाई करोड़ जनता और यह राजस्थान हमेशा सूखाग्रस्त और बाढ़ से पीड़ित रहा है । अपने को ऐसी योजना तैयार करनी चाहिए कि जो पानी फलौदी जाकर, बियाबान में जाकर समाप्त हो जाता है उसको कम से कम कहीं न कहीं बांध बना कर रोका जाना चाहिए । अजमेर का आना सागर नगर के बीचोंबीच में है जहां कम से कम आई ए. एस. आफिसर्स के मकान हैं वहां से शहर में से निकलता है । शुरू में मैं जब नगरपालिका में ब्रिटिश शासन में चैयरमेन था मैंने पहले कहा था नगरपालिका के अध्यक्ष को, नगर के बीच में से बढ़ती हुई आबादी है उसमें से 12 और 18 फीट की चैनल न निकालें । वहां पानी घरों में 10-10 फीट तक बढ़ता हुआ देखा जाता है अब बरसात आ गई है, मानसून आ गया है इससे रात दिन की परेशानी हो गई है । इसलिए वहां के जिला प्रशासन और नगर प्रशासन को जागरूक होना चाहिए परन्तु हमको विश्वास नहीं है कि वह हमारी देवी आपदा से रक्षा कर सकेंगे । इसलिए, अध्यक्ष महोदय, मेरा राज्य सरकार से यह निवेदन है कि बरसात के पानी को शहर के बाहर निकाला जाए । जो बस्ती डूब में आती है वह अनुसूचित जाति की बस्ती है उसमें 40-50 फीट पानी आ जाता है, उसको बचाया जाए । इसको बचाने का श्रेय जनता पार्टी का समझो चाहे कांग्रेस पार्टी का समझो मैं तो जनता पार्टी को ही उसका श्रेय दूंगा । अध्यक्ष महोदय, आज अजमेर की हालत क्या है? मैं वहां से प्रतिनिधि चुन कर आया हूं किन्तु मैं पूरे राजस्थान का प्रतिनिधि हूं, चाहे फिर वह पुष्कर हो, चाहे अजमेर हो, चाहे किशनगढ़ हो, सचमुच ही बुरी हालत है । वहां पर सड़कों की हालत ठीक नहीं है । वहां की जनता इतनी परेशान है कि वह जिला प्रशासन और नगर प्रशासन पर दावा करने की सोच रही है क्योंकि सड़कों की वजह से उनकी कारों, स्कूटरों की स्प्रिंग रोजमर्रा टूटती हैं । राज्य सरकार या नगरपालिका पर उन्होंने दावा कर दिया तो आपको करोड़ों रुपयों का भुगतान करना होगा ।

**श्री अध्यक्ष** : कृपया जल्दी समाप्त करें ।

**श्री भगवानदास शास्त्री** : अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण दिया है, जिसको हम इस हाउस का अजेन्डा मानते हैं और जिसके आधार पर हमको बोलना पड़ता है उस अभिभाषण में जो कुछ भी कहा गया है, उसमें कोई आंकड़े नहीं हैं । एक कहानी है । हम बचपन में एक कहानी सुना करते थे । कहानी पढ़ते थे । यह अभिभाषण एक कहानी लगता है । यह तो रिपीटिशन लगता है कोई आंकड़े नहीं हैं । कोई स्कीम्स नहीं है योजना नहीं है कि कितने करोड़ रुपये किस योजना में खर्च होंगे, कितने करोड़ रुपये किस किस नगर, जिला तहसील में व्यय किए जायेंगे, इसके कोई आंकड़े

(श्री भगवानदास शास्त्री)

नहीं है। इसलिए, माननीय अध्यक्ष महोदय, अगर मैं यह कहूंगा कि इस अभिभाषण जिसका विरोध करने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं, में कोई दिशा नहीं है। राज्यपाल महोदय ने जो लिखा हुआ अभिभाषण इस सदन में पढ़ा है उसमें यह संशोधन करूंगा कि पेयजल की व्यवस्था के बारे में इसमें और कहा जाए।

इसके साथ साथ एक निवेदन मैं यह करना चाहूंगा कि राजस्थान विधान सभा की कमेटी के साथ मैं चम्बल डेम गया था। वहां पर बने स्टेच्यू की ओर मेरा ध्यान गया। इस स्टेच्यू में यह बताया गया है एक तो मध्य प्रदेश का बच्चा है और दूसरा बच्चा राजस्थान का है। राजस्थान का बच्चा प्यासा है और वह मध्य प्रदेश के बच्चे से पानी की याचना कर रहा है। यह जो स्टेच्यू बना है यह हमारे राजस्थान के माथे पर कलंक है। उसको तत्काल ही हटाया जाना चाहिए और उस स्थान पर महात्मा गांधी की मूर्ति लगाई जानी चाहिए। सुखाड़ियाजी के शासन काल मेभी मैंने उस स्टेच्यू को हटाने की मांग की थी परन्तु कोई कार्यवाही नहीं की गई। वह स्टेच्यू ठीक नहीं है।

इतना ही कह कर मैं अपना भाषण समाप्त करता हूं।

**श्री अध्यक्ष** : जनता पार्टी (जे.पी.) से कोई माननीय सदस्य बोलना चाहें तो बोलें।

श्री विष्णु बजारी।

**श्री विष्णु प्रकाश बजारी** (ब्यावर) : आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं सबसे पहले चाहूंगा कि भारतीय जनता पार्टी ने जो सबसे अच्छा कार्य किया है उसके लिए हमारी कांग्रेस पार्टी की ओर से चांदी की एक शील्ड भेंट की जाय। वह कार्य उन्होंने यह किया है, सबसे अच्छा कार्य यह किया है कि हमारे भारतवर्ष के अन्दर जो चुनाव पांच वर्ष के पश्चात होते थे, वे चुनाव 28 महीनों में होने लगे। ये चुनाव उनके निकम्मेपन के द्योतक हैं इसलिए मैं माननीय मुख्य सचेतक महोदय को निवेदन करूंगा कि इस कार्य के लिए इनको चांदी की शील्ड भेंट करें। इसके लिए मैं उनका धन्यवाद और आभार प्रकट करूंगा।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, इनको शान्त करिये।

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री विष्णु प्रकाश बजारी** : जब ये बोलते हैं तो हम नहीं बोलते हैं। इनकी आदत हो गई है बीच में बोलने की।

दूसरी बात जो मैं यहां पर निवेदन करना चाहता हूं वह यह है कि माननीय सदस्य जनता पार्टी के यह कहते हैं कि इस अभिभाषण के अन्दर कहीं किसी प्रकार का कोई निदेश नहीं है, इस सम्बन्ध में मेरा निवेदन है कि जिस प्रकार "ओम" का उच्चारण करने मे सारे देवी देवताओं का स्मरण हो जाता है उसी प्रकार राज्यपाल महोदय द्वारा अभिभाषण में बीस सूत्री कार्यक्रम और पांच सूत्री कार्यक्रम का उल्लेख किया गया है। इस कार्यक्रम के अन्दर भारतवर्ष के सभी सार्वजनिक, कल्याणकारी, जनहितकारी कार्यक्रमों का समावेश हो जाता है। इस सम्बन्ध में मैं भारतीय जनता पार्टी को यह सलाह देना चाहता हूं कि यदि उन्होंने शासन सम्भालते ही बीस सूत्री और पांच सूत्री कार्यक्रम को जारी रखा होता और

(88)



(श्री विष्णु प्रकाश बजारी)

इस कार्यक्रम पर वे अमल करते तो आज जो हालत उनकी हमें यहां देखने को मिल रही है जो इने गिने लोग जीत कर यहां आये हैं ऐसी हालत हरगिज नहीं होती। ऐसी हालत हमारी होती परन्तु इन्होंने इस बीस सूत्री और पांच सूत्री कार्यक्रम पर अमल नहीं किया।

तीसरा निवेदन मेरा और है। 1977 के अन्दर जनता पार्टी का शासन आया। उन्होंने बड़ी बड़ी घोषणाएं कीं। हमारे भूतपूर्व मुख्य मन्त्री ने एक जगह भाषण दिया, अब इस प्रदेश में भ्रष्टाचार खतम हो जायगा। माननीय अध्यक्ष जी, मैं यह निवेदन करूंगा कि जब से 1977 से जनता पार्टी का शासन आया, निश्चित रूप से हमारे शासन काल में भ्रष्टाचार था, थानेदार रिश्वत लेता था, वह थानेदार उस समय पांच रुपये लेता था तो जनता पार्टी के राज्य में उसी थानेदार की रेट 500/— रुपये हो गई। यह शर्म की बात है। यह सही बात है।

इसके बाद, आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और निवेदन करना चाहता हूं। जिस समय 1977 के अन्दर जनता पार्टी का शासन आया, बड़ी शान और गौरव के साथ इन लोगों ने कहा, हम जनता अदालतें चलायेंगे। बड़ा ढिंढोरा पीटा गया जनता अदालतों का। लेकिन जनता अदालतों का क कुछ महीने भी नहीं चल पाया। सेक्रेटेरियेट में भ्रष्टाचार फैलाने के लिए इन लोगों ने अपने आदमियों को रखा। उसका नतीजा इनको भुगतना पड़ रहा है जो आज दिखायी दे रहा है। इन लोगों ने अपने कार्यकर्ताओं का जैसा अपमान किया वैसा अपमान कार्यकर्ताओं का किसी शासन में नहीं हुआ। इनके कार्यकर्ताओं के अपमान की वजह से ही आज इनकी यह दुर्दशा हुई है वरना यह दुर्दशा इनको नहीं देखनी पड़ती।

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं एक निवेदन और करना चाहता हूं। जनता पार्टी के शासन काल में एक अच्छा कार्य और हुआ है। वह यह है कि हमारे शासन काल के अन्दर हमारे प्रधान मन्त्री के नाम पर जो बाजार बनाया गया था उस इन्दिरा मार्केट का नाम इन लोगों ने बदल डाला। इनको कुछ करना था तो पहले कुछ कार्य करते, ये एक नया मार्केट बनाते और उसका नाम वे खुद अपनी पसन्द का रखते। इन्होंने कोई मार्केट तो बनाया नहीं और जो मार्केट कांग्रेस शासन काल में बना था उसका नाम इन्होंने बदल डाला। यह बड़े शर्म की बात है।

अब मैं दूसरी बात पर आता हूं। प्रजातन्त्र में एक शासक पार्टी होती है और दूसरी विपक्षी पार्टी। उस समय शासक पार्टी अपनी नितियों के ऊपर, उसके आधार पर शासन करती थी और विरोध जिस चीज को पसंद नहीं करता था, उन नीतियों पर कुठाराघात करना होता था या विरोध करना होता था तो वह करता था। पर शासन मूलभूत नीतियों के आधार पर होता था। लेकिन उसके बाद, अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि जिस समय 77 के अन्दर जनता पार्टी का शासन इस देश के अन्दर आया, मैं इन जनता पार्टी के नेताओं से पूछना चाहता हूं कैसी नीतियां किस आधार पर और क्या इन्होंने बनायीं? मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि इन्होंने अणु नीति में क्या परिवर्तन किया, क्या

(श्री विष्णु प्रकाश बजारी)

इन्होंने शिक्षा नीति, विदेश नीति या ग्रौर कोई भी नीति के अन्दर परिवर्तन किया ? कोई परिवर्तन नहीं किया ? इसके साथ ही एक ग्रौर निवेदन करना चाहूंगा। इस देश के ग्रन्दर ग्राज जो भारतीय जनता पार्टी है ग्राज से कुछ ग्रर्से पहले जनसंघ पार्टी एक दूसरी पार्टी थी, उसकी कुछ नीतियां थीं, उसकी कुछ मौलिक नीतियां थीं। लेकिन, ग्रादरणीय ग्रध्यक्ष, मैं निवेदन करना चाहूंगा कि जनसंघ, जिसके नेता ग्रादरणीय ग्रटलबिहारी बाजपेयी थे, ने ग्रपनी मूलभूत नीतियां त्याग दीं, ग्रपनी सारी नीतियों को त्याग कर सिर्फ सत्ता में बने रहने के लिये, इस देश के ग्रन्दर शासन करने के लिये ऐसों से मिल गये जिनसे नीतियां मेल नही खाती थीं। मैं ग्रापके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं ग्राधारभूत नीति के सम्बन्ध में कि जो उस समय जनसंघ की नीति थी वह यह थी कि इस देश के ग्रन्दर ग्रणु बम. बनाया जाये। ग्रफसोस है उनके नेता ग्रटलबिहारी बाजपेयी जी उस समय विदेश मन्त्री थे ग्रौर उनकी पार्टी के नेता प्रधान मंत्री श्री मोरारजी देसाई जी जब ग्रमेरिका गये तो उन्होंने ग्रमेरिका में यह कहा कि हम ग्रणु बम नहीं बनायेंगे, ग्राप कहेंगे वह काम कर लेंगे हमें किसी तरह से हैवी वाटर दें। यह भीख मांगी पर हैवी वाटर नहीं मिला। फिर हमारी सरकार ग्रायी, इन्दिरा जी प्रधान मन्त्री बनी तो ग्राज ग्रमेरिका हाथ जोड़ कर हमें वह हैवी वाटर दे रहा है।

इसके साथ ही, ग्रादरणीय ग्रध्यक्ष जी, दूसरी जो जनसंघ की नीति थी वह थी "इजरायल" को मान्यता देने की। हमारे ग्रटलबिहारी बाजपेयी जो भाषण किया करते थे उस समय जनसंघ की नीति की घोषणा किया करते थे, उन्हें मान्यता दी जाये। लेकिन 1977 में जिस समय जनता पार्टी का शासन ग्राया मुझे बड़े शर्म के साथ कहना पड़ता है कि फिर उन्होंने इजरायल को मान्यता देने की बात नहीं की।

इसके साथ ही मैं तीसरी नीति, जो इन की सबसे बड़ी नीति थी, की ग्रौर मैं ग्रापका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। वह नीति थी हिन्दी का प्रचार। बड़े दुःख के साथ कहना पड़ता है कि 1977 के बाद जब ये शासन में ग्राये ग्रौर मद्रास में ग्रंग्रेजी लागू करने के लिये बात ग्रायी तो यह निर्णय हुग्रा कि ग्रंग्रेजी लागू रखेंगे।

इसके ग्रलावा एक नीति इनकी ग्रौर थी वह नीति थी भारत को ग्रखण्ड भारत के रूप में मानने की, हम भारत को एक ग्रखण्ड भारत मानेंगे। लेकिन हमारे ग्रादरणीय ग्रटल बिहारी बाजपेयी, जो उस समय विदेश मन्त्री थे, जब पाकिस्तान की यात्रा पर गये तो वहां जाकर के उन्होंने पाकिस्तान की सार्वभौम सत्ता को स्वीकार किया। उन्होंने बड़ा कष्ट पहुंचाया ग्रपने बहुत बड़े ग्रादरणीय नेता श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी की ग्रात्मा को.....

(व्यवधान)

**श्री ग्रध्यक्ष** : ग्रार्डर प्लीज, व्यवधान न डालें।

**श्री विष्णु प्रकाश बजारी** : ग्रादरणीय ग्रध्यक्ष जो, इसके साथ ही मैं एक निवेदन ग्रौर कर देना चाहता हूं। ग्राज से कुछ समय पूर्व जिस समय लोक सभा के चुनाव हुये, इनकी पार्टी की ग्रोर से एक बहुत बड़ा पोस्टर निकाला गया जिसमें एक तरफ ग्रादरणीय जगजीवनरामजी का फोटो था ग्रौर

(90)



(श्री विष्णु प्रकाश बजारी)

दूसरी तरफ हमारे आदरणीय श्री भैरोंसिहजी का फोटो था जो बड़ा अच्छा फोटो था लेकिन बड़े आश्चर्य की बात है कि जो कुछ दिन पूर्व लोक सभा चुनावों तक जगजीवन रामजी को नेता मानते थे उन्होंने उस नेता को विधान सभा के चुनावों में बहुत बेईमान भ्रष्ट और राम जाने क्या क्या कह कर उनका जिक्र किया। यह बड़े शर्म की बात है

**श्रीमती उजला अरोड़ा** : यह पहले कांग्रेस में भी थे। नेता की बात नहीं काम की बात हैं, काम अच्छा हुआ तो

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री विष्णु प्रकाश बजारी** : इसके साथ ही मैं एक निवेदन और कर देना चाहता हूं। माननीय सदस्या उजला जी ने अभी निवेदन किया उस सम्बन्ध में मैं कहना चाहता हूं कि जिस समय जगजीवनराम जी लोक सभा में थे उस समय आप उन्हें इनकम टैक्स चोर, भ्रष्ट कहा करते थे, पर अचानक ही वे इतने प्यारे हो गये कि कहने लगे कि हमारे नेता हैं। अटल जी माला पहनाने लगे। यह बड़े शर्म की बात है। इसके साथ ही, आदरणीय अध्यक्ष जी, जो नीति सम्बन्धी बात है उस पर मैं जोर देना चाहता हूं। एक सदस्य ने ...

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य बैठ जाइये। कृपया व्यवधान न डालें।

**श्री विष्णु प्रकाश बजारी**: जो जनता पार्टी में मंत्री भी थे, ने मेरे लिये कहा कि हमारी पार्टी ने वायदा खिलाफी की है। मैं उनसे निवेदन कर देना चाहता हूं कि हमने तो कुछ वायदा खिलाफी नहीं की, उनकी जनता पार्टी ने ही सरासर वायदा खिलाफी की है। आपने अपने घोषणा-पत्र में कहा था कि हम इस देश से सैल्स टैक्स हटा देंगे, लेकिन शर्म की बात है कि 28 महीने के शासन में सैल्स टैक्स हटाने की बात नहीं की। हमको नीति सिखाने की आवश्यकता नहीं, हमारी जो नीति है, हमारी पार्टी की जो नीति है वह जब से यह पार्टी बनी तब से चली आ रही है। उसको बदलने की कोई आवश्यकता नहीं है।

इसके साथ ही अभी एक माननीय सदस्य ने कहा कि ओल्ड पैंशन....

**श्रीमती उजला अरोड़ा** : 37 मनकों की एक माला गले में पहन लीजिये। बीस बारह और पांच कुल 37 सूत्रों की माला....

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री विष्णु प्रकाश बजारी**: आदरणीय अध्यक्ष जी, एक माननीय सदस्य ने कहा कि हमने ओल्ड पैंशन लागू करी। बड़े शर्म की बात है कम से कम झूंठ तो मत बोलिये। यह तो सालों से चली आ रही है, तब से चली आ रही है जब कि जनता पार्टी बनी भी नहीं थी।

इसके साथ ही मैं एक निवेदन और कर देना चाहता है। आपके माध्यम से हमारे मंत्री महोदय यहां हैं उनसे मैं चाहूंगा कि ब्यावर में जो काण्ड हुआ उसकी जांच करें, हमारे ब्यावर नगर में एक आयल मिल का व्यापारी है....

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री विष्णु प्रकाश बजारी** : स्वदेशी आयल मिल का एक व्यापारी है उस व्यक्ति के ऊपर वहां के सैल्स टैक्स आफिसर ने एक लाख रुपये की पेनल्टी इम्पोज की थी। एक लाख की चोरी

(श्री विष्णु प्रकाश बजारी)

की थी उस पर 7 लाख का टैक्स इम्पोज किया। लेकिन मैं निवेदन कर देना चाहता हूं कि फाइलें मौजूद हैं, जनता पार्टी के वित्त मंत्री ने फाइलें मंगा कर आर्डर किया। इसके अन्दर मेरे को जानकारी है कि एक लाख चंदे में लिया है और ··

**श्री गुलाबचन्द कटारिया** : आपकी सरकार है जांच करवा लें।

**एक माननीय सदस्य** : जांच तो होगी ही।

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, आपस में बात न करें। व्यवधान न डालें।

**श्री विष्णु प्रकाश बजारी** : इसके साथ ही उदयपुर से जो माननीय सदस्य आये हैं उन्होंने एक बात कही हल्दी घाटी के संबंध में। मैं माननीय सदस्य से निवेदन कर देना चाहता हूं कि अगर हल्दी घाटी में सबसे पहले कोई गया है तो वह है भारत की प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी। उन्हें पता नहीं है कि उसका विकास किसने किया···

**श्री गुलाबचन्द कटारिया** : हल्दी घाटी को एक बार जाकर के देख आयें कि कैसा विकास किया है···

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण करें। माननीय सदस्य, आपस में बात न करें।

**श्री विष्णु प्रकाश बजारी** : दुर्गादास के एक हैड मास्टर हैं उनका शासन ने एक महीने में तीन बार ट्रान्सफर करके अपनी ट्रान्सफर नीति का बहुत बड़ा भारी पर्दाफाश कर दिया जिसका अजमेर और राजस्थान की जनता पर बड़ा भारी असर हुआ और जनता ने, हमारी राजस्थान की जनता ने इनको अच्छी तरह से सबक सिखा दिया। इसलिए मैं उनको धन्यवाद दूंगा कि अगर यह ऐसी नीतियां नहीं अपनाते, नहीं बनाते तो शायद ऐसी स्थिति नहीं बनती। दुर्गादास हैडमास्टर का ट्रान्सफर करके शिक्षा मंत्री ने क्या लाभ उठाया।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री विष्णुप्रकाश बजारी** : उस समय के होम मिनिस्टर ने 7-7 थानेदार एक-एक थाने पर भेज दिये थे। जो उनके पास आया उसी को भेज दिया। ये नीतियों की बात हमको बता रहे हैं यह कितने बड़े शर्म की बात है।

मैं एक निवेदन शिक्षा के बारे में कर दूं। ब्यावर कालेज में 2 लाख रुपये का अनुदान सैन्ट्रल से मिला लेकिन शिक्षा मंत्री की लापरवाही के कारण वह लैप्स हो गया। आप देख सकते हैं, उसका रिकार्ड मौजूद है। शिक्षा मंत्री का रिकार्ड उठा कर देख सकते हैं।

(व्यवधान)

**एक माननीय सदस्य** : सुन रहे हैं।

**श्री विष्णुप्रकाश बजारी** : आज बलात्कार के बारे में बहुत बड़ी चर्चा हुई। अजमेर में जनता पार्टी के शासन के अन्दर एक गुण्डे ने एक व्यक्ति के घर में घुस कर एक जवान आदमी की हत्या कर दी जिसके दो-दो तीन-तीन साल के बच्चे थे। आज जनता पार्टी हमारे लिए कह रही है। इन्होंने कितनी इन्क्वायरियां की हैं ? कितने गुण्डों को पनिशमेंट दिया ? उस समय के अखबारों को देख लें, कितनी हत्याएं हुई हैं। आज बढ़ बढ़ कर बोल रहे हैं। जितनी हत्याओं और बलात्कार का काम इनके जमाने में हुआ है इनके आंकड़े उठा कर देख सकते हैं।

(92)



(श्री विष्णु प्रकाश बजारी)

आदरणीय शिवचरण जी माथुर ने जो धन्यवाद का प्रस्ताव रखा है, मैं उसका हृदय से स्वागत करता हूं और समर्थन करता हूं।

**श्री अध्यक्ष**: विपक्ष से बहुत से माननीय सदस्य बोले हैं। कुछ और बोलने वाले हैं।

श्री रावतराम।

(व्यवधान)

आपकी पार्टी को करीब 6 घण्टे का समय दिया गया है। और सिर्फ आधा घण्टा बचा हुआ है।

**श्री रेवतराम चौधरी** (डूंगरगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ है, मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। माननीय राज्यपाल महोदय ने बड़े स्पष्ट रूप से जिस प्रकार के कर्म इन्होंने किये हैं, उनको कहा है। जनता पार्टी ने क्या काम किये हैं, वह काम चर्चा के रूप में सामने आते हैं, वह बातें उन्होंने बताई हैं। उन लोगों ने अनुसूचित जाति के साथ में अन्याय किया है। यह बहुत महत्वपूर्ण था। इन्होंने क्या प्लान बनाया था? इन्होंने यह प्लान बनाया था कि जितना भी आरक्षण है, वह खतम कर दिया जाय। आज जनता पार्टी हरिजन लोगों की हिमायती बन रही है। आप देख लें, आपने क्या क्या किया है। कहां कहां पिटाई नहीं हुई है? बेलछी काण्ड हुआ वह आपकी हुकूमत में हुआ। आपकी ढाई साल की हुकूमत का समय हुआ। कम से कम आप सोचें आपने कितनी हमदर्दी की थी। अब आप उनके हमदर्द बनते हैं।

(5.30 म.प.)

(श्रीमती विद्या पाठक, सभापति पदासीन)

आपने रिजर्वेशन को खतम करने का काम किया है। आपने अन्त्योदय का नाम लेकर योजना बनाई। अपने आदमियों को पनपाने के लिए, उनको रोजगार देने के लिए किस तरह से उनको लाभ पहुंचाया जाये, इसके लिए आपने योजना बनाई। इस प्रकार से आपने सारी अर्थ व्यवस्था को नष्ट-भ्रष्ट कर दिया।

प्रौढ़ शिक्षा के नाम पर जनसंघ के लोगों को भरा। इसलिए कि आपका प्रचार और प्रसार चालू रहे और उनको पैसा मिले। कहीं भी प्रौढ़ शिक्षा आज तक देखने में नहीं आई। पार्टी का प्रचार हो और अपने वर्कर्स को पैसा मिले, इसके अलावा कोई काम नहीं हुआ है। आज उसका नजारा सामने है।

आज हम योजनाएं नहीं बना पा रहे हैं क्योंकि आप आर्थिक स्थिति बिगाड़ कर गये हैं। इन्होंने सबसे पहले इनका राज आने पर किसानों पर हमला किया। कांग्रेस राज में उनका भारी सुधार हुआ था। इनके राज में जब उत्पादन होता था तो भाव गिर जाते थे और जब वह सेठों के पास जमा हो जाता था तो भाव बढ़ जाता था। किसान रात दिन कड़ी मेहनत करके गन्ना पैदा करता है। आपके राज में 4 रुपया क्विंटल गन्ना बिका है जब कि लकड़ी 20 रुपये क्विंटल भी नहीं मिल रही है। हमारे भूतपूर्व मुख्य मंत्री किसानों से चुन कर आये थे। मन्त्री महोदय की हमारे ऊपर बड़ी दया थी। जब किसान उनके पास जाते थे तो वह कहते थे कि आपने गन्ना बोया ही क्यों है? सभापति महोदय, आपानी गन्ना उत्पादन के काफी प्रोग्राम बनाये गये। आपका मोटिव क्या था? कहते थे हमारी जनता पार्टी कितनी प्रगतिशील है। नेता किसानों को कहते माचिस ले जाओ और गन्ने को आग लगा

(श्री रेवतराम चौधरी)

दो। सभापति महोदय, इनके कारनामों की बात सुनने जायें तो पता चलेगा इन्होंने क्या हालत की है ? कपास सात रुपये किलो थी।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** : सभापति महोदया, एक माननीय सदस्या दर्शक-दीर्घा में बैठे लोगों से बात कर रही हैं। यह नियमों के विपरीत है।

**श्री सभापति** : माननीय सदस्या, दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों से बात नहीं करें।

**श्री रेवतराम चौधरी** : इस प्रकार की दुर्व्यवस्था पर सोचते हुए 20 सूत्री कार्यक्रमों के द्वारा सभी कार्यक्रम बनायें। मैं आपके सामने कुछ कार्यक्रम पेश करना चाहता हूं। आपने आंकड़े दिये थे बिजली के। हमने इतने बिजली के कनेक्शन दे दिये मेहरबानी कर के यह देखिये कि आपने कितने कनेक्शन दिये उसके साथ आपने कितने प्रोजेक्ट बनाये बिजली के जिससे उत्पादन बढ़े। आपके पास पैसा नहीं है और बांट रहे हैं। सब आपने नामें मांड कर लिया है जिससे आज कर्जा बढ़ गया। आप उत्पादन करके पैसा देते तब तो ठीक था। आपके पास जितनी लम्बी सौर थी, उतने ही पांव फैलाना वाजिब था। आपके पास पैसे की कोई व्यवस्था नहीं थी, आपने कनेक्शन तो बढ़ा दिये लेकिन बिजली नहीं मिलने से किसानों की हालत और ज्यादा बिगड़ गई, किसान लोग परेशान हो गये और उनकी फसल सूख गई। यह है आप के आंकड़ों का नमूना। इन्होंने अपना मतलब पनपाने के लिये कनेक्शन दिये।

स्कूलों की आज क्या हालत है, आपने स्कूल खोले वह कहां खोले ? आप स्कूल वहां खोलते हैं जहां अपने लोगों को नौकरी मिल रही हो। अपने क्षेत्र में और अपने आदमियों को राहत पहुचाने के लिये आपने 1977 में स्कूल खोले। मैं, सभापति महोदय, आपके माध्यम से जनता पार्टी के माननीय सदस्यों का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि उदयपुर जिले में अप्रेल, 77 में दो स्कूल, मिडिल स्कूल खोले, एक गोटाबास में और दूसरा पीपलिया गोछा में मन्त्री महोदय ने उन स्कूलों को तोड़ दिया। स्कूल वहां खुल गये थे, टीचर पहुंच गये थे लेकिन उन को बन्द कर दिया। क्यों कर दिया क्योंकि आप प्रगतिशील हैं। आप बहुत बड़ी व्यवस्था कर रहे हैं शिक्षा के क्षेत्र में उसका यह नमूना है।

(समय समाप्ति सूचक घण्टी)

आप आंकड़े दे रहे हैं, लेकिन आप इस तरफ भी ध्यान दे रहे हैं या नहीं ? आपने एक साल उनको छोड़ दिया लेकिन दूसरे साल खोल देते तो भी लोगों को सन्तोष होता सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से कुछ बातों पर माननीय मुख्य मन्त्री महोदय का ध्यान आकर्षित करता हूं इस समय सैकण्डरी स्कूल की क्या हालत है, नये महाविद्यालयों में जो क्लासेज खतम हो गई सैकण्डरी स्कूलों से निकलने वाले लड़कों को प्रवेश पाने में दिक्कत आ रही है क्योंकि हायर सैकण्डरी स्कूलों के अन्दर जगह नहीं है। उनको परेशानी हो रही है। मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि उन स्कूलों को उच्च माध्यमिक स्कूलों में क्रमोन्नत करें।

इसी के साथ मैं माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव आया है उसका समर्थन करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

**श्री सभापति** : निर्दलीय सदस्य कोई बोलना चाहे तो बोलें।

**श्री यदुनाथ सिंह** : लोकदल की तरफ से बोलना चाहते हैं।

**श्री सभापति** : श्री यदुनाथसिंह।

**श्री यदुनाथ सिंह** (नदबई) : माननीय सभापति महोदय ....

**एक माननीय सदस्य** : सभापति महोदया।

**श्री यदुनाथ सिंह** : सभापति महोदय ही कहते है, प्रधान मंत्राणी नहीं कहते हैं। आप करेक्ट कर लें।

सबसे पहले, सभापति महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर विचार रखने से पहले मै विधान सभा के जितने भी नवनिर्वाचित सदस्य हैं उनको बधाई देता हूं और उनसे आशा रखता हूं कि जिस तरह का व्यहार इस सदन में हम नये सदस्यों को दिखा रहे हैं वे उस तरह का कोई आचरण नहीं करेंगे और हमारे सम्मुख एक अच्छी मिसाल पेश करेंगे।

(5.45 म.प.)

(श्रीपूनमचन्द विश्नोई, अध्यक्ष, पदासीन)

हम यह आशा रखेंगे कि इस सदन को अखाड़ा नहीं बनाया जावेगा। यदि अखाड़ा बनाये और किसी को कुश्ती का शौक हो तो मैं माननीय अध्यक्ष महोदय से निवेदन करूंगा कि इस प्रांगण में अखाड़े कक्ष का भी प्रबन्ध करवा दें फिर हम भी तैयार है।

अभिभाषण के प्रारम्भ में जनता को कांग्रेस पार्टी को विजयी बनाने के लिए बधाई दी है। उनके फैसले का हम आदर करते है लेकिन जब से चर्चा शुरू हुई, सत्ता पक्ष की ओर से जो भी भाषण हुए और विचार रखे गये उनमें घमण्ड की बू आती है माननीय सदस्यगण, यह घमण्ड की चीज नहीं है घमण्ड पहले भी किया था और उसका परिणाम आपको मिल गया। यदि फिर घमण्डी बन कर अत्याचारी बने तो आप सिमट कर फिर यहां आ जायेंगे।

**एक माननीय सदस्य** : घमण्ड से क्या मतलब है ?

**श्री यदुनाथ सिंह** : अभिमान कह दीजिये। आप फैसला कर लीजिये कि घमण्ड करें तो क्या परिणाम होते हैं। आपको सचेत किया जाता है कि

(व्यवधान)

बहुमत जनता की वजह से आप यहां पर नहीं है। यह तो चुनाव व्यवस्था ऐसी है इसलिए आप लोग यहां पर बैठे हैं, आप बहुमत जनता का प्रतिनिधित्व नहीं करते इसलिए बहुमत की बात नहीं कर सकते।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के अन्दर जो खास बातें कही गई हैं और जो नहीं कई है उनके बारे में कहना चाहता हूं। इस अभिभाषण से ऐसा लगता है कि यह अभिभाषण बदले की भावना में बनाया गया है। जनता पार्टी के शासन में जो अच्छे कार्य शुरू किये गये उनसे नराजगी इस अभिभाषण में जाहिर की गई है, ऐसा लगता है। राज्यपाल महोदय जिस समय अभिभाषण पढ़ रहे थे उस दिन ऐसा महसूस हो रहा था कि उनसे जबरदस्ती भाषण पढ़वाया जा रहा है और वे डर-डर कर पढ़ रहे हैं। पिछली सरकार ने, आप यह महसूस करेंगे, की गत सरकार ने एक दिशा बदली, थी गावों की तरफ ध्यान दिया था। आप गांवों में जाकर देख सकते हैं, जगह-जगह सैकड़ों स्कूल खुल गये, सैकड़ों औषधालय खुल गये, हजारों किलोमीटर सड़कें बनाई गई यह सब कार्य जो हुए उनको आप नकार नहीं सकते। सैकड़ों किलोमीटर सड़क बनवा दी।

**श्री माधवसिंह दीवान** : तभी जनता ने नकार दिया।

**श्री यदुनाथसिंह** : जनता ने नहीं नकारा आप हमारी वजह से जीते हैं हम डिविजन को नहीं रोक सके। अतः आप हमें भी धन्यवाद दें। यदि आप घमंड में फिर अत्याचारी हो गये तो हम फिर एक हो सकते हैं और आप सिमट कर फिर इधर आ जायेंगे। आपको ध्यान रखना चाहिये जनता का।

अन्त्योदय योजना की बिना सोचे-समझे सत्ता पक्ष के माननीय सदस्यों ने बुराई की है। मैं निवेदन करता हूं कि आप उन लोगों से जाकर मिलें जिनको इससे फायदा हुआ है शायद आज किसी के पास साइकिल है किसी के पास ऊंटगाड़ी है, किसी ने कोई धन्धा शुरू कर दिया है। यह ठीक है कि कोई काम किया जाता है तो उसमें गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन इस डर से कि गलतियां होंगी, कोई काम नहीं किया जाय यह कहां तक उचित है।

एक माननीय सदस्य आलोचना कर रहे थे ओल्ड एज पेन्शन की, शायद वह रिटायरमेंट पेंशन से ओल्ड एज पेंशन को लिंक कर रहे थे। जो लोग साठ साल से ऊपर थे जिनके पास कोई जरिया नहीं था खाने का और किसी बात का जो भीख मांगने थे उनको 40/- रु., एक की तथा पति पत्नी दोनों को 60 रु. माहवार घर बैठे पेन्शन चालू की गई मनीआर्डर भेज कर। मुख्य मन्त्री महोदय ने प्रेस को स्टेटमेन्ट दिया था कि अन्त्योदय योजना से हीन भावना पैदा होती है। मैं यह पूछना चाहता हूं कि यदि अन्त्योदय से हीन भावना आती है तो रिजर्वेशन से कितनी बड़ी भावना आती होगी।

**एक माननीय सदस्य** : आप तो रिजर्वेशन ही खतम कर रहे थे।

**श्री यदुनाथसिंह** : मेरा निवेदन है कि आप कोई अच्छी मिसाल पेश करें।

कांग्रेस पार्टी की कथनी और करनी में बहुत बड़ा अन्तर होता है। राज्यपाल के अभिभाषण में कहा गया है, जो पेज नम्बर 3 पर है:-

"यह अनुभव होने पर कि पूर्व में पर्याप्त संख्या में राहत कार्य नहीं खोले गये थे" नये राहत कार्य खोले जायेंगे।

मैं जिस जिले से आता हूं वहां का प्रतिनिधित्व माननीय मुख्य मंत्री जी करते हैं यह तो आवश्यक है कि उसकी कथनी और करनी में बड़ा अन्तर है। राज्य सरकार की ओर से को 7 हजार रुपये के अधिकार हैं लेकिन अब कलेक्टर महोदय ने आदेश निकाल कर के पंचायतों को साढ़े छः हजार रुपया तक की स्वीकृति ही देना शुरु कर दिया है। इस प्रकार कलेक्टर महोदय ने अपनी कलम से या राज्य सरकार के आदेश से 5 सौ रुपये कम किये हैं। कलेक्टर साहब ने यह आदेश दिया। आज एक पंचायत क्षेत्र में एक गांव में एक ही पोखर खोदी जावेगी और इस तरह के कई गांवों में, जो सिंगल विलेज पंचायत है उस में भी एक कार्य के कराये जाने का ही प्रतिबन्ध लगाना कहां तक नये कार्य खोलने के ध्येय की पूर्ति करता है? या तो सरकार की मंशा ऐसी है या उनके अधिकारी नहीं मान रहे हैं।

आगे कहा गया है कि मजदूरों को तुरन्त भुगतान कराने की व्यवस्था है। परन्तु मजदूरों को चार-चार पांच महीने हो जाते हैं उनसे काम करवा लिया जाता है एक कार्य पी.डब्ल्यू. डी. द्वारा नदवई खांगरी सड़क पर कराया गया परन्तु आज उनका कोई भुगतान करने को तैयार नहीं है।

(श्री यदुनाथसिंह)

मजदूरों को वेतन नहीं देने से कह देते हैं कि काम सेंक्शन नहीं हुआ। पता नहीं अब कैसे काम शुरू करवा दिया था। मेरा अध्यक्ष महोदय की मार्फत मुख्य मंत्री जी से निवेदन है कि वह इस ओर विशेष ध्यान दें।

ला एण्ड आर्डर की स्थिति के बारे में अभी चर्चा हुई है तथा बलात्कार, चोरी, डकैतियों पर चर्चा हुई आपके सामने एक मसला रखना चाहता हूं। विधान सभा भवन के पास सिनेमा हाल है जिसका नाम है रामप्रकाश। उस सिनेमा के पास में एक पंजाबी राजपूत होटल है जिसमें खुले आम शराब की बिक्री हो रही है। मुख्य मंत्री जी भी अगर चाहें तो वहां पर जाकर शराब खरीद सकते हैं पी सकते हैं।

(व्यवधान)

**श्री भैरोंसिंह शेखावत:** इस सदन में यह सूचना क्यों दे दी ?

**श्री यदुनाथ सिंह:** इसी प्रकार जो आप कह रहे हैं पराधों के बारे में, लॉ एण्ड आर्डर के बारे में विपक्ष की ओर से भी कहा जा रहा है। एक दूसरे पर आरोप लगाने से यह समस्या हल नहीं होगी इसके बहुत कारण हो सकते हैं। इसलिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से यह निवेदन करना चाहता हूं कि आप इस ओर विशेष ध्यान दें।

मैं माननीय मुख्य मंत्री जी के जिले मे आता हूं लेकिन भरतपुर के लिए मैं कुछ विशेष निवेदन करना चाहूंगा आप तथा राज बहादुर जी दोनों केन्द्र में मंत्री थे तब इाई पोर्ट की स्थापना के लिये प्रयास हुए। लेकिन पता नहीं राजबहादुर जी और माननीय मुख्य मंत्री जी के झगड़ों से शायद वह योजना लागू नहीं हो पाई। मैं अध्यक्ष महोदय के माध्यम से मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि वह फिर से उस योजना को शुरू करने के लिये विशेष प्रयत्न करें।

माननीय अध्यक्ष महोदय, भरतपुर में फ्लड की सिचुएशन से निपटने के लिए पिछली सरकार ने 9 करोड़ रुपये की राशि सैंक्शन की। मुझे पता नहीं कि उस 9 करोड़ रुपये का क्या हुआ: लेकिन फ्लड की सिचुएशन इस समय भी वैसी बनी हुई है, यदि 9 करोड़ रुपये की रेजकी कर नदी के आगे लगा देते तो नदी का कोर्स बदल जाता। इसलिए माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि भरतपुर में फ्लड की समस्या को खतम करने के लिए मास्टर प्लान तैयार करवायें। मुख्य मंत्री इस मामले में विशेष ध्यान दें।

वाइल्ड लाइफ व टूरिज्म के बारे में सरकार को दिशाहीन की संज्ञा देना चाहूंगा माननीय अध्यक्ष महोदय, भरतपुर में विश्व प्रसिद्ध एक घना है। आप जाकर देखें कि उस घना की आज क्या दुर्दशा है। राजस्थान में टूरिज्म तथा वाइल्ड लाइफ की बड़ी पोटेंशियलिटी है। यहां का इतिहास भी गौरवपूर्ण रहा है। सुव्यवस्थित ढंग से टूरिज्म को एक इंडस्ट्री का रूप दिया जाय।

मैं इन शब्दों के साथ राज्यपाल महोदय ने जो दिशाहीन, बिना किसी नीति के अभिभाषण दिया उसका घोर विरोध करता हूं।

**श्री अध्यक्ष:** श्री देवी लाल।

**श्री देवीलाल** (शाहपुरा) : मंत्री महोदय मैं ईं मामला में एक प्रार्थना करूं कि मूं एक काश्तकार हूं और खेती करतो आयो हूं। मूं जनता पार्टी का कारनामा आपके सामने पेश करणो चाहूं हूं। जनता पार्टी जब जीत कर आई तो पहलो ही काम यो कर्यो कि मांकी सौ में से जो तीस सीटां ही, वां ने 11 करी। तो इण तरह सूं म्हाको भलो नी कियो।

दूसरी अर्ज या है कि गांव-2 के मायने ये भाषण तो बहुत दिया हा कि मैं किसानां को भलो करांगा पण किसाना को कोई भी भलो नहीं कियो। म्हाने गन्नों जो ये छः रुपया क्विंटल में लिग्यो हो तो लकड़ी भी आठ दस रुपया और बीस रुपया क्विंटल के भाव में बिके है। तो ईं तरह सूं छः रुपया क्विंटल में म्हाको गन्नों लेर या म्हाको भलो नी कयो।

दूसरी अर्ज या है कि जो कांग्रेस के कार्यकर्ता हैं जो अगर कोई सच्ची बात हुई विरोधी दल का नेताओं की तो वे जरूर मानेगा। या मैं खुद म्हारी आत्मा से कहूं हूं। क्योंकि आज के तीन दिन पहलां जब कांग्रेस के नेतागण म्हारे सामने शोक प्रस्ताव पेश क्यों हो और उण वात बात में कुछ कमी रह गई और विरोधी नेता वी कमी ने बताई और वी को विरोध किया तो म्हाका नेता बाकी वात ने मानी और वू प्रस्ताव ने दूसरे दिन लियो। ईं वास्ते म्हने विश्वास है कि अगर विरोधियों की सच्ची वात होगी तो कांग्रेसी जरूर मानेगा।

इण तरह सू ही मैं कहूं कि ये जनता पार्टी का लोग म्हारा समाज का लोगां ने तंग करया हा और म्हारी जो भी मांगा ही, म्हें वांने रजिस्ट्रयां कराई, मुख्य मंत्री जी ने रजिस्ट्रयां कराई पण वां पर भी कोई सुनवाई नहीं हुई और कोई भी कार्यवाही जनता पार्टी की सरकार वाला नी करी।

या शब्दां के साथ में राज्यपाल महोदय के भाषण पर जो प्रस्ताव पेश करयो है और माननीय माथुर साहब जो प्रस्ताव रख्यो है ऊंको मैं हृदय सूं स्वागत करूं हूं।

**श्री अध्यक्ष** : ध्यान आकर्षण प्रस्ताव। यह ध्यानाकर्षण प्रस्ताव एक से अधिक माननीय सदस्यों ने प्रस्तुत किया है इसलिए एक ही माननीय सदस्य पहले मंत्री महोदय का ध्यान आकर्षित करेंगे। मंत्रीजी के उत्तर के बाद मैं यदि कुछ प्रश्न पूछना चाहें तो अन्य माननीय सदस्य पूछ सकते हैं।

**ध्यानाकर्षण प्रस्ताव**

**जयपुर शहर में गत 28 दिन से चल रही हड़ताल**

**श्री भगवान दास शास्त्री** : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के नियम 131 के अन्तर्गत जयपुर शहर में गत 28 दिनों से चल रही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से उत्पन्न स्थिति की ओर स्वायत्त शासन मंत्री का ध्यान आकर्षित करता हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, 10 लाख की आबादी वाली पिंक सिटी गुलाबी नगरी आज प्रेत नगरी बनी हुई है। मुझे माफ करें हम जो बाहर से आए हुए सदस्य हैं वह सड़कों पर घूमते हैं। जो जयपुर की पुरानी चहार दीवारी है उसके अन्दर 5-5, 6-6, 8-10 गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। वहां ब्ल्यू कलर की मक्खियां बढ़ती जा रही हैं जो यदि एक बार खाने पर बैठ जायं तो उसको पाइजन बना देती हैं जिसको हम फूड पोइजन कहते हैं। पहले तो सड़ा हुआ जयपुर नगर जो घनी आबादी से बसा हुआ नगर है, की ओर आपने कभी ध्यान नहीं दिया है। सर्किट हाउस और ज्यादा से

(श्री भगवानदास शास्त्री)

ज्यादा सेक्रेटेरियट और विधान सभा को आप अछूता समझ रहे हैं लेकिन जो गरीब लोग हैं, मध्यम वर्ग के लोग हैं, वह गंदगी में रह रहे हैं। मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं, बाहर से आने वाले आपके माननीय सदस्य हैं वे भी गन्दगी से घृणा करते हैं लेकिन संचेतक का उन पर अंकुश है इसलिए नहीं कहना चाहते। आज 28 दिन से जयपुर जैसी महा नगरी में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल चल रही है। मैंने यहां तक देखा, विदेशी पर्यटक आए थे, मुंह पर रूमाल लगा कर घूम रहे थे, मेरा तो उस समय सिर झुक गया क्योंकि मैं पहले राजस्थान का नागरिक हूं, भारत का बाद में हूं।

अध्यक्ष महोदय, जो स्थिति हरिजनों की है, वह आपको मालूम है। जिस कर्मचारी की तनख्वाह 200–300 के अन्दर है एक तारीख के बाद जो मोदी दुकानदार है, दूध वाला है, वह उसको जलील करता है। उससे बदतर हालत हमारे हरिजन कर्मचारियों की है। सुबह घर से निकलते हैं रात को 12 या 2 बजे घर जाते हैं। उन्होंने घरबार छोड़ दिया है क्योंकि दुकानदार उनको तंग करते हैं। मुख्य मन्त्री को समय था। आप दलित वर्ग से चुन कर आए हैं जो राणावत पे कमीशन राज्य कर्मचारियों के लिए बना था उसमें निर्णय हुआ था कि स्वायत्त शासन विभाग, नगर परिषद, जो भी सक्षम हो, राणावत पे कमीशन के आधार पर अपने कर्मचारियों को एरीयर्स का भुगतान कर सकती है। आज मुख्य मंत्री को शपथ लिये एक महीना हो चुका है और 28 दिन से हड़ताल चल रही है। मैं एक सदस्य के नाते, एक मित्र के नाते आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं, आप दिल्ली भले ही जायं आपकी आत्मा दिल्ली में है, आपका स्थूल शरीर यहां बैठा है। हमारे राजस्थान के भूतपूर्व मुख्य मंत्री मोहनलाल सुखाड़िया और भी जितने मुख्य मंत्री थे वे दिल्ली को ज्यादा याद नहीं करते थे। अगर आपको स्वाभिमान है, अगर अपनी कर्त्तव्य निष्ठा और ईमानदारी पर विश्वास है तो आपको कुर्सी से हटाने में कोई सक्षम नहीं हो सकता।

अध्यक्ष महोदय, आज हरिजनों की बुरी हालत है। मुझे जानकारी मिली है कि प्रशासक ने उनसे शुरू में हां भी भर ली थी, लिखित में दिया या नहीं, मालूम नहीं फाड़ भी सकते हैं लेकिन अब हरिजन तंग आ चुके हैं और मुझे लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति खराब होने का खतरा है। वे दलित वर्ग के हैं उनको जनता से प्यार है, उनके लीडरों को मैंने जहां तक सुना है, वे कहते हैं कि हमें दुख है, अगर जयपुर की जनता का एक छोटा बच्चा भी गंदगी के कारण बीमार पड़ गया या एक व्यक्ति भी मर गया तो हमें दुःख है। हम पूरी हड़ताल को समाप्त कर देंगे लेकिन राणावत पे कमीशन का लाभ हमको मिलना चाहिए। आप जल्दबाजी में दस्तखत कर लेते हैं, पे कमीशन मुकर्रर कर देते हैं, आपको सोचना चाहिए था कि करोड़ों रुपये का भुगतान करना पड़ेगा। अब जयपुर की नगर परिषद, मैंने जहां तक सुना है, निगम बनने जा रही है और दिल्ली की हवा देख रही है। जयपुर में आप इतने सक्षम हैं तो यह देखें कि गरीब हैं, कंगाल हैं जिनको पेट भर रोटी नहीं मिलती उनको दूध वालों ने दूध देना बन्द कर दिया। मैं मुख्य मंत्री और स्वायत्त शासन मंत्री से कर बद्ध प्रार्थना करूंगा कि यह मत समझें कि हम

(श्री भगवानदास शास्त्री)

राजनैतिक रूप से लाभ लेना चाहते हैं। आप भले ही उनको पाकेट वोटर्स समझें लेकिन वे पाकेट वोटर्स नहीं हैं, नई जेन्ट्री तैयार हो रही है, वह हमें भी वोट दे रही है, जैसे अल्पसंख्यक। वे दिन गए

**श्री अध्यक्ष** : कृपया समाप्त करें।

**श्री भगवान दास शास्त्री** : यदि आप उनकी सुरक्षा नहीं करेंगे तो हरिजन आने वाले समय में आपकी सत्ता को बदल सकते हैं। इसलिए मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, आज ही एक ही घन्टे भर में उनकी जो बातें उचित हैं क्योंकि नगर परिषद सक्षम है इसलिए सक्षमता के कारण उनकी मांगें मान कर हड़ताल समाप्त करायें।

**श्री अध्यक्ष** : स्वायत्त शासन मन्त्री।

**श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर** (स्वायत्त शासन मन्त्री) : अध्यक्ष महोदय, इस ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर मैंने कल सदन के सामने कुछ तथ्य प्रस्तुत किये थे। माननीय सदस्य ने कहा कि राणावत आयोग की बात मान ली जानी चाहिए। मैंने कल भी निवेदन किया था कि राणावत आयोग की मांग पर कोई मतभेद नहीं है। जिन बिन्दुओं पर मतभेद था उनका जिक्र मैंने कल किया था, उनको दुबारा दोहराना नहीं चाहता किन्तु मैं अपनी बात आपसे कुछ कहूं उससे पूर्व जो तथ्य कल दिन में चर्चा में रखे गये और अभी माननीय सदस्य ने जो बात कही है उसके संबंध में कुछ अवश्य कहना चाहूंगा।

यह सही है कि हड़ताल समाप्त होनी चाहिये किन्तु यह हड़ताल लम्बी चलने के कारण क्या है, उनको हमें देखना होगा। मैंने आपसे कल कहा था कि दो मूल प्रश्न थे जिन पर मतभेद था। एक मूल प्रश्न यह था 350 जिन कि कर्मचारियों को सफाई अभियान के लिए रखा गया था उनको आगे भी रखा जाए। दूसरा मूल प्रश्न यह था कि सफाई अभियान के दौरान जिन कर्मचारियों को रखा गया है उन्हें निकाला जाय। मेरा ख्याल है कि सदन का कोई सदस्य इन दोनों बातों से सहमत नहीं होगा। इसके अलावा जितनी मांगें थीं उनके सबंध में मैंने कल भी निवेदन किया था और आज भी करना चाहता हूं कि हमारा कोई मतभेद नहीं है।

चर्चा के दौरान गन्दगी बढ़ने और उससे फैलने वाली बीमारियों के प्रति चिन्ता प्रकट की गई। जो बाहर से यात्री आते हैं उनके द्वारा नाक पर रुमाल चढ़ाने वाली बात कही गई।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक सवाल गन्दगी के कारण बीमारियों के फैलने का है तो मैं यहां पर आपको कुछ आंकड़े बीमार लोगों के देना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, मई 1980 में 201 केस आन्त्रशोथ के अस्पताल में आये। जून के महिने में 185 केस आन्त्रशोथ बीमारी के अस्पताल में गये थे। कल तक जो आंकड़े मेरे पास आये उनके अनुसार 48 केस कल इस बीमारी के अस्पताल में गये हैं।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : इसका मतलब यह हुआ कि बीमारी गन्दगी से फैली नहीं और लोग बीमारी से अच्छे हो गये।

**श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर** : अध्यक्ष महोदय, जहां तक सवाल आन्त्रशोथ बीमारी का है उनके सम्बन्ध में मुझे मेडिकल कालेज और अस्पताल से जो आंकड़े उपलब्ध हुए हैं वह मैंने सदन में माननीय सदस्यों की जानकारी के लिए बताए हैं।

(श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर)

इस संबंध में मैं इतना जरूर निवेदन करना चाहूंगा कि सरकार का यह लगातार प्रयत्न रहा है कि हड़ताल टूट जाय। इसके साथ साथ एक लक्ष्य भी था जिसको पूरा करने में कठिनाई आ रही थी। सरकार की हड़ताली कर्मचारियों के प्रति कोई दुर्भावना नहीं थी। हम हर रोज कोशिश कर रहे थे, मैंने कल भी सदन को सूचना दी थी और आज दिन भर मैं आपसे निवेदन कर दूं कि हड़ताली कर्मचारियों के नेताओं से बातचीत चलती रही और उसमें काफी चर्चा इस संबंध में हुई। अध्यक्ष महोदय, सभी बातों पर वैसे तो समझौता होने में दिक्कत आ रही थी पर दो बातें मुख्य थी उनकी वजह से अड़चन रही थी उन दो बातों पर आज समझौता हो चुका है. यह सदन के माननीय सदस्यों को सूचित करना चाहता हूं। इस समझौते के लिए मैं मुख्य श्रेय हमारे मुख्य मन्त्री जी श्री जगन्नाथ पहाड़ियाजी को देना चाहूंगा। यह हमारे प्रान्त के मुख्य मन्त्री जी की ही सूझबूझ थी कि जिसके कारण यह हड़ताल टूट सकी।

अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रान्त के मुख्य मन्त्री जी का संकल्प किया हुआ है कि यदि हरिजनों का भला होता हो तो हड़ताल के अन्दर अगर सरकार को झुकना पड़े तो भी सरकार झुकना पसन्द कर सकती है क्योंकि हरिजन हमारे भाई हैं। इसके साथ साथ मैं यहां पर यह भी निवेदन करना चाहूंगा कि इतनी देर तक जो मैं अन्तिम घोषणा नहीं कर पाया उसका कारण यह है कि हड़ताल के दिनों में कुछ हड़ताली कर्मचारियों को जेल में बन्द कर उनका चालान हो चुका है। अभी जब समझौता हुआ तब तक अदालतें बन्द हो चुकी थीं और अदालती कार्यवाही पूरी होने में समय तो लगता ही है। कल जब अदालतें खुल जाएंगी तो हड़ताली कर्मचारियों को रिहा करने की कार्यवाही की जा सकेगी।

अध्यक्ष महोदय, हमारे जयपुर विधान सभाई सदस्य, कांग्रेस आई और प्रशासन के अधिकारियों तथा राजस्थान के मुख्य मन्त्रीजी और हमारे विधान सभा के विरोधी दल के नेता श्री भैरोंसिंह शेखावत के सहयोग से हड़ताल को समाप्त करने का काम हुआ। उसके लिये मैं इनका बहुत आभारी हूं और मैं इनके प्रति अपना आभार प्रकट करता हूं।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : समझौता क्या हुआ।

**श्री हनुमानप्रसाद प्रभाकर** : जहां तक समझौते का प्रश्न है कि क्या हुआ उसकी कापी हमारे पास अभी तक नहीं आई है। लेकिन मुख्य मुख्य मांगें हैं जैसे राणावत पे कमीशन की रिपोर्ट लागू करना, हरिजन कर्मचारियों को वर्दी देना, कर्मचारियों को अनाज अग्रिम देना वगैरह वगैरह। इसके साथ साथ एक बात और है वह यह है कि हड़ताली कर्मचारी यह मांग कर रहे थे कि जिनको हड़ताल के दौरान नियुक्ति दी गयी है उनको नौकरी से निकालो। उसके लिये अब ऐसा समझौता हुआ है कि उनको नौकरी से नहीं निकाला जायेगा। यह भी उस समझौते में है। मैं अभी सदन में ज्यादा कुछ कहना नहीं चाहता क्योंकि अभी तक समझौते के उपर हस्ताक्षर हुए हैं कॉपी आनी बाकी है। दूसरे जब कल सभी कर्मचारी हड़ताल पर वापस लौट कर काम पर आ जायेंगे तब सब ठीक होगा। अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि जन स्वास्थ्य विभाग और सभी लोग चाहे किसी वर्ग

(श्री हनुमानप्रसाद प्रभाकर)

के हों, जयपुर में रहने वाले नागरिक हैं। कोई भी यह नहीं चाहेंगे कि यहां पर गन्दगी रहे। लेकिन परिस्थितियां ऐसी हुई कि हड़ताल टूटने में कुछ न कुछ दिक्कत आती रही। पर अब समझौता हो गया है।

अध्यक्ष महोदय, मैं यहां पर हरिजन भाइयों को इतना विश्वास दिलाना चाहता हूं कि राज्य सरकार हरिजनों के अधिकार के प्रति सजग है। सदन में राज्यपाल महोदय के अभिभाषण को दिशाहीन बताया है तो इस बारे में मैं यह निवेदन कर दूं कि दिशाहीन कोई नहीं होता। कोई न कोई तो दिशा होती है चाहे उत्तर दिशा हो, पूर्व दिशा हो, चाहे पश्चिम दिशा हो, चाहे दक्षिण दिशा हो पर दिशा जरूर होती है। हमारी दिशा हरिजनों का भला करने की है। राज्य सरकार से, अध्यक्ष महोदय, जो भी इस समस्या के समाधान के लिये हो सकता था राज्य सरकार की ओर से किया गया।

अन्त में, अध्यक्ष महोदय, मैं पुनः हमारे प्रान्त के मुख्य मंत्रीजी श्री पहाड़ियाजी के प्रति आभार प्रकट करता हूं कि उनके सहानुभूति पूर्ण प्रयत्नों से यह समझौता सम्भव हो सका वरना यह समझौता होना बहुत ही मुश्किल था। इसके साथ साथ मैं विपक्ष के नेता श्री भैरोंसिहजी शेखावत, जिन्होने इस हड़ताल को समाप्त कराने में अपना सहयोग दिया, को भी बहुत बहुत धन्यवाद देता हूं।

(व्यवधान)

**श्री भंवरलाल शर्मा** (जयपुर): अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से यह जानकारी करना चाहूंगा कि जितनी मांगें हरिजन कर्मचारियों ने रखी उन मांगों में से कितनी मांगे प्रशासक महोदय ने पहले मान ली थीं और वह मांगें कब कब मानी गयीं? इसके साथ साथ यह भी बतायें कि कौन कौनसी मांगे नहीं मानी गई। इसको आप सदन में बतायें।

(व्यवधान)

**श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर** : अध्यक्ष महोदय, मैंने कल भी इस बारे में सदन में निवेदन किया था कि काफी मांगें पहले ही मानी जा चुकी हैं सिर्फ दो ही ऐसी मुख्य मांगें बाकी बच गयी थीं जिसके कारण हड़ताल टूटने का समझौता होने में दिक्कत आ रही थी। दो ही मांगें ऐसी थी जिनके बारे में मैंने आपसे स्पष्ट निवेदन किया था कि मतभेद है बाकी किसी में कोई मतभेद नहीं है।

**श्री भंवरलाल शर्मा** : इसका मतलब यह हुआ कि 13 या 15 तारीख के पहिले ही उनकी मांगें मान ली गयी थीं अगर यही बात थी तो जयपुर शहर में इतनी गंदगी फैलाने की क्या जरूरत थी?

(व्यवधान)

**श्रीमती उजला अरोड़ा** : अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से यह पूछना चाहती हूं कि जब हड़ताल शुरू हुई उसके बाद से ही हमारी तरफ से सरकार को लगातार इस बारे में कहा जाता रहा है और आपने यह आश्वासन दिया कि बातचीत कर ली जायेगी। लेकिन आपने कुछ भी नहीं किया तो फिर यहां सदन में ध्यान आकर्षण प्रस्ताव लाया गया। अध्यक्ष महोदय, जयपुर शहर में ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं हुई। जयपुर शहर में गन्दगी के कारण बीमारियां फैलती गई। हम लोग यह सोचते रहे कि आज हड़ताल टूट जायेगी, कल टूट जायेगी पर हड़ताल नहीं टूटी। अध्यक्ष महोदय, हम लोगों ने कहा था कि इस हड़ताल को समाप्त करने के लिये आप

(श्रीमती उजला अरोड़ा)

हमारा सहयोग लीजिये । अगर आप लोग जयपुर के विधायकों का और दूसरे लोगों का सहयोग लेते तो मैं समझती हूं इतनी देर हड़ताल टूटने में नहीं लगती। इस हड़ताल को टूटने में निरन्तर देरी होती रही । मैं तो सोचती हूं कि कल क्या होगा, कल लोग काम पर आयेंगे या नहीं अगर कोई दिक्कत पैदा हो जावे तो।

इसके अलावा, अध्यक्ष महोदय, जो बीमारी के आंकड़े यहां पर मरीजों के मन्त्री महोदय ने दिये है वह शायद मन्त्री महोदय ने सवाई मानसिंह अस्पताल के दिये हैं। अध्यक्ष महोदय, जयपुर में सवाई मानसिंह अस्पताल के अलावा और भी अस्पताल हैं जहां पर रोगी गये होंगे । इसके अलावा बीमारों की आपने स्थिति बताई, इसमें कितने मरे यह नहीं बताया। फिर भी आपने जो यह हड़ताल समाप्त कराई उसके लिये मैं आपको धन्यवाद देती हूं । लेकिन मैं यह भी चाहूंगी कि 350 वाली बात निश्चित रूप से स्पष्ट करें। दूसरे मैं चाहूंगी कि कल कोई बहाना नहीं हो इसका ध्यान रखें।

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज ।

**श्री गोपाल पचेरवाल** : माननीय अध्यक्ष महोदय, कल माननीय मंत्री महोदय ने सदन में बयान दिया उसमें जिक्र किया गया था कि सफाई कर्मचारियों का हड़ताल का नोटिस जून में प्राप्त हुआ और यह गैर क़ानूनी हड़ताल । उससे पूर्व मई में समझौता हुआ। मैं निवेदन करना चाहूंगा कि जो मई में मांग पत्र सफाई कर्मचारियों द्वारा दिया गया था उस मांग-पत्र में क्या यह मांग नहीं थी ? और उस मांग-पत्र में यह मांग थी तो क्या उस समय आपने उनको मन्जूर किया था ? अगर मन्जूर किया था तो दुबारा हड़ताल की स्थिति क्यों पैदा हुई ? फिर तीसरी बार भी इसी मामले को लेकर हड़ताल शुरू हो सकती है। इसके अलावा माननीय मंत्री जी यह भी बतायें कि 350 आदमी दो महीने से आपके यहां काम पर लगे हुए हैं उनको आप क्या ग्रेड दे रहे हैं ? यह स्पष्ट करें।

**श्री भैरोंसिंह शेखावत** : मंत्री महोदय एक-एक सदस्य के प्रश्नों का उत्तर दे दें तो उचित रहेगा।

**श्री अध्यक्ष** : यह मंत्री महोदय के ऊपर छोड़ दें कि एक-एक प्रश्न का उत्तर देना चाहते हैं।

**श्री शिवराम शर्मा** : अभी दस्तखत हो रहे हैं तो अभी प्रश्न नहीं पूछें। अगर पूछना है तो हड़ताल टूट जाने दीजिए। मंत्री महोदय ने जवाब दे दिया है आपको।

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, कृपया शांत-रहें।

(व्यवधान)

**श्री शिवराम शर्मा** : सारा समझौता आपके सामने आ रहा है।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : कृपया इस प्रश्न को विवाद का प्रश्न नहीं बनायें ।

**एक माननीय सदस्य** : यह इतने दिन हड़ताल क्यों रही ?

**एक माननीय सदस्य** : आपके कारण।

**श्री अध्यक्ष** : कृपया शांत रहें। आसन पैरों पर है।

(व्यवधान)

आर्डर प्लीज। मंत्री महोदय ।

**श्री नाथूसिंह** : यदि किसी सदस्य को दिक्कत है या आपत्ति है और कुछ पूछना चाहता है तो उसके प्रश्न का उत्तर उसी समय देना चाहिए ।

**श्री अध्यक्ष** : प्रश्नकाल तो है नहीं । आपको शंकायें हों वह पूछ लीजिए । यदि, वह एक-एक प्रश्न का उत्तर देना चाहें तो, दे दें उनको छूट है अन्यथा सभी सवालों का एक साथ जवाब दे दें ।

श्री राजबहादुर ।

**श्री राजबहादुर** : श्रीमन्, यह एक इतनी नाजुक समस्या है कि इस समय अधिक बोलने की आवश्यकता नहीं है । हम मामले को उलझाना नहीं चाहते । इसमें खाली सहानुभूति दिखाने की बात नहीं है । हार्दिक सहानुभूति हमारी दो पक्षों से खास तौर से है क्योंकि इसमें तीसरा पक्ष तो सरकार है । जिनको समझौता करना है और जिनकी समस्या को सुलझाना है—एक पक्ष तो हरिजनों का है और दूसरा पक्ष यहां के नागरिकों का है । 28–30 दिन गन्दगी उन्होंने भुगती है, उसकी भी कोई सीमा होती है, उस सीमा को देखते हुए सबसे पहली चीज यह है कि आप समझौता करें और तुरन्त करें । आपने कहा कि समझौता इसलिए नहीं हो सका क्योंकि आज जेल से नहीं छोड़े जा सके । जेल से इसलिए नहीं छोड़े जा सके क्योंकि अदालतों का समय समाप्त हो गया । ...

**एक माननीय सदस्य** : आपकी तरह फर्नान्डीज को तो नहीं छोड़ दिया ।

**श्री राजबहादुर** : देखिये आप बीच में नहीं बोलें । आपको कुछ बोलना है तो अध्यक्ष को बोलें । मुझ से क्यों ? मैं अध्यक्ष से बात कर रहा हूं ।

यदि सरकार के लिये आज उसको छुड़वाना सम्भव था तो आज समझौता हो सकता था । केसेज फौरन विथड्रा होते और छूट जाते । मैं यह जानना चाहता हूं और मुझे सन्देह होता है कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि समझौते में कहीं नन्हीं सी रुकावट हो, संकोच हो । वरना केसेज को विथड्रा करने में क्या देरी लगती है । आपकी सरकार है, आपके मजिस्ट्रेट हैं । आप कर सकते थे । और ईश्वर चाहे, आपका समझौता हो जाये और हड़ताल टूट जाये तो सबसे पहले जानना चाहूंगा कि क्या कोई स्पेशल स्टेप्स लेंगे, जो 28–30 दिन में मलबा एकुमुलेट हुआ है उसको उठाने के लिए कोई स्पेशल मीन्स लेंगे ? चाहे मैकेनिकल मीन्स हों चाहे दूसरे मीन्स हों, ट्रैक्टर हो या ट्रक हो या फिनायल हो । यह बहुत ही चर्चा की बात थी । मुख्य मंत्री जी भी कह रहे थे कि मलबे के इकट्ठा होने का असर पड़ता है और जो प्रभाव सामने आता है वह बाद में आता है । मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आपने एन्टी कोलेरा वगैरह के. टी. ए. बी. सी. इन्जेक्शन का इन्तजाम किया है ? इसके बिना आप कालेरा को कैसे फेस कर सकते हैं । गेस्ट्रो-एन्ट्राइटिस को फेस कैसे कर सकते हैं । आप यह सब गलियों में रहने वाले लोगों के लिए कीजिए । यह बातें ऐसी हैं कि जिनका हल होना चाहिए । खाली यह नहीं देखा जाये कि कौन कह रहा है । यह देखा जाये कि क्या कहा जा रहा है ।

**श्री अध्यक्ष** : मंत्री महोदय ।

**श्री हनुमानप्रसाद प्रभाकर** : माननीय अध्यक्ष महोदय, कुछ प्रश्न उठाये गये हैं । एक तो यह प्रश्न आया है कि जो 350 आदमी हैं उनका क्या होगा और क्या नहीं

(श्री हनुमानप्रसाद प्रभाकर)

होगा। उसके सम्बन्ध में निर्णय किया गया है। राजस्थान के स्वायत्त शासन मंत्री श्री हनुमानप्रसाद प्रभाकर का निर्णय इस सम्बन्ध में सर्वमान्य होगा। मंत्री महोदय यह निर्णय 15 दिन में लें तब तक दैनिक मजदूरी पर काम करने वाले जो 1 जून से हटा दिये गये तुरन्त काम पर ले लिये जायेंगे और नगर परिषद में सफाई का काम करेंगे। जहां तक उनका सवाल है वह जिस स्थिति में पहले लिये गये थे उसी स्थिति में रहेंगे। 15 दिन में फैसला होगा वह दोनों पक्षों को मान्य होगा। जो इस दौरान रखे गये हैं जिस स्थिति में जिन नियमों के अन्तर्गत रखे गये हैं वह नियम उनके ऊपर लागू होंगे। यह स्पष्ट है। यह ऐसी बात नहीं है कि जिसको सदन से छिपा कर रखना है। आपने जैसा कहा कि समझौता तो बहुत पहले हो सकता था, यह सही बात है लेकिन कल भी मैंने बताया था और आज भी बताया कि दोनों बातें ऐसी थी कि जिनके ऊपर मतभेद था और वह मतभेद आज सुलझा है।

कई माननीय सदस्यों ने कहा कि जेल की छोटी सी बात है। इसके ऊपर कहीं ऐसा नहीं है। मैं एक बात कहना चाहता हूं कि यदि हमारे मन में कोई बात होती तो शायद जो भी हम कर पाये हैं समझौता वह नहीं कर पाते। हमारे तो इरादे बहुत साफ थे और साफ हैं। जेल से छोड़ने का कानून मेरे ख्याल से सभी सदस्य जानते हैं कि जब चालान हो चुका है तो उसके प्रासीक्यूशन के बिना जेल से नहीं छूट सकते थे।

**श्री राजबहादुर** : केसेज विथड्रा हो सकते थे और इन्टीमेशन दी जा सकती थी।

**श्री हनुमानप्रसाद प्रभाकर** : तो जो प्रश्न उठाये गये थे उनके बारे में यह निवेदन है।

मैं फिर एक बात बताना चाहता हूं कि हमने जो समझौता किया है वह बहुत ही सद्भावनापूर्ण वातावरण में किया है। इसी सद्भावना को बनाये रखने की दृष्टि से मेरा फिर से निवेदन है। कुछ माननीय सदस्यों ने यह कहा कि यह समझौता तो पहले भी हो सकता था, मुझे मालूम है मुख्य मंत्री जी ने आज से तीन या चार दिन पहले मुझे कहा था कि जयपुर के पांच विधान सभाई सदस्य हैं उनको साथ बैठाकर सारे प्रश्न की चर्चा करूं। यह हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी की सलाह थी। इसके बाद एक माननीय सदस्या, जो कि जयपुर से चुन कर आई है, मेरे पास आई भी थीं। उन्होंने स्वयं ने भी कहा था कि समस्या का समाधान जितना जल्दी निकाला जाये उतना ही अच्छा है। मैंने आपसे कहा कि इस समस्या के समाधान की दृष्टि से····

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** : माननीय मंत्री जी उन सदस्यों के नाम क्यों नहीं लेते····

**श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर** : उन माननीय सदस्यों को भी कहा था जितनी जल्दी चर्चा हो सकेगी होगी। किन्तु परिस्थितियां कुछ ऐसी रहीं कि सफाई कर्मचारियों के जो नेता लोग थे वे कल ही मुझ से मिले। जो सफाई कर्मचारी व संघ के अध्यक्ष थे, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि उनसे मेरा मिलना भी नहीं हुआ। इतनी बड़ी हड़ताल हुई जो नेता थे शायद मुझसे सम्पर्क कर सकते थे। क्या विवाद हो सकता है मैं कहना नहीं चाहता, किन्तु मेरा मिलना नहीं हो सका। कल इसी विधान सभा के एक

(श्री हनुमानप्रसाद प्रभाकर)

कमरे में, श्रीमती कमला जी के कमरे में, बैठकर बातचीत हुई। कल बैठना हुआ आज इसी नतीजे पर पहुंचे हैं। इससे शीघ्र और क्या कार्यवाही होगी। जो तथ्य हैं वह आपके सामने प्रस्तुत कर दिये हैं।

**श्री अध्यक्ष** : नाथूसिंह।

**श्री नाथूसिंह** : अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मंत्री जी को, मंत्री महोदय को बधाई देता हूं कि उन्होंने समझौता कर लिया है जैसा वे कहते हैं लेकिन मुझे अभी भी शक है, सन्देह है····

(व्यवधान)

**श्रीमती उजला अरोड़ा** : संशय अवश्य है। मंत्री महोदय ने कहा है अभी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हुए हैं। उन्होंने खुद माना है।

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्या, स्थान ग्रहण करें।

**श्री सूरजपालसिंह** : आपका मनोबल इतना गिरा हुआ है····

**श्री नाथूसिंह** : एक व्यवस्था का प्रश्न है। कालिंग अटेन्शन का कायदा यह होता है कि जितने सदस्यों के नाम होते हैं उन सब को मौका मिलता है प्रश्न पूछने का, तीन मिनिट तक बोलने का। इस सदन की क्या परिपाटी है···

**श्री अध्यक्ष** : प्रश्न पूछने का कायदा नहीं है। ध्यान आकर्षित कर दिया उसके बाद मंत्री महोदय ने अपना वक्तव्य दे दिया। मसला समाप्त हो जाता है। यह तो महत्वपूर्ण मसला है इसलिए आपको अवसर देता हूं प्रश्न पूछने का। आप पूछ लीजिये। आपको अवसर दे रहा हूं।

**श्री नाथूसिंह** : मुझे इस बात का सन्देह है कि समझौता हो गया है। मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं। 11 जून से हड़ताल चली 11 जून से···

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आप बैठिए। बोलने दीजिए।

**श्री नाथूसिंह** : आप ट्रेनिंग लीजिए। अध्यक्ष महोदय, मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि 11 तारीख से हड़ताल शुरू हुई। अधिकारी बात करते रहे। सरकार के मन्त्री और मुख्य मन्त्री ने पहली बार कर्मचारियों से कब बात करने की कोशिश की?

दूसरा सवाल यह है कि उस समय आपके सामने जो महत्वपूर्ण मामला अटका हुआ था, 350 कर्मचारियों को नहीं लेने का जो महत्वपूर्ण मसला था, आपने उन 350 कर्मचारियों को नहीं लिया अब 500 कर्मचारियों को ले लिया। 150 कर्मचारी और लेने पड़े। इस स्ट्राइक से निपटने के लिए कितना पैसा खर्च हुआ? मैं पूछना चाहता हूं 350 कर्मचारियों को ले लेते तो कितना खर्चा होता और अब समझौता करने में कितना पैसा खर्च हुआ?

तीसरा निवेदन यह है कि अब तक गटर लाइन बन्द हो गई है, कचरा पड़ा हुआ है उससे उत्पन्न बीमारियों के लिए दवाइयों की समुचित व्यवस्था की है जिससे रोग नहीं फैलें? कई माननीय सदस्य साइंस के विद्यार्थी रहे हैं वे जानते हैं कि संक्रामक रोग फैल गया तो उसकी रोकथाम मुश्किल हो जायेगी। उसकी रोकथाम के लिए क्या सरकार अभी जाकर सभी अस्पतालों को निर्देश देगी और विशेष अभियान चलायेगी ताकि बीमारी की रोकथाम हो सके?

106



(श्री नाथूसिंह)

चौथा प्रश्न और पूछता हूं ...

**एक माननीय सदस्य** : प्रश्न पूछ रहे हैं, सुझाव दे रहे हैं।

**श्री गोपाल पचेरवाल** : आपकी समझ में जो आवे, वह मान लें। आपकी बुद्धि विवेक पर निर्भर है।

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री नाथूसिंह** : अभी मंत्री महोदय ने फर्माया कि हमें दिशाहीन कहते हैं। जो चलते हैं उसकी दिशा होती है आंख मूंद कर बैठ जायें उसको हम क्या कहें। दिशाविहीन कहें या मासूम कहे या गतिहीन कहें, क्या कहें, या अन्तरमुख कहें, क्या कहें? इन सवालों का जवाब चाहता हूं।

माननीय पहाड़िया जी को, माननीय मुख्य मन्त्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने महसूस किया और समझौते के लिए कांग्रेस आई के कुछ सदस्यों की कमेटी बनाई। आपने जयपुर के विधायकों को कान्फीडेन्स में क्यों नहीं किया? उनसे बात करते....

**श्री अध्यक्ष** : संक्षेप में।

**श्री नाथूसिंह** : पार्टी लेवल से ऊपर सारे समाज का मामला है। पार्टी की कमेटी बना कर क्या आपने यूनियनों पर एक पार्टी का अधिकार करने की कोशिश नहीं की? आपने सामूहिक सौदेबाजी का सिद्धांत है उसको नहीं तोड़ा? कर्मचारियों में आपस में लड़ाई करवाई और उसके पश्चात आपने इस पार्टी के माध्यम से उस यूनियन पर कब्जा करने की कोशिश की। क्या यह लोकतन्त्र के विपरीत नहीं है? मन्त्री महोदय से प्रश्न पूछना चाहता हूं...

**श्री गोपाल पचेरवाल** : अध्यक्ष महोदय, मैं पूछना चाहता हूं....

**श्री अध्यक्ष** : आप पहले पूछ चुके हैं। दुबारा किसी माननीय सदस्य को अवसर नहीं दूंगा....

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री रामकिशोर मीणा (सिकराय)** : क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि जितने दिन हड़ताल रही उतने दिन का हड़ताली कर्मचारियों का पूरा वेतन दिया जायेगा।

**श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर** : शांतिहीन, गतिविहीन, आपका स्वय का जो अनुभव था वह सदन के समक्ष आया है। इससे अधिक मुझे कुछ नहीं कहना है।

कुछ प्रश्न रखे गये है। निश्चित रूप से इस बात की मेरी मान्यता है कि स्वास्थ्य की दृष्टि से जो आवश्यक कदम सरकार को उठाने चाहिए, वह उठाये जायेंगे। कहीं कोई कमी नहीं होगी। मैंने आपसे कहा कि सरकार और प्रशासन को ऐसी कोई बात नहीं करनी चाहिये जिसकी वजह से उनके स्व पर कोई प्रभाव हो। जहां तक निर्देश देने का प्रश्न है पहले दिये जा चुके हैं यदि आवश्यकता हुई तो आज और निर्देश दे दिये जायेंगे।

इसके बाद जो कुछ शंकाएं प्रकट की गई हैं, उन शंकाओं के लिए मैं इतना ही कह सकता हूं कि शंकालू व्यक्तियों को हमेशा शंका बनी ही रहती है। जो काम करने वाला व्यक्ति है, वह काम करता है,

यहां पर एक बात और कही गई है यह प्रयास पहले क्यों नहीं किये गये। मैं आपको बताना चाहता हूं इस संकाइ मजदूर संघ के

(श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर)

मंत्री श्री छगनलाल आज से 10 दिन पहले बता दिया था कि आप अपने साथियों को साथ लेकर···

(व्यवधान)

मैंने उनसे कहा था कि साथियों को साथ लेकर यहां आना चाहते हैं तो यहां आ जाइये, और कहीं बात करना चाहते हैं तो वहां बात कर लीजिये। वे 5–6 व्यक्ति थे जो बात करना चाहते थे लेकिन मैं अच्छी तरह परिचित हूं कि कोई राजनैतिक कारण थे जिनकी वजह से उनको हमसे मिलने नहीं दिया गया

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : कृपया स्थान ग्रहण करें, माननीय सदस्या।

जवाब दे रहे हैं मंत्री महोदय, आप बैठ जाईए।

(व्यवधान)

**श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर** : और जैसे ही मुझे उनके पदाधिकारियों से मिलने का मौका मिला उसके बाद जो सफलता की ओर बढ़ रहे थे वह हमारी अच्छी उपलब्धि थी। इससे किसी को ईर्ष्या है तो उसकी भागीदारी हम पर नहीं है···

(व्यवधान)

एक प्रश्न और उठाया गया जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रयास किये गये। यह तो हर पालिटिकल पार्टी का अधिकार है कि यदि कोई समस्या है तो वह उसे हल करने के प्रयास करें लेकिन सरकार की ओर से कोई कमेटी नहीं बनाई गई है···

(व्यवधान)

**एक माननीय सदस्य** : अपनी पार्टी को समझाइये।

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, कृपया स्थान ग्रहण करें।

**श्री हनुमानप्रसाद प्रभाकर** : जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी यदि समाधान के लिए समिति बनाती है तो उसका अधिकार है····

(व्यवधान)

**एक माननीय सदस्य** : यह आपके संगठन का नमूना है?

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज, व्यवधान न करें।

**श्री हनुमानप्रसाद प्रभाकर** : साथ ही उनके नेता अब यह कहें कि समय आने पर लाठी और गोलियों के लिए तैयार रहें तो मैं ऐसी बातों पर विश्वास करके नहीं चलता इसलिए मैंने केवल प्रशासन की दृष्टि से···

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : चर्चा समाप्त हुई। माननीय सदस्या, कृपया स्थान ग्रहण करें।

(व्यवधान)

चर्चा समाप्त हो गई है। आर्डर प्लीज।

(व्यवधान)

**श्री नाथूसिंह** : आन ए पाइन्ट आफ क्लेरिफिकेशन।

(व्यवधान)

**श्री शिवराम शर्मा** : अध्यक्ष महोदय, श्रीराम गोटेवाला ने ऐसा मौका दिया है कि एक साथी बाहर रह गया है और एक साथी यहां आ गया है।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : कोई चर्चा इस पर अब आगे नहीं होगी।

अंकित न हो।

**श्रीमती उजला अरोड़ा** : x x x

**श्री अध्यक्ष** : बोलते रहें, कोई उत्तर नहीं आयेगा।

(व्यवधान)

आर्डर प्लीज। चर्चा समाप्त हुई। कृपया स्थान ग्रहण करें। कोई चर्चा नहीं होगी।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा · · ·

(व्यवधान)

मेरी समाप्ति की घोषणा करने के पश्चात कृपया न बोलें। अब बोलने की किसी को इजाजत नहीं दूंगा। सदन का समय व्यर्थ में खराब न किया जाय। मेरा निवेदन है कृपया चर्चा समाप्त करें।

वाद-विवाद शुरू होता है माननीय राज्यपाल महोदय के अभि-भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर · ·

( व्यवधान )

**श्री दिनेशराय डांगी** : हम तो अन-कन्टेस्टेड जीत कर आये हैं। अन-कन्टेस्टेड जीत कर आना तब पता चल जायगा।

**धन्यवाद प्रस्ताव पर वाद विवाद**

**श्री अध्यक्ष** : श्री ईश्वर लाल सैनी।

मै माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा जिनके नाम यहां पर है उनका खड़ा होना लाजमी है, उसके बाद हम नाम पुकारते हैं।

**श्री ईश्वरलाल सैनी** (लक्ष्मणगढ़) : माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री शिवचरण माथुर के धन्यवाद के प्रस्ताव के पक्ष में अपना कुछ मत रखना चाहता हूं। मैं निवेदन करूं आपके माध्यम से विरोधी पक्ष को कि सन् 77 में जिस वक्त इन्हें सत्ता मिली, भारी बहुमत से मिली। सारे देश में भारतवर्ष में जनता पार्टी का शासन आया और राजस्थान में भी इन्हें शासन मिला किन्तु अफसोस इस बात का है कि इतना होने के बाद भी ये कुछ नहीं कर सके। इनके नेताओं ने सम्पूर्ण क्रान्ति का नारा दिया। इनकी सम्पूर्ण क्रान्ति क्या है, मैं आपको बता दूं जहां तक जनतंत्र का प्रश्न है इन्होंने नारा दिया था कि कांग्रेस सरकार अपने राज्य में म्यूनिसिपल कमेटी, नगर परिषदों, पंचायतों के चुनाव नहीं करा सकी वह हम करवायेंगे किन्तु हमें अफसोस है कि वह नारा देने के बाद जब इनका तीन साल का शासन आया तो एक का भी चुनाव नहीं करा सके। इनके राज्य में जो स्वायत्त शासनीं संस्थायें थीं, नगर परिषद, पंचायतें और यहां तक कि जो छोटी छोटी संस्थाएं थी, जैसे कृषि उपज मण्डी, भूमि विकास बैंक, वह भंग कर दी। अफसोस इस बात का है, शर्म इस बात की है कि उनके भी चुनाव नहीं करा सके।

इन्होंने एक काम बहुत बढ़िया सोचकर किया, पता नहीं यह सद्बुद्धि इनमें कैसे आ गई कि पंचायतों के जो तीन भाग थे, उनमें से एक भाग का चुनाव कराने की सफलता प्राप्त की। जब उसमें यह पता चला कि इनकी पार्टी का बहुमत नहीं आया तो ये घबरा गये। उसके बाद न तो पंचायत समितियों के चुनाव करवाये और न जिला प्रमुख का कराया जो आज तक यों के यों पड़े हैं। हो सकता है उसे अब हम पूरा करें। इन्हें मालूम हो गया कि हम बहुमत में नहीं आ रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से निवेदन कर दूं कि इसका मुख्य कारण

x x x अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार अंकित नहीं किया गया।

(श्री ईश्वरलाल सैनी)

गया था। इनके तीन साल के कृत्यों को बताना चाहता हूं। हमारे मुख्य मंत्रीजी यहां बीड़ा उठा कर कार्य कर रहे है और सरकार का पूरा भार उठा रहे हैं, सदन में भी मौजूद रहते हैं किन्तु आपने अखबारों में पढ़ा होगा और मैंने देखा हैं जनता पार्टी सरकार के मुख्य मंत्रीजी हमेशा यहां से गायब रहे हैं। 30 दिन में 28 दिन दिल्ली मे रहते थे। इनके पक्ष वाले भी यह कहते थे कि उनके मुख्य मंत्रीजी दिल्ली में विराजमान रहते हैं। वहां xxx रंग रेलियों में रातें विताया करते थे। वह सदन के समक्ष आने से डरते थे। आप सदन की प्रोसीडिंग्स को उठा कर देख लें, इस सदन में जब विरोधी पक्ष की सरकार थी तो एक भी मंत्री यहां मौजूद नहीं होता था। उस बात को लेकर यहां हंगामा भी हुआ हैं कि मंत्री एक भी मौजूद नहीं हैं जवाब देने को। जनता पार्टी के मुख्य मंत्री हमेशा यहां से गायब रहा करते थे। मैं कुछ तथ्य बताना चाहता हूं, घटनाओं की बात बताऊंगा और, अध्यक्ष महोदय, प्रमाण सहित घटना बताना चाहता हूं। अगर आप इसकी जांच करायें, आपके माध्यम से सरकार इनकी इन्क्वायरी करे तो सबूत सत्यता के आधार पर खरे उतरेंगे। मैं आपको निवेदन करूं कि जनता पार्टी के भूतपूर्व मुख्य मंत्री आज इतना बीड़ा उठा रहे है लेकिन उन्होंने सन 1972 में चुनाव नहीं लड़ा। चुनाव हार गए तो 1977 में राजस्थान से चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं हुई और मध्य प्रदेश से राज्य सभा के मेम्बर बने और बाद में मुख्य मंत्री जनता पार्टी ने बना दिया। मैं आपको निवेदन कर दूं कि हमारी जनता पार्टी के भूतपूर्व मुख्य मंत्री हमारे इस राजस्थान में जब मुख्य मंत्री बन गए वह कहीं आकर पैसों के बल पर ··

**श्री शिवचरण माथुर** : हमारे मुख्य मंत्री नहीं थे, भूतपूर्व मुख्य मंत्री कहिए। जनता पार्टी के भूतपूर्व मुख्य मंत्री कहिए।

(व्यवधान)

**श्री ईश्वरलाल सैनी** : मैं आपको निवेदन कर दूं कि इनके मुख्य मंत्री, भूतपूर्व मुख्य मंत्री के काल में, श्रीमान, बड़े बड़े काण्ड हुए ···

**श्री दिनेशराय डांगी** : वह तो जोग लिखा था सो हो गए।

**श्री ईश्वरलाल सैनी** : मैं निवेदन कर दूं कि सिरिस्का में हमारी गेम सैंचुरी है वहां पर जयसिंहजी थे जो रिटायर हो गए थे...

**श्री अध्यक्ष** : किसी नाम से चार्ज नहीं लगायें।

**श्री ईश्वरलाल सैनी** : उनका रिटायरमेंट होने के बाद तीन साल के लिए उनको वहीं पर लगा दिया फील्ड डायरेक्टर, जब कि मैं आपको निवेदन कर दूं कि वह वहां पर पहले भी रहे हैं और वड़े भ्रष्ट रहे हैं। जानवरों को बेच दिया। जब वाड़ ही खेत को खा जाय तो क्या हो। जितने भी जानवर थे, कहीं उनको बेच दिया, खा गए, कहीं उनकी खाल वेच दी और आज भी वे वहां पर विराजमान हैं। तीन साल के लिए उनकी गद्दीनशीनी करवाई गई है। यह इनके कृत्य हैं।

मैं निवेदन कर दूं कि भूतपूर्व चीफ मिनिस्टर महोदय के जो गुरू थे उनके लड़के प्रह्लादरायजी, जो कलेक्टर अलवर में रहे हैं उनके खिलाफ पेपरों में काफी निकला था,

xxx अभिव्यक्ति अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार अपलोपित की गई

(श्री ईश्वरलाल सैनी)

उनके खिलाफ अलवर में काफी हल्ला हुआ था लेकिन क्योंकि इनके गुरू के लड़के थे, इनके कान पर जूं भी नहीं रेंगी। उनके खिलाफ डाकूमेंट्री प्रूफ के आधार पर साबित कर सकते है, कम से कम पचासों बातें हैं, बड़े भ्रष्ट कृत्य उनके रहे हैं और उनके आधार पर बहुत बड़ा मकान बना लिया है जयपुर में, यहां पर। उन्होंने बहुत अधिक पैसा लगा कर आलीशान बंगला जयपुर में बना रखा है·······

(व्यवधान)

कोई बात नहीं, आप बोल लेना।

मैं आपसे आर निवेदन कर दूं कि श्रीमान, उस वक्त इनके शासन काल में, जनता पार्टी के शासन काल में भूतपूर्व गृह मंत्री जो थे, उनके सम्बन्ध में भी आपको थोड़ा सा बता दूं कि वे जब गृह मंत्री थे तो उनके बहुत बड़े साथी, ठेकेदार रहमतखां जी थे जो उनके बहुत ज्यादा मुंह लगे हुए थे, उन रहमतखां जी ने एक रहमत थियेटर बनाया जिस भूमि पर यह थियेटर बनाया उसकी शिकायत सैंट्रल गवर्नमेंट, केन्द्रीय सरकार तक हो गई है, यहां पर भी हो गई है। वह भूमि वक्फ की प्रोपर्टी है। जब उन्होंने इसको बनाया उस वक्त भूतपूर्व गृह मंत्री जी के बहुत मुंह लगे हुए थे। जनता पार्टी के गृह मंत्री जी ने पुलिस के हथियारों की झंकार के बीच में उस सिनेमा का निर्माण कराया। आज की तारीख में भी वह रहमतखां इन्हीं भूतपूर्व गृह मंत्री जी के मुंह लगा हुआ था, इसलिए पुलिस के नियंत्रण में उस सिनेमा का निर्माण हुआ। यही नहीं वह गृह मंत्री के इतने मुंह लगे हुए थे कि हमारे गृह मंत्री के अपने राज में···

श्री चेतराम : भूतपूर्व गृह मंत्री कहो।

(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आर्डर प्लीज।

**श्री ईश्वरलाल सैनी** : श्री सम्पतराम जी भूतपूर्व गृह मंत्री। शाम को सात बजे उनके लिए टिफिन रहमतखां लाते थे। शराब की बोतल एक डिब्बा या दो डिब्बे मुर्गे के गोश्त के आते थे और शाम को उनके घर में दारू पीने के दौर चलते थे। लोगबाग परेशान थे। सारी पुलिस परेशान थी। इन्होंने एक एक दिन में गंगानगर के दस दस थानेदारों के ट्रांसफर किए दूसरे दिन दसों ही ट्रांसफरों को कैंसिल कर दिया।

**एक माननीय सदस्य** : पैसे लेकर कर दिए।

**श्री ईश्वरलाल सैनी** : वह तो आप स्वयं समझ सकते हैं।

मैं इतना निवेदन कर दूं कि यह उस काल के कृत्य थे।

उस समय के लॉ एण्ड आर्डर की सिचुएशन बता दूं, श्रीमान, उस वक्त लॉ एण्ड आर्डर की क्या पोजीशन थी। चोरी और मोटे मोटे आई. पी. सी. के जो केसेज हुए थे उनके बारे में थोड़ा सा निवेदन कर दूं। डकैती और रायटस के केसेज में रिकार्ड तोड़ बढोतरी हुई है उनके स्वयं के समय में। सन 77 में बलवे के 8138 केसेज थे और 78 में 9031 हो गए। रायट्स और बलवे के, कतल के केसेज थे। कतल 77 में 772 हुए और 78 में 784। 77 में रायट्स 8138 हुए और 78 में 9031 हुए और कुल जो सारे साल में हुए वह 62224 सन 77 में थे और 63752 सन 78 में थे। यह इनके समय में बढोतरी हुई है लॉ एण्ड आर्डर की। ला ऐण्ड आर्डर को आपने ताक में रख दिया था।

(श्री ईश्वरलाल सैनी)

मैं आपको इसी संदर्भ में निवेदन कर दूं, ये बीड़ा उठा रहे हैं अपनी हुकूमत के टाइम का तो मैं निवेदन कर दूं कि सुबह भी यहां प्रश्नोत्तर काल में यह मामला आया था, मैं आपको ज्यादा खुलासा कर दूं कि जयपुर जैसी जगह में मूलचन्द जी जोशी जो पोस्ट मास्टर थे, का मर्डर हुआ। उनका अशोक नगर पुलिस थाने में केस नम्बर 398 दर्ज है। अक्टूबर 78 में यह मर्डर हुआ जो किडनैपिंग मर्डर था और आज तक भी कुछ पता नहीं चल सका है। दूसरा मर्डर मालवीया इंजीनियरिंग कालेज के एक स्टूडेंट का हुआ। यह भी किडनैपिंग मर्डर था। बड़े शर्म की बात हैं कि आज तक उसका पता नहीं चल सका। यह केस नम्बर 9, जो 19-1-79 को हुआ, में भी आज तक मुल्जिम नहीं पकड़ा गया। तीसरा मर्डर हुआ दास गुप्ता का, जो कस्टम कलेक्टर थे, उनको गोली मार कर सरेआम खुले में मर्डर किया गया। वह केस पुलिस स्टेशन गांधी नगर में दर्ज है लेकिन आज तक उसका पता नहीं लगा सके हैं। यह भी इनके समय की बात है। यह भी किडनैपिंग मर्डर था। चौथा मर्डर, पाली मर्डर केस है जिसमें रेडीमेड कपड़े के बहुत बड़े व्यापारी का मर्डर हुआ। उसका भी कुछ पता नहीं चला। यह भी किडनैपिंग मर्डर था। एक नारायण चतुर्वेदी का मर्डर हुआ, इसमें चालान जरूर पेश हुआ है गलत आदमियों का। यह तो फैसला होने से मालूम होगा कि कितना सच्चा चालान पेश किया है या गलत किया है। मैं आपको इसी संदर्भ में निवेदन कर दूं कि ओ. टी. एस में भी एक आई. ए. एस. का भी मर्डर हुआ। उसकी असलियत भी उस समय में नहीं पता कर सके कि यह मर्डर था या सुसाइड था या कतल था। कोई पता नहीं कर सके। आपने अदम पैरवी खतम कर दिया है या अभी तक चल रहा हैं? यह भी इनके समय में होता रहा। इस मर्डर का हल्ला, संदिग्ध हत्या में दर्ज किया है, बिहार असेम्बली में बहुत जबरदस्त हंगामा हुआ। ओ. टी. एस. में यह आई. ए. एस. अफसर ट्रेनिंग ले रहा था।...

**श्री देवीसिंह भाटी (कोलायत)** : अध्यक्ष महोदय, दूसरे सदस्यों को भी बोलने का मौका मिलना चाहिये।

**श्री ईश्वरलाल सैनी** : कालाबाजारियों का जहां तक प्रश्न है, इसके सम्बन्ध में आप सुनिये। कालाबाजारी उस वक्त खतम हो गई। क्या इनके प्रशासन में कालाबाजारी खत्म हो गई? इन्होंने एक भी ऐसा मुकद्दमा नहीं किया, एक भी कालाबाजारिये को कटघरे में खड़ा नहीं किया। इसका मतलब है कि इन्होंने स्वयं कोई कालाबाजारिये को नहीं पकड़ा मिले हुए थे ...

(व्यवधान)

**श्री सूरजपालसिंह** : उन्हीं के पैसों से जीत कर आते थे, उनको ये कैसे पकड़ सकते थे।

**श्री ईश्वरलाल सैनी** : मुकद्दमा नं. 210 सन् 76 में 420 आई. पी. सी. का हंसराज जी, जो पहले कांग्रेस आई के सदस्य थे, के खिलाफ में रजिस्टर हुआ। इस केस को इन्होंने वापस ले लिया। बाद में फिर उसको चालू कर दिया उनको धौंस देने के लिए कि वे उनके पक्ष में आ जाये और हुआ भी वही। हंसराज जी जनता पार्टी के पक्ष में चले गये। ये केस 420 और 468 में हंसराज जी के खिलाफ दर्ज हुआ था। उसको खतम कर दिया।

(112).



(श्री ईश्वरलाल सैनी)

एक एडीशनल आई. जी. थे उनको एक दो साल रिटायरमेंट के बाद भी रखा, केवल इसलिए कि जनता पार्टी के कृत्यों के बड़े-बड़े घोटाले थे, जिनकी इनसे जांच करा कर खतम कराया जाय, उनको छुपाया जाये। राज्यपाल का शासन आते ही उनको छुट्टी के लिए पेश कर दिया कि कल से वह दफ्तर नहीं आयेंगे और वैसा ही हुआ। तो इनके शासन के, श्रीमान्, ये कृत्य हैं।

श्रीमान, मैं आपको निवेदन कर दूं। इनके शासन में कृषि मंत्री थे उन कृषि मंत्री के अपने निराले ठाठ थे। उनको मिनी चीफ मिनिस्टर कहा जाता था। एक बार पाली में, सवाई माधोपुर में · · ·

**श्री दिनेशराय डांगी** : मिनी हमारे पाली में मींढ़ी को बोलते हैं, उनका पूरा नाम है मींढ़की।

**श्री ईश्वरलाल सैनी** : दिनांक 29 दिसम्बर, 1978 के कृषि मंत्री कालवी साहब के सम्बन्ध में मैं आपको निवेदन करूं, ग्राम पाली, सवाईमाधोपुर में एक जश्न मनाया गया। ढाई हजार आदमियों को खाना दिया गया कहां पर उस ग्राम पाली में। ढाई हजार आदमियों में निगम के अध्यक्ष व कमिश्नर रैंक के बड़े-बड़े अफसर थे। सैकड़ों अफसर उनकी चापलूसी करने गये। राजशाही ठाठ-बाठ से जश्न मनाया गया। एक चीतल जानवर है, उसका शिकार नहीं कर सकते हैं वहां चीतल बनाया गया और तीतर मुर्गे तो पता नहीं कितने बने, ढाई हजार का खाना था। सरेआम कानून की अवहेलना की गई।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री ईश्वरलाल सैनी** : मैं इसका प्रमाण देता हूं, आप इनक्वायरी करा लो।

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य।

**श्री ईश्वर लाल सैनी** : एक ट्रक संतरे सिल्लियां बर्फ मंगाई गई। आप पूछिये, किस लिये? ठंडे पानी के लिये नहीं बल्कि इसलिये कि इस बर्फ से नारंगी ठण्डी की जावे और इसको पीकर खुमारी किस तरह उतारी जावे। नारंगी बर्फ से ठंडी की गई। यह सत्य है, आप इनक्वायरी कर लें। चम्बल में नावें सजायी गयीं, केण्डलों से। उनमें रोशनी की गई, कृषि मंत्री जी और उनको घुमाया गया। इस युग में एक विचित्र दृश्य था

**एक माननीय सदस्य** : रंगरेलियां तो नहीं मनायी गयी।

**श्री ईश्वर लाल सैनी** : सारी रंगरेलियां मनायी थी। पुलिस परेशान और सारा शासन परेशान था। तीन दिन पहले सारी तैयारी शुरु की गई थी ·······

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज।

**श्री ईश्वर लाल सैनी** : सभी राजशाही ठाठ थे। इस तरह जश्न मनाया गया। मेरा, अध्यक्ष महोदय, आपसे यह निवेदन है कि यह जो हमारे भूतपूर्व मुख्य मंत्री हों, चाहे भूतपूर्व गृह मंत्री हों, चाहे उनका शासन रहा हो चाहे कोई भी मंत्री रहा हो। मैं आपको निवेदन कर दूं।

**श्री अध्यक्ष** : संक्षेप में कहें। बहुत से सदस्यों को बोलना है।

श्री ईश्वर लाल सैनी : 75 की जगह 175 स्कूल खोले । आप लोग हंस रहे हैं । बड़ी तारीफ की जा रही है । मैं पूछना चाहता हूं जब सरकार के सरकारी अफसर 75 स्कूल खोलना चाहते थे तो इनको क्या अधिकार था कि 175 स्कूल खोलें ? मुझे ज्यादा पता नहीं है। मैं जिस क्षेत्र से आता हूं वहां की जनता परेशान थी, मेरे से पहले जो एम.एल.ए. थे, उन्होंने जो स्कूल खोले हैं, सड़कें बनवायी हैं, वह अपने गांवों में, अपनी जगह, और अपनी बिरादरी के लिये बनवायीं। इसलिये उनको मुंह की खानी पड़ी है और इस पार्टी को मुंह की खानी पड़ी है। जहां स्कूल खोलने चाहिये थे, वहां स्कूल नहीं बन सके । सरकार से निवेदन है कि स्कूल ऐसे खोले हैं, जहां बच्चे पढ़ने को नहीं आते हैं, जहां मास्टर नहीं हैं। मैं निवेदन कर दूं, जहां लोगबागों की बिल्डिंग खाली पड़ी हैं, मकान खाली पड़े हैं, वहां स्कूल खोले जावें।

अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन कर दूं आपने कांग्रेस के टाइम में हमारी नीति देखी है। लेकिन जब मोरारजी भाई प्रधान मंत्री थे, यूरेनियम के लिये गिड़गिड़ाये और मिला क्या ? उन्होंने उनकी माताजी की चप्पल तक भी उठायी हैं और गिड़गिड़ाये भी लेकिन उनको वह चीज नहीं मिल सकी । अब वह ले आई हमारी नेता प्रधान मंत्री बनते ही इसका असली कारण यह था कि अमरीका जानता था कि हमारी पार्टी की एक नेता थीं तो वह इन्दिरा गांधी थीं। कांग्रेस का हर सिपाही उनकी बात मानने के लिये अभी तक तैयार है, रात को तैयार है, सुबह को तैयार है। क्योंकि वह सही फैसला करती है, सही निर्देश देती हैं। यही कारण है कि सारी दुनिया के सारे देश यहां आकर सलाम बजाते हैं। क्या इंगलैंड, क्या रशिया, हमारे ऊपर आश्रय करते थे, विश्वास करते थे।

मैं आपको निवेदन कर दूं, यह आज विपक्षी चिल्ला चिल्ला कर कह रहे हैं चीनी महंगी हो गई। मैं निवेदन कर दूं, जब चरणसिंह प्रधान मंत्री थे, तो यू. पी. के किसान आये और कहने लगे कि साहब हम तो मारे गये। पूछा क्यों? इसलिए कि हमको गन्ना पैदा करने से फायदा नहीं होता है। तो कहने लगे कि तुमने कितना कर रखा है? सारे खेत में, सब जमीन में है। तो चौधरी साहब ने कहा मेरे घर में भी गन्ना बो दो। तुमने गन्ना पैदा कर लिया, कोई जगह नहीं छोड़ी, तुमको फायदा कहां से होगा। सारा गन्ना जला दो। यही कारण है हमको चीनी के लिए मुंह ताकना पड़ रहा है। गन्ना सड़ गया। आज खेत में गन्ना नहीं है, लोगों ने जला दिया। क्योंकि गन्ना एक बार जलाने के बाद, तीन साल तक नहीं होता है। यही कारण है आज चीनी महंगी हो रही है। चरणसिंहजी के एक इशारे पर यू. पी. में गन्ना पैदा करवाना बन्द कर दिया।

आपके शासन की सबसे बड़ी देन है, सब चीजें गायब हो गईं। क्या सीमेंट, क्या कोयला, क्या तेल, सारी चीजें हिन्दुस्तान से गायब हो गयी। हमने नहीं कीं। आपने जब पार्लियामेंट के चुनाव हुए थे, तब देखा होगा कि जब आपके सदस्य या केन्डीडेट आपकी पार्टी के वोट मांगने जाया करते थे, तो उनको ढोल व पीपे दिखाया करते थे इसलिये कि तेल नहीं मिल रहा था। लेकिन जब हमारी सरकार केन्द्र में बैठ गई और विधान सभाओं में बैठी तो हमने उसकी पूर्ति की है। आपने सारी चीजें खोई हैं। हमने सारी चीजे उपलब्ध कराई हैं।

(श्री ईश्वरलाल सैनी)

( व्यवधान )

अध्यक्ष महोदय, मैं इतना ही निवेदन करूंगा । इनके शासन में भ्रष्टाचार पनपा है, इनके शासन में इकानामिक कंडीशंस खराब हुई हैं यही मेरा आपसे निवेदन है । जो राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ है उसका मैं समर्थन करता हूं ।

**श्री अध्यक्ष** : श्री राम कंवार बेरवा ।

**श्री राम कंवार बेरवा** (फागी) : अध्यक्ष महोदय, जो धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ है उसका मैं विरोध करने के लिये खड़ा हुआ हूं । अध्यक्ष महोदय, जब राष्ट्रपतिजी ने पार्लियामेंट भंग की, लोक सभा के चुनाव हुए और जब से जनता पार्टी सत्तारूढ़ हुई तब से इंदिरा गांधी का यही देश में अभियान रहा कि जनता पार्टी, जो सत्तारूढ़ है, मुझे मेरे परिवार को जेल भेजना चाहती है, जब से जनता पार्टी का शासन कायम हुआ है तब से हिन्दुस्तान की सारी अर्थ व्यवस्था खराब हो गई है, डकैतियों में वृद्धि हुई है, अनुसूचित जाति और जन जाति पर निरंतर अत्याचार हो रहे हैं और मुसलमानों की भी कोई गारंटी नहीं है । इस प्रकार का अभियान चला कर सारे हिन्दुस्तान के लोगों में इस प्रकार का प्रचार किया गया । उसके पश्चात् लोक सभा के चुनावों में जनता पार्टी में आपस में फूट डलाकर लोक सभा के चुनावों में प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने परिस्थिति का लाभ उठाया । मैं धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करता यदि 6 महीने पहले केन्द्र में कांग्रेस पार्टी के सत्तारूढ़ होने के पश्चात् अपराधों में कमी हुई होती या बलात्कारों में कमी हुई होती, महिलाओं की इज्जत लूटने में किसी प्रकार की कमी हुई होती, लेकिन कोई भी कमी नहीं हुई ।

( व्यवधान )

फिर भी इसमें आश्वासन दिये गये हैं । मैं समझता हूं कि हिन्दुस्तान की जनता इतनी जागरूक हो गई है कि वह अधिक समय तक इंतजार नहीं कर सकती ।

( व्यवधान )

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज ।

**श्री राम कंवार बेरवा** : विधान सभा के चुनावों में भी कांग्रेस पार्टी को इस का लाभ मिला । उन्होंने इस बात को दोहराया था कि केन्द्र में सरकार बनने से ही सारी समस्याओं का हल नहीं निकल सकता । इस कारण से राज्य विधान सभाओं में कांग्रेस पार्टी सत्तारूढ़ हो गई । माननीय अध्यक्ष महोदय, जब से राज्यों में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई तब से केवल एक ही बात सुनने को मिलती है और निरंतर यही अखबारों में देते हैं कि जनता पार्टी के अढ़ाई साल के शासन में इतनी अव्यवस्था फैला दी गई थी अर्थ व्यवस्था ही खराब हो गई थी, जनता पार्टी ने देश के ऊपर इतना वजन लाद दिया है और इस मलबे को हटाने में काफी समय लगेगा । यह बातें दिखावटी हैं । इन सारी बातों से हिन्दुस्तान का व राजस्थान का प्रत्येक नागरिक अनभिज्ञ नहीं है । अभी पूर्व वक्ता ने कहा है कि राजस्थान के गृह मंत्री, कृषि मंत्री और अन्य मंत्री खान-पान और ऐशो आराम करते थे । यह सब तथ्यहीन है । इन्होंने कोई अपनी ओर से सुझाव नहीं दिये हैं, इसका मुझे खेद है । मैं जहां तक समझता हूं इस बार विधान सभा और लोक सभा में इस प्रकार के लोग चुन कर आ गये हैं कि उनको वास्तविकता का तो ज्ञान ही नहीं है । जो ऊपर ऊपर की बातें करते हैं उनको जनता जान जायेगी ।

(श्रीराम कंवार बैरवा)

मैं सरकार को यह सुझाव देना चाहता हूं कि सबसे पहले आप महंगाई को लीजिये। इस महंगाई के जमाने में कोई भी गरीब आदमी, छोटा कर्मचारी, छोटा काश्तकार किस प्रकार से गुजारा करेगा। मुख्य मंत्री जी से मैं निवेदन करना चाहता हूं कि आपको यह स्वर्णिम अवसर मिला है कुर्सी तो चली जायेगी काम याद रहते हैं। आप ऐसी परंपरा बनायें कि आने वाले मुख्य मंत्री को भी उस परंपरा को निभाना पड़े। आप किसी भी बात की जड़ में जाइये। जो छोटे कर्मचारी, गरीब लोग हैं वे किस प्रकार से गुजारा कर रहे हैं। कोई भी मैम्बर जो सत्यता से दूर जाकर बात करते हैं, उस पर मैं विश्वास नहीं करता। मैं साढ़े आठ वर्षों से पार्लियामेंट में रहा हूं और यहां चुन कर आया हूं। तो मैं मुख्य मंत्री जी से कहूंगा कि आप चाहते हैं कि जो गरीब लोग हैं, अनुसूचित जाति के हैं —

(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज। आपस में बातें नहीं करें।

**श्री राम कंवार बैरवा** : जिन लोगों पर बिना कारण मुकदमें लाये गये हैं वे ख्वामख्वाह तारीखों में घिसटते हैं इसलिए आप यह व्यवस्था करवायें कि उनको खर्चे की सरकारी सहायता दी जाये।

दूसरा निवेदन यह है कि जो छोटे काश्तकार हैं जिनके प्रार्थना-पत्र विचाराधीन पड़े हैं जिनके पास खेती की जमीन नहीं है उनके लिये खेती की जमीन की व्यवस्था करावें। कोई भी सरकार आती है वह घोषणा जरूर करती है लेकिन वह मूल समस्या तक नहीं पहुंच पाती। दूसरा मेरा निवेदन है कि मेरे क्षेत्र फागी में मण्डवरा गांव में डकैती हुई थी उसमें वहां का जो सेठ है बुरी तरह से मारपीट कर मकान से गिरा दिया गया। उसके हाथ पैर टूट गये। एक गरीब नाई जाति का लड़का, जो छिप रहा था, को गोली मार दी गई। तो मेरा निवेदन है कि किसी भी व्यक्ति को चोट पहुंचे और वह काम करने लायक नहीं रहे उसकी व्यवस्था के लिये सरकार को जिम्मा लेना चाहिये। उस चुनाव प्रचार के दौरान पड़ी डकैती के डकैतों को सीघ्र ही पकड़ा जाना चाहिए। इस दर्दनाक घटना के पश्चात् तहसील फागी के ग्रामों में भय का वातावरण बना हुआ है। सीघ्र ही सख्त कानून बनाना चाहिये।

दूसरा मेरा निवेदन यह है कि तारीख 25 की रात को एक बजे फाइव स्टार होटल के सामने एक ऊंट का लढ्ढा वाला जा रहा था। वह फागी तहसील का रहने वाला था। गणेश कुमावत उसका नाम था। उसी समय कोटा की फर्म का एक ट्रक आया और ऊंट लढ्ढे से टकराया, उसने लढ्ढे के टक्कर मारी। इस टक्कर में गणेश की मृत्यु हो गई। उसके साथ जो चौथू था उसका पैर टूट गया। यह सारा केस बजाज-नगर के थाने में दर्ज है। मैं भी वहां पर पहुंचा 25 तारीख को 3-4 व्यक्ति वहां पर थे। शायद वे एक अटैची लेकर आये थे। वह अटैची थानेदार के सामने पड़ी हुई थी। मैंने उनको यह निवेदन किया कि मरने वाला मेरे गांव का ही है। यह गरीब है। इसकी स्त्री, माता, पिता हैं वे सब इस पर आश्रित थे। आप लोग इसकी सहायता कीजिए। उन लोगों ने कोई सहायता नहीं की। उल्टी 25 तारीख को गिरफ्तारी देकर 25 तारीख को जमानत ले ली

(श्री राम कंवार बैरवा)

और ड्राइवर को रिहा करा कर चले गये। वे ट्रक को भी ले गये। वह ट्रक कच्चे में फंस गया था उसको निकाल कर ले गए। इसलिए मेरा यह निवेदन है कि ऐसे मामले में कानून सख्त बनना चाहिये ताकि कोई व्यक्ति इतना बड़ा अपराध करे और एक ही दिन में छूट कर न चला जाय। यह बड़े खेद का विषय है। इस प्रकार का कानून है कि इस प्रकार के अपराधी बच कर चले जाते हैं और मरने वालों के घर वालों को सान्तवना भी नहीं देते हैं, बिना सहायता दिये ही बच निकलते हैं। इस सारे मामले की जांच की जावे।

दूसरा निवेदन है कि यहां पर एक प्रमुख ट्रक चेसिस कम्पनी का राज्य में 12500 वाहनों का उत्पादन करने का प्रस्ताव है जिसमें 85 करोड़ की पूंजी का विनियोजन होगा और करीब 3500 व्यक्तियों को सीधे और 35 हजार व्यक्तियों को परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध होगा।

मैं यहां पर यह निवेदन करना चाहता हूं कि टौंक जिले में एक चमड़े का कारखाना लगा था। मैं टौंक जिले से दो बार संसद का सदस्य रहा हूं। तो जितने भी मजदूर इस कारखाने में लगे वे सब के सब बाहर के थे। इसलिए यह जो कहा जाता है कि इतने मजदूरों को रोजगार मिलेगा यह सब आंकड़े कागजों तक सीमित होते हैं। सारे मजदूर इन कारखानों में बाहर से आते हैं और राजस्थान के लोगों को कोई लाभ नहीं होता है। मेरा यह निवेदन है कि जितने भी कारखाने लगे, चाहे वे छोटे हों या बड़े, उन में राजस्थान के लोगों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए चाहे वह मजदूर की नौकरी हो, चाहे तकनीकी। यदि उनको प्रशिक्षण देने की जरूरत हो तो प्रशिक्षण देकर उनको तैयार किया जाए। राजस्थान के लोगों को लाभ मिलना चाहिए।

मैंने यह बात पार्लियामेंट में उठायी थी कि राजस्थान के पिछड़ेपन का कारण क्या है? हिन्दुस्तान के आजाद होने के बाद यहां पर कोई रेलवे लाइन नहीं बिछायी गयी है। बिना रेल लाइन के पिछड़े क्षेत्र का विकास कैसे हो सकता है? धन्धे पनप कैसे सकते हैं? यहां पर रेलवे लाइन बिछे तो उद्योग धन्धे लग सकते हैं।

दूसरा मेरा यह निवेदन है मुख्य मन्त्री महोदय से कि अगर राजस्थान का सचमुच ही आपको विकास करना है, इसके लिए आपकी आत्मा में पीड़ा है और केन्द्र ने आपको इसी वास्ते यहां पर भेजा है तो आप राजस्थान के गांव गांव में सड़कों का जाल बिछा दीजिए। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा, लोगों को आवागमन की सुविधा होगी और उनके बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा होगी। आवागमन के साधन जुटाने से लोग जागरूक होंगे, मेहनतकश होंगे। यह सारी बातें हैं।

यह मैं आपको सुझाव देकर राज्यपाल महोदय ने यहां पर जो अभिभाषण दिया है उसके लिए मैं धन्यवाद नहीं दे सकता क्योंकि आज तक केवल आश्वासन ही दिए गए हैं।

**श्री अध्यक्ष :** श्री देवेन्द्र कुमार।

**श्री देवेन्द्र कुमार मीणा** (सराड़ा) : अध्यक्ष महोदय, सदन का समय केवल पांच मिनट ही रह गया है......

(117)



## सदन की कार्यवाही

### विधान सभा की कार्यवाही के समय में वृद्धि

**श्री अध्यक्ष :** क्या सदन की कार्यवाही का समय श्री देवेन्द्र जी के भाषण की समाप्ति तक बढ़ाया जाय ?

(स्वीकृत)

समय बढ़ाया गया ।

### धन्यवाद प्रस्ताव पर वादविवाद

**श्री देवेन्द्रकुमार मीणा :** माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद का प्रस्ताव माननीय सदस्य श्री शिवचरण जी ने हमारे समक्ष प्रस्तुत किया है, उसका मैं स्वागत करता हूं और समर्थन करता हूं।

सबसे पहले, माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं उदयपुर डिविजन के अनुसूचित जाति और जनजाति क्षेत्र के बारे में निवेदन करना चाहता हूं । अध्यक्ष महोदय, सन 1977 के पहले हमारे यहां कांग्रेस सरकार थी इस सरकार द्वारा अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए एक ट्राइबल सब प्लान बनाया गया था । इस योजना से हम लोगों को फायदा मिलता । परन्तु जनता सरकार के आने के बाद ट्राइबल एरिया का पैसा इस सरकार ने कहां खर्च किया, अध्यक्ष महोदय, मैं यह बताना चाहता हूं । जो लोग इनके हिमायती थे, जिन लोगों ने जनता सरकार का साथ दिया था, जिन लोगों ने गरीबों का शोषण किया था, उन गांवों में ट्राइबल सब प्लान का पैसा लगाया गया । आदिवासियों और हरिजनों को इस सरकार ने जितना पिछड़ापन दिया वह तीस साल के कांग्रेस सरकार के शासन में हम को कभी देखने को नहीं मिला । हम लोग चाहते हैं कि सब प्लान योजना के अन्तर्गत सराड़ा तहसील खैरवाड़ा तहसील, सलूम्बर तहसील, धरियावद तहसील कोटड़ा और फलासिया तहसील का विकास हो । यह ऐसे एरिया हैं जिनमें हम कुओं द्वारा सिंचाई कर सकते हैं, छोटे तालाब बना सकते हैं । इस आशा के साथ हम चलते थे परन्तु जनता सरकार ने वह पैसा वहां पर नहीं लगाया । जनता सरकार ने ट्राइबल सब प्लान के पैसों से जो बड़े कस्बे थे और जिनमें गरीबों का शोषण करने वाले व्यापारी थे, वहां पर बड़े बड़े स्कूल बना दिये, अच्छे भवन बना दिये और इसका फायदा उन्होंने उठाया ।

यह भी मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि हमारी प्रधान मंत्री जी ने सन् 1977 के पहले जो आदिवासियों को लूटने वाले लोग थे उनके लिए नियम बनाया था कि पुराने कर्जे की वसूली नहीं होगी, वह माफ कर दिया था । आदिवासियों की जो जमीन इनके पास दबी हुई थी उसको छुड़वा दिया था । परन्तु जनता शासन में क्या हुआ, अध्यक्ष महोदय वह निवेदन करना चाहता हूं । आदिवासियों से उनकी जमीनें हड़प लीं और व्यापारियों ने उनकी गायें बेच दीं । यही नहीं जो उनके मुर्गे, बकरी थी उनको बिकवा कर कर्जों की वसूली कर ली । जनता पार्टी के शासन में यह आदिवासियों के साथ हुआ । अकाल के टाइम पर व्यापारियों को लाइसेन्स दिए गए । ये लाइसेन्स उन लोगों को दिए गए । जो जनता पार्टी के एजेन्ट थे जो गरीबों का शोषण करने वाले लोग थे उनको उन्होंने प्रोत्साहन दिया । आज वे कहते हैं कि हम आदिवासियों की सेवा करते हैं, यह कहते हैं कि हम हरिजनों की सेवा

(श्री देवेन्द्र कुमार मीणा)

करते हैं। अध्यक्ष महोदय, नियोजन में भी कभी आदिवासियों को, हरिजनों को उनको ऊपर नहीं लाया गया। जनसंघ के लोग, जनसंघ पार्टी के लोग, जनसंघ के अफसर ने अपने कार्यकर्ताओं को लेकर हमारे स्थान का जो 42 प्रतिशत कोटा था उसे पूरा नहीं किया।

इसके साथ ही यह निवेदन करना चाहता हूं, अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां बड़गांव पंचायत है वहां के सरपंच जो हैं, 4 दिन पहले की बात है, वह सरपंच साहब उनके यहां पर जो गरीब तबके के लोग जाते थे, हरिजन तबके के लोग जाते थे उनसे काम लिया करते थे। काम लेने के बाद शंकर नाम का एक बोई है उसको 4 दिन पहले पीटा। वह उदयपुर हास्पिटल में भर्ती है। उसको बहुत पीटा, उसका कारण था। उन्होंने घोटाले किये जनता पार्टी के राज में, उस वक्त में अनाज के घोटाले किये, इधर उधर वह अनाज दिया करता था, बेचा करता था। उसने उससे कहा कि किसी को कहना मत। तो उसने कहा कि मैं मेरे पैसे तो लूंगा। तो उसको बुरी तरह से 10 आदमियों ने पीटा मारा। उस गरीब को इस तरह से मारा है कि वह उदयपुर हास्पिटल में भर्ती है। पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करायी गयी है परन्तु अभी तक उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुयी है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह आदिवासियों के साथ अत्याचार किया गया है। मैं चाहता हूं, मैं यह निवेदन करता हूं कि हमारे साथ न्याय किया जाय। हमने सबसे पहले जो काम किया है वह यह कि राजस्थान में एक पिछड़ी हुई जाति के व्यक्ति को चीफ मिनिस्टर बनाया। यह सबसे बड़ी बात है। मैं कहना चाहता हूं कि जनता पार्टी सरकार ने हमारी जाति के श्री नन्दलाल मीणा जी, प्रतापगढ़ के थे, को लिया। और भी लेने की बात थी लेकिन आश्वासन ही दिया। लेकिन हिम्मत के साथ भारत की प्रधान मंत्री ने आज हमारे गरीब तबके के आदमी को चीफ मिनिस्टर बनाया है इसके लिये मैं आपसे कहना चाहूंगा कि यह हमारे लिये गौरव की बात है।

अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे उदयपुर क्षेत्र में दो तीन चार ऐसे क्षेत्र है, ऐसे एरिया हैं जिनमें अधिकतर आदिवासी, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति के लोग रहते है। हमारी स्थिति ऐसी हो गयी है पिछले साल बरसात नहीं होने से, बरसात नहीं होने के कारण हम लोगों को अकाल का सामना करना पड़ रहा है। आज ही मैंने निवेदन किया था अकाल मंत्री जी से कि अभी जब तक इस ऐरिया में नया अनाज नहीं आवे तब तक अकाल के काम चालू रखे जावें। इसके अलावा गरीबों को भुखमरी से बचाने के लिये और भी काम खोले जायें। अभी उन लोगों को मदद के लिये काम की संख्या कम है। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं, अध्यक्ष महोदय, हमारे

(श्री देवन्द्र कुमार मीणा)

मुख्य मंत्री महोदय को कि इस तरह के वहां लोग हैं, वहां पर काम की कमी है इसलिए लोग बेकार चल रहे हैं। भौराई में 200 मजदूर, घोड़ासर 400 मजदूर, सवकड़ी 700 मजदूर, वसुग्रां 500 मजदूर, ईटाली 1000 मजदूर, रठौ़ा 850 मजदूर, ढनकावाडा में 1000 मजदूर, निमोदा में 800 मजदूर, खरबर में 700 मजदूर, भीमपुर में 300 मजदूर, लिम्बडी में 300 मजदूर, श्यामपुरा (सेमलिया) में 400 मजदूर, खजुरीया में 250 मजदूर, गतोड़ा में 250 मजदूर, पाडला में 500 मजदूर, देवपुरा में 500 मजदूर, जावद में 400 मजदूर, अदवास में 400 मजदूर, दमाल में 400 मजदूर, सेपुरपाल में 500 मजदूर, जम्बूडाघाट में 500 मजदूर, टोकर मे 1000 मजदूर बेकार हैं। इस तरह हमारे क्षेत्र में मजदूर बेकार चल रहे हैं। उनको मजदूरी देना जरूरी है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा माननीय मुख्य मंत्री से निवेदन करना चाहता हूं कि अकाल के टाइम में हमारे यहां जो काम चल रहे हैं उनमें तरमीम कीजिये और तरमीम करके फिर इसके बारे में विचार कीजिये। मैं चाहता हूं कि इस टाइम में हमें गरीबों की ज्यादा से ज्याद मदद करनी चाहिये।

इन्हीं शब्दों के साथ में अपना भाषण समाप्त करता हूं।

श्री अध्यक्ष : सदन की कार्यवाही कल दिनांक 11 जुलाई, 1980 के प्रात: 11 बजे तक के लिये स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की कार्यवाही सायं 7. 36 बजे शुक्रवार 11 जुलाई, 1980। के म. पू. 11 बजे तक के लिये स्थगित की गयी)

---

(120)



## परिशिष्ट 1

### तारांकित प्रश्न संख्या 32 की सूची

### माधव नगर गृह निर्माण सहकारी समिति के पदाधिकारियों की सूची

| क्र. सं. | नाम | पद |
|---|---|---|
| 1 | श्री पूर्ण चन्द कुमावत | अध्यक्ष |
| 2 | ,, रमेश चन्द्र अग्रवाल | उपाध्यक्ष |
| 3 | ,, द्वारका प्रसाद अग्रवाल | मंत्री |
| 4 | ,, राधेश्याम शर्मा | कोषाध्यक्ष |
| 5 | ,, दामोदर अग्रवाल | सदस्य कार्यकारणी |
| 6 | ,, जसवंतसिंह | ,, |
| 7 | ,, रवीन्द्रसिंह | ,, |
| 8 | ,, नेमसिंह सोलंकी | ,, |

## परिशिष्ट 2

समयाभाव के कारण सदन में नहीं लिये जा सके तारांकित प्रश्न व उनके उत्तर

### डीजल की कमी एवं वितरण अव्यवस्था

33. श्री रामसिंह विश्नोई (लूनी) : श्री माधवसिंह दीवान (सोजत) : क्या खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :--

(1) गत वर्ष से राजस्थान में डीजल की व्यापक कमी के कारण एवं वितरण अव्यवस्था के समाधान हेतु सरकार ने क्या कदम उठाये हैं ?

(2) क्या यह सही है कि कुओं पर अलग-अलग पम्पों के ऊपर काश्तकारों को डीजल देने की व्यवस्था की गई है उसमें डीलर अपनी मनमानी करते हैं तथा अधिकतर वितरण रात को ही करते हैं ? यदि हां, तो इसमें किस प्रकार सुधार करने का विचार है ?

(3) क्या सरकार परमिट होल्डर को सिर्फ एक ही पम्प पर डीजल देने हेतु निर्देश प्रसारित करेगी ताकि काश्तकारों को जगह जगह घूमने की तकलीफ से बचाया जा सके ?

(4) पाली व जोधपुर जिले के विभिन्न पम्पों को पिछले एक वर्ष में प्रति माह कितना कितना डीजल अलॉट हुआ तथा उन्होंने कितना डीजल उठाया ?

(5) क्या पम्प के मालिकों व सरकारी अफसरों की मिली भगत से जो डीजल ब्लैक होता है उसे रोकने के लिए सरकार जन-प्रतिनिधियों (सरपंच वगैरह) की हर पम्प पर जांच व सतर्कता समितियां नियुक्त करने का विचार रखती है ?

(1) राज्य की डीजल की मांग भारत सरकार से 75000 किलो लीटर रही है। भारत सरकार से डीजल का आवन्टन प्रति माह लगभग 45000 कि. लीटर रहा है उचित वितरण व्यवस्था के लिये समस्त डीजल का वितरण परिचय पत्रों के आधार पर करवाया गया है, एवं समय-2 पर जिलाधीशों को आवश्यक निर्देश दिये जाते रहे हैं और समस्त जिलों में रसद विभाग के कर्मचारियों द्वारा चैकिंग एवं रेड की जाती रही है।

(2) काश्तकारों को जिला प्रशासन द्वारा जारी किये गये व परिचय पत्रों के आधार पर डीजल वितरण कराया जाता रहा है। डीजल पम्पों पर डीजल आने पर डीजल का वितरण कृषकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अविलम्ब किया जाता है।

(3) डीजल के परमिट होल्डर को उनकी सुविधानुसार डीजल प्राप्त करने के लिये जिलाधीशों को निर्देश दे रहे हैं कि काश्तकारों को निकटवर्ती डीलर से ही डीजल देने की व्यवस्था की जाये।

(4) सूचना संलग्न है।

(5) डीजल की काला बाजारी रोकने के लिये समय समय पर चैकिंग से रेट करवाई जाती रही है डीजल की वितरण व्यवस्था को सुचारु रूप देने के लिए जिला स्तर पर अकाल सहायता एवं खाद्य आपूर्ति के विषयों पर निर्णय लेने के लिये एक समिति बना दी गई है जिसमें जन प्रतिनिधि भी शामिल हैं। डीजल का दुरुपयोग करने वालों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत राज्य द्वारा बनाये गये राजस्थान मेंपेट्रोलियम प्रोडक्ट्स लाईसेन्सिंग एवं कन्ट्रोल आदेश, 1979 के तहत कार्यवाही की जाती है। इस आदेश के तहत अधिकृत अधिकारी ही प्रयोग, जांच व जब्ती के लिए सक्षम है। चोर बाजार निवारण और आवश्यक वस्तु की पूर्ति अधिनियम 1980 के तहत भी ऐसे असामाजिक तत्वों के विरुद्ध जिलाधीश कार्यवाही करने में सक्षम है।

भाग 4 की सूची:

## जिला पाली

| क्र.स. | स्थान | नाम व्यापारी | कम्पनी | जुलाई 79 | अगस्त 79 | सितम्बर 79 | अक्टूबर 79 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | बाडन | विनाद ओटोमोबाइल्स | भा स. | 74 | 60 | 126 | 151 |
| 2 | जोखा[illegible] | चौधरी ओटोमोबाइल्स | नि. | 60 | 44 | 105 | 103 |
| 3 | पाली | भगवती पेंट्रोल सर्विस | ,, | 75 | 64 | 95 | 99.5 |
| 4 | साडेराव | श्री राजेन्द्र एग्रो सर्विस स्टाल | ,, | 99 | 127.6 | 186 | 177 |
| 5 | सोजत | राम पेंट्रोल सर्विस | ,, | 43.5 | 10 | 962 | 51 |
| 6 | रास[illegible]या | पाली फिलिंग स्टे. | ,, | 71 | 105 | 134 | 124 |
| 7 | सुमेरपुर | हरिशचन्द्र रमेशचन्द्र | ,, | 25.7 | 40.4 | 44 | 73.3 |
| 8 | वायद | रमेश ओटोमोबाईल्स | ,, | 125 | 132 | 188 | 220 |
| 9 | वर | राठौड़ फिलिंग स्टेशन | ,, | 96 | 134 | 130.2 | 153 |
| 10 | पाली | के. गुमानसिंह एण्ड संस | ,, | — | — | — | - |
| 11 | तखतगढ | जे.एम.ब्रदर्स | ,, | 55 | 66 | 113 | 129 |
| 12 | सोजतरोड | जयनारायण मोदी एण्डसं. | ,, | 31 | — | — | — |
| 13 | रानी | मोती लाल [illegible] लाल एण्ड सन्स | ,, | — | — | — | — |
| 14 | रायपुर | रायपुर को.मा सो. रायपुर | ,, | — | — | — | — |
| 15 | फालना | बाबूलाल शांतीलाल | ओपीसी | 32.4 | 41.9 | 54.4 | 30.6 |
| 16 | जेतारण | गणेशमल सोहनलाल | ,, | 49.4 | 77 | 135.4 | 149.4 |
| 17 | पाली | लक्ष्मी पेंट्रोल पम्प | ,, | 41.2 | 51.6 | 92.1 | 97.8 |
| 18 | रानी | गोविन्द राम मूलसिंह | ,, | 10.2 | 30.6 | 40.8 | 20,4 |
| 19 | रोहट | एस. रामरतन एण्ड कं. | ,, | 51 | 71.4 | 139.4 | 112.2 |
| 20 | सुमेरपुर | जमनसिंह पाबूसिंह | ,, | 30.6 | 30 6 | 71.4 | 40.8 |
| 21 | सान्डेराव | निम्बेश्वर ओटोमोबाइल्स | ,, | 42.6 | 40 8 | 122.4 | 91.8 |
| 22 | जैतपुर | चौराई किसान सेन्टर | ,, | 56 | 71 | 194 | 112 |
| 23 | सोजत | गंगा पेंट्रोल सर्विस | एचपीसी | 27 | 35 | 54 | 74 |
| 24 | रानी | सुरेश कुमार घीसूलाल | ,, | 43 | 32 | 76 | 86 |
| 25 | लादड़ी | सुरेशकुमार [illegible]लाल | ,, | 31 | 28 | 46 | 58 |
| 26 | सुमेरपुर | भजनराम गिरधारीलाल | ,, | 39 | 43 | 57 | 30 |
| 27 | रोहट | पूनम पेंट्रोल सर्विस | एचपीसी | 22 | 71 4 | 64 | 60 |
| 28 | पाली | सरोज ओटोमोबाइल्स | एम (यू) | 33 | 44 | 100 | 100.5 |
| 29 | सोजत | प्रकाश पेंट्रोल सर्विस | ,, | 11 | 21 | 42.5 | 42.5 |
| 30 | सुमेरपुर | शंकरलाल अग्रवाल एण्डकं. | ,, | 7 | 24.5 | 63 | 42 |
| 31 | फालना | श्रीप्रताप ओटोमोबाईल्स | ,, | 11 | 38.5 | 56 8 | 60.5 |
| | | | योग: | 1291.9, | 1535.3. | 2592,4 | 2469.3 |

## जिला पाली

| सं. | स्थान | नाम व्यापारी | कम्पनी | नवम्बर | दिसम्बर | जनवरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | जाडन | विनोद ओटोमोबाइल्स | आई. | 154 | 140 | 114 |
| 2 | जाखोड़ा | चौधरी ओटोमोबाइल्स | ओ. | 123 | 110 | 84 |
| 3 | पाली | भगवती पेट्रोल सर्विस | सी. | 110 | 104 | 88 |
| 4 | साडेराव | श्री राजेन्द्र एग्रो सर्विस स्टे. | ,, | 128 | 146 | 104 |
| 5 | सोजत | राम पेट्रोल सर्विस | ,, | 48 | 84 | 63 |
| 6 | रामलिया | पाल फिलिंग स्टेशन | ,, | 130 | 98 | 98 |
| 7 | सुमेरपुर | हरिशचन्द्र रमेशचन्द्र | ,, | 55 | 66 | 55 |
| 8 | वायद | रमेश ओटोमोबाइल्स | ,, | 184 | 182.5 | 124 |
| 9 | वर | राठोड़ फिलींग स्टे. | ,, | 137 | 135 | 119 |
| 10 | पाली | के. गुमानसिंह एण्ड सन्स | ,, | — | — | — |
| 11 | तखतगढ़ | जे. एम. ब्रदर्स | ,, | 119 | 127 | 77 |
| 12 | सोजत रोड | जयनारायण मोटी एण्ड सं. | ,, | — | — | — |
| 13 | रानी | मोतीलाल मगनलाल एण्ड सं. | ,, | — | — | |
| 14 | रायपुर | रायपुर को. मा. सो रायपुर | ,, | — | — | — |
| 15 | फालना | बाबूलाल शांतीलाल | जी. | 23.8 | 57.8 | 68 |
| 16 | जैतारण | गणेश मल सोहन लाल | पी. | 149.4 | 89.6 | 82 |
| 17 | पाली | लक्ष्मी पेट्रोल पम्प | सी. | .68 | 77.8 | 64.6 |
| 18. | रानी | गोविन्द राम मूलसिंह | ,, | 20.4 | 20.4 | 30.6 |
| 19 | रोहट | एस. रामरतन एण्ड कम्पनी | ,, | 142.8 | 102 | 91.6 |
| 20 | सुमेरपुर | जमनसिंह पाबूसिंह | ,, | 34 | 54.4 | 57.8 |
| 21 | साडेराव | निम्बेश्वर ओटोमोबाइल्स | ,, | 61.2 | 91.8 | 71.4 |
| 22 | जैतपुर | चौराई किसान सेंटर | ,, | 102 | 112.2 | 102 |
| 23 | सोजत | गंगा पेट्रोल सर्विस | एच. | 54 | 84 2 | 61.2 |
| 24 | रानी | सुरेश कुमार घीसूलाल | पी. | 50 | 53 | 42 |
| 25 | सादड़ी | सुरेश कुमार घीसूलाल | सी. | 45.5 | 54 | 32 |
| 26 | सुमेरपुर | भजनराम गीरधारीलाल | ,, | 34 | 37.5 | 40 |
| 27 | रोहट | पूनम पेट्रोल सर्विस | एच. | 43 | 53.5 | 59.5 |
| 28 | पाली | सरोज ओटोमोबाइल्स | पी. | 75 | 74 | 73 |
| 29 | सोजत | प्रकाश पेट्रोल सर्विस | (बी. | 43 | 28 5 | 31.2 |
| 30 | सुमेरपुर | शंकरलाल अग्रवाल एंड क. | एम. | 52.5 | 50.5 | 35 |
| 31 | फालाना | श्री प्रताप ओटोमोबाइल्स | यू.) | 46.8 | 55 | 60.5 |
| | | | योग | 2234.4 | 2290 | 1926.4 |

## जिला पाली

| क्र.सं. | स्थान | नाम व्यापारी | कम्पनी | फरवरी 80 आंव | फरवरी 80 आफटेक | मार्च 80 आंव | मार्च 80 आफटेक | अप्रेल 80 आंव | अप्रेल 80 आफटेक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | जाडन | विनोद आटोमोबाइल्स | आ0 ई.सी. | 154 | 137 | 102 | 105 | 83 | 90 |
| 2 | जाखोडा | चौधरी आ. मो. | ,, | 77 | 83 | 101 | 98 | 64 | 70 |
| 3 | पाली | भगवती पेट्रोल स. | ,, | 60 | 62 | 110 | 113 | 86 | 88 |
| 4 | साडेराव | श्री राजेन्द्र एग्रो स्टे. | ,, | 113 | 118 | 147 | 145 | 97 | 104 |
| 5 | सोजत | राम पेट्रोल सर्विस | ,, | 68 | 70 | 73 | 80 | 51 | 58 |
| 6 | रामासिया | पाली फिलिंग स्टेशन | ,, | 62 | 65 | 114 | 117 | 96 | 110 |
| 7 | सुमेरपुर | हरिश्चन्द्र रमेश चन्द्र | ,, | 32 | 33 | 50 | 55 | 39 | 44 |
| 8 | बायद | रमेश आटोमोबाइल्स | ,, | 90 | 91 | 77 | 83 | 121 | 127 |
| 9 | वर | राठौड़ फिलिंग स्टेशन | ,, | 99 | 115 | 132 | 119 | 104 | 101 |
| 10 | पाली | के. गुमानसिंह एण्ड सन्स | ,, | – | – | – | – | – | – |
| 11 | तखतगढ़ | जे. एन. ब्रदर्स | ,, | 70 | 82 | 81 | 85 | 82 | 83 |
| 12 | सोजतरोड | जय नारायण मोदी एण्ड सं. | ,, | – | – | – | – | – | – |
| 13 | रानी | मोतीलाल मगनलालएण्ड सं. | ,, | – | – | – | – | – | – |
| 14 | रायपुर | रायपुर को.मा.सा. रायपुर | ,, | – | – | – | – | – | – |
| 15 | फालना | बाबूलाल शांतिलाल | बी.पी. सी | 54 | 10.2 | 25 | 30.6 | 71 | 56 |
| 16 | जैतारण | गणेशमल मोहनलाल | ,, | 78.2 | 78.6 | 109 | 106.2 | 53 | 62 |
| 17 | पाली | लक्ष्मी पेट्रोल पम्प | ,, | 40.8 | 40.8 | 51 | 50.8 | 34 | 43 |
| 18 | रानी | गोविन्द राम मूलसिंह | ,, | 31.4 | 30.6 | 10 | 10.2 | 10 | 10.2 |
| 19 | रोहट | एस0 रामरतन एण्ड कं. | ,, | 40.8 | 62.8 | 41 | 40.8 | 51 | 61 |
| 20 | सुमेरपुर | चमनसिंह पाबूसिंह | ,, | 47.4 | 51 | 68 | 68 | 29 | 39.2 |
| 21 | सान्डेराव | निम्बेश्वर आटो मो. | ,, | 71.4 | 102 | 61 | 61 | 36 | 41 |
| 22 | जैतपुर | चौराई किसान सैन्टर | ,, | 51 | 61.2 | 20 | 20.4 | 46 | 51 |
| 23 | सोजत | गंगा पेट्रोल सर्विस | एच.पी. सी. | 59 | 61 | 76 | 77 | 52 | 51 |
| 24 | रानी | सुरेशकुमार घासूलाल | ,, | 51 | 61 | 50 | 51 | 62 | 68 |
| 25 | सादडी | सुरेशकुमार घासूलाल | ,, | 58 | 54 | 46 | 46 | 42 | 43 |
| 26 | सुमेरपुर | भजनराम गिरधारीलाल | ,, | 39 | 44.2 | 46 | 41 | 39 | 67.2 |
| 27 | रोहट | पूनम पेट्रोल सर्विस | एच. | 30 | 30 | 11 | 18 | 36 | 38.6 |
| 28 | पाली | सरोज आटो मो. | पी | 66 | 71.5 | 48 | 54.5 | 73 | 90 |
| 29 | सोजत | प्रकाश पेट्रोल | बी. | 22 | 28 | 8 | 21.5 | 57 | 52 |
| 30 | सुमेरपुर | शंकरलाल अग्रवाल एण्ड कं. | एम | 32 | 42 | 25 | 31.5 | 33 | 35 |
| 31 | फालना | श्रीप्रताप आ. मो. | यू | 64 | 44 | 27 | – | – | – |
| | | | योग:- | 1641 | 1739 | 1709 | 1728.5, | | 1552 |

## जिला पाली

| क्र. सं. | स्थान | नाम व्यापारी | कम्पनी | मई 80 आवंटन | मई 80 आफटेक | जून 80 आवंटन | जून 80 आफटेक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | जाडन | विनोद ओटो मो. | आई | 153 | 149 | 170 | 114 |
| 2 | खारेडा | चौधरी ओ. मो. | ओ | 85 | 88 | 135 | 106 |
| 3 | पाली | भगवती पैट्रोल्स स. | सी | 131 | 129 | 142 | 112 |
| 4 | सांडेराव | श्री राजेन्द्र एग्रो स. | ,, | 146 | 159 | 187 | 160 |
| 5 | सोजत | राम पैट्रोल सर्विस | ,, | 119 | 78 | 93 | 84 |
| 6 | रामासिया | पाली फिलिंग स्टे. | ,, | 119 | 124 | 163 | 172 |
| 7 | सुमेरपुर | हरिश चन्द्र रमेशचन्द्र | ,, | 56 | 51.3 | 74 | 62 |
| 8 | वायद | रमेश ओ मो. | ,, | 183 | 187 | 244 | 219 |
| 9 | वर | राठौड़ फिलिंग स्टे. | ,, | 147 | 141 | 153 | 139 |
| 10 | पाली | के. गुमानसिंह एण्ड सं. | ,, | — | — | — | — |
| 11 | तखतगढ़ | जी. एम. ब्रदर्स | ,, | 90 | 112 | 132 | 127 |
| 12 | सोजतरोड | जयनारायण मोदी एण्ड सं. | ,, | — | — | — | — |
| 13 | रानी | मोतीलाल भगवानमल एण्ड सन्स | ,, | — | — | — | — |
| 14 | रायपुर | रायपुर को. मा. सो. रायपुर | ,, | — | — | — | — |
| 15 | फालना | बाबूलाल शांतिलाल | ,, | 89 | 78.2 | 82 | 68 |
| 16 | जैतारण | गणेशमल सोहनलाल | बी | 131 | 120.4 | 100 | 98.6 |
| 17 | पाली | लक्ष्मी पैट्रोल पम्प | पी | 75 | 73.2 | 70 | 67.2 |
| 18 | रानी | गोविंदराम मूलसिंह | सी | 30 | 20.4 | 20 | 20.4 |
| 19 | रोहट | एस. रामरतन एण्ड कं. | ,, | 82 | 81.6 | 78 | 81.6 |
| 20 | सुमेरपुर | जमनसिंह पाबूसिंह | ,, | 47 | 59.2 | 40 | 52 |
| 21 | सांडेराव | निम्बेश्वर ओ. मो. | ,, | 71 | 83.4 | 71 | 71.4 |
| 22 | जेतपुर | चौराई किस सैन्टर | ,, | 154 | 132.6 | 122 | 112.2 |
| 23 | सोजत | गंगा पैट्रोल सर्विस | एच. | 94 | 81 | 72 | 62 |
| 24 | रानी | सुरेशकुमार घीसूलाल | पी. | 75 | 76 | 68 | 68 |
| 25 | सादड़ी | सुरेशकुमार घीसूलाल | सी. | 54 | 55.2 | 66 | 61 |
| 26 | सुमेरपुर | भजनराम गिरधारीलाल | ,, | 45 | 45 | 43 | 56 |
| 27 | रोहट | पूनम पैट्रोल सर्विस | ,, | 70 | 72 | 44 | 51 |
| 28 | पाली | सरोज ओ मो. | (बी | 152 | 150.4 | 80 | 72 |
| 29 | सोजत | प्रकाश पैट्रोल स. | एम | 73 | 70 | 30 | 30 |
| 30 | सुमेरपुर | शंकरलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी | यू) | 50 | 52.5 | 51 | 56 |
| 31 | फालना | श्री प्रताप ओ. मो. | ,, | — | — | — | — |
| | | | योग : | 2522 | 2469 | 2930 | 2324.4 |

नोट:- जुलाई 79 से जनवरी 80 तक केवल प्राप्ति की सूचना ही है।

विधान सभा प्रश्न संख्या 57/सा० मं०/द्वारा श्री रामसिंह विश्नोई, विधान सभा सदस्य के भाग 4 की सूची जिला जोधपुर

| क्रम सं० | नाम व्यापारी | जुलाई 79 | अगस्त 79 | सितम्बर 79 | अक्टूबर 79 | नवम्बर 79 | दिसम्बर 79 | जनवरी 80 | फर० 80 आवंटन | प्राप्ति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| | भारतीय तेल निगम | | | | | | | | | |
| 1 | पार्ट ओटोमोबाईल पावटा, जोधपुर | 112 | 191 | 76 | 204 | 251 | 124 | 95 | 53 | 60 |
| 2 | हाजी उमरावखान एण्ड संस जोधपुर | 51 | 51 | 61 | 83 | 77 | 77 | 70 | 68 | 72 |
| 3 | दलेहखान एण्ड संस जोधपुर | 155 | 143 | 145 | 129 | 110 | 121 | 148 | 101 | 107 |
| 4 | बाबा रामदेव सर्विस स्टेशन जोधपुर | 84 | 85 | 76 | 75 | 86 | 87 | 115 | 78 | 103 |
| 5 | जयनारायण मोदी एण्ड संस कुरी | 110 | 99 | 110 | 99 | 88 | 88 | 55 | 53 | 53 |
| 6 | सुपरीम मोटर मोगरा | 71 | 58 | 105 | 63 | 90 | 65 | 72 | 55 | 54 |
| 7 | श्रीराम फीलिंग स्टेशन भावी | 31 | 65 | 77 | 73 | 91 | 69 | 52 | 47 | 49 |
| 8 | जगदम्बा पैट्रोल सर्विस ओसीन | 126 | 109 | 113 | 63 | 77 | 51 | 53 | 49 | 53 |
| 9 | फलोदी ओटोमोबाईल फलोदी | 95 | 72 | 49 | 58 | 59 | 53 | 47 | 45 | 45 |
| 10 | पारीक ओटोमोबाईल डागीयावास | 188 | 151 | 213 | 89 | 100 | 108 | 87 | 32 | 38 |
| 11 | लक्ष्मीचन्द राधेश्याम, बाप | 137 | 70 | 95 | 48 | 65 | 53 | 51 | 37 | 42 |
| 12 | ज्योति ट्रेडर्स मथानिया | 118 | 129 | 117 | 139 | 151 | 149 | 99 | 66 | 74 |
| 13 | शेवाराम हरीराम तिवारी | 157 | 148 | 136 | 117 | 137 | 115 | 89 | 52 | 82 |
| 14 | तापरिया ओटोमोबाईल्स रतनाडा | 133 | 106 | 79 | 74 | 89 | 88 | 92 | 42 | 39 |
| 15 | संजय फीलिंग स्टेशन भोपालगढ़ | 122 | 172 | 105 | 99 | 107 | 126 | 108 | 69 | 72 |
| 16 | रामजीवन एण्ड संस अगोप | 43 | 51 | 50 | 52 | 56 | 57 | 37 | 49 | 49 |
| 17 | गुलाबदास जगन्नाथ बोरुडा | 31 | -- | 30 | 53 | 44 | 53 | 51 | 24 | 17 |
| 18 | बलवन्त फीलिंग स्टेशन खारेमिथापुर | 54 | 81 | 102 | 139 | 125 | 139 | 89 | 60 | 64 |
| | भारत पेट्रोलियम कम्पनी | | | | | | | | | |
| 1 | सैनिक फीलिंग स्टेशन देवरिया | 80 | 92 | 82 | 69 | 62 | 80 | 69 | 112 | 90 |
| 2 | नगर फीलिंग स्टेशन बावरी | 82 | 71 | 82 | 61 | 51 | 62 | 71 | 61 | 71 |
| 3 | मेहताब ब्रादर्स भवन | 102 | 61 | 102 | 61 | 71 | 73 | 83 | 92 | 102 |

विधान सभा प्रश्न संख्या 57/साम./द्वारा श्री रामसिंह विश्नोई, विधान सभा सदस्य के भाग 4 की सूची, जिला जोधपुर

| क. स. | नाम व्यापारी | मार्च 80 | | अप्रेल 80 | | मई 80 | | जून 80 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | आवंटन | प्राप्ति | आवंटन | प्राप्ति | आवंटन | प्राप्ति | आवंटन | प्राप्ति |
| 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |
| | **भारतीय तेल निगम** | | | | | | | | |
| 1 | पाक ऑटोमोबाइल्स पावटा, जोधपुर | 61 | 83 | 102 | 102 | 120 | 142 | 152 | 143 |
| 2 | हाजी उमरावखान एण्ड सन्स, जोधपुर | 69 | 75 | 65 | 65 | 99 | 110 | 147 | 110 |
| 3 | दलेहखान एण्ड सन्स, जोधपुर | 153 | 173 | 144 | 144 | 143 | 165 | 227 | 220 |
| 4 | बाबा रामदेव सर्विस स्टेशन, जोधपुर | 116 | 116 | 96 | 96 | 101 | 127 | 151 | 134 |
| 5 | जयनारायण मोदी एण्ड सन्स कूरी | 51 | 66 | 78 | 78 | 65 | 77 | 128 | 128 |
| 6 | सुपरीम मोटर, मोगरा | 74 | 81 | 57 | 57 | 81 | 81 | 134 | 117 |
| 7 | श्रीराम फीलिंग स्टेशन, भावी | 53 | 53 | 60 | 60 | 73 | 75 | 98 | 83 |
| 8 | जगदम्बा पैट्रोल सर्विस ओसीन | 64 | 74 | 55 | 55 | 69 | 85 | 121 | 186 |
| 9 | फलौदी ऑटोमोबाइलस, फलौदी | 52 | 59 | 67 | 67 | 70 | 75 | 93 | 73 |
| 10 | पारीक ऑटोमोबाइल, डागीयावास | 54 | 61 | 73 | 73 | 87 | 84 | 156 | 141 |
| 11 | लक्ष्मीचन्द्र राधेश्याम, बाप | 62 | 67 | 72 | 72 | 77 | 74 | 86 | 63 |
| 12 | ज्योति ट्रेडर्स, मथानिया | 58 | 72 | 58 | 58 | 127 | 128 | 246 | 172 |
| 13 | मेवाराम हरीराम, तिवाड़ी | 75 | 98 | 117 | 117 | 106 | 116 | 176 | 153 |
| 14 | तापड़िया ऑटोमोबाईल, रतनाड़ी | 67 | 69 | 92 | 92 | 126 | 125 | 166 | 126 |
| 15 | संजय फीलींग स्टेशन, भोपालगढ़ | 101 | 108 | 85 | 85 | 97 | 100 | 151 | 103 |
| 16 | रामजीवन एण्ड सन्स, ग्रशोप | 50 | 56 | 54 | 54 | 70 | 73 | 89 | 70 |
| 17 | गुलाबदास जगन्नाथ, बोरुन्दा | 60 | — | -- | — | 30 | — | 81 | 21 |
| 18 | बलवन्त फीलींग स्टेशन, खारी मियापुर | 87 | 103 | 91 | 91 | 70 | 104 | 123 | 103 |
| | **भारत पैट्रोलियम कम्पनी** | | | | | | | | |
| 1 | सैनिक फीलींग स्टेशन, देवरियां | 103 | 100 | 80 | 80 | 96 | 80 | 112 | 96 |
| 2 | नगर फीलिंग स्टेशन बावरी | 42 | 51 | 61 | 61 | 51 | 51 | 82 | 82 |
| 3 | मेहताब ब्रादर्स, धवन | 52 | 63 | 75 | 75 | 74 | 71 | 102 | 118 |

127

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | हिम्मत पेट्रोल सर्विस स्टेशन सागर | 31 | 31 | 51 | 41 | 34 | 47 | 61 | 41 | 61 |
| 5 | नगर फीलींग स्टेशन जोधपुर | 54 | 75 | 81 | 51 | 44 | 68 | 58 | 54 | 61 |
| 6 | मरपत पेट्रोल सर्विस जोधपुर | 156 | 156 | 153 | 129 | 116 | 154 | 146 | 136 | 161 |
| 7 | नजरानी पेट्रोल पम्प जोधपुर | 92 | 99 | 98 | 71 | 61 | 71 | 85 | 71 | 92 |
| 8 | राम पैट्रोल सर्विस जोधपुर | 86 | 102 | 109 | 82 | 71 | 118 | 105 | 85 | 102 |
| 9 | उमेद ओटोमोबाइल्स जोधपुर | 13 | 17 | 41 | 17 | 20 | 27 | 34 | 20 | 37 |
| 10 | नजरानी पेट्रोल पम्प पाली | 82 | 88 | 102 | 61 | 82 | 83 | 88 | 54 | 78 |
| 11 | रतन फीलींग स्टेशन फलौदी | 58 | 42 | 37 | 41 | 42 | 62 | 71 | 61 | 75 |
| 12 | लीलाराम, रमेशचन्द तिवाड़ी | 71 | 41 | 41 | 51 | 41 | 51 | 71 | 61 | 73 |
| 13 | शक्करलाल, रामरतन, जोधपुर | 139 | 180 | 139 | 112 | 95 | 131 | 166 | 122 | 116 |
| | **हिन्दुस्तान पैट्रोल कम्पनी** | | | | | | | | | |
| 1 | गणेसीलाल एण्ड कम्पनी जोधपुर | 87 | 74 | 114 | 77 | 67 | 107 | 94 | 97 | 117 |
| 2 | मारवाड ओटोमोबाइल्स जोधपुर | 140 | 160 | 170 | 132 | 116 | 180 | 140 | 150 | 140 |
| 3 | मण्डोरा पैट्रोल सर्विस जोधपुर | 97 | 84 | 106 | 97 | 57 | 118 | 107 | 97 | 97 |
| 4 | श्री प्रकाश जैन, पीचीयाक | 44 | 90 | 92 | 60 | 50 | 70 | 60 | 50 | 50 |
| | **विशाखा मार्केटिंग यूनिट (कालटैक्स)** | | | | | | | | | |
| 1 | विष्णु ओटोमोबाइल्स जोधपुर | 62 | 76 | 87 | 93 | 85 | 87 | 110 | 78 | 88 |
| 2 | मारवाड पैट्रोल सर्विस जोधपुर | 23 | 25 | 45 | 50 | 67 | 38 | 41 | 22 | 29 |
| 3 | निर्मल मोटर जोधपुर | 24 | 34 | 81 | 57 | 45 | 48 | 41 | 15 | 29 |
| 4 | पुरुषोत्तमदास, जगदीश कम्पनी जोधपुर | 80 | 79 | 74 | 91 | 101 | 217 | 150 | 80 | 87 |
| 5 | गहलोत सर्विस स्टेशन एस. सागर | 54 | 54 | 64 | 84 | 86 | 76 | 75 | 64 | 75 |
| 6 | अगोलिया फीलींग स्टेशन जगोलाई | 54 | 54 | 54 | 55 | 54 | 33 | 44 | 44 | 55 |
| 7 | पुरुषोत्तमदास, जगदीश कम्पनी बीकालान | 84 | 65 | 59 | 85 | 108 | 142 | 121 | 66 | 76 |
| 8 | गहलोत एग्रो सर्विस सैन्टर बावरी | 95 | 94 | 93 | 84 | 87 | 105 | 116 | 96 | 97 |
| 9 | राजस्थान मोटर फलौदी | 85 | 62 | 43 | 64 | 52 | 52 | 43 | 33 | 32 |
| 10 | ब्रजमोहन, राजेन्द्रप्रसाद, सिटी | 44 | 30 | 74 | 73 | 95 | 63 | 75 | 55 | 54 |

| 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | हिम्मत पैट्रोल सर्विस स्टेशन सागर | 42 | 54 | 51 | 51 | 52 | 41 | 51 | 30 |
| 5 | नगर फीलिंग स्टेशन जोधपुर | 66 | 61 | 53 | 53 | 50 | 43 | 73 | 67 |
| 6 | नूपत पैट्रोल सर्विस जोधपुर | 170 | 181 | 142 | 142 | 160 | 172 | 190 | 220 |
| 7 | नजरानी पैट्रोल पम्प जोधपुर | 76 | 88 | 84 | 84 | 92 | 101 | 105 | 119 |
| 8 | राम पैट्रोल सर्विस जोधपुर | 93 | 101 | 89 | 89 | 92 | 103 | 125 | 121 |
| 9 | उम्मेद आटोमोबाईल्स जोधपुर | 21 | 33 | 45 | 45 | 36 | 33 | 44 | 38 |
| 10 | नजरानी पैट्रोल पम्प पाल | 89 | 92 | 84 | 84 | 91 | 92 | 122 | 143 |
| 11 | रतन फीलिंग स्टेशन फलोदी | 61 | 65 | 65 | 65 | 64 | 68 | 64 | 54 |
| 12 | सीताराम रमेशचन्द तिवाड़ी | 34 | 61 | 61 | 61 | 71 | 71 | 87 | 71 |
| 13 | शंकरलाल रामरतन जोधपुर | 146 | 146 | 148 | 148 | 132 | 126 | 156 | 153 |
| | **हिन्दुस्तान पैट्रोल कम्पनी** | | | | | | | | |
| 1 | गणेशीलाल एण्ड कम्पनी जोधपुर | 72 | 80 | 87 | 87 | 101 | 92 | 141 | 100 |
| 2 | मारवाड़ आटोमोबाईल्स जोधपुर | 162 | 167 | 150 | 150 | 147 | 147 | 145 | 189 |
| 3 | मण्डोरा पैट्रोल सर्विस जोधपुर | 112 | 117 | 90 | 90 | 96 | 88 | 183 | 120 |
| 4 | श्रीप्रकाश जैन पीपीयाक | 54 | 50 | 40 | 40 | 54 | 40 | 88 | 70 |
| | **विशाखा मार्केटिंग यूनिट (कालटेक्स)** | | | | | | | | |
| 1 | विष्णु आटोमोबाईल्स जोधपुर | 78 | 96 | 83 | 88 | 86 | 99 | 89 | 91 |
| 2 | मारवाड़ पैट्रोल सर्विस जोधपुर | 22 | 34 | 42 | 42 | 47 | 42 | 40 | 25 |
| 3 | निर्मल मोटर जोधपुर | 21 | 35 | 32 | 32 | 43 | 46 | 33 | 39 |
| 4 | पुरुषोत्तमदास जगदीश कम्पनी जोधपुर | 55 | 76 | 55 | 76 | 89 | 82 | 95 | 97 |
| 5 | गहलोत सर्विस स्टेशन एस सागर | 66 | 74 | 64 | 64 | 64 | 74 | 76 | 85 |
| 6 | अगोरिया फीलिंग स्टेशन अगोलाई | 44 | 65 | 44 | 44 | 41 | 43 | 42 | 43 |
| 7 | पुरुषोत्तमदास जगदीश कं. बीकालान | 33 | 55 | 66 | 66 | 88 | 97 | 66 | 99 |
| 8 | गहलोत एग्रो सर्विस सेन्टर बावरी | 86 | 95 | 105 | 105 | 89 | 96 | 94 | 129 |
| 9 | राजस्थान मोटर फलौदी | 54 | 55 | 54 | 54 | 49 | 54 | 54 | 64 |
| 10 | बजमोहन राजेन्द्र प्रसाद सीटी | 54 | 64 | 54 | 54 | 40 | 43 | 43 | 44 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 11 | जैन ग्रोटोमोबाइल्स विजाडा | 100 | 175 | 93 | 39 | 77 | 43 | 42 | 44 | 43 |
| 12 | अब सर्विस स्टेशन इकमी | 63 | 87 | 86 | 105 | 108 | 118 | 128 | 87 | 86 |
| | इण्डो वर्मा पेंट्रोल | | | | | | | | | |
| 1. | मोहम्मद शफी एण्ड सन्स जोधपुर | 93 | 94 | 89 | 64 | 62 | 75 | 85 | 66 | 53 |
| 2 | ग्राटो सर्विस बनाड़ | 81 | 96 | 92 | 69 | 62 | 80 | 71 | 73 | 91 |
| 3 | कोग्रापरेटिव मार्केटिंग बीपाड़ सिटी | 44 | 47 | 65 | 47 | 84 | 64 | 60 | 75 | 81 |
| 4 | ,, ,, सोसायटी बीलाका | 18 | 29 | 46 | 40 | 44 | 52 | 44 | 30 | 32 |

नोट :— जुलाई 79 से जनवरी 1980 तक पम्पों को डीजल के ग्रावंटन की सूचना ही ग्रंकित की गई है । क्योंकि उक्त अवधि में डीजल की उपलब्धि भारतीय तेल निगम द्वारा सीधे ही कराई जाती रही है । माह फरवरी 1980 से विभाग द्वारा डीजल का ग्रावंटन किया जाता है, उक्त ग्रवधि से ग्रावंटन एवं प्राप्ति की सूचना दर्ज कराई गई है ।

131

| 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 11 | —जैन ग्रोटोमोबाईल्स बिलाड़ा | 40 | 33 | 32 | 32 | 51 | 46 | 40 | 39 |
| 12 | —जय सर्विस स्टेशन बेकनी | 23 | 65 | 65 | 65 | 76 | 87 | 65 | 77 |
| | इण्डो बर्मा पेट्रोल | | | | | | | | |
| 1 | —मोहम्मद शफी एण्ड संस जोधपुर | 62 | 71 | 75 | 75 | 69 | 73 | 106 | 88 |
| 2 | —आटो सर्विस बनाड | 73 | 104 | 80 | 80 | 75 | 82 | 112 | 100 |
| 3 | —कोआपरेटिव मार्केटिंग पीपाड़ सिटी | 62 | 54 | 44 | 44 | 44 | 41 | 87 | 49 |
| 4 | —कोआपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी बिलाड़ा | 10 | 48 | 38 | 38 | 30 | 36 | 57 | 31 |

नोट:—जुलाई 79 से जनवरी 1980 तक पम्पों के डीजल के आवंटन सूचना को अंकित की गई है। क्योंकि उक्त अवधि में डीजल की उपलब्धि भारतीय तेल निगम द्वारा सीधे ही कराई जाती रही है। माह फरवरी 1980 से विभाग द्वारा डीजल का आवंटन किया जाता है, उक्त अवधि से आवंटन एवं प्राप्ति की सूचना दर्शाई गई है।

## जयपुर जिले में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति

34. श्री भंवरलाल शर्मा (हवामहल) : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :—

(1) क्या वर्तमान सरकार के गठन के पश्चात् जयपुर जिले में हत्याओं, राहजनी, चोरी, डकैती, छुरेबाजी की घटनाओं में अचानक वृद्धि हुई है ? यदि हां, तो इस अचानक कानून व व्यवस्था की स्थिति में गिरावट का क्या कारण है ?

(2) वर्तमान सरकार के गठन के पश्चात् जयपुर जिले में कितनी हत्यायें, डकैतियां, राहजनी व झगड़े हुए ? कृपया अलग अलग ब्यौरा सदन को दें व बतायें इन पर क्या क्या कार्यवाही हुई हैं ?

उत्तर

(1) जी नहीं। माह जून में जयपुर जिले में केवल हत्या, डकैती के अपराधों में साधारण सी वृद्धि हुई है। शेष अपराध जैसे राहजनी, चोरी एवं छुरेबाजी की घटनाओं में कमी आई है। कानून व्यवस्था पूर्ण नियन्त्रण में है।

(2) सूचना सदन की मेज पर रख दी गई है।

जयपुर जिले में दिनांक 6 जून, 80 से 30 जून, 80 तक दर्ज अपराधों के आंकड़े।

| अभियोग | संख्या | एफ. आर. अदम पता | एफ. आर. अदमवूजाक | चालान | जेर तफतीश | जेर तफतीश अभियोग में गिरफ्तारी की गई |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| डकैती | 2 | – | – | – | 2 | – |
| हत्या | 7 | – | – | – | 7 | 4 |
| लूट | 10 | – | – | – | 10 | 3 |
| झगड़े | 95 | 7 | 7 | 10 | 78 | 10 |
| टोटल | 114 | – | 7 | 10 | 97 | 17 मुकदमे |

**पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव**

35. श्री खेतसिंह राठौड़ (शेरगढ़) : क्या पंचायत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :—

(1) क्या पंचायतों के चुनाव वापस कराये जायेंगे ? यदि नहीं, तो क्यों ?

(2) क्या पंचायत समितियों तथा जिला परिषदों के चुनाव मोजूदा कानून के अनुसार ही कराये जावेगें अथवा इस कानून में संशोधन लाया जावेगा ?

(3) शेष पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव कब तक करा दिये जावेंगे ?

उत्तर

(1) जी नहीं, पंचायतों के चुनाव वापिस कराये जाने का प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता है क्योंकि पंचायतों की कालावधि नियमों के अन्तर्गत पांच वर्ष है।

(2) संशोधन लाया जाना संभव है।

(3) राजस्थान पंचायत अधिनियम, 1953, राजस्थान पंचायत समिति एवं जिला परिषद् अधिनियम, 1959 तथा उनके अन्तर्गत बने नियमों में संशोधन की संभावनाओं को अन्तिम रूप देने के बाद ही चुनाव सम्भव होंगे।

**अवधि पार सहकारी ऋण की वसूली**

36 श्री हरीसिंह (कुम्हेर) : क्या सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :—

(1) राजस्थान में कुल कितना सहकारी ऋण अवधि पार हो चुका है ? भरतपुर जिले में ऐसी अवधि पार ऋण की राशि क्या है ?

(2) अकाल की स्थिति को देखते हुए सरकार ऐसे ऋण की वसूली के बारे में या वसूली स्थगित करने के बारे में क्या विचार रखती है ?

(1) राजस्थान में 30-6-79 को सहकारी अवधि पार ऋण रु. 50-05 करोड़ था जिसमें रु.7-61 करोड़ भरतपुर जिले का शामिल है।

(2) राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अकाल प्रभावित क्षेत्रों में सहकारी ऋणों की वसूली स्थगित कर मध्यकालीन ऋण परिवर्तित करने के आदेश दिए गये हैं।

**जालौर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर नियुक्ति**

37 श्री सूरजपाल सिंह (भीनमाल) : क्या चिकित्सा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि जालोर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी का पद लम्बे समय से रिक्त है जिस पर एक महिला डाक्टर एड-होक रूप से कार्य कर रही है ?

(2) क्या यह भी सही है कि उक्त महिला डाक्टर का व्यवहार मरीजों के साथ संतोषप्रद नहीं है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त महिला डाक्टर की जगह अविलम्ब मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर नियमित पदस्थापन की व्यवस्था करेगी ?

उत्तर

(1) जी हां।

दिसम्बर, 79 से यह पद रिक्त है जिस पर डाक्टर ओमप्यारी शर्मा कनिष्ठ विशेषज्ञ एडहोक रूप से कार्य कर रही है।

(2) जी नहीं। उक्त महिला विशेषज्ञ के विरुद्ध इस पद पर कार्य करते समय व्यवहार सम्बन्धी शिकायतें प्राप्त नहीं हुई है। इस समय वित्त विभाग द्वारा सदर्थ पदोन्नतियों पर रोक है। इस रोक के हटते ही नियमित रूप से नियुक्ति की जा सकेगी।

134



### उदयपुर नगर को जल प्रदाय

39. **श्री गुलाब चन्द कटारिया** (उदयपुर) :—क्या जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

(1) क्या जून 1979 की वर्षा में उदयपुर की झीलें पूरी भर चुकी थीं ? यदि हां, तो कितना घन फुट पानी उनमें था ?

(2) क्या यह भी सच है कि उदयपुर की बढ़ती हुई आबादी के अनुसार पानी की माग की पूर्ति करने में कठिनाई आती है ? यदि हां, तो प्रति वर्ष कितना पानी जलदाय विभाग सिचाई विभाग से लेता है एवं कितना सिंचाई के उपयोग में लेते हैं ?

(3) क्या बढ़ती हुई पीने के पानी की मांग को देखते हुए सिंचाई कम करने का विचार विभाग का है या अन्यत्र से पानी लाकर इस कमी पूर्ति के लिये कोई योजना है ?

उत्तर

(1) जी नहीं। वर्ष 1979 की वर्षा ऋतु में उदयपुर के पिछोला एवं फतहसागर झील में कुल 435 मिलियन क्यूबिक फुट पानी आया था। जबकि भराव पर इनकी पूर्ण उपयोगी क्षमता 611 मिलियन क्यूबिक फुट है।

(2) जी नहीं। जलदाय विभाग सिचाई विभाग से करीब 330 मिलियन क्यूबिक फुट पानी प्रति वर्ष लेता है। तथा करीब 300 मिलियन क्यूबिक फुट पानी सिंचाई के लिए काम में आता है।

(3) भविष्य में देवास योजना के चरणों द्वितीय/तृतीय/चतुर्थ को पूरा करके शहर की बढ़ती हुई आबादी के लिए समुचित मात्रा में पानी देने की योजना राज्य सरकार के विचाराधीन है। इसलिये सिंचाई कम करने का प्रश्न उठ पाना अस्वाभाविक है।

### म्यूजियम रोड़ जयपुर के निवासी का अपहरण

40. **श्री रामकिशोर मीना** (सिकराय):—क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

(1) क्या यह सही है कि म्यूजियम रोड़, जयपुर से श्री गोविन्द शरण पुत्र श्री लक्ष्मण दास खण्डेलवाल का दिनांक 23 अगस्त, 1978 को अपहरण हुआ ? यदि हां, तो इसकी प्रारम्भिक रिपोर्ट थाने में किस दिन दर्ज की गई ?

(2) क्या पुलिस को एक ऐसा पत्र मिला था जो गोविन्द शरण के नाम से लिखा गया था ?

(3) क्या पुलिस को एक फिरोती पत्र बरामद कराया गया है ? यदि हां, तो उसकी लिखावट क्या थी ?

(4) क्या इस अपहरण बाबत पुलिस को यह उम्मीद है कि अपहरणकर्ताओं को पकड़ कर श्री गोविन्द शरण को घर वालों के सुपुर्द कर दिया जायगा ?

उत्तर

(1) जी हां, गुमशुदगी की प्रारम्भिक सूचना दिनांक 24-8-78 को दर्ज हुई थी।

(2) जी हां।

(3) जी हां। इस पत्र में रु. 10,000/- की फिरोती मांगी गई थी।

(4) यद्यपि अभी तक कोई पता नहीं लग सका है, तलाश जारी है।

### ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक पाठशालायें

41. **श्री रामरघुनाथ चौधरी** (डेगाना):—क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :—

(1) जिन गांवों की जनसंख्या तो ज्यादा नहीं है पर आस पास में दो या

(श्री राम रघुनाथ चौधरी)

तीन किलो मीटर तक कोई प्राथमिक पाठशाला नहीं है तथा 5-6 वर्ष का बच्चा इतनी दूर पैदल रोज पढ़ने नहीं जा सकता उन गांवों में प्राथमिक पाठशाला खोलने हेतु सरकार का क्या दृष्टिकोण है ?

(2) क्या ग्रामीण व शहरों के लोगों के साथ भेदभाव न कर सरकार सभी गांवों में प्राथमिक पाठशाला खोलने पर विचार करेगी ?

(3) कई ऐसे गांव जिनकी राजस्व सीमा में गांव जैसी ही उतनी ही आबादी की ढाणियां बस गई हैं और जनसंख्या 200 से अधिक है वहां अलग से प्राथमिक पाठशाला खोलने हेतु सरकार का क्या रवैया है।

(4) क्या सरकार चाहती है कि दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब ग्रामीणों के बच्चों को भी शिक्षा सुविधा उपलब्ध हो ? यदि हां, तो किस तरह ?

उत्तर

(1) राज्य सरकार नई प्राथमिक शाला खोलते समय जनसंख्या के अलावा स्थान विशेष की परिस्थति, पिछड़ापन, दुर्गमता तथा अन्य स्कूलों की दूरी आदि का भी ध्यान रखेगी।

(2) सरकार इस प्रकार का कोई भेद-भाव नहीं रखेगी। किन्तु सभी गांवों में पाठशालायें खोलना संभव नहीं है।

(3) इसका उत्तर बिन्दु एक में दे दिया गया है।

(4) जी हां। राज्य सरकार प्राथमिक शिक्षा को सार्वजनिक बनाने के लिए वचन बद्ध है। और इस शिक्षा में संभव सभी प्रयत्न करेगी।

**ग्रामीण प्राथमिक शालाओं में छात्र-शिक्षकों का अनुपात**

42. **श्री रामरघुनाथ चौधरी** (डेगाना) : क्या पंचायत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

(1) क्या ग्रामीण क्षेत्रों की प्राथमिक पाठशालाओं में पाठशाला में 100 से 145 छात्र होते हुये भी प्रथम व पांचवी कक्षा तक पढ़ाने हेतु एक ही अध्यापक होता है ?

(2) प्रवृत्ति नियमानुसार कितने छात्रों व कितनी कक्षाओं पर कितने अध्यापक होने चाहिए ? क्या इन नियमों की पालना की जाती है ?

(3) अगर नहीं, तो क्या यह ग्रामीण क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार का द्योतक नहीं है कि शहरों में प्राथमिक शालाओं में प्रति कक्षा के हिसाब से कम से कम पांच अध्यापक तो होते हैं जबकि गांवों में अधिकांशतया सिर्फ एक ?

(4) पंचायत समिति डेगाना जिला नागौर की प्राथमिक शालाओं के नाम, छात्राओं की संख्या दर्शाते हुये कृपया बताएं कि वहां वर्ष 1979-80 में कितने अध्यापक लगे हुये थे ?

उत्तर

(1) जी नहीं।

(2) प्रवृत्त नियमानुसार विद्यार्थियों तथा अध्यापकों का निर्धारित अनुपात सामान्यतया निम्न प्रकार है :

| छात्र संख्या | अध्यापक |
|---|---|
| 1 से 49 | 1 |
| 50 से 89 | 2 |
| 90 से 129 | 3 |
| 130 से 169 | 4 |
| 170 से 210 | 5 |

यथा सम्भव नियमों की पालना की जाती है।

(3) जी नहीं।

(4) सूची संलग्न है।

136



कार्यालय पंचायत समिति डेगाना (नागौर)

पंचायत समिति क्षेत्र के विद्यालयों में छात्र संख्या एवं कार्यरत अध्यापक संख्या

(सत्र 1979-80)

| क्र.सं. | | विद्यालय का नाम | छात्र संख्या | | | कार्यरत अध्यापक |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | बालक | बालिका | योग | |
| 1 | | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | प्रा. वि. | गोरेडीकरणा | 142 | 34 | 176 | 4 |
| 2 | ,, | चान्दारुण | 159 | 19 | 178 | 5 |
| 3 | ,, | मीठड़िया | 119 | 11 | 130 | 2 |
| 4 | ,, | रेवत | 52 | 6 | 58 | 1 |
| 5 | ,, | लंगोड़ | 72 | 6 | 78 | 2 |
| 6 | ,, | तामड़ोली | 56 | 4 | 60 | 1 |
| 7 | ,, | हिम्मतनगर | 73 | 12 | 85 | 2 |
| 8 | ,, | जावा | 41 | 3 | 44 | 1 |
| 9 | ,, | गुन्दीसर | 36 | 1 | 37 | 1 |
| 10 | ,, | मगरवास | 36 | [illegible] | 40 | 1 |
| 11 | ,, | रावलियास | 36 | 2 | 38 | 1 |
| 12 | ,, | ईलचर | 40 | 2 | 42 | 1 |
| 13 | ,, | ईड़वा | 194 | 82 | 276 | 5 |
| 14 | ,, | बधरला | 94 | 8 | 102 | 2 |
| 15 | ,, | पालियास | 81 | 7 | 88 | 2 |
| 16 | ,, | तिलानेस | 67 | 5 | 72 | 2 |
| 17 | ,, | सुदरी | 66 | 6 | 72 | 2 |
| 18 | ,, | चम्पाखेड़ी | 60 | 5 | 75 | 2 |
| 19 | ,, | केरिया रावा | 39 | – | 39 | 1 |
| 20 | ,, | उदीयास-रेणास | 24 | 6 | 30 | 1 |
| 21 | ,, | रामसरी | 60 | 5 | 65 | 1 |
| 22 | ,, | जालेड़ा | 152 | 19 | 171 | 4 |
| 23 | ,, | राजापुरा | 46 | 7 | 53 | 1 |
| 24 | ,, | डावोली मीठो | 126 | 3 | 129 | 2 |
| 25 | ,, | सुमा | 69 | 12 | 81 | 1 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 26 | प्रा. वि. | कुतियासनी | | 88 | 13 | 101 | 1 |
| 27 | ,, | माझी | | 100 | 5 | 105 | 2 |
| 28 | ,, | नून | | 38 | 3 | 41 | 1 |
| 29 | ,, | हूरसौर | | 244 | 4 | 248 | 6 |
| 30 | ,, | शाटा | | 79 | 25 | 104 | 2 |
| 31 | ,, | लुणियास | | 43 | 1 | 44 | 1 |
| 32 | ,, | रावलोता | | 93 | 14 | 107 | 2 |
| 33 | ,, | रलियावता | | 29 | 9 | 38 | 1 |
| 34 | ,, | मीम्बड़ो कोठा. | | 68 | 14 | 82 | 2 |
| 35 | ,, | लवादर | | 31 | 1 | 32 | 1 |
| 36 | ,, | माण्डलजोधा | | 82 | 10 | 92 | 2 |
| 37 | ,, | साजू | | 165 | 53 | 218 | 2 |
| 38 | ,, | खंरवा | | 45 | 2 | 47 | 1 |
| 39 | ,, | हिरणी ढाणी | | 67 | 10 | 77 | 1 |
| 40 | , | चरड़ास | | 31 | 3 | 34 | 1 |
| 41 | ,, | सोवा की ढाणी | | 30 | 4 | 34 | 1 |
| 42 | ,, | बरना | | 24 | 5 | 29 | 1 |
| 43 | ,, | भारली | | 34 | 2 | 36 | 1 |
| 44 | ,, | क्षागड़ो | | 71 | 11 | 82 | 1 |
| 45 | ,, | बामणा | | 22 | 5 | 34 | 1 |
| 46 | ,, | चोसलो | | 50 | 3 | 53 | 1 |
| 47 | ,, | खोवताना | | 60 | 1 | 61 | 1 |
| 48 | ,, | बिखरनीया खुर्द | | 24 | 5 | 29 | 1 |
| 49 | ,, | ईटावड़ा | | 60 | 7 | 67 | 1 |
| 50 | ,, | सूरपुरा | | 37 | 14 | 51 | 1 |
| 51 | ,, | गोठड़ा | | 47 | 4 | 51 | 1 |
| 52 | ,, | माण्डला देवा | | 28 | 12 | 40 | 1 |
| 53 | ,, | वेड़ासकला | | 53 | 7 | 60 | 1 |
| 54 | ,, | नयावेड़ा | | 88 | 6 | 94 | 2 |
| 55 | ,, | नयावड़ी | | 32 | 5 | 37 | 1 |
| 56 | ,, | सूरिवास | | 35 | 7 | 42 | 1 |
| 57 | ,, | पचराण्डा | | 14 | – | 14 | – |
| 58 | ,, | पूनास | | 79 | 8 | 87 | 2 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 59 | प्रा. वि. | खियास | | 30 | 7 | 37 | 1 |
| 60. | ,, | दूम्यासनी | | 77 | 12 | 89 | 2 |
| 61. | ,, | राजोद | | 60 | 13 | 73 | 1 |
| 62. | ,, | चर्वलीयास | | 26 | 18 | 44 | 1 |
| 63. | ,, | पोलास | | 49 | 6 | 55 | 1 |
| 64. | ,, | नेणास | | 38 | 4 | 42 | 1 |
| 65. | ,, | खारिया कलां | | 38 | 3 | 41 | 1 |
| 66. | ,, | भादवास | | 37 | 5 | 42 | 1 |
| 67. | ,, | बच्छवारी | | 75 | 8 | 83 | 2 |
| 68. | ,, | भाकेली थी | | 82 | 10 | 92 | 1 |
| 69. | ,, | सिन्धलास | | 46 | 7 | 53 | 1 |
| 70. | ,, | नीम्बडी चान्दावती | | 86 | 12 | 98 | 2 |
| 71. | ,, | ढाढरिया कला | | 75 | 12 | 7 | 2 |
| 72. | ,, | देवला भादा | | 38 | 5 | 43 | 1 |
| 73. | ,, | भान्दरोली कला | | 98 | 8 | 106 | 2 |
| 74. | ,, | जासनू खुर्द | | 64 | 1 | 65 | 1 |
| 75. | ,, | फाण्डवाला | | 49 | 5 | 54 | 1 |
| 76. | ,, | मोगास | | 70 | 7 | 77 | 1 |
| 77. | ,, | चूडीयास | | 77 | 15 | 92 | 1 |
| 78. | ,, | डुंगौर अचला | | 34 | 1 | 35 | 1 |
| 79. | ,, | सारसण्डा | | 72 | 9 | 81 | 1 |
| 80. | ,, | खिन्दास | | 38 | 1 | 39 | 1 |
| 81. | ,, | आन्दरोली खुर्द | | 35 | 9 | 44 | 1 |
| 82. | ,, | सुख बासनी | | 46 | 8 | 54 | 1 |
| 83. | ,, | आकोजाई | | 29 | 2 | 31 | 1 |
| 84. | ,, | खुडी खुर्द | | 23 | 11 | 34 | 1 |
| 85. | ,, | बोफली | | 27 | 9 | 36 | 1 |
| 86. | ,, | चारणावास | | 35 | 20 | 55 | 1 |
| 87. | ,, | गोनरडा | | 33 | 2 | 35 | 1 |
| | | | योग:— | 5282 | 779 | 6061 | 129 |

छात्र/अध्यापक अनुपात 49:1 है।

**ए. एस. आई. कम्पनी, रामगंज मंडी (कोटा)**

43. श्री हरीश कुमार शर्मा (रामगंज मंडी) : क्या खनिज मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या यह सही है कि ए. एस. आई. कम्पनी रामगंज मंडी (कोटा) के विरुद्ध रायल्टी चोरी के केस चल रहे हैं ?

(2) क्या यह भी सही है कि इस कम्पनी द्वारा अच्छे किस्म के पत्थर को निम्न स्तर का बताकर बाहर भेजा जाता है ताकि सरकार के कर की चोरी की जा सके ?

(3) क्या यह भी सही है कि ए. एस. आई. कम्पनी का मालिक सन् 1975 में जालौर जेल में मीसा के अन्दर विदेशी मुद्रा में करोड़ों के घोटाले करने के कारण बन्द किया गया था ?

(4) क्या यह भी सही है कि ए. एस. आई. कम्पनी की खदानों से ग्राम रास्ते बन्द हो गये हैं, जानवरों के लिए चारागाह नहीं रहे हैं तथा कुओं का पानी सूख गया है जिससे हजारों आदमी पेयजल व कठिनाइयों का सामना कर रहे है ?

(5) क्या यह भी सही है कि खदानों पर मजदूरों को पेयजल व बिजली की सुविधा नहीं दी जाती है और न ही पूरा वेतन ही दिया जाता है ? क्या जनता व सरकार के हित में सरकार ऐसी खदानों का राष्ट्रीयकरण करना उचित समझती हैं ?

(6) ए. एस. आई. कम्पनी को अभी कुल कितनी भूमि दे रखी है तथा ए. एस. आई. कम्पनी ने कुल कितनी भूमि पर अवैध अतिक्रमण कर रखा है ? यदि हां तो सरकार अतिक्रमण हटाने हेतु क्या ठोस कदम उठा रही है और कब तक ?

**उत्तर**

(1) जी, नहीं। वर्तमान में रायल्टी का कोई केस बकाया नहीं है। जून के अन्त तक स्थिरभाटक जमा हो चुका है।

(2) जी, नहीं। राज्य सरकार खनिज जो निकाला जाता है उस पर एक ही दर से रायल्टी लेती है।

(3) जी, नहीं।

(4) जी नहीं।

(5) जी, नहीं। विभाग को इस प्रकार की कोई परिवाद प्राप्त नहीं हुई है। खदानों का राष्ट्रीयकरण के सम्बन्ध में अभी कोई नीति नहीं है।

(6) ए.एस.आई. कम्पनी के पास लाइम स्टोन क्षेत्र 14.146 कि.मी. 6 ब्लाकों में लहसोल-रामगंजमण्डी में है। कम्पनी द्वारा कोई अवैध अतिक्रमण नहीं कर रखा है। इसलिये किसी कार्यवाही किये जाने का प्रश्न ही नहीं उठता है।

**प्रवर्तन अधिकारियों के स्थायीकरण**

44. श्री सूरजपालसिंह (भीनमाल) : -क्या खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है खाद्य एवं रसद विभाग के जिस प्रवर्तन स्टाफ को जुलाई, 75 में प्रवर्तन अधिकारियों के पदों पर पदोन्नत किया गया था वे अभी तक तदर्थ आधार पर ही चल रहे हैं तथा उनका स्थायीकरण नहीं किया गया है जबकि विभाग में पद रिक्त हैं ? सरकार प्रवर्तन

(श्रीसूरजपालसिंह)

अधिकारियों की नियुक्ति के मामलों को नियमित करने तथा उनके स्थायीकरण के प्रयोजनार्थ अब कब तक विभागीय पदोन्नति समिति बैठाने का विचार रखती है ?

(2) क्या यह भी सही है कि सहायक जिला रसद अधिकारी व प्रवर्तन अधिकारी के वेतनमान एक ही हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार प्रवर्तन अधिकारियों में से कुछ प्रतिशत को सीधे तृतीय श्रेणी रसद अधिकारी के पद पर नियुक्ति देना उचित समझती है ?

उत्तर

(1) वर्ष 1975 में खाद्य एवं नागरिक रसद विभाग में किसी को प्रवर्तन अधिकारी के पद पर पदोन्नत नहीं किया गया। यह सत्य है कि विभाग में स्थाई पद रिक्त हैं, परन्तु प्रवर्तन अधिकारियों की वरिष्ठता निर्धारण का मामला अनिर्णित होने तथा राजस्थान फूड एण्ड सिविल सप्लाईज सेवा नियम 1976 में संशोधन का मामला राज्य सरकार के सामने विचाराधीन होने के कारण अभी स्थाईकरण नहीं किया जा सका है।

(2) यह सही है कि सहायक जिला रसद अधिकारी एवं प्रवर्तन अधिकारी के पदों का वेतनमान एक ही है परन्तु 5 वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण करने वाले प्रवर्तन अधिकारी को सहायक जिला रसद अधिकारी एवं 5 वर्ष की अवधि पूर्ण करने वाले सहायक जिला रसद अधिकारी को जिला रसद अधिकारी ग्रेड III के पद पर पदोन्नत किये जाने का प्रावधान है। अतः प्रवर्तन अधिकारी को सीधे ही जिला रसद अधिकारी के पद पर पदोन्नति देना संभव नहीं है'।

**राज्य परिवहन निगम को होने वाले घाटे की पूर्ति**

**श्री खेतसिंह राठोड़** (शेरगढ़) : क्या यातायात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) राज्य परिवहन निगम की बसों के ओवर लोड चलने के बाद निगम के घाटे-में चलने के मुख्य कारण क्या हैं ?

(2) पिछले वर्ष निगम को कितना घाटा रहा ? इस घाटे की पूर्ति के लिए क्या उपाय सोचे जा रहे हैं ?

(3) क्या और नये मार्गों का भी राष्ट्रीयकरण किया जायेगा ? यदि हां, तो कितने मार्गों का और कब तक ?

उत्तर

(1) निगम के घाटे में चलने के प्रमुख कारण निम्न हैं :-

1-डीजल, लब्रीकेन्ट्स के मूल्यों में वृद्धि

2-वाहन चैसिस एवं कल पुर्जों के मूल्यों में वृद्धि,

3-निगम कर्मचारियों के वेतन एवं भत्तों आदि में बढ़ोत्तरी एवं बोनस का भुगतान,

4-पूंजी के अभाव में व्यावसायिक बैंकों एवं अन्य संस्थानों से प्राप्त किये गये ऋण पर ब्याज की बढ़ोतरी।

(2) निगम को वर्ष 1979-80में429-74 लाख रुपयों का घाटा हुआ। इस घाटे की पूर्ति के लिए निम्न उपाय किये जा रहे हैं :-

(1) ईंधन के प्रयोग, कल पुर्जों एवं टायरों की खरीद में मितव्ययता बरती जा रही है।

(2) मानवशक्ति पर प्रभावी नियंत्रण रखने एवं खर्च में मितव्ययता के दृष्टिकोण से नई नियुक्तियों एवं पद सृजन पर अंकुश रखा जा रहा है।

(3) वाहन संचालन आय की चोरी रोकने के लिए निरीक्षण व्यवस्था सुदृढ़ की गई है एवं प्रभावी निरीक्षण अमल में लाया जा रहा है।

(4 निगम में टायर रिट्रेडिंग कार्य सम्पन्न कराने के दृष्टिकोण से 2 रिट्रेडिंग प्लांट स्थापित किये गये हैं एवं तीसरे के लिये प्रस्ताव विचाराधीन है।

(5) संचालन एवं अन्य प्रकार के व्यय पर समुचित नियंत्रण रखने के दृष्टिकोण से परफोरमेन्स बजट प्रणाली लागू की गई है।

(3) यह प्रश्न विचाराधीन है।

**पटवारियों की नियुक्ति हेतु परीक्षा का आयोजन**

46. **श्री जीतमल जैन**- (अलवर): क्या राजस्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:---

(1) क्या सन् 1978 में राजस्व मण्डल ने पटवारियों की नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमन्त्रित किये थे ?

(2) क्या आवेदकों की प्रतियोगिता परीक्षा सन 1978 में आयोजित की गई थी ?

(3) क्या सफल उम्मीदवारों को पटवार प्रशिक्षण हेतु भिन्न भिन्न केन्द्रों पर भेजा गया था ?

(4) क्या प्रशिक्षण के पश्चात् 15 जनवरी से 20 जनवरी, 1980 के बीच परीक्षा आयोजित की गई थी ? यदि हां, तो क्या उक्त परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है ?

(5) अगर नहीं, तो क्या राजस्थान रिकार्ड रूल्स, 1957 के नियम 282 के उपनियम 14 का उल्लंघन हुआ है ? अगर उल्लंघन हुआ है, तो सरकार दोषी अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

(6) अब सरकार कब तक परिणाम घोषित कर देगी ?

**उत्तर**

(1) जी नहीं।

(2) मंडल द्वारा पटवारियों को नियुक्ति देने हेतु आवेदन पत्र आमन्त्रित नहीं किये जाते बल्कि केवल सीधी भर्ती पटवार प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने हेतु आवेदन पत्र आमन्त्रित किये जाते हैं।

(3) जी हां।

(4) जी हां ! 15 जनवरी से20जनवरी, 1980 के मध्य विभागीय पटवार परीक्षा आयोजित की गई एवम् इस परीक्षा का परिणाम दिनांक 1-7-80 को घोषित कर दिया गया।

उत्तर

(5) पटवार परीक्षा का परिणाम घोषित किया जा चुका है। अतः यह प्रश्न नहीं उठता।

(6) परिणाम घोषित हो चुका है।

**सड़क निर्माण के मापदण्ड**

47: श्री खेतसिंह राठौड़ (शेरगढ़):— क्या सार्वजनिक निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

(1) राज्य में सड़क निर्माण के सम्बन्ध में राज्य सरकार के मापदण्ड क्या हैं और किस आधार पर मन्जूरी दी जाती हैं ?

(2) गत तीन वर्षों में कोटा जिले में सड़कों पर कुल कितना खर्चा किया गया ? इस जिले में कितने किलो मीटर सड़कें डामर की बनायी गई ?

(3) गत तीन वर्षों में जोधपुर जिले में सड़कों की मरम्मत को छोड़ कर नई सड़कों पर कितना पैसा खर्च किया गया और कितने किलोमीटर डामर की नई सड़कें बनाई गई ?

उत्तर

(1) राज्य सरकार द्वारा 1500 से अधिक आबादी वाले गांवों की वरियता अनुसार सड़कों का निर्माण न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत लिया जाता है। इसके अलावा प्रमुख सड़कों पर मिसिंगलिंक, पुल आदि बनाने की स्वीकृतियां भी दी जाती हैं।

(2) गत तीन वर्षों में कोटा जिले में सड़कों के निर्माण पर प्लान मद में 159.61 लाख रुपये का व्यय किया गया। इन तीन वर्षों में 105 किलोमीटर डामर की सड़के बनाई गई। इसके अलावा चम्बल पुल पर 138. 32 लाख रुपये एवं चंबल कमांड की सड़कों पर विश्व बैंक के योग से 369. 96 लाख रुपये खर्च हुये हैं और 107 किलोमीटर लम्बी सड़कें बनी हैं।

(3) गत तीन वर्षों में जोधपुर जिले में मरम्मत के अलावा सड़कों के निर्माण पर प्लान मद में 68.16 लाख रुपये व्यय किये गये। तथा लगभग 64.00 कि. मी. डामर की नई सड़कें बनाई गई।

**ब्यावर में पुलिस द्वारा लाठीचार्ज की घटना**

48. श्री दाऊदयाल जोशी (दीगोद) : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :—

क्या यह सही है कि ब्यावर में गत माह पुलिस के लाठीचार्ज से तीन महिलायें घायल हो गई ? यदि हां, तो यह घटना किन परिस्थितियों में हुई और सरकार ने दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की ?

उत्तर

(1) जी नहीं।

**धौलपुर डिपो की शेष रूट्स का राष्ट्रीयकरण**

49. **श्री बनवारी लाल (धौलपुर) :** क्या यातायात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :—

(1) क्या यह सही है कि धौलपुर डिपो से राजस्थान राज्य परिवहन निगम की बसों को अन्य जिलों के डिपोज से अधिक आय होती है ?

(2) क्या यह सही है कि धौलपुर डिपो से अधिक आय होने के बावजूद भी वहां की अन्य रूट्स का राष्ट्रीयकरण जो कि काफी समय पूर्व कर दिया जाना चाहिये था, अब तक नहीं किया गया ?

अब कब तक सरकार धौलपुर डिपो की अन्य रूट्स का राष्ट्रीयकरण करने का इरादा रखती है ?

उत्तर

(1) जी नहीं।

(2) अधिक आय नहीं है। राष्ट्रीयकरण की योजना विचाराधीन है।

(3) धौलपुर आगार के सम्बद्ध अन्य वाहन संचालन मार्गों के राष्ट्रीयकरण की योजना निगम के विचाराधीन है।

**चूरू में कन्या महाविद्यालय खोलना**

50. **श्री भालू खां (चूरू):—** क्या शिक्षा मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगें:—

क्या चूरू में कन्या शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये कन्या महाविद्यालय खोलने का विचार है ? अगर हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

उत्तर

जी नहीं। फिलहाल राज्य सरकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक विस्तार को ही प्राथमिकता दे रही है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को सिफारिश के अनुसार संख्यात्मक विस्तार नहीं किया जा रहा है।

**सिकराय क्षेत्र में ग्रामीण विद्युतिकरण**

51. **श्री रामकिशोर मीना (सिकराय) :** क्या विद्युत् मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

(1) विधान सभा क्षेत्र सिकराय के कुल कितने ग्राम विद्युतिकृत हैं ? सूची सदन की मेज पर रखने की कृपा करें।

(2) क्या सिकराय तहसील के ग्रामीण विद्युतिकरण की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है ? यदि हां, तो कब तक मन्जूरी दे दी जावेगी ? यदि नहीं, तो क्यों नहीं ?

उत्तर

(1) विधान सभा क्षेत्र सिकराय के अन्तर्गत कुल 186 ग्राम हैं। जिनमें से 67 ग्राम वर्ष 1979-80 के अन्त तक विद्युतिकृत हो चुके है। सूची 'अ' सदन के पटल पर रख दी गई है।

(2) सिकराय तहसील क्षेत्र भूजल उपलब्धि के आधार पर "ओवर ड्राफ्टेड" जोन में आता है। अतः इसकी ग्रामीण विद्युतिकरण निगम की कोई योजना विचाराधीन नहीं है। इसलिये स्वीकृति का प्रश्न नहीं उठता।

## सूची (अ)

### विधान सभा क्षेत्र सिकराय जिला जयपुर के विद्युतीकृत ग्रामों की सूची

( 31-3-1980 )

| क्रमांक | गांव का नाम | क्रमांक | गांव का नाम |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 1 | 2 |
| 1 | भांडारेज | 27. | भगलावा |
| 2. | सिकंदरा | 28. | बसरा |
| 3. | ब्राह्मण बंगाडा | 29. | गनेशपुरा |
| 4. | भूडली | 30. | कालेड़ा |
| 5. | गीजगढ़ | 31. | छोकरवाड़ा |
| 6. | बावनपाड़ा | 32. | झारना |
| 7. | पंचोली | 33. | अचलपुरा |
| 8. | मानपुर | 34. | गोथाड़ा |
| 9. | सिकराय | 35. | बिन्दरवाड़ा |
| 10. | सुराजपुरा | 36. | गंगद्वारी |
| 11. | पालवास | 37. | गुडरया |
| 12, | पाड़छी | 38. | सीकरी |
| 13. | मिश्रपुरा | 39. | आगावाली |
| 14. | भागलाई | 40. | शेखपुरा |
| 15. | महाराजपुरा | 41. | टोरडा |
| 16. | गनीपुर | 42. | फरशपुरा |
| 17. | मुरलीपुर | 43. | निहालपुरा |
| 18. | शेखपुर | 44. | झालवान |
| 19. | चांदपुर | 45. | धूलकोट |
| 20 | सहड़ला | 46. | देवरी |
| 21 | गिरधरपुरा | 47. | बिरसाना |
| 22. | रायपुरा ब्राह्मण | 48. | झापड़वास |
| 23. | मर्यादा | 49. | रानोली |
| 24. | गोनरी | 50. | गुमानपुरा |
| 25. | डगलाउ | 51. | लांका |
| 26. | पिलोड़ी | 52. | करोली |

| 1 | 2 | 1 | 2 |
|---|---|---|---|
| 53. | मोचिंगपुरा | 61. | खेड़ली |
| 54. | मोरोली | 62. | गांगलियावास |
| 55. | साराई | 63. | रानेवास |
| 56. | ईटका | 64. | राजवास |
| 57. | पाड़ली बाढ़ | 65. | इटादडा |
| 58. | गिलारी | 66. | श्यालावास |
| 59. | भोंकरी | 67. | मांगल चांपा |
| 60. | बीचलवास | | |

## भवानी मण्डी और पचपहाड़ कस्बों को जल प्रदाय

52. श्री बालचंद्र आर्यवीर (डग): क्या जनस्वास्थ्य अभियांत्रिक मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

(1) क्या झालावाड़ जिले के भवानी मण्डी और पचपहाड़ कस्बे को पूर्ण रूपेण पीने का पानी मिलता है ?

(2) क्या पचपहाड़ कस्बे को खारा पानी प्रदाय किया जाता है ?

(3) क्या सरकार वहां पीने के पानी की सुचारू व्यवस्था करेगी ?

### उत्तर

(1 भवानी मण्डी व पचपहाड़ कस्बों की जल योजनाओं में सामान्यतया नियमित रूप से पूरा पानी दिया जाता है ।

(2) पचपहाड़ कस्बे के लिए साधारणतया आहू नदी से पानी दिया जाता है। नदी के स्त्रोत से कभी पानी की सप्लाई में कमी होने पर पचपहाड़ के नलकूप से आपूर्ति की जाती है। इस नल कूप का पानी खारा है।

(3) पानी की व्यवस्था साधारणतया सुचारू रूप से की जाती है अतः किसी विशेष व्यवस्था की आवश्यकता नहीं है ।

## भरतपुर जिले में बाढ़ नियंत्रण

53. श्री हरिसिंह (कुम्हेर) : क्या सिंचाई मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

राज्य सरकार ने पिछले दो वर्षों में भरतपुर जिले को बाढ़ नियन्त्रण हेतु कितनी धनराशि स्वीकृत की थी और उस पर कितना किन कार्यों में व्यय हुआ और क्या कोई धनराशि व्यय से वंचित रह गई ?यदि रह गई, तो क्यों ?

### उत्तर

विगत दो वर्षों में भरतपुर जिले के बाढ़ नियन्त्रण कार्यों के लिये निम्न प्रकार राशि स्वीकृत की गई—

वर्ष 1978–79 रु. 303.43 लाख
वर्ष 1979–80 रु. 164.01 लाख

विगत दो वर्षों में बाढ़ नियन्त्रण कार्यों पर व्यय निम्न प्रकार हुआ —

वर्ष 1978–79 रु. 311.92 लाख
वर्ष 1979–80 रु. 163–46 लाख

कार्यवार व्यय का विवरण परिशिष्ट "अ" में संलग्न है ।

परिशिष्ट 'अ'

भरतपुर बाढ़ नियंत्रण कामों पर आवंटित धनराशि एवं खर्चा विवरण वर्ष 1978-79 एवं 1979-80

( आंकड़े लाख रुपयों )

| क. स. | कार्य का नाम | 1978-79 आवंटित | 1978-79 खर्चा | 1979-80 प्रवंटित | 1979-80 खर्चा |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1- | 1977 की बाढ़ से क्षतिग्रस्त कार्यों (72 वार्डों) की मरम्मत एवं पुन: निर्माण | 58-80 | 57-87 | – | – |
| 2- | 1978 की बाढ़ से क्षतिग्रस्त कार्यों (87 कार्य) की मरम्मत एवं पुन: निर्माण | 38-53 | 37-95 | 27-15 | 27-10 |
| 3- | बाढ़ सुरक्षा कार्य : | | | | |
| | (क) सी. एफ. सी. डी. का, निर्माण | 59-80 | 73-83 | 76-97 | 76-77 |
| | (ख) होम कैनाल का मनोनीकरण | 11-21 | 12-77 | 8-99 | 8-99 |
| | (ग) रणजीत नगर जल निकास परनाली निर्माण | 15-39 | 11-03 | 4-36 | 4-36 |
| | (घ) कामा पहाड़ी जल विकास अब किया में लेन देन एवं उनका प्रयोग प्रभावी बनाना | 6-00 | 4-43 | – | – |
| | (ङ) कामा पहाड़ी का विकास प्रवाही पर पम्प केन्द्र बनाना | 19-20 | 13-90 | 25-29 | 24-72 |
| | (च) होम और एवम | 56-29 | 56-87 | 1-47 | 1-47 |
| | (छ) वामपंथी नदी पर | 35-89 | 38-84 | 18-50 | 19-22 |
| | (ज) नोखा | 4-35 | 4-29 | – | – |
| | (झ) गंभीर नदी का सर्वेकाम | – | – | 9/20 | 9-20 |
| | (ञ) पाट बांध का सर्वेक्षण | – | – | 6-49 | 9-46 |
| | | – | – | 6-19 | 9-20 |
| | योग— | 303-43 | 311-98 | 164-91 | 163-46 |

**अकाल राहत कार्यों पर लगे मजदूरों को भुगतान**

54. श्री खेतसिंह राठौड़ (शेरगढ): क्या अकाल राहत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :--

(1) अकाल राहत कार्यों पर राजस्थान में कितने मजदूर लगे हुये हैं ?

(2) क्या राहत कार्यों पर लगे मजदूरों को भुगतान बहुत देरी से किया जाता है और वह भी भारी कटौती के बाद ?

(3) क्या इन राहत कार्य स्थानों पर पानी और छाया का कोई प्रबन्ध नहीं रखा गया है ? क्या चिकित्सा सुविधा का कोई प्रबन्ध नहीं है ?

(4) क्या अकाल ग्रस्त क्षेत्रों में पीने के पानी की भारी कमी है ? यदि हां, तो राज्य सरकार उन क्षेत्रों के लिए क्या व्यवस्था करने जा रही है ?

(5) क्या राज्य सरकार अकाल ग्रस्त क्षेत्रों में आने वाली खरीफ की फसल के लिए गरीब काश्तकारों को तकावी लोन देने की व्यवस्था कर रही है ? यदि हां, तो एक काश्तकार को कितना कर्जा किस दर पर दिया जायेगा ?

**उत्तर**

(1) अकाल राहत कार्यों पर 30 जून, 1979 को 803892 श्रमिक कार्यरत थे ।

(2) प्रशासन का सदा यह प्रयास रहता है कि मजदूरी पूरी और समय पर ही दी जाए किन्तु कहीं कहीं भुगतान विलम्ब से हुआ है । मजदूरी में कटौती तब ही की जाती है जब श्रमिक द्वारा सम्पादित कार्य बी. एस. आर. में निर्धारित कार्य के 80 प्रतिशत को या कठिनतर कार्य को 70 प्रतिशत उत्पादक द्वारा 100 प्रतिशत मान कर भी कम हो । ऐसी स्थिति में अनुपातिक कमी की जाती है ।

(3) राहत कार्य के स्थानों पर पानी व छाया की व्यवस्था की गई है । साथ ही चिकित्सा सुविधा का प्रबन्ध किया गया है ।

(4) राज्य में व्यापक सूखे की स्थिति के कारण बहुत से स्थानों पर पेयजल का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया था । राज्य सरकार ने पेयजल समस्या के समाधान हेतु विभाग द्वारा ट्रक बोर्न टैंकर्स द्वारा 15 जिलों का 147 टैंकर्स आवंटित किए हैं एवं 65 टंकियां आवंटित किए हैं । जिसमें 814 गांवों में पानी सप्लाई किया जा रहा था । रेल्वे टैंकरों द्वारा इस वर्ष जिला बाड़मेर के 5 गांवों में पेयजल व्यवस्था की जा रही थी। राज्य के 15 जिलों को 5.58 लाख जनसंख्या लाभान्वित हो रही थी । पिवाई व्यवस्था से 7 जिलों की 8.40 लाख जनसंख्या लाभान्वित हो रही थी । वर्ष 1980-81 में पिवाई के लगभग 134 कुओं पर 2.00 करोड़ रूपये की लागत से विद्युतिकरण किया जायेगा । राज्य के जिलो बीकानेर, बाड़मेर, जोधपुर, जैसलमेर जिलों में सेना की मदद से पेयजल उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था की गयी थी।

राज्य के विभिन्न जिलों में टैंकरों, पिवाई एवं जन स्वास्थ्य अभियांन्त्रिक विभाग भू-जल विभाग की स्कीमों के द्वारा लगभग 4700 गांवों में पेयजल व्यवस्था की जा रही है ।

(अकाल राहत मंत्री)

(5) राज्य सरकार द्वारा अकाल राहत क्षेत्रों में जाने वाली खरीफ की फसल के लिए लघु एवं सामन्य कृषकों को तकावी देने का प्रश्न मंत्री मण्डल के विचाराधीन है। प्रत्येक श्रेणी के कृषक को दी जाने वाली तकावी की राशि भी मंत्री मण्डल के विचाराधीन है। जिस पर शीघ्र निर्णय लिया जायेगा।

**रेलवे क्रोसिंग पर फाटक लगाने की स्वीकृति**

55. **श्री घनश्याम तिवाड़ी** (सीकर) : क्या स्वायत्त शासन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या सीकर नगर परिषद में वार्ड नं. 32, 33 34, 35 रेल लाईन के पूर्व में स्थित है तथा आवागमन के लिये सीकर नगर परिषद ने पुरोहितों की ढाणी की तरफ से रेलवे क्रासिंग पर फाटक लगाने हेतु एक प्रस्ताव निदेशक स्वायत्त शासन के यहां भेजा है ?

(2) क्या उक्त प्रांगण में सम्पूर्ण धनराशि व्यय करने हेतु नगर परिषद ने प्रस्ताव किया है, राज्य सरकार से धनराशि की मांग नहीं की है ?

(3) यदि हां, तो क्या उपरोक्त प्रस्ताव की स्वीकृति स्वायत्त शासन निदेशक ने भेज दी है ? यदि नहीं, तो किस कारण ?

उत्तर

(1) जी, हां।

(2) जी, हां।

(3) जी, हां।

**रानपुर-बावड़ी खेड़ा ग्राम सड़क पर अवरुद्ध आवागमन**

56. **श्री हरीश कुमार शर्मा** (रामगंज मंडी) : क्या सिचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:--

(1) क्या यह सही है कि लाडपुरा (कोटा) तहसील की रानपुर से बावड़ी खेडा तक का रास्ता डूब में आ गया है जिसकी वजह से आम रास्ता बन्द हो चुका है और किसानों को तथा कोटा नगर में दूध पहुंचाने वालों को रास्ता नहीं मिल पाता है ? क्या डूब में आने की जिम्मेदारी सिंचाई विभाग की है ? यदि हां, तो इस सड़क को पक्का क्यों नहीं किया जा रहा है ?

(2) क्या लाडपुरा तहसील के गांव डोल्याका तालाब सिंचाई विभाग के निर्माण हेतु मंजूर कर दिया है किन्तु अभी तक कार्य आरम्भ नहीं किया गया है जिससे किसानों को पेयजल नहीं मिल पाता है। और न ही सिंचाई ही होती है ?

(3) ऐसी गम्भीर परिस्थितियों में सरकार क्या कदम उठाने जा रही है और कब तक इसे पूरा किया जावेगा ?

उत्तर

(1) इस रास्ते के डूब में आने की जिम्मेदारी सिंचाई विभाग की नहीं है। इस सड़क का सम्बन्ध सिंचाई विभाग से नहीं है।

(2) जी नहीं।

(3) प्रश्न ही नहीं उठता।

**कृषि भूमि में सीपेज के पानी से क्षति**

57. **श्री हीरालाल आर्य** (पीपल्दा) : क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

(1) क्या यह सही है कि सुकनी नामक स्थान पर सीपेज का पानी सैकड़ों बीघा कृषि भूमि में भरा हुआ है तथा करवाड़ा, डूंगरली, ख्यावदा, झाड़ोल, डोली, रनोदियां आदि गांवों का रास्ता अवरुद्ध हो गया है ?

(2) क्या यह भी सही है कि उक्त पानी को निकालने हेतु तथा ड्रेन बनाने हेतु करवाड़ तथा रनोदिया के यहां से खोदने की मशीनें लगने वाली थी ? यदि हां, तो यहां मशीनें कब से लगी तथा इनके कार्य की क्या प्रगति है ?

(3) क्या ड्रेनेज विभाग इस कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण कराने का विचार रखता है ?

उत्तर

(1) जी हां,

(2) जी हां उक्त मशीन मई, 1979 से मई 1980 तक लगाई गई थी, और अब तक ड्रेन की कुल 8.70 कि.मी. लम्बाई में से 6.63 कि.मी. लम्बाई खोदी जा चुकी है।

(3) जी हां।

**सिंचाई सुविधा हेतु नहरों का विस्तार**

58. **श्री हीरालाल आर्य** (पीपलदा) : क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:—

(1) क्या यह सही है कि लक्ष्मीपुरा डिस्ट्रीब्यूट्री कर्जालिया माइनर, बभूलियां माइनर, गैंता डिस्ट्रीब्यूट्री, बभूलियां कला तथा खेड़ली खेड़ा हरिपुरा गांव में नई नहरों के विस्तार हेतु कई बार एल. ओ. टी. सी. विभाग को निवेदन किया गया है ?

(2) यदि हां, तो अभी तक कार्य नहीं किये जाने का क्या कारण है ?

(3) क्या सरकार किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने हेतु उक्त नहरों का शीघ्र विस्तार करने के आदेश प्रदान करेगी?

उत्तर

(1) जी हां।

(2) तकनीकी दृष्टि से उपयुक्त नहीं होने के कारण इनका कार्य नहीं करवाया जा सका।

(3) उपरोक्त कारणों से इन नहरों के विस्तार का कार्य करवाना सम्भव नहीं है।

परिशिष्ट 3

अतारांकित प्रश्न संख्या 3 की सूची

| क्रम संख्या | जिला | सजा हुए व्यक्तियों की संख्या | गिरफ्तार व्यक्तियों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | सीकर | 48 | — |
| 2 | बीकानेर | 82 | — |
| 3 | जैसलमेर | 9 | — |
| 4 | डूंगरपुर | 80 | — |
| 5 | पाली | 65 | — |
| 6 | कोटा | 220 | — |
| 7 | बांसवाड़ा | 62 | — |
| 8 | झालावाड़ | 125 | — |
| 9 | बूंदी | 95 | — |
| 10 | जालोर | 39 | — |
| 11 | भीलवाडा | 214 | 4 |
| 12 | झुंझुनू | 38 | 1 |
| 13 | गंगानगर | 189 | 2 |
| 14 | बाड़मेर | 57 | — |
| 15 | चुरू | 113 | 1 |
| 16 | सिरोही | 58 | — |
| 17 | उदयपुर | 440 | 2 |
| 18 | टौंक | 188 | — |
| 19 | अजमेर | 344 | — |
| 20 | जोधपुर | 148 | — |
| 21 | नागौर | 154 | — |
| 22 | अलवर | 138 | — |
| 23 | चित्तौड़ | 169 | — |
| 24 | जयपुर | 294 | — |
| 25 | सवाई माधोपुर | 161 | — |
| 26 | भरतपुर | 220 | — |
| 27 | जी. आर. पी. अजमेर | 117 | — |
| | योग ........ | 3817 | 11 |

## परिशिष्ट 4

अतारांकित प्रश्न संख्या 4 की सूची
राजस्थान राज्य में 31/3/80 को विद्युतिकरण के लिये शेष ग्रामों की जिलेवार सूची ।

| क्र. सं. | जिले का नाम | विद्युतिकरण के लिये शेष ग्रामों की संख्या |
|---|---|---|
| 1 | अजमेर | 459 |
| 2 | अलवर | 975 |
| 3 | बांसवाड़ा | 1033 |
| 4 | बाड़मेर | 774 |
| 5 | भरतपुर | 1174 |
| 6 | भीलवाड़ा | 681 |
| 7 | बीकानेर | 361 |
| 8 | बूंदी | 503 |
| 9 | चित्तौड़गढ़ | 1250 |
| 10 | चुरू | 656 |
| 11 | डूंगरपुर | 491 |
| 12 | जयपुर | 1303 |
| 13 | जैसलमेर | 418 |
| 14 | जालौर | 312 |
| 15 | झुंझनूं | 179 |
| 16 | झालावाड़ | 959 |
| 17 | जोधपुर | 429 |
| 18 | कोटा | 1176 |
| 19 | नागौर | 718 |
| 20 | पाली | 177 |
| 21 | सवाई माधोपुर | 895 |
| 22 | सीकर | 171 |
| 23 | सिरोही | 57 |
| 24 | श्रीगंगानगर | 1647 |
| 25 | टोंक | 747 |
| 26 | उदयपुर | 1918 |
| | योग ... .... | 19463 |

## परिशिष्ट 6

### तारांकित प्रश्न संख्या को 6 सूचना

उदयपुर जिले में पिछले लोकसभा के चुनावों के पश्चात हुई चोरियों एवं उन चोरियों के अभियोगों के निस्तारण की तालिका

| क्र.सं. | नाम थाना | चोरी अपराध की संख्या | चोरी गये माल की कीमत | पकड़ी गई चोरियों की संख्या | बरामदगी माल की कीमत | चालान |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1 | धुलावोल | 43 | 77256-00 | 10 | 7444-00 | 10 |
| 2 | भोलपुरा | 24 | 55200-00 | 6 | 32980-00 | 5 |
| 3 | प्रतापनगर | 29 | 32778-80 | 8 | 12631-80 | 6 |
| 4 | हाथीपोल | 29 | 13439-51 | 14 | 93090-86 | 6 |
| 5 | घण्टाघर | 6 | 3656-00 | 3 | 1056-00 | 2 |
| 6 | अम्बामाता | 12 | 2820-50 | 4 | 928 00 | 2 |
| 7 | धानमन्डी | 9 | 12852-80 | 3 | 1080-25 | 2 |
| 8 | गोवर्धनविलास | 10 | 4126-00 | 3 | 2095-00 | 3 |
| 9 | नाई | 20 | 7202-70 | 6 | 1400-00 | 4 |
| 10 | गोगुन्दा | 5 | 3340-00 | 1 | 1600-00 | 1 |
| 11 | सायरा | 11 | 49070-00 | 8 | 4500-00 | 4 |
| 12 | कुरावड़ | 23 | 11399-00 | 9 | 2727-00 | 7 |
| 13 | भोम | 8 | 3453-36 | 4 | 1298-00 | 3 |
| 14 | दिवेर | 4 | 1510-00 | 2 | 1025-00 | 1 |
| 15 | देवगढ़ | 17 | 17070-00 | 7 | 6995-00 | 6 |
| 16 | राजनगर | 34 | 31003-00 | 10 | 17278-70 | 7 |
| 17 | आमेर | 17 | 16035-60 | 4 | 11216-00 | 4 |
| 18 | चांरभुजा | 5 | 600-00 | 2 | 3100-00 | 2 |
| 19 | केसवाड़ा | 4 | 1115-00 | 2 | 525-00 | 2 |
| 20 | रेलमगरा | 21 | 33660-00 | 5 | 30130-00 | 4 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 21 | नाथद्वारा | 19 | 17966-00 | 8 | 16255-00 | 8 |
| 22 | देतवाड़ा | 13 | 17000 00 | 6 | 7995-00 | 6 |
| 23 | खमनोर | 8 | 6425-00 | 1 | 590-00 | 1 |
| 24 | भिन्डर | 13 | 7944-00 | 5 | 3144-00 | 3 |
| 25 | शेरादा | 5 | 6595-00 | 1 | 940-00 | 1 |
| 26 | डबोक | 25 | 31805-00 | 9 | 20196-00 | 9 |
| 27 | वल्लभनगर | 7 | 1968-50 | 6 | 1908-50 | 5 |
| 28 | मावली | 29 | 24527-00 | 9 | 6305·00 | 9 |
| 29 | वारीयाबाद | 12 | 3890-00 | 4 | 2448-00 | 4 |
| 30 | लमाडिया | 6 | 4349-00 | 2 | 949·00 | 2 |
| 31 | कोनांड | 11 | 12583-50 | 4 | 3215-50 | 4 |
| 32 | पारमोला | 4 | 3700-00 | 1 | 1300-00 | 1 |
| 33 | भाड़ोल | 5 | 2016-00 | 2 | 1931-00 | 2 |
| 34 | फतामिया | 1 | 77-00 | — | — | — |
| 35 | श्रोगणा | 5 | 3810-00 | 1 | 1570·00 | — |
| 36 | घनखा | 3 | 3175-00 | 1 | 3075-00 | 1 |
| 37 | वेकरिया | 8 | 3920 20 | 2 | 2175-00 | 2 |
| 38 | कोटड़ा | 21 | 16928-00 | 6 | 16166-00 | 6 |
| 39 | माण्डवा | 16 | 3200-00 | 1 | 1500-00 | 1 |
| 40 | पछाडा | 8 | 7000-00 | 1 | 4000-00 | 1 |
| 41 | सलूम्बर | 11 | 10655-00 | 4 | 4310-00 | 4 |
| 42 | खेरवाड़ा | 2 | 3090-00 | — | — | — |
| 43 | भलारा | 6 | 3390-00 | 3 | 2050-00 | — |
| 44 | फराडा | 8 | 10538-00 | 4 | 7801-00 | 4 |
| 45 | जावर माइन्स | 9 | 6902-00 | 4 | 1902-00 | 4 |
| 46 | देस | 5 | 10076-00 | — | — | — |

(154)



नाम मुल्जिम मय अभियोग जिनमें पकड़े गये—

| क्र.सं. | नाम थाना | अभियोग सं | नाम मुल्जिमान पकड़े गये |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | गुरुपोल | 6/80 | रहीम पुत्र मोहनलाल |
| 2 | ,, | 8/80 | 1 हरिकिशन उर्फ किशनलाल |
| 3 | ,, | 15/80 | श्री रामसिंह |
| 4 | ,, | 26/80 | पुष्कर |
| 5 | ,, | 32/80 | रामू उर्फ रामसिंह |
| 6 | ,, | 38/80 | 1 पूनालाल 2 प्रेमकुमार |
| 7 | ,, | 39/80 | हरिसिंह |
| 8 | ,, | 50/80 | राजेन्द्र उर्फ रामू |
| 9 | ,, | 72/80 | कबीर |
| 10 | ,, | 110/80 | मुनीर अहमद |
| 11 | भूपालपुरा | 71/80 | रमेशचन्द्र |
| 12 | ,, | 10/80 | खेमराज |
| 13 | ,, | 13/80 | हरिशंकर |
| 14 | ,, | 18/80 | जग्गू 2 देवीलाल |
| 15 | ,, | 20/80 | मालूनाथ |
| 16 | ,, | 23/80 | पुष्करदान |
| 17 | प्रतापनगर | 16/80 | जसवन्तसिंह |
| 18 | ,, | 35/80 | जोगेन्द्रसिंह |
| 19 | ,, | 41/80 | ईश्वरलाल |
| 20 | ,, | 11/80 | गुरुदयालसिंह |
| 21 | ,, | 18/80 | हरिश |
| 22 | ,, | 19/80 | 1 जसवन्तसिंह 2 अशोक 3 सुरेश |
| 23 | ,, | 30/80 | 1 अशोक 2 गज्जू 3 तेजराम |
| 24 | ,, | 44/80 | मेवामल |
| 25 | ,, | 49/80 | चेतनदास |
| 26 | ,, | 50/80 | सत्यनारायण |
| 27 | हाथी पोल | 10/80 | शिवराम |
| 28 | ,, | 13/80 | शिवराज 2 पुष्कर |
| 29 | ,, | 21/80 | पुष्कर |
| 30 | ,, | 24/80 | पुष्कर |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 31 | हाथी पोल | 29/80 | गनेशसिंह |
| 32 | ,, | 38/80 | पप्पूलाल 2 अनिल पप्पू |
| 33 | ,, | 42/80 | दिनेश |
| 34 | , | 62/80 | रमेश 2 मदनलाल 3 मन्दुला |
| 35 | ,, | 66/80 | किशनमोहन |
| 36 | ,, | 35/80 | जग्गू देवीलाल |
| 37 | पधाघर | 6/80 | अब्दुल शकूर |
| 38 | ,, | 24/80 | अरफखां |
| 39 | ,, | 30/80 | अनिलकुमार 2-रमेश 3-चन्द्रसिंह 4-बाबूलाल 5-महेन्द्रकुमार |
| 40 | ,, | 4/80 | जयन्तीलाल |
| 41 | ,, | 32/80 | अजीतकुमार |
| 42 | ,, | 33/80 | अजीतकुमार |
| 43 | अम्बा माता | 23/80 | भूरसिंह |
| 44 | ,, | 25/80 | असकर भाई |
| 45 | ,, | 46/80 | नाना |
| 46 | ,, | 50/80 | विजेन्द्र |
| 47 | ,, | 51/80 | बालचन्द्र |
| 48 | ,, | 28/80 | जग्गू |
| 49 | ,, | 29/80 | अमरसिंह |
| 50 | धानमण्डी | 28/80 | शंकरलाल |
| 51 | ,, | 29/80 | गनेश |
| 52 | ,, | 9/80 | रामकुमार उर्फ रामू |
| 53 | ,, | 15/80 | उदयचन्द |
| 54 | ,, | 25/80 | 1-जग्गू 2-देवीलाल 3-श्रीनाथसिंह |
| 55 | गोगुन्दा | 4/80 | लखिया 2-दरिया |
| 56 | ,, | 6/80 | दरिया 2-गंगाराम |
| 57 | सायरा | 16/80 | मोतीया |
| 58 | ,, | 17/80 | मानसिंह |
| 59 | ,, | 21/80 | मोतिया |
| 60 | ,, | 22/80 | रोडियां |
| 61 | ,, | 23/80 | मूलसिंह |
| 62 | ,, | 30/80 | परथा 2-ममेडी |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 63 | शायरा | 31/80 | पीथाराम 2-बन्शीलाल 3-रतनाराम |
| 64 | गोवर्धन विलास | 20/80 | प्रणवा हीरा |
| 65 | ,, | 24/80 | मनोहरलाल 2-मोहनलाल 3-प्रदीप दोलत 5-जमनाराम |
| 66 | ,, | 58/80 | लालू |
| 67 | नाई | 2/80 | शंकर उर्फ गोपाल 2-देवा उर्फ दयाराम |
| 68 | ,, | 8/80 | जगन्नाथ |
| 69 | ,, | 19/80 | खरजुखां 2-हुसेन 3-रामचन्द्र |
| 70 | नाई | 50/80 | रूपसिंह |
| 71 | कूरावल | 10/80 | रामा |
| 72 | ,, | 13/80 | तेजा 2. चावरिया 3. देका |
| 73 | ,, | 14/80 | राम |
| 74 | ,, | 15/80 | नवला 2. हरजी 3. देवा |
| 75 | ,, | 18/80 | केशरसिंह 2. भैरूंसिंह |
| 76 | ,, | 19/80 | नवला 2. हरजी 3. देवा |
| 77 | ,, | 25/80 | भोला |
| 78 | ,, | 35/80 | नाथू |
| 79 | ,, | 39/80 | नारायण लाल |
| 80 | ,, | 5/80 | मोहन |
| 81 | ,, | 6/80 | दुर्गाराम |
| 82 | ,, | 18/80 | गौरी 2. सुर 3. मोहनी 4. गंगा |
| 83 | ,, | 21/80 | सदीक 2. नसीर 3. भोमा |
| 84 | ,, | 22/80 | देवा 2. गनी 3. मोहन |
| 85 | ,, | 37/80 | गंगा |
| 86 | ,, | 13/80 | रूपसिंह |
| 87 | ,, | 4/80 | मोहनसिंह |
| 88 | ,, | 19/80 | मोहनसिंह 2. केशरसिंह 3. गोनी |
| 89 | ,, | 21/80 | कानसिंह |
| 90 | राजनगर | 9/80 | जमनानन्द 2. मनोहरलाल 3. जन्तीकुमार |
| 91 | ,, | 14/80 | ,, ,, ,, |
| 92 | ,, | 16/80 | ,, ,, ,, |
| 93 | ,, | 28/80 | प्यारा मालो 2. श्रीमती उमरी |
| 94 | ,, | 37/80 | लीलाधर 2. नरेन्द्रकुमार |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 95 | राजनगर | 40/80 | शिवा 2 केशू 3 मैना 4 नारू 5 बिसना |
| 96 | ,, | 41/80 | ,, ,, ,, ,, ,, |
| 97 | ,, | 69/80 | हजारी |
| 98 | ,, | 4/80 | उदयपाल |
| 99 | ,, | 16/80 | सिपा, भागिया |
| 100 | ,, | 18/80 | केशे, मेरा |
| 101 | ,, | 19/80 | रेवतसिंह |
| 102 | चोरमूसा | 2/80 | मेरा 2, नाथू |
| 103 | ,, | 12/80 | गुडा |
| 104 | बैलवाडा | 4/80 | मैना |
| 105 | ,, | 10/80 | जीवा |
| 106 | रेलमगरा | 16/80 | मनोहर 2. जमनानन्द 3. प्रजन्तीकुमार |
| 107 | ,, | 22/80 | पप्पू 2. मोहम्मद |
| 108 | रेलमगरा | 39/80 | किशन |
| 109 | ,, | 41/80 | जगदीश |
| 110 | ,, | 43/80 | मुन्ही |
| 111 | नाथद्वारा | 2/80 | मिट्ठूसिंह 2 शम्भुसिंह 3 शंकर 4 चुन्नी लाल |
| 112 | ,, | 17/80 | रमेशचन्द्र 2 कैलाश 3 राकेश |
| 113 | ,, | 19/80 | आजाद 2 अब्दुलाखां 3 नथराम |
| 114 | ,, | 27/80 | सिवा 2 प्रकाश 3 पोकर 4 मेघा |
| 115 | ,, | 28/80 | फतेहसिंह 2 शिवा 3 प्रकाश 4 पोकर |
| 116 | ,, | 29/80 | गोविन्द 2 रामसिंह 3 बसन्तसिंह |
| 117 | ,, | 30/80 | मांगू |
| 118 | ,, | 47/80 | जालमसिंह 2 रामचन्द्र |
| 119 | नेतवाका | 5/80 | रामलाल 2 छगनलाल 3 मनोहरसिंह 4 रामसिंह |
| 120 | ,, | 9/80 | गोवर्धनसिंह 2 रणवा 3 दौला |
| 121 | ,, | 16/80 | परतीराम |
| 122 | ,, | 26/80 | आबाद मुहम्मद |
| 123 | ,, | 29/80 | भीमा गुजर |
| 124 | ,, | 41/80 | नाथू 2 जुल्ली गुजर |
| 125 | खमनोर | 7/80 | भेवा भील |

(158)



| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 126 | खमनौर | 26/80 | देवीसिंह |
| 127 | मिन्डर | 8/80 | पूरा |
| 128 | ,, | 12/80 | मेण्डा |
| 129 | ,, | 16/80 | मांगीलाल |
| 130 | ,, | 22/80 | शंकरलाल |
| 131 | ,, | 24/80 | लालसिंह |
| 132 | लेरादा | 29/80 | नवला 2 देवा |
| 133 | इनोक | 2/80 | मणिया 2 नारू 3 नवला 4 नन्दा |
| 134 | ,, | 20/80 | रमेश 2 मन्जूरअली |
| 135 | ,, | 23/80 | इब्राहीम 2 मेमराज 3 बशीर मोहम्मद 4 श्रीचन्द |
| 136 | ,, | 24/80 | बाला |
| 137 | ,, | 30/80 | जगदीश 2 लालदास 3 जग्गू |
| 138 | ,, | 38/80 | जगन्नाथ |
| 139 | ,, | 54/80 | रामदयाल 2 राजेन्द्र |
| 140 | ,, | 55/80 | जगन्नाथ 2 रामदयाल |
| 141 | ,, | 56/80 | रामदयाल 2 शंकर |
| 142 | ,, | 57/80 | रामदयाल 2 जगन्नाथ |
| 143 | ,, | 4/80 | बाबर 2 उदा |
| 144 | वल्लभनगर | 7/80 | छगनलाल 2 गफार |
| 145 | ,, | 16/80 | नारायण 2– जग्गा 3– चैता |
| 146 | ,, | 18/80 | रामा 2 हीरा |
| 147 | ,, | 25/80 | ओंकार 2– पडेखां 3—भगवान |
| 148 | ,, | 43/80 | नींवा 2– गोपा 3 छिया |
| 149 | ,, | 36/80 | मोतीलाल 2– देवा |
| 150 | मावली | 11/80 | भगवाना |
| 151 | ,, | 13/80 | भगवाना 2– मु. लहरी |
| 152 | ,, | 27/80 | भैरा 2—हीरा |

159



| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 153 | मावली | 42/80 | अशोक कुमार |
| 154 | ,, | 44/80 | गनेश |
| 155 | ,, | 48/80 | भगवानलाल |
| 156 | ,, | 61/80 | शंकरलाल |
| 157 | ,, | 83/80 | भगवानी बाई |
| 158 | फरिदाबाद | 20/80 | मोतीदास |
| 159 | ,, | 17/80 | मेरिया |
| 160 | ,, | 3/80 | भगवानिया |
| 161 | लपाङिया | 4/80 | मेघला गोतमा |
| 162 | कामाइ | 2/80 | रगला 2 कमल मीना |
| 163 | ,, | 11/80 | नवला |
| 164 | ,, | 27/80 | रमेशचन्द्र |
| 165 | पारमोला | 16/80 | भेरा मीना |
| 166 | भाडोल | 1/80 | शोभा |
| 167 | ,, | 22/80 | भूरा 2 कन्हैया |
| 168 | पानखा | 1/80 | मनिया |
| 169 | ,, | 6/80 | जोगिङ |
| 170 | ,, | 14/80 | मेरा |
| 171 | बंकरिया | 4/80 | सीता |
| 172 | ,, | 7/80 | हमीदा |
| 173 | ,, | 10/80 | सीता |
| 174 | ,, | 15/80 | होमा |
| 175 | कोटड़ा | 4/80 | चुनिया |
| 176 | ,, | 5/80 | माधू |
| 177 | ,, | 6/80 | भीखा |
| 178 | ,, | 7/80 | आमदा |
| 179 | ,, | 43/80 | गोपी |

160



| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 180 | माण्डवा | 4/80 | मगना |
| 181 | ,, | 7/80 | हाखरा |
| 182 | ,, | 8/80 | बांगडिया |
| 183 | ,, | 18/80 | पोमिया |
| 184 | ,, | 10/80 | बाहुडा |
| 185 | ,, | 29/80 | गोपी |
| 186 | ,, | 31/80 | लक्ष्मण |
| 187 | पहाड़ | 9/80 | काला |
| 188 | ,, | 14/80 | खेमा |
| 189 | सलूंबर | 10/80 | पूरिया |
| 190 | ,, | 12/80 | शंकर |
| 191 | ,, | 13/80 | नगला 2 किमिया मीना |
| 192 | ,, | 33/80 | प्रतापसिंह 2 हिम्मतसिंह |
| 193 | ,, | 43/80 | जगदीश |
| 194 | ,, | 4/80 | इन्द्रसिंह |
| 195 | ,, | 9/80 | पूरिया |
| 196 | ,, | 15/80 | पाल |
| 197 | पराडा | 4/80 | मांगीलाल |
| 198 | ,, | 22/80 | होमा 2 मांगीलाल |
| 199 | ,, | 44/80 | कंकूक 2 लांधी 3 पूरी |
| 200 | ,, | 58/80 | नानाजी |
| 201 | ,, | 70/80 | खेमवाडी |
| 202 | गावर माइन्स | 4/80 | शुकन कुमार 2 लोहिया प्रसाद |
| 203 | ,, | 18/80 | मानकचन्द 2 लक्ष्मी 3 हरणी |
| 204 | ,, | 24/80 | शंकर |
| 205 | ,, | 26/80 | मूलचन्द |

## परिशिष्ट-7

### अतारांकित प्रश्न सं. 10 की सूची

| Name Distt. | June 1977 | July 1977 | Aug. 1977 | Sept. 1977 | Oct. 1977 | Nov. 1977 | Dec. 1977 | Jan. 1978 | Feb. 1978 | March 1978 | April 1978 | May 1978 | June 1978 | July 1978 | Aug. 1978 | Sept. 1978 | Oct. 1978 | Nov. 1978 | Dec. 1978 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. अजमेर | 202 | 249 | 237 | 262 | 288 | 233 | 204 | 206 | 159 | 245 | 236 | 226 | 257 | 246 | 258 | 293 | 254 | 236 | 188 |
| 2. जयपुर | 725 | 955 | 805 | 801 | 862 | 715 | 736 | 743 | 635 | 787 | 721 | 700 | 826 | 893 | 788 | 773 | 782 | 627 | 641 |
| 3. भरतपुर | 289 | 410 | 330 | 388 | 399 | 320 | 260 | 274 | 242 | 364 | 374 | 350 | 344 | 396 | 360 | 341 | 405 | 311 | 285 |
| 4. अलवर | 252 | 337 | 269 | 304 | 278 | 253 | 220 | 230 | 158 | 286 | 247 | 226 | 235 | 273 | 201 | 248 | 233 | 187 | 154 |
| 5. स. माधोपुर | 137 | 166 | 145 | 138 | 155 | 120 | 113 | 96 | 96 | 116 | 89 | 111 | 135 | 137 | 165 | 126 | 142 | 137 | 109 |
| 6. बीकानेर | 318 | 258 | 278 | 244 | 273 | 189 | 184 | 161 | 139 | 211 | 225 | 171 | 177 | 255 | 217 | 206 | 255 | 195 | 170 |
| 7. चूरू | 121 | 132 | 116 | 85 | 95 | 101 | 95 | 89 | 82 | 112 | 96 | 118 | 138 | 128 | 132 | 135 | 123 | 125 | 139 |
| 8. गंगानगर | 276 | 334 | 349 | 325 | 325 | 280 | 247 | 220 | 184 | 259 | 269 | 322 | 342 | 324 | 299 | 281 | 306 | 246 | 193 |
| 9. सीकर | 108 | 139 | 147 | 126 | 137 | 125 | 146 | 104 | 107 | 161 | 141 | 152 | 179 | 163 | 133 | 113 | 141 | 135 | 106 |
| 10. झुंझुनू | 84 | 132 | 113 | 94 | 121 | 99 | 101 | 93 | 90 | 95 | 115 | 97 | 121 | 115 | 116 | 104 | 133 | 72 | 83 |
| 11. जोधपुर | 188 | 306 | 223 | 244 | 325 | 223 | 200 | 212 | 143 | 217 | 211 | 231 | 229 | 260 | 230 | 262 | 230 | 185 | 190 |
| 12. बाड़मेर | 57 | 102 | 102 | 100 | 112 | 84 | 64 | 67 | 57 | 89 | 84 | 84 | 105 | 114 | 111 | 107 | 83 | 88 | 78 |
| 13. जैसलमेर | 33 | 35 | 33 | 33 | 37 | 31 | 22 | 17 | 21 | 13 | 27 | 26 | 24 | 39 | 36 | 37 | 27 | 34 | 14 |
| 14. जालोर | 72 | 75 | 74 | 77 | 111 | 91 | 84 | 60 | 49 | 91 | 89 | 87 | 83 | 96 | 88 | 94 | 60 | 54 | 62 |
| 15. नागौर | 158 | 197 | 176 | 145 | 174 | 162 | 181 | 122 | 102 | 126 | 150 | 168 | 194 | 256 | 224 | 217 | 183 | 165 | 171 |
| 16. पाली | 128 | 180 | 180 | 144 | 204 | 168 | 120 | 95 | 113 | 123 | 179 | 134 | 198 | 184 | 170 | 160 | 194 | 162 | 128 |
| 17. सिरोही | 29 | 55 | 45 | 43 | 48 | 43 | 51 | 44 | 34 | 60 | 68 | 61 | 59 | 43 | 59 | 56 | 43 | 38 | 34 |
| 18. कोटा | 469 | 574 | 487 | 449 | 454 | 459 | 465 | 389 | 319 | 462 | 466 | 406 | 457 | 455 | 408 | 419 | 376 | 360 | 271 |
| 19. बूंदी | 98 | 108 | 133 | 139 | 199 | 122 | 131 | 107 | 99 | 125 | 124 | 146 | 141 | 150 | 118 | 119 | 150 | 108 | 98 |
| 20. झालावाड़ | 162 | 203 | 212 | 195 | 205 | 194 | 144 | 159 | 128 | 147 | 148 | 164 | 175 | 208 | 178 | 200 | 160 | 125 | 104 |
| 21. टोंक | 102 | 142 | 124 | 128 | 170 | 135 | 98 | 76 | 68 | 117 | 102 | 98 | 108 | 108 | 111 | 114 | 121 | 118 | 106 |
| 22. उदयपुर | 445 | 607 | 493 | 589 | 555 | 161 | 384 | 448 | 322 | 465 | 478 | 441 | 502 | 511 | 476 | 436 | 416 | 382 | 260 |
| 23. बांसवाड़ा | 98 | 112 | 94 | 102 | 106 | 122 | 98 | 104 | 74 | 116 | 107 | 94 | 111 | 137 | 93 | 104 | 115 | 101 | 65 |
| 24. भीलवाड़ा | 250 | 359 | 338 | 322 | 342 | 312 | 223 | 329 | 232 | 311 | 308 | 303 | 396 | 345 | 308 | 284 | 314 | 254 | 212 |
| 25. डूंगरपुर | 61 | 82 | 78 | 72 | 101 | 79 | 40 | 54 | 42 | 77 | 70 | 54 | 62 | 91 | 69 | 91 | 76 | 82 | 84 |
| 26. चित्तौड़गढ़ | 317 | 394 | 353 | 351 | 379 | 293 | 245 | 243 | 226 | 281 | 335 | 226 | 305 | 349 | 308 | 349 | 333 | 285 | 190 |
| 27. जी.आर.पी. | 85 | 89 | 94 | 1:5 | 95 | 88 | 59 | 72 | 46 | 65 | 59 | 81 | 22 | 102 | 73 | 88 | 54 | 57 | 51 |
| योग : | 5159 | 6732 | 6028 | 6010 | 6545 | 5502 | 4915 | 4801 | 3967 | 5521 | 5513 | 5337 | 5985 | 6408 | 5729 | 5757 | 5709 | 4869 | 4156 |

162

| Sl. No. | Distt. | Jan. 1979 | Feb. 1979 | March 1979 | April 1979 | May 1979 | June 1979 | July 1979 | Aug. 1979 | Sept. 1979 | Oct. 1979 | Nov. 1979 | Dec. 1979 | Jan. 1980 | Feb. 1980 | June '77 to Feb., 80 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | अजमेर | 211 | 176 | 214 | 231 | 210 | 205 | 219 | 221 | 237 | 226 | 158 | 163 | 191 | 191 | 7326 |
| 2 | जयपुर | 698 | 612 | 714 | 707 | 686 | 811 | 821 | 806 | 933 | 862 | 800 | 788 | 725 | 772 | 25250 |
| 3 | भरतपुर | 311 | 288 | 451 | 375 | 288 | 341 | 375 | 343 | 394 | 346 | 277 | 263 | 306 | 283 | 11083 |
| 4 | अलवर | 183 | 160 | 183 | 249 | 189 | 219 | 255 | 236 | 281 | 247 | 208 | 240 | 209 | 241 | 7691 |
| 5 | सवाई माधोपुर | 181 | 169 | 279 | 260 | 229 | 238 | 260 | 243 | 268 | 253 | 202 | 180 | 166 | 175 | 7071 |
| 6 | बीकानेर | 138 | 96 | 106 | 107 | 118 | 128 | 136 | 124 | 138 | 124 | 111 | 91 | 84 | 91 | 4025 |
| 7 | चूरू | 113 | 99 | 115 | 102 | 97 | 147 | 145 | 123 | 108 | 115 | 79 | 72 | 63 | 99 | 3639 |
| 8 | गंगानगर | 208 | 185 | 262 | 259 | 301 | 269 | 334 | 314 | 311 | 343 | 264 | 200 | 227 | 274 | 9140 |
| 9 | सीकर | 108 | 101 | 137 | 105 | 101 | 129 | 170 | 156 | 147 | 135 | 144 | 89 | 117 | 108 | 4310 |
| 10 | झुंझुनूं | 77 | 73 | 126 | 78 | 64 | 110 | 141 | 137 | 102 | 100 | 97 | 67 | 105 | 102 | 3357 |
| 11 | जोधपुर | 206 | 209 | 203 | 228 | 247 | 266 | 269 | 281 | 249 | 260 | 234 | 196 | 192 | 197 | 7546 |
| 12 | बाड़मेर | 79 | 43 | 80 | 48 | 61 | 89 | 129 | 115 | 124 | 94 | 92 | 71 | 69 | 95 | 2907 |
| 13 | जैसलमेर | 33 | 20 | 22 | 22 | 25 | 25 | 40 | 32 | 22 | 25 | 26 | 20 | 35 | 23 | 909 |
| 14 | जालोर | 58 | 44 | 65 | 48 | 73 | 69 | 72 | 78 | 102 | 78 | 79 | 53 | 64 | 77 | 2466 |
| 15 | नागौर | 152 | 120 | 166 | 134 | 136 | 182 | 202 | 188 | 180 | 189 | 184 | 153 | 171 | 165 | 5593 |
| 16 | पाली | 122 | 113 | 121 | 120 | 132 | 152 | 137 | 175 | 193 | 180 | 160 | 129 | 110 | 170 | 4978 |
| 17 | सिरोही | 48 | 26 | 57 | 31 | 45 | 62 | 43 | 39 | 48 | 50 | 48 | 36 | 40 | 43 | 1524 |
| 18 | कोटा | 306 | 293 | 355 | 338 | 306 | 339 | 354 | 409 | 369 | 357 | 301 | 220 | 299 | 309 | 12760 |
| 19 | बूंदी | 122 | 97 | 124 | 87 | 79 | 127 | 133 | 117 | 131 | 134 | 139 | 95 | 118 | 116 | 4049 |
| 20 | झालावाड़ | 125 | 95 | 135 | 120 | 85 | 114 | 149 | 159 | 201 | 169 | 138 | 128 | 146 | 121 | 5096 |
| 21 | टोंक | 72 | 73 | 106 | 92 | 83 | 97 | 110 | 97 | 101 | 80 | 91 | 75 | 84 | 115 | 3407 |
| 22 | उदयपुर | 287 | 225 | 337 | 314 | 313 | 329 | 376 | 393 | 409 | 352 | 304 | 237 | 306 | 343 | 13166 |
| 23 | बांसवाड़ा | 66 | 71 | 84 | 79 | 127 | 101 | 127 | 93 | 102 | 95 | 87 | 74 | 75 | 91 | 3225 |
| 24 | भीलवाड़ा | 236 | 190 | 255 | 260 | 256 | 274 | 271 | 320 | 370 | 310 | 256 | 185 | 241 | 243 | 9408 |
| 25 | डूंगरपुर | 55 | 43 | 43 | 43 | 66 | 52 | 65 | 82 | 77 | 73 | 53 | 37 | 36 | 48 | 2108 |
| 26 | चित्तौड़गढ़ | 252 | 220 | 242 | 220 | 237 | 267 | 326 | 305 | 331 | 345 | 240 | 172 | 254 | 266 | 9506 |
| 27 | जी.आर.पी. | 43 | 49 | 49 | 46 | 69 | 58 | 80 | 67 | 78 | 49 | 85 | 42 | 49 | 51 | 2271 |
| | योग ... | 4497 | 3890 | 5031 | 4650 | 4623 | 5200 | 5744 | 5653 | 6006 | 5591 | 4856 | 4136 | 4482 | 4809 | 173811 |

| Name of Distt. 1980 | Feb., 1980 | March 1980 | April 1980 | May 1980 | June, 1980 |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. Ajmer | 191 | 208 | 193 | 197 | 233 |
| 2. Jaipur | 772 | 860 | 752 | 838 | 781 |
| 3. Bharatpur | 283 | 320 | 277 | 310 | 381 |
| 4. Alwar | 241 | 233 | 183 | 224 | 262 |
| 5. S. Madhopur | 175 | 230 | 202 | 202 | 237 |
| 6. Bikaner | 91 | 115 | 98 | 129 | 116 |
| 7. Churu | 99 | 66 | 85 | 92 | 119 |
| 8. Ganganagar | 274 | 269 | 267 | 247 | 299 |
| 9 Sikar | 108 | 130 | 133 | 126 | 151 |
| 10 Jhunjhunu | 102 | 85 | 100 | 92 | 102 |
| 11. Jodhpur | 197 | 205 | 167 | 215 | 240 |
| 12. Barmer | 95 | 101 | 78 | 71 | 108 |
| 13. Jaisalmer | 23 | 24 | 23 | 26 | 34 |
| 14. Jalore | 77 | 82 | 75 | 83 | 78 |
| 15 Nagour | 165 | 157 | 155 | 180 | 207 |
| 16. Pali | 170 | 197 | 194 | 165 | 184 |
| 17. Sirohi | 43 | 45 | 51 | 51 | 56 |
| 18. Kota | 309 | 370 | 327 | 290 | 353 |
| 19. Bundi | 116 | 110 | 118 | 113 | 165 |
| 20. Jhalawar | 121 | 130 | 111 | 90 | 132 |
| 21. Tonk | 115 | 108 | 54 | 93 | 92 |
| 22. Udaipur | 343 | 322 | 346 | 333 | 401 |
| 23. Banswara | 91 | 84 | 85 | 70 | 119 |
| 24. Bhilwara | 243 | 254 | 239 | 202 | 242 |
| 25. Dungarpur | 48 | 59 | 55 | 59 | 80 |
| 26 Chittorgarh | 266 | 267 | 228 | 251 | 295 |
| 27. GRP | 51 | 53 | 62 | 73 | 78 |
| Total | 4809 | 5084 | 4658 | 4822 | 5545 |

(164)



माह जून 1977 से फरवरी 1980 तक पंजीबद्ध हुए अभियोगों में सफलता प्रतिशत प्रोफार्मा
पैरा नं० 4 (चार)

| क्र.सं. | जिला | जून 1977 से फरवरी 80 तक पंजीबद्ध हुए अपराधों की संख्या | सफलता प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | अजमेर | 7726 | 66.76 |
| 2 | जयपुर | 25250 | 50.16 |
| 3 | भरतपुर | 11083 | 69.18 |
| 4 | अलवर | 7691 | 67.15 |
| 5 | सवाई माधोपुर | 7071 | 68.64 |
| 6 | बीकानेर | 4025 | 77.08 |
| 7 | चुरू | 3639 | 82.53 |
| 8 | गंगानगर | 9140 | 83.52 |
| 9 | सीकर | 4310 | 64.42 |
| 10 | झुन्झनू | 3357 | 70.63 |
| 11 | जोधपुर | 7546 | 68.96 |
| 12 | बाड़मेर | 2907 | 90.40 |
| 13 | जैसलमेर | 909 | 83.97 |
| 14 | जालोर | 2466 | 89.22 |
| 15 | नागोर | 5593 | 81.99 |
| 16 | पाली | 4978 | 79.06 |
| 17 | सिरोही | 1524 | 80.56 |
| 18 | कोटा | 12760 | 68.24 |
| 19 | बून्दी | 4049 | 76.71 |
| 20 | झालावाड़ | 5096 | 76.22 |
| 21 | टोंक | 3407 | 69.88 |
| 22 | उदयपुर | 13166 | 76.97 |
| 23 | बांसवाड़ा | 3225 | 76.36 |
| 24 | भीलवाड़ा | 9408 | 73.87 |
| 25 | डूंगरपुर | 2108 | 81.20 |
| 26 | चित्तौड़गढ़ | 9506 | 74.66 |
| 27 | जी. आर. पी. | 2271 | 32.00 |
| | योग | 173811 | 69.85 |

परिशिष्ट -- 8

(अतारांकित प्रश्न संख्या 4 की सूची)

(प्रभावित होने वाले गांव)

1- पाटी कोल खीगपुरा

2- घरजापुरा

3- ठीकेरिया

4- हींगी

5- डिगया

6- कलयान

7- खेडाला

8- चालसा

9- मुरलीधर

10- भालपुर

11- पाचाली

12- उदमपुर

13- सुलतानपुरा

14- खेडा पहाड़पुर

15- सिकराय

---

## परिशिष्ट — 9

(अतारांकित प्रश्न संख्या 14 की सूची)

**जिला अलवर में दिनांक 1६ फरवरी, 1980 से जून, 1980 तक घटित कत्ल, आत्म हत्या, डकेतियां चोरी के अपराधों की सूची**

| क्र. सं. अपराध | पंजीबद्ध अपराधों की संख्या | अभियोग जिनमें मुलजिमान पकड़े गये | मुलजिमानों की संख्या जो पकड़े गये |
|---|---|---|---|
| 1— 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1— हत्या | 8 | 7 | 32 |
| 2— आत्म हत्या | 2 | 1 | 1 |
| 3— चोरी | 250 | 00 | 80 |
| 4— नकबजनी | 94 | 20 | 15 |
| 5— डकैती | 6 | 1 | 1 |

## परिशिष्ट 10
(अतारांकित प्रश्न संख्या 10 की सूची)
विभागों के माध्यम से स्वीकृत कार्यों की तहसीलवार एवं कार्यवार सूची

| नाम अभिकरण | तहसील का नाम | कार्य का नाम | कार्य शुरू होने का दिनांक |
|---|---|---|---|
| सार्वजनिक निर्माण विभाग | 1 सांगानेर | सड़क कलवाड़ा से बगरु बाबा सिरानी, अजयपुरा | 21-5-80 |
| ,, | 2 लालसोट | सड़क रामगढ़ से तूंगा | 14-5-80 |
| ,, | 3 लालसोट | सड़क मंडावरी से बगड़ी | 14-5-80 |
| ,, | 4 दौसा | सड़क रानोली से गोया | मजदूर काम पर नहीं आने से चालू नहीं हुआ। |
| ,, | 5 विराटनगर | एप्रोच रोड किशनगढ़ | 2-4-80 |
| ,, | 6 विराटनगर | सड़क मनोहरपुरा से | 21-5-80 यह कार्य 5-6-80 से मजदूर काम पर न आने से बंद है |
| ,, | 7 कोटपूतली | एप्रोच रोड दांतिल | मजदूर काम पर नहीं आने से शुरु नहीं हुआ। |
| ,, | 8 जमवा रामगढ़ | एप्रोच रोड डांगरवाड़ा से माधो | 29-3-80 |
| ,, | 9 जमवा रामगढ़ | एप्रोच रोड मंडावा | 13-5-80 |
| ,, | 10 जमवा रामगढ़ | जमवा रामगढ़ से एप्रोच रोड | 21-5-80 |
| ,, | 11 सांभर | एप्रोच रोड बधाल इटावा | 24-3-80 |
| ,, | 12 सांभर | एप्रोच रोड भादवा बाया भैसलाना | 25-3-80 |
| ,, | 13 दूदू | सड़क रूपनगढ़ नेरवा बिचून | 16-4-80 |
| ,, | 14 दूदू | सड़क महला से भाग | 4-5-30 |
| ,, | 15 फागी | सड़क नीमेड़ा से पालड़ी | 12-5-80 |
| सिंचाई विभाग सांगानेर | 1 तह. सांगानेर | नोवटा बांध | 23-1-80 |
| ,, | 2 कोटपुतली | नांगल पण्डितपुरा | 2-2-80 |
| ,, | 3 कोटपूतली | दांतल इरिगेशन प्रोजेक्ट | कार्य शुरू नहीं हुआ। |
| ,, | 4 विराटनगर | छीतोलेबधि | 23-3-80 |
| ,, | 5 दूदू | गंगासागर बांध | 23-1-80 |
| ,, | 6 जमवा रामगढ़ | रामगढ़ नहर की मरम्मत | 23-1-80 |
| ,, | 7 जमवा रामगढ़ | माता सूला बांध | कार्य शुरू नहीं हुआ। |
| ,, | 8 आमेर | गुनावला बांध | ड्राप कर दिया गया। |
| ,, | 9 दौसा | चांदराना बांध | कार्य शुरू नहीं हुआ। |
| ,, | 10 फागी | मोकड़ा वास | जून, 1980 |

## परिशिष्ट "ब"

### पंचायत समितिवार चालू कार्यों की सूची

| क्र.सं. | नाम पंचायत समिति | चालू कार्यों का विवरण | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | शाला भवन | औषधालय | पंचायतघर | तालाब | पेयजल कूप | सड़कें | अन्य | योग |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 1 | शाहपुरा | 20 | — | 14 | 0 | 6 | — | 6 | 46 |
| 2 | सिकराय | 10 | — | 1 | 2 | 3 | 1 | 4 | 25 |
| 3 | सांभर | — | — | — | — | 3 | 1 | 2 | 6 |
| 4 | बांदीकुई | 19 | 1 | 5 | — | 11 | — | 22 | 58 |
| 5 | दौसा | 5 | — | — | 4 | — | 4 | 4 | 17 |
| 6 | बस्सी | 14 | 1 | 5 | 50 | 13 | 20 | 19 | 122 |
| 7 | कोटखावड़ा | 13 | 2 | 2 | — | 4 | — | — | 21 |
| 8 | फागी | 7 | 2 | 1 | 2 | 4 | 1 | — | 17 |
| 9 | गोविन्दगढ़ | 7 | 2 | 3 | — | 3 | 2 | 5 | 22 |
| 10 | जमवा रामगढ़ | 65 | 8 | 17 | 7 | 35 | 20 | 35 | 187 |
| 11 | चाकसू | 54 | 3 | 17 | 1 | 9 | — | 1 | 85 |
| 12 | विराटनगर | 3 | 1 | 6 | 2 | 13 | 3 | 7 | 33 |
| 13 | दूदू | 14 | -- | 3 | 5 | 8 | 2 | 6 | 38 |
| 14 | आमेर | 24 | 2 | 21 | 3 | 19 | 3 | 15 | 87 |
| 15 | लालसोट | 8 | 1 | 1 | 4 | 1 | 5 | 2 | 22 |
| 16 | कोटपूतली | 10 | -- | 9 | — | 7 | 1 | 7 | 34 |
| 17 | सांगानेर | 21 | 2 | 6 | 1 | 11 | 2 | 11 | 54 |
| | योग— | 294 | 25 | 111 | 81 | 155 | 64 | 146 | 876 |

पंचायत समिति सिकराय के अकाल राहत कार्यों की सूचना माह जून, 1980

परिशिष्ट "ख"

| क. सं. | पंचायत समिति का नाम | शाला भवन | पंचायत घर | पेयजल कूप | जल सा.वि. | तलाई निर्माण | भवन | एनीकट | कच्ची सड़क | रिपट निर्माण | औष-धालय | दुकाना निर्माण | धर्म शाला | योग कार्य | कार्यों पर लगे श्रमिक | श्रमिक द्वारा अर्जित |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 |
| 1 | राणोली | – | – | 1 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 1 | 10 | 100 |
| 2 | कतनवान | – | – | 2 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 2 | 21 | 350 |
| 3 | गेला गदवाड़ी | – | – | – | – | 1 | – | – | – | – | – | – | – | 1 | 40 | 363 |
| 4 | कुण्डेरा डूंगा | – | – | 1 | – | 1 | – | – | – | – | – | – | – | 1 | 20 | 275 |
| 5 | पीपल को | 1 | – | 1 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 2 | 14 | 195 |
| 6 | ठोकरिया | – | 1 | 1 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 2 | 8 | 89½ |
| 7 | नामनेर | – | – | – | 1 | – | – | – | – | – | – | – | – | 2 | 19 | 227 |
| 8 | सिकराय | 1 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 1 | 3 | 140 |
| 9 | दुब्बनो | – | – | 2 | 1 | – | 1 | – | – | – | – | – | – | 2 | 14 | 230 |
| 10 | कालाखो | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 2 | 20 | 300 |
| 11 | केलाई | 1 | – | – | 1 | – | – | – | – | – | – | – | – | 2 | 22 | 415 |
| 12 | गागदवाड़ | 1 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 1 | 6 | 100 |
| 13 | मीचिंगपुरा | 1 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 2 | 5 | 75 |
| 14 | गुमानपुरा | 2 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 1 | 10 | 250 |
| 15 | भोजगढ़ | 1 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 2 | 4 | 200 |
| 16 | मण्डराबा | 1 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 1 | 6 | 250 |
| 17 | फर्रासपुरा | 1 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 1 | 6 | 150 |
| | योग— | 10 | 1 | 8 | 3 | 2 | 1 | – | – | – | – | – | – | 25 | 228 | 3750½ |